THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 36 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.5 2080 मंगलवार, 25 अप्रैल 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'कांग्रेस ने गांधी के विचारों को अनसुना किया'

छिंदवाड़ा में मोदी ने कहा जिन लोगों पर आपने भरोसा किया, वे विकास को लेकर उदासीन रहे

✲ सरकारें गांवों पर पैसा खर्च करने से बचती थीं
✲ आजादी के बाद सरकारों ने पंचायती राज व्यवस्था को ध्वस्त किया
✲ भाजपा ने देश की करोड़ों दीदी को लखपति दीदी बनाया
✲ इस रविवार 'मन की बात' की सेंचुरी है

रीवा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर पंचायतों से भेदभाव का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, पूज्य बापू कहते थे कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है, लेकिन कांग्रेस ने गांधी के विचारों को अनसुना किया। 90 के दशक में पंचायती राज के नाम पर खानापूर्ति की। गांव के लोगों को बांटकर राजनीतिक दलों ने अपनी दुकानें चलाईं।

प्रधानमंत्री आज रीवा में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर आयोजित पंचायती राज सम्मेलन में शामिल हुए। वे यहां 31 मिनट बोले। मोदी ने यहां से 2300 करोड़ के रेल प्रोजेक्ट्स और 7853 करोड़ रुपये की 5 नल-जल योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। तीन ट्रेनों को वर्चुअली हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा, मैं कई बार सोचता हूं कि छिंदवाड़ा के जिन लोगों पर आपने लंबे समय तक भरोसा किया, वे आपके विकास को लेकर, इस क्षेत्र के विकास को लेकर इतने उदासीन क्यों रहे। इसका जवाब कुछ राजनीतिक दलों की सोच में है। आजादी के बाद जिस दल ने सबसे ज्यादा सरकार चलाई, उसने ही गांवों का भरोसा तोड़ दिया। कांग्रेस शासन के दौरान गांवों को निचले पायदान पर रखा गया। गांवों के साथ इस तरह का सौतेला व्यवहार कर देश आगे नहीं बढ़ सकता। पहले की सरकारों ने गांवों के साथ बड़ा अन्याय किया। गांवों पर पैसा खर्च करने से बचती थीं। गांव अपने आप में कोई वोट बैंक तो था ही नहीं, इसीलिए उन्हें नजरअंदाज किया जाता था। हमारी सरकार ने गांवों के विकास के लिए तिजोरी खोल दी। 2014 के बाद से देश ने पंचायतों के सशक्तिकरण का बीड़ा उठाया। 2014 से पहले पंचायतों के लिए वित्त आयोग का अनुदान 70 हजार करोड़ से भी कम था। 2014 के बाद यह अनुदान 70 हजार से बढ़कर 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया। 2014 से पहले के 10 साल में केंद्र सरकार की मदद से 6 हजार के आसपास पंचायत भवन बनवाए गए थे। हमारी सरकार ने 8 साल के अंदर 30 हजार से ज्यादा नए भवन बनवा दिए हैं।

पहले गांवों तक पहुंचने वाला पैसा बीच में लुट जाता था :

हमारे गांव के लोगों का पहले देश के बैंकों पर अधिकार नहीं माना जाता था। भुला दिया गया था। लोगों के पास न बैंक खाते होते थे, न सुविधा मिलती थी। सरकार जो पैसा गांव के लोगों के लिए भेजती थी, वो भी बीच में ही लुट जाता था। हमारी सरकार ने इसे भी पूरी तरह बदल दिया। हमने जन-धन योजना चलाई। गांव के 40 करोड़ से ज्यादा लोगों के बैंक खाते खुलवाए। पोस्ट ऑफिस का उपयोग कर गांवों तक बैंक की पहुंच बनाई। आज इसका प्रभाव देश के हर गांव में नजर आ रहा है। सीधा पैसा लोगों के खाते में जा रहा है। पहले की सरकार ने ग्राम पंचायतों तक ऑप्टिकल फाइबर पहुंचाने की योजना शुरू की थी, लेकिन देश की 70 से भी कम ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा गया। वो भी शहर के बाहर नजदीकी पंचायतों में। आजादी के बाद की सरकारों ने भारत के पंचायती राज व्यवस्था को ध्वस्त किया। आजादी के बाद इस व्यवस्था पर भरोसा नहीं किया। यह हमारी सरकार है, जो देश की 2 लाख से ज्यादा पंचायतों तक ऑप्टिकल फाइबर को ले गई है। फर्क साफ है। >14

राज्यपालों को विधेयकों पर फैसला लेने में देरी नहीं करनी चाहिए

> *तेलंगाना सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट*

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। तेलंगाना सरकार बनाम राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने इस दौरान राज्यपालों को लेकर बड़ी टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने कहा, राज्यपालों को विधेयकों पर फैसला लेने में देरी नहीं करनी चाहिए। उन पर बैठे रहने की बजाए जितनी जल्दी हो सके, फैसला लेना चाहिए। संविधान के अनुच्छेद 200 (1) का उल्लेख और 'जितनी जल्दी हो सके' शब्द का एक महत्वपूर्ण संवैधानिक उद्देश्य है। इसे संवैधानिक पदाधिकारियों द्वारा ध्यान में रखा जाना चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने तेलंगाना सरकार द्वारा दायर याचिका का निपटारा करते हुए ये कहा कि याचिका में राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन को विधानसभा द्वारा पारित 10 विधेयकों को मंजूरी देने का निर्देश देने की मांग की गई थी। राज्यपाल के लिए एसजी (सॉलिसिटर जनरल) तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अब कोई भी बिल पेंडिंग नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने एसजी मेहता द्वारा आदेश में ऐसी किसी भी टिप्पणी का जोरदार विरोध करने के बावजूद इसे आदेश का हिस्सा बनाया। गौरतलब है कि ऐसा ही मामला पंजाब में भी आया था, जब राज्यपाल ने पंजाब मंत्रिमंडल के सदन की बैठक बुलाने के आग्रह को मंजूरी नहीं थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले ये मंजूरी दे दी गई थी। इसी तरह दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच भी इसी तरह की तकरार देखने को मिलती हैं।

हमने मुस्लिम आरक्षण खत्म किया : शाह

बेंगलुरू, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के मैसूर में रोड शो के दौरान शाह ने कहा, कांग्रेस आज भी तुष्टीकरण की राजनीति करती है। कांग्रेस सरकार ने जो 4 प्रतिशत मुस्लिम रिजर्वेशन किया था, भाजपा ने वह खत्म कर दिया है। इससे पहले शाह ने श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर में पूजा की। वह रविवार से तीन दिन के कर्नाटक दौरे पर हैं। वह रविवार रात बेंगलुरू पहुंचे थे।

पूजा के बाद वह हेलीकॉप्टर से मैसूर से चामराजनगर जिले के गुंडलुपे पहुंचे। उन्होंने रोड में कहा कि भाजपा ने कर्नाटक में लिंगायत ओबीसी, एससी/एसटी को बचाने का काम किया है। कांग्रेस अध्यक्ष कहते है कि हम अगर सत्ता में आएंगे तो मुस्लिम आरक्षण फिर से लाएंगे। कांग्रेस अपनी तुष्टीकरण की राजनीति के लिए मोदी जी के विकास की राजनीति का सहारा ले रही है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा दोपहर को एक विशेष विमान से बेंगलुरू आएं और यहां से वह एक हेलीकॉप्टर से चिक्कबल्लापुर जिले के शिद्लघट्ट गये। नड्डा भी सोमवार से कर्नाटक के तीन दिन के दौरे पर हैं। वह चिक्काबल्लापुर जिले के सिडलघट्टा में एक रोड शो में भाग लिया। वह उत्तर कन्नड़ जिले के सिरसी में एक मंदिर भी गये और कई जनसभाओं को संबोधित किया। नड्डा शिद्लघट्ट में दोपहर ढाई बजे से साढ़े तीन बजे तक एक घंटे के लिए रोड शो किया।

पुलिस कर्मियों से मारपीट के आरोप में शर्मिला गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। तेलंगाना पुलिस ने सोमवार को वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की चीफ वाईएस शर्मिला को हिरासत में ले लिया। वाईएस शर्मिला आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी की बेटी हैं। उनके भाई वाईएस जगन मोहन रेड्डी अभी आंध्र प्रदेश के सीएम हैं।

दरअसल, शर्मिला टीएसपीएससी क्वेश्चन पेपर लीक केस के सिलसिले में एसआईटी दफ्तर जा रही थीं। पुलिस उनके घर पहुंचकर उन्हें हिरासत में लेना चाहती थी। पुलिस ने उनकी गाड़ी को गेट पर ही रोकने की कोशिश की। इस दौरान एक अफसर और कुछ कॉन्स्टेबल शर्मिला की गाड़ी के सामने खड़े हो गए। शर्मिला ने अपने ड्राइवर को गाड़ी बढ़ाने को कहा। रोकने के बावजूद ड्राइवर गाड़ी बढ़ाने लगा।

इसके बाद नाराज पुलिस अधिकारी ने ड्राइवर को गाड़ी से खींचकर बाहर निकाला। इस पर शर्मिला भड़क गईं और अपनी सीट से उतरकर बाहर आईं और पुलिस अधिकारी से भिड़ गईं। दोनों के बीच पहले बहस हुई और इसके बाद शर्मिला ने पुलिस अफसर को थप्पड़ मार दिया। अफसर के आदेश पर लेडिज कॉन्स्टेबल ने शर्मिला को हिरासत में ले लिया। इस घटना के 2 वीडियो सामने आए हैं।

एक वीडियो में शर्मिला अपनी गाड़ी की फ्रंट सीट पर बैठी नजर दिख रही हैं और महिला पुलिसकर्मी गाड़ी को रोकने की कोशिश कर रही हैं। इस दौरान शर्मिला अपने ड्राइवर को गाड़ी चलाने का इशारा करती नजर आ रही हैं। दूसरे वीडियो में शर्मिला गाड़ी से उतर चुकी हैं। >14

जजों को लंबित मामलों पर चैनलों को इंटरव्यू देने का अधिकार नहीं : सीजेआई

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ ने सोमवार को कहा कि न्यायाधीशों को उनके समक्ष लंबित मामलों पर समाचार चैनलों को साक्षात्कार देने का अधिकार नहीं है। प्रधान न्यायाधीश और न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा ने तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी के संबंध में एक समाचार चैनल को कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय के साक्षात्कार पर कड़ी आपत्ति जताई। अभिषेक से संबंधित एक मामले की सुनवाई न्यायाधीश द्वारा की जा रही है।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, न्यायाधीशों के पास टेलीविजन या किसी भी चैनल को उन मामलों पर साक्षात्कार देने का कोई अधिकार नहीं है, जो उनके पास लंबित हैं। न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने पूछा, वे साक्षात्कार कैसे दे सकते हैं। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एस.वी. राजू ने कहा कि यह बहुत बड़ा घोटाला है। पीठ ने स्पष्ट किया कि वह घोटाले की जांच को नहीं छू रही है और अदालत ऐसा कोई आदेश पारित नहीं करेगी जो मामले की उचित जांच को रोके। मुख्य न्यायाधीश ने राजू से कहा, सवाल यह है कि क्या एक न्यायाधीश साक्षात्कार दे रहा है और इस तरह के एक राजनीतिक व्यक्तित्व के बारे में खुद को अभिव्यक्त कर रहा है। मुख्य न्यायाधीश को मामले को किसी और को सौंप देना चाहिए। हमने आपको पहले ही बता दिया है कि हम इसके बारे में चिंतित क्यों हैं। शीर्ष अदालत सीबीआई और ईडी द्वारा उनसे पूछताछ के उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ बनर्जी की अपील पर सुनवाई कर रही थी।

बंगाल के बीरभूम में साधु का शव मिला

बीरभूम, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। बंगाल के बीरभूम में एक साधु का शव पेड़ से लटका मिला है। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया कि यह हत्या है और इसे अतीक अहमद की हत्या का बदला लेने के लिए अंजाम दिया गया है। ये चरमपंथी संगठन का काम है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, रविवार को बीरभूम में काली मंदिर के बगल में पेड़ पर एक अघोरी की बॉडी मिली थी। साधु का नाम भुवन बाबा है। इस घटना के बाद सुवेंदु अधिकारी ने रविवार को ईस्ट मिदनापुर के नंदीग्राम में एक सभा के दौरान कहा, सनातन का एक साधु मारा गया। यह डॉन अतीक अहमद की हत्या का बदला है। तृणमूल कांग्रेस एक परंपरा चला रही है, जिसका नाम है हैंगिंग बंगाल। ये लोगों को लटकाकर मारते हैं और ऐसा ही कुछ इस साधु के साथ भी हुआ। सुवेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि चरमपंथी संगठन जमात-उल-विदा ने साधु की हत्या की है।

आज गठबंधन, कल का पता नहीं : पवार

कहा-हमारी इच्छा साथ काम करने की है, लेकिन केवल इच्छा काफी नहीं होती

मुंबई, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में एनसीपी के रुख से उद्धव ठाकरे की शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस की महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन पर संकट दिख रहा है। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने अमरावती में कहा कि आज हम एमवीए का हिस्सा हैं और काम करने की इच्छा रखते हैं। लेकिन केवल इच्छा ही हमेशा पर्याप्त नहीं होती है। सीटों के बंटवारे, कोई समस्या है या नहीं इन सब पर अभी चर्चा नहीं हुई है। ऐसे में आज महाराष्ट्र में अघाड़ी है लेकिन कल का पता नहीं है।

भाजपा बोली, अघाड़ी कहां तक जाएगी इसे लेकर नेताओं के साथ जनता में भ्रम :

महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि शरद पवार ने जो कुछ कहा है, वह महा विकास अघाड़ी (एमवीए) पर उनकी निजी राय है। पवार साहब को जल्द ही पता चल जाएगा कि जिन लोगों को उनके ही लोगों ने छोड़ दिया है क्या वे वास्तव में एमवीए का नेतृत्व कर सकते हैं। महा विकास अघाड़ी कहां तक जाएगी, इसे लेकर उसके नेताओं के साथ-साथ जनता में भी भ्रम है। शरद पवार के बयान के बाद शिवसेना के उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने कहा है कि अघाड़ी रहेगी और 2024 में हम साथ चुनाव लड़ेंगे। राउत ने कहा कि पवार साहब के सीटों के बंटवारे वाले बयान को लेकर बात की जा रही है। महा विकास अघाड़ी के प्रमुख नेता उद्धव ठाकरे और शरद पवार हैं। 2024 का विधानसभा चुनाव महाविकास अघाड़ी के साथ लड़ेंगे। उसमें शरद पवार की भूमिका पहले भी थी, आज भी है और आगे भी रहेगी। हाल ही में भाजपा में जाने की अटकलों के लिए चर्चित रहे एनसीपी नेता और शरद पवार के भतीजे अजित पवार ने शुक्रवार को कहा था कि 2024 ही क्यों, अब भी मैं सीएम बनने की ख्वाहिश रखता हूं। दरअसल, पवार से मीडिया ने सवाल किया था कि क्या वह 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बड़े पद का लक्ष्य रख रहे हैं।

पवार ने कहा था कि हम धर्मनिरपेक्षता और प्रगतिशील होने के बारे में बात करते थे, लेकिन 2019 में कांग्रेस और एनसीपी ने सरकार बनाने के लिए शिवसेना के साथ गठबंधन किया। इसलिए हम धर्मनिरपेक्षता से अलग हो गए क्योंकि शिवसेना एक हिंदुत्व पार्टी रही है।

पटना हाईकोर्ट से मोदी सरनेम मामले में राहुल को राहत

एमपी-एमएलए कोर्ट में नहीं होना होगा पेश, वकील की दलील-सूरत कोर्ट सजा दे चुकी है

पटना, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। राहुल गांधी को पटना हाईकोर्ट से राहत मिली है। हाईकोर्ट ने एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रही न्यायिक प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। निचली कोर्ट में पेश होने से छूट मिल गई है। 15 मई तक कोर्ट ने ये रोक लगाई है। मामले में अगली सुनवाई 16 मई को होगी। बता दें कि मोदी सरनेम वाले केस में एमपी-एमएलए कोर्ट में कल (25 अप्रैल को) पेश होना था। राहुल गांधी के वकील अंशुल वर्मा ने बताया कि हमने हाईकोर्ट से कहा कि सूरत कोर्ट ने इसी मामले में उन्हें सजा सुनाई है। अब पटना के एमपी-एमएलए कोर्ट में केस चलाने से क्या मतलब है। हाईकोर्ट ने 15 मई तक निचली अदालत की प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। अब 25 अप्रैल को उन्हें एमपी-एमएलए कोर्ट में उपस्थित नहीं होना होगा। सुशील मोदी के वकील एसडी संजय ने कहा कि राहुल गांधी की ओर से सूरत कोर्ट से सजा का तर्क दिया गया। हाईकोर्ट से अपील की गई कि एक जैसे 2 केस में सजा नहीं हो सकती है। कोर्ट ने हमसे जवाब मांगा है। हम 16 मई को कोर्ट में अपना जवाब पेश करेंगे। झारखंड हाईकोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ इसी तरह का मुकदमा चल रहा था। जिसे हाईकोर्ट ने खारिज किया था, लेकिन वो सूरत कोर्ट का फैसला आने से पहले का मामला था।

इस्लामिक स्कॉलर तारेक फतेह का निधन

टोरंटो, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तानी मूल के इस्लामिक स्कॉलर तारेक फतेह का सोमवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। 73 साल के फतेह सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर थे। उन्हें अक्सर टीवी डिबेट्स में देखा जाता था। तारेक फतेह जिहाद के सख्त विरोधी थे। उन्होंने हमेशा कहा कि दूसरों की जान लेना जिहाद नहीं है। फतेह हमेशा पाकिस्तान की सरकार और फौज के विरोधी रहे। वो खुद को हिंदुस्तानी कहते थे।

फतेह का जन्म 20 नवंबर 1949 को पाकिस्तान के कराची शहर में हुआ। 1960 और 70 के दौर में वो वामपंथी विचारधारा से प्रेरित रहे। उस दौरान पाकिस्तान में फौजी हुकूमत थी। फतेह को दो बार जेल भी जाना पड़ा। 1977 में जनरल जिया उल हक ने उन पर मुल्क से गद्दारी का आरोप लगाया और इसके साथ ही अखबारों में कॉलम लिखने पर भी रोक लगा दी। इसके बाद 1987 में उन्होंने कनाडा शिफ्ट होने का फैसला किया। वो पॉलिटिकल एक्टिविस्ट होने के साथ ही टीवी होस्ट और लेखक थे। उनकी किताब 'चेसिंग ए मिराज: द ट्रैजिक इल्यूजन ऑफ एन इस्लामिक स्टेट' बेस्ट सेलर साबित हुई। इसके अलावा, 'द ज्यू इज नॉट माय एनिमी' भी काफी लोकप्रिय रही।

फतेह कहते थे- मैं पंजाब का शेर, हिंदुस्तान का बेटा, कनाडा का प्रेमी, सच्चाई का पैरोकार और नाइंसाफी के खिलाफ लड़ने वाला शख्स हूं। फतेह की बेटी नताशा ने पिता के निधन की जानकारी सोशल मीडिया पर दी। नताशा ने सोशल मीडिया पर भी पिता के उन्हीं शब्दों को दोहराया जो वो अपने बारे में अक्सर कहा करते थे। तारेक फतेह ने कई मौकों पर भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी का खुलकर समर्थन किया। एक पाकिस्तानी टीवी चैनल को 2021 में दिए इंटरव्यू में तारेक ने कहा था, मोदी ने बिना एक गोली चलाए पाकिस्तान को भुखमरी की कगार पर ला दिया।

99 प्रतिशत लोग सेम सेक्स मैरिज की मान्यता के खिलाफ

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि सेम सेक्स मैरिज के मुद्दे को विधायी प्रक्रिया (संसद) पर छोड़ दिया जाए। बीसीआई के मुताबिक देश में 99 प्रतिशत से ज्यादा लोग सेम सेक्स मैरिज को मान्यता देने के विरोध में हैं। ज्यादातर लोगों का मानना है कि याचिकाकर्ताओं के पक्ष में कोर्ट का कोई भी फैसला देश की संस्कृति और सामाजिक, धार्मिक ढांचे के खिलाफ माना जाएगा।

बीसीआई ने कहा कि यह मामला बहुत नाजुक है। साथ ही काउंसिल ने प्रस्ताव पारित कर कहा कि सेम सेक्स मैरिज के मुद्दे पर कोई लापरवाही न दिखाए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट हाल में संवैधानिक सिद्धांतों के आधार पर सेम सेक्स कपल की शादी को मान्यता देने की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। इसी को लेकर बीसीआई ने 23 अप्रैल को सभी स्टेट बार काउंसिल के साथ एक संयुक्त बैठक की, जिसमें सेम सेक्स मैरिज के नुकसान पर चर्चा की गई।

चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच ऑस्ट्रेलिया ने जारी की नई रक्षा नीति

> भारत-जापान संबंधों पर दिया जोर

कैनबरा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को रक्षा सामरिक समीक्षा (डीएसआर) का सार्वजनिक संस्करण जारी किया है। इसमें भारत और जापान सहित क्षेत्र में अपने सहयोगियों व प्रमुख शक्तियों के साथ मजबूत संबंधों को बनाने पर जोर दिया गया है। समीक्षा में चीन की बढ़ती आक्रामकता पर भी बात की गई है।

समीक्षा में विशेष रूप से हिंद महासागर क्षेत्र में रक्षा सहयोग कार्यक्रम को विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है, जो ऑस्ट्रेलिया के लिए महत्वपूर्ण है। बता दें, द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से ऑस्ट्रेलिया भविष्य में ऐसे युद्ध से अपनी रक्षा करने के लिए हथियारों के घरेलू उत्पादन और कूटनीति को प्राथमिकता देने की योजना बना रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने चीन के साथ जुड़ने के प्रस्ताव को भी स्वीकार कर लिया है। समीक्षा में कहा गया है कि ऑस्ट्रेलिया जितना सहयोग कर सकता है उतना चीन के साथ रखेगा। साथ ही कहा गया कि अगर दोनों देश एक-दूसरे से सहमत नहीं होते हैं किसी मुद्दे पर तो बुद्धिमानी से हल निकाला जाएगा। साथ ही जहां सख्ती की जरूरत पड़ेगी वहां यह भी दिखाई जाएगी।

हालांकि, रक्षा सामरिक समीक्षा में चीन के सैन्य निर्माण और उसके रणनीतिक इरादों पर बढ़ती चिंताओं पर भी प्रकाश डाला गया है। कहा गया है कि द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद से चीन का सैन्य निर्माण दुनिया के सभी देशों से बड़ा और सबसे महत्वाकांक्षी है। उसने हथियार के क्षेत्र में सबसे ज्यादा उपलब्धि प्राप्त कर ली है। ऐसे में हथियारों के घरेलू उत्पादन पर ध्यान देने की जरूरत है।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस ने कहा कि हमने यह सुनिश्चित करने के लिए समीक्षा शुरू की है कि ऑस्ट्रेलिया अधिक सुरक्षित रहे। हमारा यह कदम दर्शाता है कि हम ऑस्ट्रेलियाई लोगों को सुरक्षित रखने के लिए कितने दृढ़ हैं।

सूडान में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी के लिए ऑपरेशन कावेरी शुरू : जयशंकर

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। सूडान में सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच पिछले कई दिनों से जारी संघर्ष रुकने का नाम नहीं ले रहा है। दो बलों की हिंसक झड़प में अब तक 400 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। वहीं, 3000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इस बीच भारत समेत कई देशों ने हिंसाग्रस्त देश से अपने नागरिकों को निकालना शुरू कर दिया है। भारत सूडान से अपने नागरिकों को निकालने के लिए ऑपरेशन कावेरी चला रहा है।

इस बीच जानकारी मिली है कि फ्रांसीसी वायु सेना की उड़ान के जरिए पांच भारतीय नागरिकों को सूडान से बाहर निकाला गया है। फ्रांस के राजनयिक सूत्र ने इसके बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि तीन उड़ानों के जरिए करीबन 500 लोगों को जिबूती में फ्रांस के सैन्य अड्डे पर लाया गया है। इन लोगों में भारतीय के साथ ही 28 से अधिक अन्य राष्ट्रीयताओं के लोग शामिल हैं।

विदेश मंत्री ने दी जानकारी :

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी सूडान से भारतीयों की निकासी के लिए चलाए जा रहे अभियान के बारे में ट्वीट किया है। उन्होंने अपने ट्वीट में बताया कि सूडान में फंसे हमारे नागरिकों को वापस लाने के लिए ऑपरेशन कावेरी चल रहा है। लगभग 500 भारतीय पोर्ट सूडान पहुंच गए हैं जबकि अन्य रास्ते में हैं। हमारे जहाज और विमान उन्हें वापस घर लाने के लिए तैयार हैं। हम सूडान में अपने सभी भाइयों की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। देश में हिंसा, तनाव और असुरक्षित हवाईअड्डों के कारण विदेशी नागरिकों को निकालना मुश्किल हो रहा है। इस बीच अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज राजधानी खार्तूम में मुख्य अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नियंत्रण करने की कोशिश कर रहा है। फंसे हुए विदेशी नागरिकों में लगभग 3,000 भारतीय हैं। वहीं, केरल के 48 वर्षीय अल्बर्ट ऑगस्टाइन की गोली लगने से मौत हो चुकी है।

वहां फंसे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर भारत पूरे मामले पर करीबी नजर रखे हुए है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि सूडान में भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं। मंत्रालय, सूडान में भारतीय दूतावास संयुक्त राष्ट्र, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र और अमेरिका के संपर्क में है। इसने जानकारी दी कि वायुसेना के दो सी-130जे विमानों को जेद्दा में तैयार रहने को कहा गया है, जबकि आईएनएस सुमेधा पोर्ट सूडान पहुंच गया है।

पुरी-गंगासागर दिव्य काशी यात्रा के लिए 28 से चलेगी भारत गौरव ट्रेन

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। देखो अपना देश के तहत अब पुणे से पुरी-गंगासागर दिव्य काशी की यात्रा की जा सकेगी। इस यात्रा के लिए भारत गौरव ट्रेन की शुरुआत 28 अप्रैल से होगी। तीर्थ यात्रा में पुरी, कोलकाता, गया, वाराणसी और प्रयागराज के महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों को शामिल किया गया है।

पर्यटक, जगन्नाथ पुरी, कोणार्क मंदिर, पुरी स्थित लिंगराज मंदिर, कोलकाता में काली बाड़ी और गंगा सागर, गया में विष्णुपद मंदिर, वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर, गंगा घाट और प्रयागराज में त्रिवेणी संगम देख सकेंगे। पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए रेलवे थीम आधारित ट्रेन चला रहा है। आईआरसीटीसी ने भारत गौरव ट्रेन को चलाने का निर्णय लिया है। सात स्लीपर श्रेणी कोच, थ्री एसी, थ्री टियर और फर्स्ट एसी, टू टियर कोच से इस ट्रेन को लैस किया गया है, ताकि सभी वर्ग के लोग यात्रा का लुत्फ उठा सकें। रेलवे ने तीन श्रेणियों में इकॉनमी, कंफर्ट और डीलक्स टूर पैकेज की पेशकश की है।

एनडीआरआई करनाल का दीक्षांत समारोह

हरियाणा की पहचान दूध-दही, तभी प्रदेश खेलों में नंबर वन डेयरी इंडस्ट्री में आगे आएं नौजवान : राष्ट्रपति मुर्मू

करनाल, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज हरियाणा के करनाल जिले में एनडीआरआई के दीक्षांत समारोह में शिरकत की। इस समारोह में राष्ट्रपति ने सर्वश्रेष्ठ 6 विद्यार्थियों को दिए स्वर्ण पदक बांटे और समारोह में बुलाने के लिए आभार जताया। उनका हेलिकॉप्टर एनडीआरआई करनाल में ही लैंड हुआ था, जहां से वे सीधा समारोह स्थल पर पहुंचीं।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल, राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, केंद्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तौमर सहित अन्य केंद्रिय मंत्रियों ने राष्ट्रपति का स्वागत किया। कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि हरियाणा की पहचान दूध-दही के खाने से रही है और इसी वजह से हरियाणा खेलों में भी नंबर वन है।

हमारे धार्मिक ग्रंथों में भी दूध को अमृत के समान बताया गया

राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने संबोधन में एनडीआरआई की टीम को बधाई दी और कहा कि दूध से बने खाद्य पदार्थ हमारी संस्कृति का हिस्सा रहे हैं। मां के दूध के साथ गाय का दूध स्वास्थ्य वर्धक माना गया। दूध अमृत के समान है। दूध को पवित्र माना जाता है। इसलिए दूध से देवताओं का अभिषेक किया जाता है।

आज भी हरियाणा में पतिव्रता महिलाओं को बुजुर्ग दूधो नहाओ और पूतो फलो का आशीर्वाद देते हैं। भारतीय परंपराओं में पशुओं को सौभाग्य का प्रतीक माना गया है। हमारे धार्मिक ग्रंथों में पशुओं खासतौर पर गाय की महत्ता पर जोर दिया गया है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि देश और प्रदेश में हरियाणा की पहचान दूध-दही के खाने से रही है और इसी वजह से हरियाणा खेलों में भी नंबर वन है।

भारत दुनिया का सबसे ज्यादा दूध उत्पादक देश

राष्ट्रपति ने अपने संबोधन ने कहा कि डेयरी उद्योग खाद्य सुरक्षा में बड़ा योगदान दे रहा है। भारत दुनिया का सबसे ज्यादा दूध उत्पादन कर रहा है। दूध उत्पादन में 22 प्रतिशत हिस्सा है। डेयरी का भारतीय GDP में 5 प्रतिशत योगदान है। उन्होंने कहा कि हरियाणा का दुग्ध उत्पादन 1127 ग्राम प्रति व्यक्ति है। इसे और बढ़ाने के लिए संस्थान प्रयासरत है। राष्ट्रपति ने कहा कि आज डेयरियों में 70 प्रतिशत भागीदारी महिलाओं की है। आज डिग्री लेने वालों में भी एक तिहाई लड़कियां, गोल्ड मेडल लेने वालों में 50 प्रतिशत लड़कियां हैं। महिलाओं को निर्णय लेने और नेतृत्व के लिए भी समान अधिकार व समान अवसर मिलना चाहिए। इसके लिए महिलाओं को अधिक अवसर उपलब्ध कराए जाने चाहिएं। महिलाओं को डेयरी उद्योग के लिए आसान कर्ज और बाजार की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में काम करना चाहिए।

राष्ट्रपति ने चिंता भी व्यक्त की

राष्ट्रपति मुर्मू ने चिंता व्यक्त की कि इस वक्त तापमान में जो बदलाव आ रहे हैं, चारे की समस्या है, इससे निपटने की दिशा में काम करना होगा। क्योंकि यह बहुत बड़ा चैलेंज है। डेयरी से ग्रीन हाउस के खतरों को कम किया जा सकता है।

उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वह हर वक्त नया सीखने के लिए लगे रहें। आप डेयरी में उद्यमी बनें। डेयरी में उद्योग की बहुत संभावना हैं। इस दिशा में सरकार भी काम कर रही है।

रोचक खबरें

चोरी के डर से किसान ने 51 लाख की बेची वर्ल्ड रिकॉर्ड भैंस

वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाली भैंस सरस्वती को 51 लाख मे बेच दिया. किसान सुखबीर को इस बात का डर था की कही उनकी भैंस ना चोरी हो जाये. इसलिए उसे बेच दिया. और यही सही उपाय था ये भैंस उस टाइम सुर्खियों मे आई जब सरस्वती ने 33.131किलोग्राम दूध देकर रिकॉर्ड बनाया था सरस्वती भैंस ने 32.050 किलोग्राम दुध देने वाली पाकिस्तानी भैंस को हराया. इसके बाद या पहले चरण मे आ गए थी.

यह ही नही विजेता भैंस के मालिक को भी 2 लाख का इनाम दिया. सरस्वती के बारे मे बताया जा रहा है की किसान सुखबीर ने 4 साल पहले बरवाला के खोखा गांव से खरीदा था. सरस्वती ने कई बच्चों को जन्म भी दिया. किसान भैंस के दुध और सीमन को बेचकर 1 लाख से ज़्यादा कमा लेते थे. इस प्रकार सरस्वती वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने वाली पहली भैंस है. इसलिये इसे बेचने के लिए समारोह का आयोजन किया कई जगह से किसानो को बुलाया गया समारोह मे यूपी, राजस्थान, और पंजाब से 700 किसान आये.

फिर सरस्वती पर सबसे ज़्यादा बोली लगाने वाले पवित्र सिंह जो लुधियाना से है 51 लाख मे खरीदा. किसान ने मीडिआ को बताया की उसकी भैंस सरस्वती ने 29.31 किलो दुध देकर हिसार मे प्रथम पुरुस्कार जीता 28.7 किलो दुध देकर सरस्वती प्रथम आई. सुखबीर ने बताया की मेरी भैंस सरस्वती ने 29.31 किलो दूध देकर हिसार मे प्रथम पुरुस्कार जीता . हिसार मे होने वाले सेन्ट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ बफ़ेलो रिसर्च के कार्यक्रम मे 28.7किलो दूध देकर प्रथम आयी .

ये है दुनिया का सबसे महंगा कबूतर, जिसकी कीमत जानकर आप भी दंग रह जायेंगे

दुनिया में वैसे तो बहुत से प्रकार के जीव जंतु पाए जाते हैं जो काफी खूबसूरत होते हैं कुछ जीव जंतु और पक्षी घर में पालने के लायक होते हैं और इनमें से कुछ इतने खूबसूरत होते हैं जिसे हम देखते ही रह जाते हैं कुछ पक्षी सामान्य रूप से घरों में पाले जाते हैं जैसे कि तोता, कबूतर इत्यादि यह पक्षी काफी खूबसूरत होते हैं आज हम आपको एक ऐसे कबूतर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे दुनिया का सबसे महंगा कबूतर होने का खिताब हासिल है जिसकी कीमत को सुनकर आप भी अपने दांतों तले उंगलियां दबा लेंगे तो चलिए जानते हैं।

दुनिया का सबसे महंगा कबूतर

बेल्जियम नस्ल के इस कबूतर का नाम गोल्ड है हाल ही में एक चीनी कारोबारी ने इस कबूतर को दो करोड़ की चौका देने वाली कीमत से खरीदा है आप सोच रहे होंगे कि इस कबूतर में क्या कुछ खास है जो इसको इतना महंगा बनाती है इस कबूतर का नाम गोल्ड है गोल्ड के नए मालिक इसका इस्तेमाल अन्य कबूतर की प्रजनन में करेंगे। इस कबूतर के मालिक को कबूतर पालने का काफी शौक है और वे इस कबूतर का इस्तेमाल प्रजनन में करेंगे क्योकि इस कबूतर की खास बात यह है कि एक कंपटीशन में इसने सबसे अव्वल नंबर पर अपने आप को रखा था। यह काफी तेज रफ्तार से उड़ता है अगर हम कहें कि यह कबूतर दुनिया में सब कबूतरों से तेज उड़ता है तो यह कहना गलत नहीं होगा।

दुनिया का सबसे आलिशान ब्रिज, जिसे देख कर आप भी दंग रह जायेंगे

दुनिया में कई ऐसी खूबसूरत चीजें हैं जिन्हें देखकर आपको विश्वास नहीं होगा कि नकली है या असली इस पोस्ट में हम आपको बताने वाले हैं दुनिया की सबसे खूबसूरत ब्रिज के बारे में जिन्हें देखकर आपको भी एक बार इस ब्रिज को देखने का मन करेगा तो आइए जानते हैं। वियतनाम गोल्डन ब्रिज – दोस्तों अगर आप का कभी वियतनाम जाना हो तो यहां का इस अंदाज़ पुल को एक दफा जरूर देखिएगा। हाल ही में बने इस पुल को जून 2018 के दौरान आम लोगों के देखने के लिए खोला गया और तब से ही यहां दुनिया भर से आने वाले लोगों का ताता लगा हुआ है। 500 फीट लंबे और समुद्री तल से 3200 फीट ऊंचे इस पुल को देखकर ऐसा लगता है मानो किसी विशालकाय इंसान ने इसे अपने हाथों में उठाया हुआ है इसे बनाने वाली कंपनी के कुछ कर्मचारियों की माने तो यह संरचना बनाते वक्त उन्होंने सोचा था कि इसे देखकर इंसान को ईश्वर की शक्ति का अनुभव होगा।

मोसेस ब्रिज – नीदरलैंड की इस पुल की खासियत आज तक आपने जितने भी पुल देखे होंगे उनसे बिल्कुल अलग है मोसेस ब्रिज को इस तरह बनाया गया है मानो या समुद्र को बीच से काट कर अलग कर रहा हो पानी के ऊपर होने की वजह बजाए यह पुल हर दम पानी की सतह के बराबर रहता है और इसमें लगी इंजीनियरिंग कमाल तो देखिए पानी का लेवल बढ़ने पर भी यह पानी के अंदर नहीं डूबता।

ग्लास ब्रिज :- अब भला ऐसा कैसे हो सकता है कि दुनिया की शानदार पुलों की बात चल रही हो और चाइना के इस कांच से बने पुल की बात ना हो। 2017 में पब्लिक को देखने के लिए खोला गया चाइना का यह पुल दुनिया का सबसे बड़ा ग्लास ब्रिज है यह ब्रिक चाइना की हवाई प्रांत के हांगयां क्षेत्र में स्थित है जिसकी लंबाई 1600 फीट और ऊंचाई 715 फीट है हो सकता है की आपको इसकी लंबाई और ऊंचाई के सुनकर डर ना लगे लेकिन इसको पर खड़े होने के बाद आपका डरना स्वाभाविक है।

अमृतपाल पर केंद्रीय एजेंसियों का शिकंजा

› *डिब्रूगढ़ जेल में होगी पूछताछ, एनआईए और आरएडब्ल्यू खंगालेगी आईएसआई व बब्बर खालसा से लिंक; विदेशी फंडिंग की भी जांच की जाएगी*

अमृतसर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के खालिस्तान समर्थक वारिस पंजाब दे के चीफ अमृतपाल की गिरफ्तारी के बाद केंद्रीय एजेंसियां एक्टिव हो गई हैं। अमृतपाल के पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई से कनेक्शन, विदेशी फंडिंग व बब्बर खालसा जैसे आतंकी संगठनों से लिंक खंगालने शुरू कर दिए गए हैं। इसके लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी, रिसर्च एंड एनालिसिस विंग समेत दूसरी केंद्रीय एजेंसियां उससे पूछताछ करने पहुंच रही हैं।

बता दें कि अमृतपाल को 36 दिन की फरारी के बाद पंजाब पुलिस ने कल मोगा के गांव रोडे से गिरफ्तार किया था। यह जरनैल सिंह भिंडरांवाला का गांव है। अमृतपाल की गिरफ्तारी नेशनल सिक्योरिटी एक्ट के तहत हुई। गिरफ्तारी के बाद उसे असम की डिब्रूगढ़ जेल भेज दिया गया। वहां उसके 9 साथी पहले से बंद हैं।

आईएसआई के स्लीपर सेल्स व एजेंटों के बारे में पूछताछ

पुलिस ने जांच में दावा किया था कि अमृतपाल सिंह को ट्रेंड करने के लिए आईएसआई ने 2 आतंकी संगठनों को आगे किया था। जिसमें एक सिख फॉर जस्टिस का आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू है और दूसरा बब्बर खालसा इंटरनेशनल का मेंबर अवतार सिंह खंडा का नाम सामने आ चुका है। एनआईए और आरएडब्ल्यू दोनों एजेंसियां अमृतपाल सिंह से पाकिस्तानी आतंकी संगठनों के पंजाब में स्लीपर सेल्स और एजेंटों के बारे में जानकारियां हासिल करना चाहती है।

मर्सिडीज कार व ड्रग रैकेट पर भी होंगे सवाल

अमृतपाल सिंह की मर्सिडीज कार सबसे अधिक चर्चा में है। पंजाब पुलिस की जांच में सामने आया था कि मर्सिडीज कार ड्रग तस्करों की तरफ से गिफ्ट की गई थी। जांच में सामने आया कि पूर्व जत्थेदार जसबीर सिंह रोडे के बेटे पाकिस्तान में छिपे आतंकी लखबीर सिंह रोडे के भाई जसवंत सिंह रोडे के साथ ब्रिटेन में मुख्य हैंडलर अवतार सिंह खंडा और परमजीत सिंह पम्मा के साथ अमृतपाल सिंह संपर्क में था। जिसके बाद केंद्र व राज्य की खूफिया एजेंसियां अमृतपाल सिंह से पंजाब में चल रहे ड्रग्स रैकेट के बारे में भी पूछताछ करना चाहती हैं। अमृतपाल सिंह व उसके साथियों से जब्त किए अवैध हथियारों के बारे में भी पंजाब पुलिस अमृतपाल सिंह से पूछताछ करना चाहती है।

बीबीएमपी अधिकारी गंगाधरैया के घर पर लोकायुक्त का छापा

एसपी बोले-कैश-जेवर सहित अन्य सामान बरामद

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के एक अधिकारी के आवास पर लोकायुक्त ने छापा मारा है। आय से अधिक संपत्ति के मामले में लोकायुक्त ने कार्रवाई की है। बीबीएमपी अफसर एडीटीपी गंगाधरैया के घर पर की गई रेड के दौरान टीम को भारी मात्रा में कैश और जेवर बरामद हुए हैं। बेंगलुरु से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित येलहंका में गंगाधरैया का आवास है, जहां लोकायुक्त टीम कार्रवाई कर रही है। लोकायुक्त एसपी ने बताया कि आय से अधिक संपत्ति के मामले में बीबीएमपी अधिकारी गंगाधरैया के घर पर छापा मारा गया है। कई डॉक्यूमेंट्स के साथ-साथ नगदी, जेवरात सहित अन्य सामान बरामद किए गए हैं।

अमित शाह ने मांगी भाजपा की जीत की दुआ

आयकर विभाग की कांग्रेस नेता के घर छापेमारी

बैंगलूरू, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक चुनाव को लेकर जहां पार्टी के नेता पूजा-पाठ और चुनावी रणनीति में लगे हैं, वहीं आईटी विभाग बड़ी संख्या में छापेमारी कर रही है। सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चामुंडेश्वरी देवी मंदिर में पूजा की।

वहीं आयकर विभाग ने पूर्व कांग्रेस मंत्री गंगाधर गौड़ा के 2 आवासीय परिसरों और दक्षिण कन्नड़ के बेलथांगडी में एक शैक्षणिक संस्थान पर छापा मारा है। बता दें, अमित शाह रविवार से शुरू हुए तीन दिवसीय कर्नाटक दौरे पर हैं। बाद में वह हासन में रोड शो करेंगे। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव से पहले एकमात्र दक्षिणी राज्य जहां भारतीय जनता पार्टी सत्ता में है, अपने सभी प्रयासों को लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव अभियान में लगा रही है। इस बीच, गृह मंत्री ने कर्नाटक के मैसूरु में श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर में पूजा की। बाद में उन्होंने चामराजनगर जिले के गुंडलूपेट में रोड शो किया। बताया जा रहा है बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा आज से कर्नाटक के तीन दिवसीय दौरे पर जाएंगे। वह चिक्काबल्लापुर जिले के सिडलघट्टा में एक रोड शो में भाग लेंगे। वह उत्तर कन्नड़ जिले के सिरसी में एक मंदिर भी जाएंगे और कई जनसभाओं को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 29 अप्रैल को राज्य के दौरे से पार्टी के मेगा चुनाव अभियान को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

श्रमिकों को डीटीसी बस का फ्री पास देगी दिल्ली सरकार

मजदूरों के बच्चों को मिलेगी फ्री कोचिंग

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को श्रम विभाग के साथ बैठक की और अधिकारियों को शहर के मजदूरों के लिए घर और छात्रावास की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। केजरीवाल ने विभाग को आदेश दिए कि सरकारी सुविधाओं एवं योजनाओं को दिल्ली में पंजीकृत सभी 13 लाख श्रमिकों तक पहुंचाने के लिए काम हो।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने ट्वीट कर बताया कि दिल्ली सरकार सभी श्रमिकों को बसों में फ्री सफर के लिए सालाना डीटीसी पास देगी। श्रमिकों के रहने के लिए घरों एवं हॉस्टल की व्यवस्था की जाएगी। सभी श्रमिकों के बच्चों के लिए फ्री कोचिंग की व्यवस्था होगी। दिल्ली सरकार ने बताया कि सभी श्रमिकों को टूलकिट दिए जाएंगे एवं बड़े स्तर पर उनके लिए स्किल डेवेलेपमेंट प्रोग्राम चलाए जाएंगे। सभी श्रमिकों को ईएसआई स्कीम एवं ग्रुप इंश्योरेंस दिया जाएगा।

हिमस्खलन और बर्फबारी की चेतावनी के बीच एसडीआरएफ को अलर्ट रहने के निर्देश

देहरादून, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। अगले कुछ दिनों में हिमस्खलन और बर्फबारी की चेतावनी के चलते डीजीपी अशोक कुमार ने पुलिस को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं। एसडीआरएफ और इमरजेंसी सेवाओं को सतर्क रखते हुए पुलिस को अन्य विभागों से समन्वय स्थापित करने को कहा गया है। इस संबंध में डीजीपी ने आईजी गढ़वाल और जिला पुलिस कप्तानों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग भी की।

डीजीपी अशोक कुमार ने बताया कि केदारनाथ धाम में अगले छह से सात दिन तक बर्फबारी की संभावना जताई गई है। इसके लिए रुद्रप्रयाग पुलिस को जिला प्रशासन व संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। बर्फबारी के संबंध में सोशल मीडिया, न्यूज चैनलों, समाचार पत्रों से प्रचार-प्रसार कराने को कहा गया है। कहा गया है कि उन्हें सलाह दी जाए कि मौसम साफ होने पर ही यात्रा शुरू करें। वहीं, डिफेंस जियो इन्फॉर्मेटिक्स एंड रिसर्च एस्टेबलिशमेंट (डीजीआरई) चंडीगढ़ ने उत्तरकाशी, चमोली और रुद्रप्रयाग में हिमस्खलन की चेतावनी जारी की है।

बंदर के डर से घर की तीसरी मंजिल से गिरी युवती, आईजीएमसी में मौत

शिमला, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के टुटू के पास ढांडा में बंदरों के हमले के डर से 20 वर्षीय युवती की घर की तीसरी मंजिल से गिरकर दर्दनाक मौत हो गई। हादसा सोमवार दोपहर के समय हुआ। जानकारी के अुनसार युवती अपने घर की तीसरी मंजिल पर कुछ काम कर रही थी। अचानक वहां बंदर आ गए। बंदरों के हमले के डर से युवती नीचे गिर गई। इसके बाद युवती को उपचार के लिए आईजीएमसी ले जाया गया, जहां चिकित्सों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक युवती की पहचान हिमांशी पुत्री अशोक शर्माके रूप में हुई है। मृतक युवती के पिता की ढांडा में दुकान है। इस हादसे से क्षेत्र में शोक की लहर है। शिमला शहर में बंदरों के आतंक से लोग परेशानी हो चुके हैं।

बीजेपी नेता कुलदीप पर 2 गुटों में बंटा बिश्नोई समाज

जांभोलाव धाम ने संरक्षक पद से हटाया, बिश्नोई महासभा समर्थन में उतरी

हिसार, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व सांसद, भाजपा नेता और अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के संरक्षक कुलदीप बिश्नोई को लेकर बिश्नोई समाज दो गुटों में बंट गया है। बिश्नोई समाज पंच-पंचायत जांभोलाव धाम जाम्बा जिला जोधपुर ने 23 अप्रैल को पत्र जारी करके उन्हें अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के संरक्षक पद और बिश्नोई रत्न से मुक्त करने की घोषणा कर दी है।

साथ ही जांभोलाव धाम की आथुणी जागा के श्रीमहंत शिवदास शास्त्री को अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के कार्यवाहक संरक्षक पद पर नियुक्त किया गया है। वहीं अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के वरिष्ठ उप प्रधान सुभाष देडू ने कहा कि ये तथाकथित लोग हैं। समाज विरोधी लोग हैं और समाज को कमजोर करना चाहते हैं। वे उस महासभा के सदस्य नहीं है। कुलदीप बिश्नोई को बिश्नोई रत्न महासभा की ओर से दिया गया है। महासभा से सरंक्षक को हटाने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत होती है। ये दावे फर्जी है और समाज को कमजोर करने की साजिश है।

समाज को शर्मसार किया

मांगा था स्पष्टीकरण

इससे पहले राजस्थान में बिश्नोई समाज के धार्मिक स्थल मुकाम में मुकाम पीठाधीश्वर रामानंद तथा महासभा कार्यकारिणी ने कुलदीप बिश्नोई को सरंक्षक पद पर ही बने रहने का फैसला दिया था। बता दें कि कुलदीप बिश्नोई के बेटे चैतन्य बिश्नोई की सगाई दूसरे समाज में करने पर जांभोलाव पंच-पंचायत ने उनसे स्पष्टीकरण मांगा था। कुलदीप बिश्नोई के छोटे बेटे चैतन्य बिश्नोई ने पंजाबी समाज की सृष्टि अरोड़ा से सगाई की थी। जिसकी तस्वीर उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर डाली, जिसके बाद समाज में इसको लेकर विवाद शुरू हो गया।

23 अप्रैल को जारी किया पत्र

बिश्नोई समाज पंच-पंचायत जांभोलाव धाम, जाम्बा ने जारी पत्र में लिखा कहा कि कुलदीप बिश्नोई अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के संरक्षक पद पर हैं। बिश्नोई रत्न सम्मान से भी सम्मानित हैं, उनके द्वारा कुछ समय से समाज विरोधी आचरण से बिश्नोई समाज की रीति-रिवाजों, मान्य परंपराओं व मर्यादाओं को तोड़कर समाज की भावनाओं को आहत एवं शर्मसार करने के लिए अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के संरक्षक पद एवं बिश्नोई रत्न के सम्मान से मुक्त किया जाता है।

सप्ताह में जवाब देने के लिए कहा गया था। मगर, 7 अप्रैल 2023 तक कोई जवाब नहीं दिया गया। इस संबंध में 7 अप्रैल 2023 को बिश्नोई समाज के संतों व प्रबुद्ध नागरिकों की बैठक उक्त प्रकरण के निर्णय के लिए रखी गई थी, कुछ प्रबुद्ध नागरिकों द्वारा निवदेन किया गया कि कुलदीप बिश्नोई को एक और अवसर प्रदान किया जाए। दोबारा 2 सप्ताह का समय दिया जाए। इसके बाद विचार-विमर्श कर निर्णय लिया गया कि कुलदीप बिश्नोई को 22 अप्रैल 2023 तक अपना जवाब पेश करने का अवसर दिया जाए।

22 अप्रैल को जांभोलाव धाम की पंच-पंचायत ने निर्णय लिया है कि कुलदीप बिश्नोई की मर्यादाओं एवं परंपराओं को तोड़कर समाज की भावनाओं को आहत एवं शर्मसार करने के लिए अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के संरक्षक पद एवं बिश्नोई रत्न के सम्मान से मुक्त किया जाता है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 25 अप्रैल, 2023 3

सुविचार

यदि आपका लक्ष्य सही है तो असफलतायें, आपको रोकने की बजाए आपको आगे बढ़ने का साहस देंगी!

शर्मिला को अपनी पदयात्रा रोकने की जरूरत नहीं : वाईएस विजयम्मा

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरटीपी के संस्थापक-अध्यक्ष वाईएस शर्मिला की मां वाईएस विजयम्मा ने आज कहा कि उनकी बेटी को पदयात्रा रोकने की कोई जरूरत नहीं है।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि शर्मिला को राज्य सरकार द्वारा रोका जा रहा है क्योंकि वह उनसे पूछताछ कर रही हैं। यह स्पष्ट करते हुए कि शर्मिला आतंकवादी नहीं हैं। उन्होंने राज्य सरकार से पूछा कि क्या वे उनकी विफलताओं पर सवाल उठाने के लिए उन्हें गिरफ्तार करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि शर्मिला को उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह शहर में एसआईटी कार्यालय जा रही थीं। उन्होंने कहा कि शर्मिला के आवास को हर समय पुलिस ने घेर रखा है। उसने कहा कि पुलिस उसे अपनी बेटी की गिरफ्तारी के कारणों का पता लगाने के लिए एक स्थानीय पुलिस स्टेशन जाने के लिए कह रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार अपनी विफलताओं पर सवाल उठाने के लिए आवाज दबा रही है। विजयम्मा की टिप्पणी जुबली हिल्स पुलिस द्वारा शर्मिला को पुलिस अधिकारियों के साथ मारपीट करने के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के बाद आई है। पुलिस उसे जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन ले गई और आईपीसी की धारा 330 और 353 के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया। विजयम्मा अपनी बेटी को देखने थाने पहुंची। हालांकि, पुलिस ने उन्हें थाने में प्रवेश करने से रोक दिया। इससे वह नाराज हो गई।

नमो वंदे गोमाताराम ने गोवा के मुख्यमंत्री से गोरक्षा की अपील की

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित संगठन 'नमो वंदे गोमाताराम' ने गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत, राज्य में गौ रक्षा की दिशा में कदम उठाने की अपील की। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पेरिका सुरेश ने सीएम सावंत को एक ज्ञापन दिया और गाय की प्रतिमा भी भेंट की। प्रस्तुति के दौरान सुरेश ने गायों को सुरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जो भारतीय संस्कृति और विरासत का एक अभिन्न अंग हैं। उन्होंने अनुरोध किया कि उनकी रक्षा की पहल गोवा से शुरू होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने सुझाव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। नमो वंदे गोमातारम का उद्देश्य पूरे भारत में गायों की रक्षा करना है, और इस कार्यक्रम के तहत, वे सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से गोहत्या पर प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने के लिए कहने की योजना बना रहे हैं। इस कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय सचिव, मुन्नांगी रमना रेड्डी, उपाध्यक्ष कट्टा रवि चारी, तेलंगाना सचिव थोटा किरण और अन्य सदस्यों ने भाग लिया।

बंडी संजय ने पार्टी कार्यकर्ताओं व युवाओं से की बेरोजगार मार्च में भाग लेने की अपील

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज पार्टी कार्यकर्ताओं और युवाओं से उनके द्वारा पलामुरु जिले में निकाले जा रहे बेरोजगार मार्च में बड़ी संख्या में हिस्सा लेने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सनसनीखेज टीएसपीएससी प्रश्न पत्र लीक मामले पर राज्य के मुख्यमंत्री की प्रतिक्रिया तक राज्य सरकार के खिलाफ उनकी लड़ाई जारी रहेगी क्योंकि यह राज्य के 30 लाख बेरोजगार युवाओं के भविष्य से जुड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि वे अपनी लड़ाई तब तक जारी रखेंगे जब तक कि राज्य के आईटी मंत्री केटीआर के खिलाफ कार्रवाई शुरू नहीं की जाती और सभी बेरोजगारों को मुआवजे के रूप में 1 लाख रुपये का भुगतान नहीं किया जाता, जो विभिन्न टीएसपीएससी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे। उन्होंने पलामुरु जिले के सभी मतदान केंद्र प्रभारियों के साथ टेली-कॉन्फ्रेंस करते हुए ये बातें कहीं। इस अवसर पर बोलते हुए, संजय ने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पिछले आठ वर्षों से राज्य के बेरोजगारों का गला काट रही है। यह कहते हुए कि राज्य में कुल 1.81 लाख रिक्तियां हैं, उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व में सभी रिक्त पदों को भरने का वादा करने वाले सीएम अब अपने वादे से मुकर गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सभी राज्य सरकार ने 21 नौकरी अधिसूचनाएं जारी कीं, उनमें से कोई भी ठीक से आयोजित नहीं की गई। उन्होंने दावा किया कि पेपर लीक मामले में सीएम केसीआर के परिवार के सदस्यों पर आरोप लगाए जा रहे हैं, उन्होंने कहा कि यह शर्मनाक है कि सीएम ने अब तक इस मुद्दे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम उन्हें कैबिनेट से निकालने के बजाय मामले में उनके बेटे को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार मामले की जांच के लिए सिटिंग जज नियुक्त करने के बजाय एसआईटी द्वारा जांच के नाम पर टाइम पास कर रही है और कहा कि एसआईटी जांच के नाम पर वास्तविक आरोपियों को बचाने के सभी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि एसआईटी द्वारा पूर्व में की गई सभी जांचों में कुछ नहीं हुआ।

करीमनगर के चोपादंडी में बेमौसम बरसात से नष्ट फसलों का निरीक्षण करते प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार व अन्य।

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-टेंडर नोटिस नं. : सी-एसजी-पीटी-एलटीइ-02, दि.21-04-2023

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य सिग्नल एवं दूर संचार अभियंता/प्राजेक्ट/टेलि./सिकंदराबाद, दक्षिण मध्य रेलवे, भू तल, माइक्रोवेव बिल्डिंग, सिकंदराबाद-500025 द्वारा विवरित कार्यों के लिए निम्न निर्धारित प्रारूप में खुली ई-निविदा आमंत्रित है।

निविदा सं. तथा कार्य: सी-एसजी-पीटी-एलटीइ-02, दि. 21-04-2023, कार्य विवरण: इरिसेट पर एलटीइ टेस्ट बेड, वीओआयपी आधारित कंट्रोल कम्युनिकेशन सिस्टम लैब, पीए सिस्टम लैब की स्थापना, आडियो तथा वीडियो सिस्टम्स का अद्यतन या अपग्रेडेशन करना, इरिसेट पर ट्रांसमिशन लैब तथा ट्रेन ट्राफिक कंट्रोल लैब का सुधार कार्य। निविदा का अनुमानित मूल्यः रु. 5,56,62,382.40, बोली सुरक्षा जमा राशिःरु.4,28,300/-, स्वीकृति पत्र की जारी की तिथि से कार्य पूरा करने की अवधिः 06 महिने, निविदा की प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः 15-05-2023 के सु.11.00 बजे तक, निविदा खुलने की तिथि व समयः 15-05-2023, सु.11.00 बजे के बाद, आफर की वैधताः निविदा बंद करने की तिथि से 60 दिन, निविदा पुस्तिका का मूल्यः रु. शून्य ।

तत्संबंधित निविदा के विवरण को, कृपया इंडियन रेलवे की वेबसाइटः www.ireps.gov.in से प्राप्त करें। जो निविदादाता वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर आमंत्रित निविदा में भाग लेना चाहते हों, उन्हें तत्संबंधित वेबसाइट पर अनिवार्य तौर पर रजिस्टर करना होगा। अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट देखें।

उप मुख्य सिग्नल एवं दूर संचार अभियंता(परियोजनाएं/टेलि.), सिकंदराबाद

PUB/0420

टेंडर नं. : जीटीएल-इएम-01-2023-24, दि.20-04-2023

PUB/0421

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता/रखरखाव/गुंटकल व्दारा निम्न विवरित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. जीटीएल-इएम-01-2023-24, गुंतकल डिवीजन- साफ्ट अपग्रेड्स के लिए बिजली व्यवस्था/ मंत्रालयम रोड, अदोनी, गूटी जंक्शन, ताडीपत्री, राजमपेटा श्रीकालहस्ती व धोने जंक्शन पर सुधार कार्य-बिजली व्यवस्था ।

अनुमानित मूल्यः रु. 5,49,35,754/-

बंद करने की तिथि व समय 15-05-2023 के 15.00 बजे

निविदा की बोली अथवा बिड्डिंग आन द टेंडर तथा अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। निविदा का शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाईन पर ही जारी किया जायेगा। निविदादाताओं व्दारा, निविदा दस्तावेज को, निःशुल्क रुप में http://www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

टिप्पणीः इस ई-निविदा/बोली में भाग लेने के लिए, निविदादाता के पास वैध डीएससी (डिजिटल सिग्निचर सर्टीफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता, रखारखाव, गुंतकल

ई-टेंडर नोटिस नं. :01/2023-24, दि.19-04-2023

PUB/0422

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता(रखरखाव), गुंटूर व्दारा आयआरइपीएस पोर्टलःwww.ireps.gov.in के माध्यम से निम्न ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 01. निविदा शीर्षकः गुंटूर डिवीजनः गुंटूर डिवीजन के रेलवे स्टेशनों पर 11 पैसेंजर लिफ्ट्स की व्यवस्था का प्रावधान (I) नरसारावपेट, नडीकुडे पर (प्रत्येक 02 लिफ्ट्स) व्यवस्था,(II) सत्तेनपल्ली, मिर्यालगुडा पर प्रत्येक 02 लिफ्ट्स की व्यवस्था एवं (III) नलगोंडा पर 01 लिफ्ट की व्यवस्था एवं मार्कापूर रोड पर 02 लिफ्ट्स की व्यवस्था।

निविदा संदर्भ सं. जीएनटी/इ.01/2023-24, दि. 19/04/2023, अनुमानित मूल्य रुपये मेः 36,43,71.22, पूर्व धरोहर राशि रुपये मेः 72,900/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य(अप्रतिदेय) रु. शून्य

ई-बोलियों की आनलाईन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः 12-05-2023 के 10.30 बजे तक

इससे संबंधित अधिक जानकारी/शुध्दिपत्र को केवल ई-पोर्टलःwww.ireps.gov.in पर ही प्रकाशित किया जायेगा।

वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता, रखरखाव, गुंटूर

A0588

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in' या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

नौकरानी बनकर चोरी करने वाली दो महिलाएं गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 अप्रैल (एनएसएस)। सिटी की एसआर नगर पुलिस, पश्चिम क्षेत्र ने डकैती के दो आरोपियों महादेवी राजेश कलाल उर्फ सुनीता और पूजा सुरेश सकट के रूप में गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 120 तोले सोने के गहने बरामद किए। पुलिस ने कहा कि 4 अप्रैल को उन्हें शांति बाग लेन के बी राम नारायण, एस.आर. नागर ने कहा कि एक महिला 2 अप्रैल को नौकरानी के रूप में उनके घर आई थी। उन्होंने कहा कि 3 अप्रैल को जब वे किसी काम से घर से बाहर थे, तो नौकरानी ने उनके माता-पिता की आंखों में मिर्च पाउडर फेंक दिया और उनके घर में डकैती की और भाग गई। पुलिस हरकत में आई, पांच टीमों का गठन किया और मामले का पता लगाने के लिए काम करना शुरू कर दिया।

उन्होंने नामपल्ली और सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन तक लगभग 200 सीसीटीवी कैमरों की जांच की। सुराग मिलने पर पुलिस ने पूजा सुरेश सकट सहित महादेवी को सनत नगर बस स्टॉप के पास से दबोच लिया और उनसे पूछताछ की। यह पता चला कि आरोपी आदतन अपराधी हैं और इससे पहले उन्होंने मुंबई और बैंगलोर में इसी तरह के दो अपराध किए थे।

पूछताछ के दौरान महिलाओं ने कबूल किया कि मार्च 2023 के अंतिम सप्ताह में, वे अपराध करने की योजना के साथ हैदराबाद आई थीं। दोनों ने अमीर घरों में नौकरानियों के रूप में शामिल होने के लिए खोज शुरू की और नामपल्ली और बेगमपेट इलाकों में राहगीरों से संपर्क किया। 2 अप्रैल को महादेवी राजेश कलाल परिवादी के घर में नौकरानी के रूप में शामिल हुई और उस दिन काम किया। अगले दिन 3 अप्रैल को सुबह परिवादी अपनी पत्नी के साथ किसी काम से बाहर गया। उनके जाने के बाद आरोपी ने शिकायतकर्ता के वृद्ध माता-पिता की आंखों में मिर्च पाउडर फेंक दिया और घर से लगभग 150 तोला सोना लूट कर भाग गई। बाद में, उसने एक ऑटो किराए पर लिया और नामपल्ली सिकंदराबाद गई और एक ट्रेन में सवार हुई। पुलिस ने सुराग लगाकर आरोपी को सनत नगर के पास से पकड़ लिया और चोरी के सोने के आभूषण बरामद कर लिए। पुलिस ने कहा कि जब आरोपी शिकायतकर्ता के घर गई, तो उन्होंने बिना किसी सत्यापन के उसे नौकरानी के रूप में शामिल कर लिया।

नारायणगुडा इंस्पेक्टर निलंबित

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने हुक्का पार्लर सहित अवैध गतिविधियों का मुकाबला करने में कर्तव्य पर कथित लापरवाही के लिए नारायणगुडा इंस्पेक्टर श्रीनिवास रेड्डी को निलंबित करने का आदेश जारी किया।

आयुक्त ने क्षेत्राधिकार में हुक्का पार्लरों पर हाल में हुई छापेमारी के बाद जोन से टास्क फोर्स के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी द्वारा भेजी गई रिपोर्ट पर कार्रवाई की। आयुक्त ने कहा कि ऐसे मामलों में शामिल अधिकारियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सीएस ने दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद में उठाए जाने वाले मुद्दों पर चर्चा की

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने आज 5 मई को चेन्नई में होने वाली अंतर-राज्यीय परिषद/दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद में उठाए जाने वाले मुद्दों पर बीआरकेआर भवन में समीक्षा बैठक की।

एपी पुनर्गठन अधिनियम और सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, उद्योग, सिंगरेनी, पंचायत राज, श्रम और रोजगार और अन्य विभागों से संबंधित अन्य अंतर्राज्यीय मुद्दों के संबंध में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा और समीक्षा की।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि दक्षिणी अंचल परिषद की बैठक में लंबित बकाया, निकासी, 9वीं, 10वीं अनुसूची के मुद्दों पर उठाए जाने वाले मुद्दों की जानकारी प्रस्तुत करें। बैठक में विशेष मुख्य सचिव रानी कुमुदिनी, सुनील शर्मा, रजत कुमार, के रामकृष्ण राव, प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, सिंगरेनी कोलियरीज के सीएमडी श्रीधर, सचिव शेषाद्री, श्रीनिवास राजू, रघुनंदन राव, वकाती करुणा, आयुक्त बंदोबस्ती अनिल कुमार और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

केएलआईएस ने किसानों के जीवन में लाया बदलाव

कृषि उत्पादकता बढने से किसानों में खुशी की लहर

सिद्दीपेट, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कलेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) के हिस्से के रूप में जिले में बनाए गए जलाशयों ने सिद्दीपेट के किसानों के जीवन में बदलाव ला दिया है, जिसे तेलंगाना के निर्माण से पहले सूखा-प्रवण क्षेत्र के रूप में जाना जाता था।

न केवल खेती के तहत क्षेत्र में वृद्धि हुई है, बल्कि पिछले कुछ वर्षों में कृषि उत्पादकता में भी काफी वृद्धि हुई है। सिद्दीपेट जिले के किसानों ने 2016-17 यासंगी सीजन में 1.06 लाख एकड़ में धान की खेती की थी। अब, केएलआईएस के सौजन्य से, 2022-23 में 230 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए, धान का क्षेत्रफल बढ़कर 3.48 लाख एकड़ हो गया है। यासंगी धान की खेती का रकबा भी 2021-22 में 76,000 एकड़ बढ़कर अब 2.62 लाख एकड़ हो गया है। इस अवधि के दौरान प्रत्येक एकड़ से धान की फसल में भी 7 से 8 क्विंटल की वृद्धि हुई। यहां के किसानों को 2016 में यासंगी के दौरान प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान की फसल मिलती थी, जो अब बढ़कर 27 से 29 क्विंटल प्रति एकड़ हो गई है।

सिद्दीपेट जिला कृषि अधिकारी के. शिवप्रसाद ने क्षेत्र और उत्पादकता में वृद्धि के लिए केएलआईएस, रैतु बंधु, 24 घंटे बिजली आपूर्ति और सभी समूहों में कृषि विस्तार अधिकारियों की नियुक्ति को जिम्मेदार ठहराया।

बीसी अधिवक्ता महासभा 30 को

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी एडवोकेट्स फॉर सोशल जस्टिस ने 30 अप्रैल को सुंदरैया विज्ञान केंद्रम में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक महासभा आयोजित करने का फैसला किया है। अध्यक्षता नेशनल बीसी वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष व राज्यसभा सदस्य आर कृष्णा करेंगे। बैठक में हाईकोर्ट के अधिवक्ता एस. विजया प्रशांत, नगुला श्रीनिवास यादव, बट्टुला कृष्णा, रेपाकुला नागेश्वर राव, जे. वामसी कृष्णा, राघवेंद्र, सत्यनारायण, संपत कुमार व अन्य उपस्थित थे। तेलंगाना राज्य के सभी न्यायालयों में अभ्यास करने वाले बीसी अधिवक्ताओं से महासभा में भाग लेने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने मांग की कि जनसंख्या के हिसाब से उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति में पिछड़ा वर्ग/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण कोटा लागू किया जाना चाहिए और कनिष्ठ पिछड़ा वर्ग अधिवक्ताओं को 20,000 रुपये प्रति माह का वजीफा दिया जाना चाहिए। उन्होंने प्रत्येक अधिवक्ता के लिए 250 गज सरकारी जमीन और मकान के प्लांट भी मांगे।

कुख्यात चोर गिरफ्तार, भारी मात्रा में लूट का माल जब्त

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी की पुंजागुट्टा पुलिस ने आज एक कुख्यात घर चोर मोहम्मद इब्राहिम सिद्दीकी को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से 45,00,000 रुपये मूल्य के लगभग 753.419 ग्राम सोने और हीरे के गहने जब्त किए। आरोपी मोहम्मद इब्राहिम सिद्दीकी उर्फ सिद्दीक उर्फ कमल तिवारी उर्फ इब्राहिम शरीफ उर्फ इब्राहिम उम्र 61 साल हैदराबाद के अमीरपेट का रहने वाला है और वर्तमान में औरंगाबाद, महाराष्ट्र में रहता है। पुलिस को 19 अप्रैल को श्रीनगर कॉलोनी निवासी सुमित्रा पंपाना से शिकायत मिली थी। उसने कहा कि 17 और 18 अप्रैल, 2023 की रात को उसकी अनुपस्थिति में उसके घर में चोरी हो गई और उसके सोने, हीरे और चांदी के गहने चोरी हो गए। पंजागुट्टा पुलिस ने चार टीमें गठित कर जांच शुरू की। पुलिस टीमों ने अपराध स्थल से लगभग सात किमी दूर कुकटपल्ली तक लगभग 100 सीसीटीवी कैमरों को देखा और सुराग प्राप्त किया और आरोपी को अमीरपेट में पकड़ा और उससे पूछताछ की। आरोपी ने खुलासा किया कि वह हैदराबाद, साइबराबाद कमिश्नरेट और अन्य जगहों पर 96 मामलों में शामिल था। इससे पहले, उन्हें एसआर नगर थाने (हड) द्वारा दो बार पीडी एक्ट के तहत हिरासत में लिया गया था और 8 अक्टूबर, 2022 को उन्हें चेरलापल्ली केंद्रीय कारागार से रिहा कर दिया गया था। बाद में वे औरंगाबाद चले गए और वहीं बस गए। उसने यह भी कबूल किया कि इस साल फरवरी में, वह हैदराबाद लौट आया और एसआर नगर पुलिस थाने के तहत एक घर में चोरी की और लगभग 3.5 तोला सोना और दो जोड़ी चांदी की पायल चुरा ली और उन्हें 17 अप्रैल, 2023 को फिर से बीदर में बेच दिया। आधी रात को हैदराबाद आया और श्रीनगर कॉलोनी में बंद घरों की रेकी की और 5वीं मंजिल पर कैपरी टावर्स में एक बंद फ्लैट मिला और लोहे की रॉड से ताला तोड़कर घर में घुसा और बेडरूम में लोहे की अलमारी खोलकर सोने, हीरे और चांदी के आभूषणों की चोरी की। बाद में वह श्रीनगर कॉलोनी में एक ऑटो में सवार हो गया और बीदर भाग गया जहां उसने मोहम्मद मुजम्मिल को लगभग 15 तोले सोने और चांदी के गहने सौंपे और शेष गहनों के साथ औरंगाबाद चला गया। आज जब वह चोरी के सोने के गहने गिरवी रखने के लिए अमीरपेट आया तो पुलिस ने उसे पकड़ लिया और उसके कब्जे से चोरी हुए सोने के गहने बरामद कर लिए।

तेलंगाना को मिलेगी लू से राहत, बारिश की संभावना

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में लोग आखिरकार राहत की सांस ले सकते हैं, क्योंकि गर्मी की लहर जैसी स्थितियां कम होने वाली हैं, जिससे कुछ समय के लिए बारिश हो सकती है। पिछले कुछ हफ्तों से भीषण गर्मी से जूझ रहे शहर को आने वाले दिनों में काफी राहत मिलने की उम्मीद है। भारत मौसम विज्ञान विभाग - हैदराबाद की नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, इस महीने के बाकी दिनों में शहर में अधिक गर्मी की लहरें नहीं होंगी, क्योंकि दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के निशान से नीचे रहने की उम्मीद है। दिन के अधिकतम तापमान में गिरावट से हैदराबादवासियों को राहत मिलेगी, जो पिछले एक पखवाड़े से तेज तापमान से जूझ रहे हैं। आईएमडी के अनुसार, हैदराबादतेलंगाना में गर्मी की लहर से राहत पाने वाला एकमात्र शहर नहीं होगा। निर्मल, निजामाबाद, राजन्ना सिरसिला, करीमनगर, महबूबाबाद, वारंगल और रंगारेड्डी सहित राज्य के अन्य जिलों में भी गुरुवार तक ओलावृष्टि की संभावना के साथ बिजली और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इन जिलों में दिन का तापमान भी 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहेगा। हालांकि, चिलचिलाती गर्मी से राहत के बावजूद, लोगों को अभी भी सुबह के समय उच्च सापेक्षिक आर्द्रता का सामना करना पड़ेगा, जिससे उन्हें अत्यधिक पसीना आ सकता है।

क्रिकेट सट्टा लगाते चार गिरफ्तार

महबूबाबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स ने स्थानीय टाउन पुलिस के साथ सोमवार को चार लोगों को कथित रूप से क्रिकेट सट्टेबाजी आयोजित करने के आरोप में गिरफ्तार किया और उनके पास से 5.50 लाख रुपये जब्त किए। गिरफ्तार किए गए लोगों में वी रामकृष्ण, टी विक्रम, चौधरी प्रवीण और आनंद किरण थे। इनमें से दो आंध्र प्रदेश के थे। एसपी शरत चंद्र पवार ने कहा कि एलुरु के वी रामकृष्ण दूसरों की मदद से सट्टेबाजी के मुख्य आयोजक (पंटर) थे। "रामकृष्ण एक टीम पर रखी गई राशि को नोट करते थे, और वादा की गई / जीती गई राशि उन लोगों को भेजी जाएगी जो ऑनलाइन के माध्यम से पैसे की सट्टा लगाते हैं।

शब्बीर अली ने 4% मुस्लिम आरक्षण पर अमित शाह की टिप्पणी की निंदा की

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री मोहम्मद अली शब्बीर ने आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में लागू किए जा रहे 4% मुस्लिम आरक्षण को असंवैधानिक बताने पर कड़ी निंदा की। आज यहां गांधी भवन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए शब्बीर अली ने हैदराबाद डीसीसी अध्यक्ष समीर वलीउल्लाह के साथ कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत के गृह मंत्री का पोर्टफोलियो संभाल रहे अमित शाह संवैधानिक और असंवैधानिक के बीच के अंतर को नहीं समझते हैं।

शब्बीर अली ने जोर देकर कहा कि 4% मुस्लिम आरक्षण धर्म पर आधारित नहीं था, लेकिन पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा पहचाने गए मुस्लिमों के बीच आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़ी 14 जातियों को शामिल किया गया है।

उन्होंने कहा कि 4% मुस्लिम आरक्षण किसी अन्य समुदाय के कोटे को काटे बिना प्रदान किया गया था और इसे लागू करने के लिए आंध्र प्रदेश विधानसभा द्वारा एक अलग कानून पारित किया गया था।

जीओ संख्या 23 और 7 जुलाई, 2007 को जारी गजट अधिसूचना की प्रतियां साझा करते हुए, शब्बीर अली ने कहा कि आंध्र प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग ने बीसी के बीच एक अलग श्रेणी 'ई' बनाने की सिफारिश की थी। उन्होंने कहा कि 4% कोटा मुसलमानों के सबसे गरीब लोगों द्वारा लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सैयद, मुगल, पठान, ईरानी, बोहरा और अन्य जैसे मुस्लिम समूहों को लाभार्थियों से बाहर रखा गया है और केवल नाई, कसाई, पत्थर तोड़ने वाले, धोबी जैसे सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर समूहों को बीसी में शामिल किया गया है। पूर्व मंत्री ने अमित शाह और भाजपा पर मुस्लिम आरक्षण के इतिहास से अनभिज्ञ होने और जनता को गुमराह करने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

करंट की चपेट में आई बुजुर्ग महिला

मनचेरियल, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दांडेपल्ली मंडल के तल्लापेट गांव में सोमवार को बिजली की तार टूट कर गिर जाने से एक बुजुर्ग महिला की करंट लगने से मौत हो गई। दांडेपल्ली सब-इंस्पेक्टर प्रसाद ने कहा कि थल्लापेट की मूल निवासी 72 वर्षीय गोपति रजव्वा की मौके पर ही मौत हो गई, जब गांव की एक हाई टेंशन बिजली आपूर्ति लाइन का लाइव तार टूट गया और उस पर गिर गया, जब वह एक पड़ोसी के घर जाने के बाद सड़क पार कर रही थी। घर्। पड़ोसियों ने उसके परिजनों को सूचना दी। उनके बेटे शंकरैया ने शिकायत दर्ज कराई और मामला दर्ज किया गया। जांच-पड़ताल की गई। 22 अप्रैल को भीमाराम मंडल के अरेपल्ली गांव के बाहरी इलाके में शुक्रवार की रात राजन्ना (45), एक दिहाड़ी मजदूर की बिजली के झटके से मौत हो गई थी, जो जंगली जानवरों का शिकार करने के लिए बनाया गया था। 21 अप्रैल को चेन्नूर के लाइन गड्डा इलाके में कपड़े सुखाते समय बिजली के तार से छू जाने पर बोल्लमपल्ली श्रीनिवास चारी (43), एक सुनार और उनकी पत्नी शशिदेवी (40) की मौत हो गई थी।

बस-ट्रक की टक्कर में एक की मौत, कई छात्र घायल

महबूबनगर, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को यहां एक ट्रक ने बाइक और कॉलेज बस को टक्कर मार दी, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गयी, जबकि कई छात्र घायल हो गये। वन टाऊन इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब ट्रक ने कॉलेज बस और मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जब वे यू-टर्न ले रहे थे. बाइक सवार सत्यनारायण (60) की बस और ट्रक के बीच कुचल जाने से मौके पर ही मौत हो गई।

भारतीय रिज़र्व बैंक

संपदा विभाग, हैदराबाद

ई-निविदा: हैदराबाद में भारतीय रिज़र्व बैंक के कार्यालय भवन और आवासीय कॉलोनियों में रूफ टॉप ग्रिड इंटरएक्टिव एसपीवी आधारित सौर ऊर्जा प्रणालियों की डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग।

1. हैदराबाद में भारतीय रिज़र्व बैंक के कार्यालय भवन और आवासीय कॉलोनियों में रूफ टॉप ग्रिड इंटरएक्टिव एसपीवी आधारित सौर ऊर्जा प्रणालियों की डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए ई-निविदा आमंत्रित हैं। कार्य की अनुमानित लागत ₹21 लाख है। पूर्व-पात्रता मानदंडों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया निविदा सूचना के साथ निविदा दस्तावेजों को देखें, जो 25 अप्रैल 2023 से एमएसटीसी लिमिटेड के ई-निविदा पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprochome/rbi) और हमारी वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर "निविदाओं" के तहत उपलब्ध हैं।

2. ई-निविदाएं केवल एमएसटीसी पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/) के माध्यम से 15 मई 2023 के 14:00 बजे तक जमा की जा सकती हैं। इच्छुक पात्र बोलीदाताओं को निविदा प्रक्रिया में भाग लेने के लिए एमएसटीसी लिमिटेड के साथ स्वयं को पंजीकृत करना होगा।

3. बैंक बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

हैदराबाद
अप्रैल 25, 2023

हस्ता./-
क्षेत्रीय निदेशक

क्यों राष्ट्रीय पहचान को लेकर व्याकुल हैं नीतीश

कांग्रेस के लिए बना रहे रास्ता या खुद की महत्वाकांक्षा

पटना, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार इन दिनों राष्ट्रीय राजनीति में व्यस्त हैं। वह बीजेपी के खिलाफ विपक्ष को एक मंच पर लाने की कोशिश में दिल्ली, लखनऊ और कोलकाता नाप रहे हैं। दिल्ली में राहुल गांधी से मुलाकात के बाद नीतीश कुमार ममता बनर्जी से मिलने कोलकाता पहुंचे। यहां दीदी ने साथ आने का भरोसा दिया तो वह अखिलेश को साधने लखनऊ पहुंच गए। नीतीश कुमार की मुहिम का सपा नेता ने भी समर्थन किया है और कहा है कि बीजेपी के खिलाफ हम साथ-साथ हैं। दरअसल बिहार में महागठबंधन-2 की सरकार बनने के बाद नीतीश कुमार बीजेपी के खिलाफ मोर्चाबंदी कर रहे हैं। बिहार में नई सरकार बनने के बाद ही नीतीश कुमार विपक्षी एकता की कवायद में जुट गए हैं। नीतीश-तेजस्वी सरकार बनने के कुछ दिनों के बाद ही वह दिल्ली दौरे

पर गए थे। तब उन्हें इसमें ज्यादा सफलता नहीं मिली थी। लेकिन विपक्षी एकता पार्ट-2 सफल हो रहा है और नीतीश की कोशिश रंग ला रही है। साथ ही नीतीश कुमार की राष्ट्रीय नेता बनने की कोशिश भी कामयाब होती दिख रही है।

शीर्ष सत्ता के लिए है महत्वाकांक्षा ?

दरअसल नीतीश कुमार राष्ट्रीय पहचान को लेकर व्याकुल हैं। 18 सालों से बिहार के सीएम की कुर्सी पर बैठे नीतीश कुमार अब राष्ट्रीय फलक पर राजनीति करना चाह रहे हैं। नीतीश कुमार बीजेपी को केंद्र से हटाने के एकमेव मिशन पर हैं। बीजेपी के खिलाफ विपक्षी एकता की कवायद में लगे नीतीश कुमार की आतुरता के मायने क्या हैं। वह कांग्रेस के लिए रास्ता बना रहे हैं? या फिर शीर्ष सत्ता के लिए उनकी अपनी महत्वाकांक्षा है। नीतीश कुमार बीजेपी को विपक्षी एकता के सहारे शिकस्त देकर राष्ट्रीय राजनीति में वह पहचान बनाना चाहते हैं जो कभी जय प्रकाश नारायण की थी 'चेहरा चमकाने की फिराक में नीतीश' इस सवाल के जवाब में बिहार के वरिष्ठ पत्रकार रवि उपाध्याय कहते हैं- राजनीति करने वाले सब लोग चाहते हैं कि वह पीएम बने नीतीश कुमार भी चाह रहे हैं। पीएम फेस बन पाए तो ठीक नहीं तो इसके सहारे वह राष्ट्रीय फलक पर अपना चेहरा चमकाने की फिराक में भी हैं। वह चाहते हैं कि सब उन्हें स्वीकार करें और वह पीएम फेस बन जाए।

'बीजेपी को हैसियत दिखाना चाह रहे हैं नीतीश'

साथ ही नीतीश सभी को एक मंच पर लाकर बीजेपी को उनकी राजनीतिक औकात बताने की भी कोशिश कर रहे हैं। नीतीश कुमार यह बयान लगातार दे रहे है कि अगर विपक्ष एकजुट हो जाता है तो बीजेपी 100 सीटों के अंदर सिमट जाएगी। यह एक बड़ा संदेश देने की भी कोशिश हैं। नीतीश कुमार बीजेपी को शिकस्त तो देना चाह रहे हैं लेकिन इसके साथ ही उनकी अपनी महात्वाकांक्षा भी है।इसे वह जाहिर नहीं कर पा रहे हैं। वह जानते हैं कि अगर वह बोलेंगे तो विपक्षी एकता की हवा निकल जाएगी। लेकिन नीतीश कुमार राजनीति के माहिर खिलाड़ी हैं।वह जानते हैं कि कब और कहा बोलना है।

'पहले भी थी राष्ट्रीय राजनीति की हसरत'

बिहार की राजनीति को नजदीक से जानने समझने वाले वरिष्ठ पत्रकार शिवेंद्र नारायण सिंह कहते हैं। राष्ट्रीय नेता बनने की हसरत नीतीश कुमार के दिल में 2010 से थी। यही वो समय था जब नीतीश कुमार का बिहार में पॉलिटिकल ग्राफ तेजी से बढ़ा था। उधर बीजेपी में नरेंद्र मोदी का उभार शुरू हो रहा था।

तब नीतीश कुमार ने मोदी के विरुद्ध कड़े बयान देने शुरू कर दिए। मोदी के प्रति विरोध जताने के लिए तो उन्होंने बीजेपी राष्ट्रीय कार्यकारिणी को दिए भोज रद्द कर दिए थे। इस फैसले से वह सेक्युलर खेमे का सबसे बड़ा झंडाबरदार बनने की कोशिश की थी। फिर 2014 लोकसभा चुनाव में बीजेपी से अलग लड़कर उनकी पार्टी का जो हश्र हुआ किसी से नहीं छुपा। इसके बाद नीतीश कुमार सूबे की सल्तनत बचाने में ही व्यस्त रहे। राष्ट्रीय राजनीति पीछे रह गया था।

नीतीश का मोदी सरीखा स्वागत

नीतीश कुमार भले ही यह कहते हैं कि वह पीएम पद के दावेदार नहीं हैं। वह जब विपक्षी एकता कवायद पार्ट-2 के बाद पटना लौटते हैं तो उनका नरेंद्र मोदी सरीखा स्वागत होता है। देश का पीएम कैसा हो नीतीश कुमार जैसा हो के नारे लगाए जाते हैं। फिर नीतीश कुमार यह बयान भी देते हैं सब फिक्स है।कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दल के नेता सहमत हैं। सब लोग तैयार हैं। जब सब तय हो जाएगा तो देश की यात्रा करेंगे। तब राजनीति का गुणा-भाग समझने वाले कहते हैं कि नीतीश कुमार विपक्षी एकता के लिए इस लिए व्याकुल हैं क्योंकि वह मोदी के खिलाफ जो जो टीम बना रहे हैं वह उसका कैप्टन भी बनना चाह रहे हैं।

यूपी बोर्ड 10वीं में सीतापुर की प्रियांशी सोनी बनीं टॉपर, आईएएस बनना है सपना

सीतापुर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी बोर्ड की दसवीं और बारहवीं परीक्षाओं के नतीजे घोषित हो गए हैं. इनमें दसवीं की परीक्षा में सीतापुर की रहने वाली प्रियांशी सोनी ने पूरे यूपी में टॉप किया है. प्रियांशी को 600 में से कुल 590 अंक प्राप्त हुए हैं. जिसके बाद पूरे परिवार में खुशी का माहौल है. दसवीं में टॉप करने के बाद प्रियांशी बेहद खुश हैं. पूरे परिवार में जश्न का माहौल है. लोगों ने प्रियांशी को टॉप करने पर बधाई दी . प्रियांशी ने फोन पर बताया कि उन्होंने परीक्षाओं में बहुत मेहनत की थी और उन्हें पूरी उम्मीद थी कि रिजल्ट बहुत अच्छा रहेगा. उन्हें जैसी उम्मीद थी नतीजे भी एकदम वही रहे हैं.

प्रियांशी ने कहा कि वो बड़े होकर आईएएस अफसर बनना चाहती हैं. उन्हें सबसे ज्यादा गणित का सब्जेक्ट पसंद हैं और वो इस बात से बहुत खुश हैं कि उन्हें सबसे ज्यादा नंबर भी गणित और साइंस में ही मिले हैं. उन्होंने कहा कि वो आगे की पढ़ाई पीसीएम से करना चाहती हैं. प्रियांशी ने कहा कि वो आगे चलकर यूपीएससी की तैयारी करेंगी और आईएएस अफसर बनेंगी.

सीबीआई की रडार पर मायावती

20 साल पुराने मामले में पूर्व मंत्री की भी बढ़ सकती हैं मुश्किलें

लखनऊ, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। बीएसपी चीफ मायावती पर सीबीआई ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। ताज कॉरिडोर घोटाले में तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती और मंत्री रहे नसीमुद्दीन सिद्दीकी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। 20 साल पुराने मामले में इस घोटाले में सीबीआई ने एक्शन लेना शुरू कर दिया है। 20 साल पुराने मामले में सीबीआई को महेंद्र शर्मा के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति मिली है। महेंद्र शर्मा नेशनल प्रोजेक्ट्स कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड के तत्कालीन एजीएम थे। सीबीआई पश्चिम की एंटी करप्शन कोर्ट में 22 मई को सुनवाई होगी। वर्ष 2002 में मायावती ने ताजमहल और उसके आसपास के इलाके को कॉरिडोर के रूप में विकसित करने के लिए इस परियोजना की शुरूआत की थी। तब 175 करोड़ रुपए के इस प्रोजेक्ट के लिए 17 करोड़ रुपए जारी किए गए थे। परियोजना के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर होने के बाद जांच हुई थी। सीबीआई ने धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार, साजिश समेत तमाम धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। नेशनल प्रोजेक्ट्स कंस्ट्रक्शन कारपोरेशन लिमिटेड को इस कॉरिडोर करने का ठेका दिया गया था।

ये है पूरा मामला

सूत्रों की मानें तो आरोप लगा था कि पर्यावरण मंत्रालय की हरी झंडी मिलने से पहले ही इस कॉरिडोर के लिए 17 करोड़ रुपए जारी कर दिया गया था। तब सुप्रीम कोर्ट ने 2003 में इस कॉरिडोर की पड़ताल करने के लिए आदेश दिया था। जिसके बाद सीबीआई ने इस मामले में 2007 में चार्जशीट दाखिल कर दी थी। तब मायावती के साथ नसीमुद्दीन सिद्दीकी पर गंभीर आरोप लगे थे। लेकिन मायावती के मुख्यमंत्री बनते ही इस केस को चलाने की इजाजत देने से मना कर दिया गया था। इसके बाद सीबीआई कोर्ट में चल रही जांच रुक गई थी। लेकिन अब एक बार फिर इस केस में जांच शुरू होने की बात बीएसपी चीफ की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अब इस मामले की अगली सुनवाई 22 मई को होगी।

मेरठ में गो तस्कर पुलिस मुठभेड़ में घायल

मेरठ, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। परतापुर थाना क्षेत्र के चंदसारा गांव में देर रात मुठभेड़ में एक गो तस्कर घायल हो गया। जबकि दो फरार हो गए। घायल गो तस्कर के पास से गोकशी के उपकरण बरामद हुए। सीओ ब्रह्मपुरी शुचिता सिंह के अनुसार, परतापुर थाना क्षेत्र के चंदसारा गांव में एक सप्ताह पहले गोवंश के अवशेष मिले थे। पुलिस की जांच में पता चला कि इनामुद्दीन पुत्र जबरद्दीन निवासी जेई थाना भावनपुर ने अपने साथियों के साथ गोकशी की वारदात को अंजाम दिया था। देर रात पुलिस और एसओजी को पता चला कि इनामुद्दीन अपने साथियों दानिश अल्वी और इमरान मुल्ला के साथ गोकशी के लिएजा रहा है। चंदसारा गांव के जंगल में थाना पुलिस और एसओजी ने गो तस्करों को घेर लिया। खुद को घिरा पाकर गो तस्करों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में गो तस्कर इनामुद्दीन पैर में गोली लगने से घायल हो गया,

मायावती के आरोपों पर ललन सिंह का पलटवार

बोले-' नीतीश सरकार में किसी को बचाया नहीं जाता'

पटना, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के बाहुबली और पूर्व सांसद आनंद मोहन की रिहाई के नीतीश सरकार के फैसले को लेकर बिहार में सियासत तेज हो गई है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बीच जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने ट्वीट कर कहा मायावती के आरोपों पर पलटवार किया है। उन्होंने ट्वीट किया "आनंद मोहन की रिहाई पर अब भाजपा खुलकर आई है। पहले तो यूपी की अपनी बी टीम से विरोध करवा रही थी। उन्होंने कहा "बीजेपी को यह पता होना चाहिए कि नीतीश कुमार के सुशासन में आम व्यक्ति और खास व्यक्ति में कोई अंतर नहीं किया जाता है। आनंद मोहन ने पूरी सजा काट ली और जो छूट किसी भी सजायाफ्ता को मिलती है वह छूट उन्हें नहीं मिल पा रही थी क्योंकि खास लोगों के लिए नियम में प्रावधान किया हुआ था। नीतीश कुमार ने आम और खास के अंतर को समाप्त किया और एकरूपता लाई तब उनकी रिहाई का रास्ता प्रशस्त हुआ।" ललन सिंह ट्वीट कर कहा कि 'अब भाजपाइयों के पेट में न जाने दर्द क्यों होने लगा है।' भाजपा का सिद्धांत ही है विरोधियों पर पालतू तोतों को लगाना, अपनों को बचाना और विरोधियों को फंसाना। वहीं नीतीश कुमार के सुशासन में न तो किसी को फंसाया जाता है न ही किसी को बचाया जाता है।' बता दें कि इससे पहले बसपा सुप्रीमो मायावती ने आनंद मोहन की रिहाई को लेकर बिहार की नीतीश सरकार पर निशाना साधा था। बीएसपी चीफ मायावती ने आनंद मोहन की रिहाई की तैयारी को लेकर नीतीश सरकार पर हमला बोला। बीएसपी चीफ ने बाहुबली की रिहाई पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था, बिहार की नीतीश सरकार द्वारा, आन्ध्र प्रदेश (अब तेलंगाना) महबूबनगर के रहने वाले गरीब दलित समाज से आईएएस बने बेहद ईमानदार जी। कृष्णैया की निर्दयता से की गई हत्या मामले में आनन्द मोहन को नियम बदल कर रिहा करने की तैयारी देश भर में दलित विरोधी निगेटिव कारणों से काफी चर्चाओं में है। मायावती ने आगे लिखा, आनन्द मोहन बिहार में कई सरकारों की मजबूरी रहे हैं, लेकिन गोपालगंज के तत्कालीन डीएम श्री कृष्णैया की हत्या मामले को लेकर नीतीश सरकार का यह दलित विरोधी व अपराध समर्थक कार्य से देश भर के दलित समाज में काफी रोष है। चाहे कुछ मजबूरी हो किन्तु बिहार सरकार इस पर जरूर पुनर्विचार करे।

बेतिया में बेटी की हत्या मामले में पिता का कोर्ट में आत्मसमर्पण

बेतिया, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के बेतिया में पुलिस दबिश के कारण अपनी ही बेटी के हत्यारे पिता ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है। मंगलवार को लौरिया थानाध्यक्ष कैलाश कुमार ने बताया कि हत्या में शामिल मृतका की मां लक्ष्मीना देवी को 19 अप्रैल को ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। शेष अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी अभियान चला रही थी। इसी सिलसिले में सोमवार को आरोपी पिता मनोज महतो ने बेतिया न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है।

मायावती ने 11 सीटों पर उतारे मुस्लिम मेयर उम्मीदवार

दांव चला तो अखिलेश यादव का प्लान होगा फेल

लखनऊ, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव के लिए नामांकन की तारीख खत्म हो चुकी है। जिसके बाद अब प्रचार अभियान तेज होने लगा है। लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा समाजवादी पार्टी और बीएसपी के फैसलों को लेकर हो रही है। सपा ने मेयर पद के लिए चार मुस्लिम और बीएसपी ने 11 मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया है। सपा ने अपने सभी 17 मेयर पद के उम्मीदवारों का एलान कर दिया है। दूसरी ओर अखिलेश यादव ने चार मुस्लिमों को मेयर का टिकट दिया। सपा ने फिरोजाबाद से मशरुर फातिमा, सहारनपुर से नूर हसन मलिक, अलीगढ़ से जमीर उल्ला खां और मुरादाबाद से सैय्यद रईस उद्दीन को मेयर का उम्मीदवार बनाया है। दूसरी ओर पार्टी ने केवल एक यादव को टिकट अपने कोर वोटर्स के साथ अन्य जातिगत समीकरणों को जोड़ने पर जोर दिया है। पार्टी ने केवल गाजियाबाद से यादव के मेयर का टिकट दिया है।

सपा को बीएसपी की चुनौती

हालांकि मायावती ने भी अखिलेश यादव के समीकरण को बिगाड़ने का पूरा प्रयास निकाय चुनाव में किया है। पार्टी ने 17 मेयर उम्मीदवारों में से 11 टिकट मुस्लिमों को दिए हैं। पार्टी ने पहले चरण के 10 सीटों पर उम्मीदवार का एलान किया था, इसमें छह मुस्लिम प्रत्याशी उतारे थे। इसके बाद दूसरे चरण के सात उम्मीदवारों में से पांच मुस्लिम को टिकट दिया है। बीएसपी ने अलीगढ़ में सपा के मुस्लिम उम्मीदवार के सामने अपना मुस्लिम उम्मीदवार उतारा है। गौरतलब है कि बीएसपी ने मेरठ, शाहजहांपुर, गाजियाबाद, अलीगढ़, बरेली से मुस्लिम प्रत्याशियों पर दांव लगाया है। यानी पार्टी की सपा के कोर वोटर्स में सेंध लगाने की पूरी कोशिश की है। बीएसपी के इस फैसले की मुख्य वजब बीते दिनों में सपा की बदली हुई रणनीति को माना जा रहा है। सपा ने कोलकाता अधिवेशन के बाद अपने मुस्लिम और यादव के समीकरण को मजबूत करने लिए अनुसूचित जाति के वोटर्स को जोड़ने की रणनीति बनाई थी। लेकिन अब बीएसपी ने सपा के वोटर्स में सेंधमारी की तैयारी शुरू कर दी है।

दुबई भागा अशरफ का साला सद्दाम

यही फिक्स करता था जेल में कब-किससे होगी माफिया की मुलाकात

प्रयागराज, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। बसपा राजू पाल हत्याकांड का प्रमुख गवाह उमेश पाल अब इस दुनिया में नहीं है। 24 फरवरी को बदमाशों ने गोली मारकर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने इस मर्डर केस में अतिक अहमद, अशरफ़ सहित अन्य गुर्गों को नामजद आरोपी बनाया है। पुलिस इस हत्याकांड में बदमाश सद्दाम की तलाश कर रही है। सद्दाम अशरफ का साला है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक़, सद्दाम भारत छोड़कर दुबई भाग गया है। बताया जा रहा है कि सद्दाम पश्चिम बंगाल के किसी एयरपोर्ट से फ्लाइट लेकर दुबई भाग गया। पुलिस ने सद्दाम पर 25 हज़ार का रखा है, अगर कोई भी व्यक्ति सद्दाम के बारे में पुलिस को सूचना देता है तो ये राशि उसे दी जाएगी। बरेली जेल में अशरफ़ जिस व्यक्ति से भी मिलना चाहता, सद्दाम फर्जी दस्तावेजों की मदद से मुलाकात का सारा प्रबंध करवाता। सद्दाम ने बरेली के एक पॉश इलाके में रेन्ट पर घर ले रखा था। वह तीन सालों से इस घर में रह रहा था ताकि, अशरफ जब चाहे उसकी मुलाकात हो जाए। वहीं, घर के मालिक ने पुलिस को बताया था कि सद्दाम से मिलने एक लड़की भी आती थी। एक दिन जब उसने सद्दाम से इस बारे में बात की तो उसने बताया कि प्रयागराज से उसकी फैमिली उससे मिलने आई है। हालांकि, पुलिस ने उस घर को सील कर दिया है। वहीं, उमेश हत्याकांड में फरार चल रहे तीन बदमाशों की तलाश पुलिस कर रही है। हत्याकांड में शामिल बदमाश साबिर के बारे में पुलिस को पता चला है कि वह मुंबई भाग गया है। यूपी एसटीएफ की एक टीम मुंबई रवाना हो गई है। उमेश पाल मर्डर केस में अतीक की पत्नी शाइस्ता का भी नाम सामने आया है। शाइस्ता पर आरोप है कि उसने शूटरों को भगाने में मदद की। इसके लिए उसने सभी बदमाशों को अपनी ओर से पैसे दिए थे। अब न तो उमेश पाल जिंदा है और न ही अतीक अहमद और अशरफ, तीनों की हत्या कर दी गई है। उमेश की जहां 24 फरवरी को हत्या हुई, वहीं अतीक-अशरफ को तीन बदमाशों ने 15 अप्रैल को गोली मार दिया।

'नास्तिकों को भी ईश्वर याद आ जाते होंगे'- पुष्पम प्रिया का नीतीश कुमार पर हमला

पटना, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। द पलूरल्स पार्टी की अध्यक्ष पुष्पम प्रिया चौधरी ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। खुद को बिहार के मुख्यमंत्री के कैंडिडेट के तौर पर पेश करने वाली पुष्पम प्रिया चौधरी इस बार पटना में एयरपोर्ट को लेकर सीएम नीतीश कुमार पर हमलावर हैं। उन्होंने पटना के एयरपोर्ट को रेलवे स्टेशन से भी बदतर बताते हुए सीएम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि इसकी हालत ऐसी है कि यहां उतरने के बाद नास्तिकों को भी भगवान की याद आ जाती होगी। पुष्पम प्रिया चौधरी ने ट्वीट किया -"कोलकाता-लखनऊ गए हैं तो एयरपोर्ट पर ही उतरे होंगे। ध्यान आया कि नहीं कि 17 साल से सीएम हूं और पटना में एक इज़्ज़तदार एयरपोर्ट नहीं बनवा सके? विदेशी छोड़िए, देशी फ़्लाइटें भी लैंड करती हैं तो नास्तिकों को भी ईश्वर याद आ जाते होंगे, और हालात रेलवे स्टेशन से भी बदतर!" इससे पहले प्लूरल्स पार्टी सुप्रीमो पुष्पम प्रिया ने था कहा कि हमारे पास विजन है कि किस प्रकार बिहार को बढ़ाना है। बिहार के विकास के लिए सत्ता परिवर्तन ही एकमात्र उपाय है। बता दें कि द पलूरल्स पार्टी की अध्यक्ष पुष्पम प्रिया चौधरी इन दिनों सीएम नीतीश कुमार से खासा नाराज हैं। इससे पहले उन्होंने 5 साल की बच्ची खुशी को लेकर भी सीएम पर निशाना साधा था। उन्होंने ट्वीट कर कहा था, मा। सीएम साहब, अगर खुशी आपकी बेटी होतीं तो अभी तक आपको कितने फ़ोन घुमाने की ज़रूरत होती? एक सब्ज़ी विक्रेता की बेटी मुज़फ़्फ़रपुर से 45 दिनों से ग़ायब हैं।

योगी आदित्यनाथ को मिली जान से मारने की धमकी

यूपी एटीएस समेत सभी एजेंसियों को किया गया सतर्क

लखनऊ, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी दी गई है। धमकी मिलने के बाद लखनऊ में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि धमकी 'डायल 112' (आपातकालीन सेवाओं के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किया गया एक नंबर) पर संदेश के माध्यम से प्राप्त हुई थी, जिसमें व्यक्ति ने कहा, मैं जल्द ही सीएम योगी को मार दूंगा। धमकी मिलने के बाद '112' के ऑपरेशन कमांडर ने थाना सुशांत गोल्फ सिटी में मामला दर्ज कराया है। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 506, 507 और आईटी एक्ट 66 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि डायल 112 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी मिलने के बाद थाना सुशांत गोल्फ सिटी में आईपीसी की धारा 506 और 507 और आईटी अधिनियम की धारा 66 के तहत एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। रविवार को उस व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जिसने 24 अप्रैल को निर्धारित कोच्चि की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आत्मघाती बम हमले की धमकी देने वाला पत्र लिखा था। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान जेवियर के रूप में हुई है। केरल भाजपा प्रमुख के सुरेंद्रन ने शनिवार को कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हत्या की साजिश के बारे में पिछले सप्ताह एक पत्र मिला है। एएनआ से बातचीत के हवाले में कोच्चि शहर के पुलिस आयुक्त के सेतु रमन ने कहा, जिस व्यक्ति ने प्रधान मंत्री के खिलाफ धमकी भरा पत्र भेजा था, उसे गिरफ्तार कर लिया गया था। जेवियर, आरोपी को कल गिरफ्तार किया गया था। कारण व्यक्तिगत दुश्मनी है। उसने जाल में फंसाने के लिए पत्र लिखा था। उसे फोरेंसिक की मदद से ढूंढ निकाला। आयुक्त ने कहा, प्रधानमंत्री के कोच्चि पहुंचने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इसके लिए 2,060 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। इसके तहत दोपहर 2 बजे से यातायात नियंत्रण भी लगाया गया है।

पटना समेत 14 जिलों में आंधी-पानी का अलर्ट: 26 शहरों का तापमान गिरा; पूरे हफ्ते का मौसम अपडेट जारी

पटना, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी समेत प्रदेश में गुरुवार तक वर्षा की गतिविधियां बने रहने की संभावना है। इस दौरान प्रदेश के अधियंख्य भागों में बादल छाए रहने के साथ मेघ गर्जन व आंधी-पानी के आसार हैं। बादल छाए रहने व तेज हवा के प्रवाह होने के कारण धूप की तपिश कम होने के साथ मौसम सुहाना बना रहेगा। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के

अनुसार, बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी युक्त हवा का प्रवाह व एक चक्रवातीय परिसंचरण का क्षेत्र मध्यप्रदेश व इसके आसपास बना हुआ है। इनके प्रभाव से गुरुवार तक मौसम सामान्य बना रहेगा। अगले 24 घंटों के दौरान पटना, गया, नालंदा, शेखपुरा, नवादा, बेगूसराय, लखीसराय, जहानाबाद, बक्सर, भोजपुर, रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद, अरवल जिले के एक या दो स्थानों पर मेघ गर्जन, बिजली चमकने के साथ 30-40 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा का प्रवाह व हल्की वर्षा की संभावना है। वहीं, बुधवार को प्रदेश के उत्तर पूर्व, दक्षिण मध्य, दक्षिण पूर्व भागों में भी इसी प्रकार के मौसम बने रहने के आसार हैं। इन सभी मौसमी प्रभावों को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान तापमान में कोई विशेष बदलाव के आसार नहीं है। वहीं, इसके बाद तापमान में क्रमिक वृद्धि की संभावना है। बीते 24 घंटों के दौरान पटना समेत प्रदेश के आसपास इलाकों में आंशिक रूप से बादल छाए रहे। पटना समेत प्रदेश के 26 शहरों के अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। 34।8 डिग्री सेल्सियस के साथ बक्सर व डेहरी में प्रदेश का सर्वाधिक अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। वहीं, पटना के अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री नीचे आने के साथ 32.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

55 साल पहले बनी थी कोटरा नगर पंचायत, अब तक चुने गए 6 अध्यक्ष

जालौन, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में नगर निकाय चुनाव के पहले चरण के लिए प्रचार प्रसार जोरों पर हैं, जिसमें जालौन की कोटरा नगर पंचायत में भी सभी पार्टियों के प्रत्याशी जीत के लिए पूरा दमखम लगा रहे हैं. यहां बात करेंगे कोटरा नगर पंचायत की, बेतवा नदी किनारे बसे कोटरा कस्बे को 55 साल पहले 1968 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री चौधरी चरण सिंह की सरकार ने नगर पंचायत का दर्जा दिया था. यह पहले ग्राम पंचायत हुआ करती थी. इसे नगर पंचायत का दर्जा दिलाने के लिए कोटरा के प्रधान रहे पंडित ईश्वरदास व्यास ने काफी मेहनत की थी, उनके प्रयासों से ही कोटरा ग्राम पंचायत से नगर पंचायत बन पाई थी.

कूनो में चीतों की देखभाल के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं

एमपी वन विभाग ने केंद्र को चिट्ठी लिखकर की बड़ी मांग

भोपाल, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। कुछ ही हफ्तों के अंतराल में एक मादा और एक नर चीते की मौत से हड़कंप मचा हुआ है। कई तरह के सवाल भी उठने लगे हैं। इस बीच मध्य प्रदेश वन विभाग की ओर से बड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। मध्य प्रदेश वन विभाग द्वारा केंद्र सरकार और टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी को पत्र लिखा गया है।

विभाग ने कुछ चीतों को दूसरे स्थान पर शिफ्ट करने की बात कही है। कूनो नेशनल पार्क में उदय नाम के चीते की मौत से हड़कंप मचा हुआ है। पत्र में चीतों की संख्या और उनको हैंडल करने को लेकर बड़ी बात कही है। मध्य प्रदेश वन विभाग का कहना है कि चीतों की देखभाल के लिए उनके पास पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। बता दें कि कूनो नेशनल पार्क में पिछले कुछ महीनों के दौरान 20 चीतों को शिफ्ट किया गया है। इनमें से 12 चीते दक्षिण अफ्रीका और 8 चीते नामीबिया से लाए गए हैं। मध्य प्रदेश वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि इतनी बड़ी तादाद में चीतों की देखभाल के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं है। उन्होंने बताया, 'एक चीता पर चौबीसों घंटे नजर रखने के लिए 9 लोगों की जरूरत होती है। हमारे पास फिलहाल पर्याप्त (20 चीतों की निगरानी के लिए 180 स्टाफ की जरूरत है।) स्टाफ नहीं हैं।'

चीतों की शिफ्टिंग पर करेंगे गौर

कूनो नेशनल पार्क के अधिकारी ने कहा कि हमें चौबीसों घंटे एक चीते पर नजर रखने के लिए करीब नौ कर्मचारियों की जरूरत है, लेकिन हमारे पास पर्याप्त कर्मचारी नहीं हैं। हालांकि, चीता परियोजना के प्रमुख और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के वरिष्ठ अधिकारी एस।पी। यादव ने बताया कि अभी तक हमें चीतों की शिफ्टिंग को लेकर ऐसा कोई अनुरोध नहीं मिला है, लेकिन अगर हमारे पास ऐसा कोई अनुरोध आता हैं, तो हम इस पर गौर करेंगे। एस।पी। यादव ने कहा कि कि चीतों के बीच मृत्यु दर अपेक्षित थी और प्रोजेक्ट चीता की योजना ने इसे ध्यान में रखकर ही फैसला लिया है।

कूनो में बढ़ रही चीतों की संख्या

कूनो के अधिकारियों के मुताबिक कूनो में चीतों की संख्या में इजाफा हो रहा है। हालांकि बीते दिनों दो चीतों की बीमारी के चलते मौत हो चुकी है, लेकिन ऐसी अपेक्षा जताई जा रही है कि आने वाले समय में इनकी संख्या बढ़ेगी। फिलहाल कूनों में 22 चीते हैं और यदि कोई मादा चीता बच्चे देती है तो इसकी संख्या और बढ़ सकती है।

'धनकुबेर' यात्री, बैग में मिलीं इतनी गड्डियां

चंदौली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी में निकाय चुनाव की प्रक्रिया चल रही है और चुनाव को देखते हुए अपराधियों के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान आरपीएफ और जीआरपी की टीम को बड़ी कामयाबी मिली है। चंदौली जिले के पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पर एक युवक के पास से भारी मात्रा में कैश बरामद किया गया है। वाराणसी से हावड़ा जाने के लिए ट्रेन का इंतजार कर रहे साधारण से दिखने वाले युवक के पास से 36 लाख रुपये नकद बरामद हुए हैं। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पकड़ा गया युवक वाराणसी के लालपुर का रहने वाला है। वह इतना कैश अपने साथ लेकर ट्रेन के माध्यम से पश्चिम बंगाल के हावड़ा जा रहा था। लेकिन जांच के दौरान इतनी भारी रकम के बाबत इस युवक के पास किसी भी तरह के वैध कागजात नहीं थे। लिहाजा जीआरपी ने इसे गिरफ्तार कर लिया और 36 लाख के कैश को जब्त कर लिया।

मनीष सिसोदिया की पत्नी की बिगड़ी तबीयत, अपोलो अस्पताल में एडमिट

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। शराब घोटाला मामले में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की पत्नी की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें इलाज के लिए अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों की टीम सीमा सिसोदिया के स्वास्थ्य की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, सीमा सिसोदिया मल्टीपल स्केलेरोसिस नाम की बीमारी से ग्रस्त हैं। इस बीमारी में दिमाग का शरीर से कंट्रोल घटता चला जाता है। मनीष सिसोदिया ने बेल के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में पत्नी की चिकित्सा स्थिति का हवाला दिया था। सिसोदिया की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता दयान कृष्णन ने निचली अदालत के जमानत से इनकार करने के आदेश को चुनौती देते हुए कहा था कि निचली अदालत ने 'आप' नेता की पत्नी की चिकित्सा स्थिति पर विचार नहीं किया है, जो मल्टीपल स्केलेरोसिस से पीड़ित है। उन्होंने कहा था कि मनीष सिसोदिया की पत्नी की हालत बिगड़ती जा रही है।

शराब घोटाला मामले में सिसोदिया को किया गया गिरफ्तार

गौरतलब है कि सीबीआई ने शराब घोटाला मामले में पूछताछ के बाद 26 फरवरी को मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तारी से पहले दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा था, ₹मुझे झूठे मामलों में जेल जाने से डर नहीं है, घर में मेरी पत्नी अकेली है। वह लंबे अरसे से बीमार चल रही है। सीबीआई द्वारा गिरफ्तार होने पर आपलोग उनकी चिंता करना।₹ सिसोदिया के इस बयान में बाद उसी दिन दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सीएम भगवंत मान उनकी पत्नी से मिलने आवास पर पहुंचे थे और उनका हमेशा साथ देने का भरोसा दिया था।

पासपोर्ट आवेदकों के लिए राहत भरी खबर

लंबी वेटिंग की समस्या पर विदेश मंत्रालय ने लिया फैसला

चंडीगढ़, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। पासपोर्ट बनने का इंतजार कर रहे आवेदकों के लिए राहत भरी खबर है। चंडीगढ़ क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय ने 29 अप्रैल को छुट्टी वाले दिन 3000 पासपोर्ट आवेदकों को अप्वाइंटमेंट देने का फैसला लिया है। ये अप्वाइंटमेंट चंडीगढ़, अंबाला और लुधियाना पासपोर्ट सेवा केंद्र के लिए मिलेंगे। इसके लिए मंगलवार सुबह 11 बजे पासपोर्ट इंडिया की बेवसाइट पर ऑनलाइन प्वाइंटमेंट शुरू हो जाएगी। ऐसे में सभी कर्मचारियों की छुट्टी रद्द कर दी गई है। पासपोर्ट की बढ़ती मांग को देखते हुए विदेश मंत्रालय ने यह फैसला लिया है। गौर हो कि

सामान्य पासपोर्ट बनवाने के लिए लोगों को तीन महीने का इंतजार करना पड़ रहा था।

वहीं, तत्काल पासपोर्ट बनवाने के लिए लोग दो महीने तक का इंतजार कर रहे थे। पासपोर्ट बनवाने में लोगों को आ रही दिक्कतों को लेकर अमर उजाला ने 19 अप्रैल को प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी। क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी प्रियंका मेहतानी ने बताया कि लोगों को राहत देने के लिए विदेश मंत्रालय की अनुमति से शनिवार को छुट्टी वाले दिन भी 3000 लोगों के पासपोर्ट बनाने का फैसला लिया गया है। मंगलवार से अप्वाइंटमेंट प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। चंडीगढ़ क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय में पासपोर्ट बनवाने के लिए एक दिन में लगभग 1700 अप्वाइंटमेंट दी जातीं हैं, जिसमें 1200 सामान्य अप्वाइंटमेंट के पासपोर्ट बनाए जाते हैं। वहीं, 320 तत्काल अप्वाइंटमेंट के बनाए जाते हैं। इसके अलावा पुलिस क्लीयरेंस सार्टिफिकेट के लिए 170 लोगों को अप्वाइंटमेंट दी जाती है।

शादियों में शराब परोसने के फैसले से पीछे हटी तमिलनाडु सरकार

विपक्ष ने युवाओं को बर्बाद करने का लगाया था आरोप

बेंगलूरू, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। मैरिज हॉल में शराब परोसने वाले फैसले को अब डीएमके सरकार ने वापस ले लिया है। सरकार का कहना है कि यह केवल कॉन्फ्रेंस सेंटर और कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के अलावा खेल स्टेडियमों में ही किया जाएगा। दरअसल, सरकार ने पिछले महीने कहा था कि कॉन्फ्रेंस हॉल, कन्वेंशन सेंटर, मैरिज हॉल, बैंक्वेट हॉल, स्पोर्ट्स स्टेडियम और घरेलू समारोहों में शराब परोसने की अनुमति के लिए एक विशेष लाइसेंस प्राप्त किया जा सकता है। सरकार ने कहा कि शराब केवल व्यावसायिक परिसरों, कन्वेंशन सेंटरों में ही परोसी जाएगी, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करते हैं। स्टेडियमों के लिए अस्थायी लाइसेंस दिया जाएगा। इस फैसले के बाद पूर्ण शराबबंदी का वादा करने और 12 घंटे के लिए शराब की दुकानें खोलने के लिए सत्तारूढ़ द्रमुक की कड़ी निंदा करते हुए अन्नाद्रमुक महासचिव के। पलानीस्वामी ने कहा कि सरकार ने अब मैरिज हॉल और स्टेडियम में शराब की बिक्री की अनुमति दे दी है। पलानीस्वामी ने आरोप लगाया था कि इस तरह के फैसले युवाओं को शराब का आदी बनाकर उनका भविष्य बर्बाद करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा था लोग जल्द ही इस सरकार को सबक सिखाएंगे, जो सार्वजनिक शांति को भंग करने और अपराध को बढ़ाने वाली ऐसी जन-विरोधी गतिविधियों में शामिल है। हालांकि, अब सरकार ने खुद ही फैसला वापस ले लिया है।

बीजेपी ने भी लगाया था डीएमके पर गंभीर आरोप

इसके अलावा बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के। अन्नामलाई ने भी इस मुद्दे पर सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि द्रमुक चरणबद्ध तरीके से शराब की दुकानों को बंद करने का आश्वासन देकर सत्ता में आई थी, लेकिन वह हर साल शराब की बिक्री का लक्ष्य बढ़ा रही है। द्रमुक सरकार पर शराब को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए अन्नामलाई ने अधिसूचना को वापस लेने की मांग की।

बेटी की लाश के साथ घर में रह रही थी महिला

कोलकाता, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। शहर के बिजॉयगढ़ में मानसिक रूप से विक्षिप्त एक बुजुर्ग महिला के अपनी 38 वर्षीय बेटी की लाश के साथ रहने का मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के मुताबिक घर से एक फूड डिलीवरी बॉय को दुर्गंध आई जिसके बाद जादवपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर लाश को निकाला।

जब पुलिसकर्मियों ने दरवाजा तोड़ा तो बुजुर्ग महिला जिसकी उम्र 68 साल है अपनी 38 वर्षीय बेटी के शव के पास बैठी थी। बुजुर्ग महिला की पहचान दीपाली बसु और बेटी की पहचान संचिता बसु के रूप में हुई है।

मौत का कारण अब तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, बुजुर्ग महिला और उसकी बेटी दोनों ही मानसिक रूप से विक्षिप्त थे। बुजुर्ग महिला ने अपनी बेटी की मौत की खबर किसी को नहीं दी थी। जब एक फूड डिलीवरी बॉय ने महसूस किया कि घर से बदबू आ रही है तो उसने अलार्म बजाया जिसके बाद पड़ोसियों ने पुलिस को मामले की जानकारी दी।

38 लाख की ड्रग्स के साथ 29 साल का युवक गिरफ्तार

मुंबई, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। कांदिवली क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स सेल ने ड्रग्स कारोबारियों पर शिकंजा कसते हुए एक बीटेक इंजीनियर को चारकोप इलाके से गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 1 किलो 230 ग्राम मलाना चरस जब्त किया है, जिसकी कुल कीमत करीब 38 लाख रुपये बताई जा रही है। पकड़े गए इंजीनियर का नाम प्रियांक मेहता है, जिसकी उम्र 29 साल है। आरोपी प्रियांक अहमदाबाद का रहने वाला है और मुंबई के मालाड पश्चिम माइंड स्पेस स्थित एक मल्टीनेशनल कंपनी के कॉल सेंटर में बतौर एडवाइजर के तौर पर काम करता है। कांदिवली एंटी नारकोटिक्स सेल ड्रग्स कारोबारियों पर शिकंजा कसते हुए जांच पड़ताल कर रही है। नारकोटिक्स विभाग को यह जानकारी मिली थी कि चारकोप इलाके में एक शख्स शिमला से ड्रग्स लाकर मुंबई में सप्लाई करने का काम करता है। नारकोटिक्स विभाग ने उक्त जानकारी के साथ इलाके में जाल बिछाया। इलाके में पुलिस करीब 15 दिनों से नजर गड़ाए हुए इंतजार में थी। इस दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि चारकोप में रहने वाला प्रियांक मेहता शिमला गया हुआ है। जब वह शिमला से लौटा तो पुलिस जानकारी मिली की वह अपने साथ ड्रग्स का खेप लाया है। कांदिवली यूनिट ने उसके घर पर छापेमारी की और एक किलो से ज्यादा कि चरस बरामद की। क्राइम ब्रांच नारकोटिक्स ने बताया कि आरोपी बीटेक करने के बाद अब बतौर इंजीनियर किसी कंपनी में काम कर रहा है।

वह मालाड स्थित मल्टीनेशनल कंपनी के कॉल सेंटर में काम करता है। जहां वह कंपनी में एडवाइजर के तौर पर कार्यरत है। पूछताछ में जानकारी मिली की ड्रग्स कारोबारी प्रियांक मेहता मालाड के कॉल सेंटर में काम करने वाले लड़के और लड़कियों को चरस (ड्रग्स) सप्लाई करने का काम करता था। फिलहाल पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रियांक मेहता को चरस के साथ गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब इस मामले में शिमला से मुंबई तक ड्रग्स सप्लाई करने वाले मुख्य आरोपी की तलाश में जुट गई है।

घरों में सो रहे थे दो परिवार, रात को अनियंत्रित ट्राला घुस गया, एक की मौत

इंदौर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर के समीप खुडैल के पांच मकानों को एक ट्राले ने क्षतिग्रस्त कर दिया। दो मकान पूरी तरह टूट गए और एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे मेंछह लोग भी गंभीर रुप से घायल हुए है। खुडैल थाना क्षेत्र के दुधिया गांव में रात को अचानक धमाके जैसी आवाज हुई तो लोग जाग गए। उन्होंने बाहर निकाल कर देखा तो एक ट्राला दो मकानों में घुसा हुआ था। ट्राले की रफ्तार इतनी ज्यादा थी कि उसने पांच घरों को नुकसान पहुंचा दिया। घर में सो रहे लोग भी सुरक्षित नहीं बचे। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कमरे में सो रहे तीन बच्चे गंभीर घायल हो गए। मृतक का भाई और उसका परिवार भी हादसे का शिकार हुआ है। पुलिस ने इस मामले में ट्राले के ड्राइवर पर केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। हादसे के बाद वह ट्राला छोड़कर भाग गया था। खुडैल पुलिस के मुताबिक हादसे में शंकरलाल पिता घीसालाल की मौत हो गई। जबकि उसके बच्चे गोपाल (15), श्रवण (13) और प्रतीक्षा (19) गंभीर घायल हुए हैं।

कालियागंज के बाद अब मालदा में मिली नाबालिग की लाश

कोलकाता, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। उत्तर दिनाजपुर के कालियागंज में 12वीं की छात्रा से रेप और मर्डर का मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था। मालदा जिले के कालियाचक में एक छात्रा का शव बरामद होने की घटना से सनसनी फैल गई। इस मामले में भी छात्रा से दुष्कर्म और हत्या का आरोप लगाया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने मंगलवार को गांव में एक खेत के पास शव पड़ा देखा। हालांकि अभी छात्रा की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार मंगलवार की सुबह स्थानीय लोगों ने बारह-तेरह वर्षीय बालिका को खेत के किनारे पड़ा देखा। खबर फैलते ही स्थानीय निवासी जमा हो गए। पुलिस को इसकी सूचा दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार छात्रा ने कुर्ती और पैंट पहन रखी थी। स्थानीय निवासियों का दावा है कि उन्होंने लड़की को इलाके में पहले नहीं देखा था। ऐसे में यह माना जा रहा है कि लड़की इलाके की रहने वाली नहीं है। पुलिस ने जाकर छात्रा का शव बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने फिलहाल इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही वह कुछ बोल पाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस तरह से छात्रा का शव बरामद किया गया है, उससे यही माना जा रहा है कि उसके साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या की गई है। पुलिस छात्रा के परिवार की तलाश कर रही है। छात्रा की तस्वीर भी पास के थाने को भेज दी गई है। इस बात की जांच की जा रही है कि क्या पड़ोस के गांव की कोई लड़की गायब है। बता दें कि पिछले एक हफ्ते से बंगाल के कालियागंज 12वीं की छात्रा का शव मिलने को लेकर हड़कंप मच गया था। मामले को लेकर राज्य और राष्ट्रीय बाल सुरक्षा आयोग में घमासान मचा हुआ है। राष्ट्रीय बाल सुरक्षा आयोग के अध्यक्ष के अनुसार, छात्रा के साथ बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। हालांकि, राज्य प्रशासन के मुताबिक छात्र की मौत जहर खाने से हुई है। इसे लेकर इलाके में काफी हंगामा कटा था। बीजेपी सहित पीड़ित परिवार छात्रा की मौत की सीबीआई जांच की मांग कर रही है। इस बाबत कलकत्ता हाईकोर्ट में एक पीआईएल भी दायर की गई है। इसकी सुनवाई शीघ्र होने वाली है।

कुरुक्षेत्र एनआईटी में झगड़ाः छात्रों में चले चाकू, एक की हालत गंभीर

कुरुक्षेत्र, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान एनआईटी कुरुक्षेत्र के छात्रों में जमकर मारपीट हुई। इस दौरान एक छात्र पर चाकू से हमला कर दिया गया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल छात्र सचिन रेवाड़ी का रहने वाला बताया जा रहा है जिसे लोकनायक जयप्रकाश सिविल अस्पताल में उपचाराधीन कराया गया है जबकि आरोपी छात्र घटना के बाद मुकेश से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि आरोपियों के चेहरे ढके हुए थे और रंजिश के चलते इस घटना को अंजाम दिया गया।

महिला को नशीला पदार्थ सुंघाकर सोने की चेन व बालियां की चोरी

सोनीपत, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। सोनीपत के खरखौदा दिल्ली मार्ग पर एक महिला को नशीला पदार्थ सुंघाकर उनके आभूषण चोरी कर लिए गए। महिला को कुछ देर बाद होश आने पर खुद के साथ हुई वारदात का पता लगा। पीड़िता ने देखा कि उनके हाथ में कागज की गड्डी थी, जिस पर ऊपर और नीचे 10- 10 रुपये के नोट लगे हुए थे। मामले की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। रोहतक के गांव बखेता निवासी सरोज ने पुलिस को बताया कि वह खरखौदा में देशी वैध से मोतीझारे की दवाई लेने के लिए आई थी। दिल्ली मार्ग पर जब वह बरगद के पेड के पास पहुंची तो पीछे से एक महिला उसके पास आकर बात करने लगी। उसने पूछा कि कहां जा रही हो तो उन्होंने कहा देशी वैध से दवाई लेने जा रही हूं। जिस पर वह औरत उनसे कहने लगी कि उसे भी दवा लेने जाना है, यह कहकर वह महिला भी उसके साथ चल पड़ी। जिसके बाद एक युवक भी वहां पर आ गया और उसने उसे रुमाल सुंघाया, जिसके बाद वह होश खो बैठी। वह उनके साथ शहर की प्रताप कॉलोनी की गलियों में काफी देर तक घूमती रही। कुछ देर बाद उन्होंने उसे एक घर के बाहर बैठाया और उसके बाद उसके गले से डेढ़ तोले की सोने की चेन और कानों के आधा तोले के बाले निकाल लिए लिए। जब उसे होश आया तो उसके हाथ में कागजों की एक गड्डी थी जिस पर 10-10 के नोट आगे और पीछे लगे हुए थे। महिला का कहना है कि होश आने पर उन्हें पता चला कि उसके साथ महिला व युवक ने चोरी की वारदात की है। जिसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई।

तीन महीने बाद भी नहीं हो सका इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष का फैसला

प्रदेश कमेटी ने दिल्ली भेजा नाम

इंदौर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में जल्दी उम्मीदवार तय करने की घोषणा करने वाली कांग्रेस कई जिलों में शहर अध्यक्ष ही तय नहीं कर पा रही है। प्रदेश के सबसे बड़े शहर इंदौर के नगर अध्यक्ष पद की कुर्सी खाली है,जबकि चुनावी साल में मंडल से लेकर बूथ स्तर तक तैयारियां करना होती है। तीन माह पहले 23 जनवरी को अरविंद बागड़ी को अध्यक्ष बनाया गया था, लेकिन उनका विरोध होने के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इंदौर अध्यक्ष पद होल्ड पर रख दिया। अभी तक इस पद नियुक्ति नहीं हुई,जबकि कुर्सी की चाह रखने वाले दावेदार इंदौर से लेकर दिल्ली तक गोटे जमा चुके है। प्रदेश के नेताओं का कहना है कि उन्होंने नाम अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी को भेज दिया है। नाम की घोषणा वहीं से होना है। बागड़ी का विरोध होने के बाद गोलू शुक्ला का नाम दावेदारों की दौड़ में सबसे आगे है। कई पार्षदों ने भी भोपाल जाकर कमल नाथ के सामने उनकी पैरवी की, लेकिन बागड़ी और शुक्ला के विवाद के चक्कर में तीसरा नाम अध्यक्ष पद के लिए आ सकता है।अश्विन जोशी, सुरजीत सिंह के नाम भी चर्चा में है। पिछले दिनों जब कमल नाथ इंदौर आए थे तो उनसे इंदौर के अध्यक्ष पद को लेकर सवाल पूछे गए थे, तो उन्होंने कहा कि सभी से चर्चा के बाद नाम घोषित हो जाएगा।

नहीं थम रहा मणिपुर सीएम बीरेन सिंह का विरोध

एक और बीजेपी विधायक ने दिया इस्तीफा

इंफाल, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। मणिपुर में बीजेपी सरकार के मुश्किलें अब बढ़ती जा रही हैं। सीएम बीरेन सिंह से विधायक नाराज चल रहे हैं। हालांकि जब तीन विधायकों ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दिया तो सीएम ने कहा कि पार्टी में सब कुछ ठीक है। मगर अब एक और विधायक ने पद छोड़ दिया है। बीजेपी एमएलए केएच रघुमणि सिंह ने अब रिजाइन दिया है। इसके पहले तीन विधायक अपना-अपना पद छोड़ चुके हैं। मणिपुर में भाजपा में चुनाव तो जीत लिया और सरकार भी बना ली मगर अब ऐसा लग रहा है जैसे पार्टी अंतर्कलह से जूझ रही हो। एक-एक करके चार विधायकों ने अपना पद छोड़ दिया है। हालांकि सीएम बीरेन सिंह ने कुछ दिनों पहले कहा था कि पार्टी में सब कुछ ठीक चल रहा है।जिन तीन विधायकों ने इस्तीफा दिया था उनके बारे में उन्होंने कहा था कि दिल्ली में इलाज के सिलसिले से गए हैं।

एक मंत्री के लिए उन्होंने कहा था कि वो छुट्टी मांगकर गए हैं। लेकिन अब एक और इस्तीफा बड़े सवाल खड़े कर रहा है। भाजपा विधायक केएस रघुमणि सिंह मणिपुर रीन्यूबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी की चेयरमैन थीं। उन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देकर इस्तीफा दे दिया। यहां पर सीएम बीरेन सिंह के खिलाफ नाराजगी झलक रही है। जिन तीन विधायकों ने इस्तीफा दिया वो आलाकमान से मिलने को बेताब हैं। वो दिल्ली में ही हैं। सीएम बीरेन सिंह से विधायक नाराज हैं। हालांकि यहां पर कहानी अलग चल रही है। दो नाराज विधायकों ने पिछले दिनों कहा था कि काम की जिम्मेदारी ही नहीं मिल रही। इन नामों में गौर कीजिए। मणिपुर लंगथबल एरिया से बीजेपी विधायक हैं करम श्याम। उनको मणिपुर टूरिज्म निगम का चेयरमैन नियुक्त किया था। कुछ दिनों पहले उन्होंने इस्तीफा दे दिया। इसके बाद थोकचोम से बीजेपी एमएलए हैं राधेश्याम सिंह। उन्होंने 13 अप्रैल को मणिपुर सरकार के एडवाइजर पद से इस्तीफा दिया। बीजेपी एमएलए पाओनम ब्रोजेन सिंह ने भी 20 अप्रैल को अपना पद छोड़ा था। हालांकि कहा ये जा रहा है कि सब कुछ ठीक है मगर सबकुछ ठीक नहीं है।

देवेंद्र फडणवीस फिर बनेंगे सीएम

अगले महीने महाराष्ट्र की राजनीति में बड़े उलटफेर के संकेत

मुंबई, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। क्या देवेंद्र फडणवीस एक बार फिर महाराष्ट्र में सीएम की कुर्सी संभालेंगे ? अंदरखाने जो भी सियासत चल रही है उससे यही सवाल उभरकर सामने रहा है। सूत्रों के मुताबिक कर्नाटक चुनाव की वोटिंग 10 मई को खत्म होने के बाद महाराष्ट्र में कभी-भी बड़ा उलटफेर हो सकता है। सूत्रों की मानें तो देवेंद्र फडणवीस फिर से राज्य के मुख्यमंत्री बनेंगे वहीं अजित पवार और अपने समर्थकों के साथ बीजेपी सरकार में शामिल होंगे। बदली हुई स्थिति में अजित पवार और एकनाथ शिंदे डिप्टी सीएम बनाए जा सकते हैं।

रैंडम सर्वे में बीजेपी को फायदा नहीं

बीजेपी ने जो अंदरुनी रैंडम सर्वे कराए हैं उसके मुताबिक यह अनुमान है कि लोकसभा के लिए बीजेपी को 48 में से 22 से 25 सीटों पर ही जीत मिलेगी एकनाथ शिंदे की शिवसेना को साथ लेकर भी बीजेपी को फायदा होता नही दिखाई दे रहा है। वहीं उद्धव ठाकरे के साथ कैडर भी है और सहानुभूति भी है।

वहीं महाविकास आघाड़ी एकसाथ चुनाव लड़े तो बीजेपी को नुकसान होने की बात सामने आ रही है। यही कारण है कि अब बीजेपी राज्य की कमान अपने हाथ लेकर जल्द महाविकास आघाड़ी में फूट का लाभ और राज्य की सत्ता अपने हाथ में लेना चाहती है। ऐसी भी जानकारी सामने आ रही है कि एकनाथ शिंदे फाइल जल्द क्लियर नही कर रहे जिससे बीजेपी के मंत्रियों और नेताओं में भी बड़ी नाराजगी है। राज्य के बीजेपी नेताओं ने पार्टी के सीनियर नेताओं को दो से तीन महीने पहले ही सब जानकारी दी और हालात से अवगत कराया पर बीजेपी शीर्ष नेतृत्व ने राज्य बीजेपी के नेताओं को अप्रैल तक रुकने को कहा था।

उधर मुख्यमंत्री बदले जाने की खबरों से एकनाथ शिंदे भी परेशान हैं। अब बीजेपी के नेता भी 'देवेंद्र फडणवीस ही हमारे मुख्यमंत्री' ऐसा बोलने लगे हैं जिससे शिंदे भी नाराज हैं। वो लगातार कोशिश कर रहे हैं कि उनका सीएम पद बचा रहे। कल शाम मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मुम्बई एक कार्यक्रम में आएंगे जहां उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद रहेंगे।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 25 अप्रैल- 2023

लोकसेवकों पर सवाल?

लोकतांत्रिक व्यवस्था में देखा जाए तो चारों स्तंभों का महत्व है। किसी का ज्यादा नहीं तो किसी का कम भी नहीं। इसके बावजूद लोकसेवकों की जिम्मेदारी को सबसे अहम स्थान इसलिए दिया गया है कि यही वह वर्ग है जो विधायिका के निर्णयों को क्रियान्वित करने, योजनाओं को उनके लक्ष्य तक पहुंचाने में मददगार साबित होते हैं। इसके अलावा सार्वजनिक धन का समुचित उपयोग कैसे हो इसे भी सुनिश्चित करते हैं। इसीलिए लोकसेवा दिवस पर प्रधानमंत्री ने लोकसेवकों से अपील की कि वे राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को विस्तार देते हुए और अधिक महत्वपूर्ण बनाएं। लोकसेवक अपने हर फैसले से पहले इन सवालों के बारे में जरूर सोचें कि सत्ता में बैठी राजनीतिक पार्टियां सरकारी धन का इस्तेमाल देश के विकास के लिए कर रही है या नहीं। कहीं ऐसा तो नहीं कि राजनीतिक पार्टियां अपने दल के विस्तार में या वोट बैंक बनाने के प्रयास में सरकारी धन का दुरुपयोग कर रही हैं। देखा जाए तो पीएम मोदी का इशारा उन सरकारों की तरफ था, जो मुफ्त की रेवडियां बांट कर अपना जनाधार बढ़ाने का प्रयास करती रहती हैं। बीते कुछ वर्षों में यह प्रवृत्ति काफी तेजी से बढ़ी हैं। लगभग हर राजनीतिक दल चुनावी सभाओं में बिजली, पानी, स्वास्थ्य सुविधाएं आदि मुफ्त में देने का जिस तरह से बढ़-चढ़ कर दावे कर रही हैं वह देशहित के लिए लाभदायक कतई नहीं है। कुछ राज्य तो इस तरह की रेवडियां बांट कर खुश भी नजर आ रही हैं। अफसोसजनक तो यह है कि इस तरह से धन लुटाने का काम वे सरकारें कर रही हैं जो जिनके पास पहले से वित्तीय संकट चल रहा है। ऐसे में सवाल लाजमी है कि क्या सिर्फ प्रशासनिक अधिकारियों की सतर्कता से ही इस तरह की प्रवृत्ति पर अंकुश लग जाएगा। देखा जाए तो सरकारी धन के दुरुपयोग की एक लंबी श्रृंखला है। उसमें अनाप-शनाप खर्चे भी शामिल हैं। कई बार तो यह भी देखा गया है कि राजनेताओं को दिखावे और तड़क-भड़क वाले जीवन शैली के प्रदर्शन पर कोई संकोच नहीं होता। ऐसे में जरूरी है कि वे अपने खर्चों में मितव्ययता बरतें। लेकिन देखने में यही आ रहा है कि चुनाव खर्च से लेकर निजी जीवन तक उनके खर्चे में कहीं भी कोई कमी नहीं दिखाई दे रही है। यही बात प्रशासनिक अधिकारियों के मामले में भी देखी जा रही है। ताजा हालात में सरकारी खजाने का बड़ा हिस्सा जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की सुख-सुविधाओं पर ही खर्ज हो रहा है। इतना धन जुटाने में भी दिक्कत आ रही है। लोकलुभावन योजनाओं की घोषणा इसी मकसद से की जाती है कि मतदाता अगले चुनाव में भी उन्हें ही चुन कर सत्ता तक पहुंचाएंगे। यही वजह है कि हर चुनावी वर्ष में लुभावनी योजनाओं की झड़ी-सी लग जाती है। इस मामले में कोई भी दल पीछे नहीं है। फिर तर्क दिए जाते हैं कि जन कल्याण के लिए योजनाएं शुरू करना या पुरानी योजनाओं को विस्तार देना, उनके मद में धन का आबंटन बढ़ाना एक कल्याणकारी सरकार का दायित्व है। ऐसे में प्रशासनिक अधिकारियों के लिए सरकार का हाथ रोकना आसान काम नहीं है। फिर सवाल लोकसेवकों यानी प्रशासनिक अधिकारियों की जवाबदेही का भी है। अधिकारी भी खुद कितने निष्ठावान रह गए हैं, इस पर प्रश्नचिह्न लगातार बढ़ता ही जा रहा है। जगजाहिर है कि जिसकी सरकार रहेगी प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस का अमला उसके साथ रहेगा। इस वर्ग को तो सरकार के इशारे पर ही काम करना होगा। इसीलिए जब भी सरकारें बदलती हैं, सबसे पहले बडे पैमाने पर अधिकारियों के ही तबादले किए जाते हैं। अगर कोई अधिकारी वास्तव में सरकार के कामकाज पर अंगुली उठाने का प्रयास करता है, तो तबादलों और मुकदमों के चक्र फंसा कर उसे सबक सिखा दिया जाता है। जब तक वह सत्ता के सामने घुटने नहीं टेक देता तब तक वह अपना काम ठीक से कर ही नहीं पाता। ऐसे में प्रशासनिक अधिकारियों ने भी सरकारी मलाई खाने के लिए सत्ता से करीबी बनाए रखने में ही भलाई समझने लगे हैं। वे महत्त्वपूर्ण और 'कमाई' वाले पदों पर पहुंचने के लिए जोड़-तोड़ भी करते रहते हैं। ऐसे में यक्षप्रश्न तो यही है कि क्या वास्तव में प्रशासनिक अधिकारी अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वाह करने में सफल हो पाएंगे!

बिना हड्डी की जीभ

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

हमारे एक मित्र हैं। आए दिन समाचार चैनल देख-देखकर उनके जुबान की धार बहुत तेज हो गई है। कभी-कभी लगता है कि साग-सब्जी भी अब इसी से काटते हैं। वैसे भी जहाँ धारदार जुबान हो वहाँ मुंड चाकुओं के होने का क्या मतलब? वे अक्सर मुझसे कहते रहते हैं कि लड़ाने को यों कुछ भी लड़ाया जा सकता है, पर जुबान लड़ाने का मजा ही कुछ और है। चाकू जुबान को नहीं चला सकती, लेकिन जुबान चाकू को जरूर चला सकती है। सुनने में बड़ा अजीब लगता है लेकिन किसी के आगे जुबान लड़ा कर देखिए। या तो बिगड़े काम बन जायेंगे। या फिर बने बनाए काम बिगड़ जायेंगे। यह सब जुबान लड़ाने वाले के कौशल पर निर्भर है कि वह कितनी अच्छी तरह से जुबान लड़ा सकता है। जुबान लड़ाना एक कला है। इसके लिए साधना करनी पड़ती है। ऋषि-मुनि की तरह। अंतर केवल इतना है कि वे ऋषि-मुनियों को एकांत की आवश्यकता पड़ती है, जबकि जुबान लडाने वालों को भीड़ की। चुनावी रैलियों, चाय की टपरी, नुक्कड़ो-चौराहों पर यह माहौल बना-बनाया मिलता है। शरीर में जुबान ही एक ऐसा अंग है जिसमें हड्डी नहीं होती है। इसलिए दुनियाभर के इंसान अलग-थलग हैं। जुबान लड़ाना एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसकी शास्त्रीय व्याख्या बहुत जरूरी है। आप कल्पना करके देख सकते हैं कि यदि कोई व्यक्ति कुछ बोल रहा हो और उसकी बात को काटकर अपनी जुबान लड़ा दें तो स्वाभाविक है कि सामने वाली की ऐसी-तैसी होनी ही है। आखिर जुबान लड़ाने का अर्थ क्या है? अर्थ इसका काफी विस्तृत है, इसलिए विविधता भी पाई जाती है। जरूरी नहीं कि आप जिस कारण कहीं जुबान लड़ाते हो, हम भी उसी कारण से लड़ाएँ। अर्थात यह लड़ाने वाले की नीयत पर निर्भर करता है। फिर भी, एक सार्वजनिक अर्थ इसका है, अनावश्यक हस्तक्षेप करना। कोई चाहे, न चाहे, जरूरत हो, न हो। दूसरों के मामलों में दखलअंदाजी करना। यह महज एक सामान्य और सतही अर्थ है। इसके अर्थ की व्यापकता की कोई सीमा नहीं है। यह पूरी तरह जुबान लड़ाने वाले की सुविधा, इच्छा और जरूरत पर निर्भर करता है। अब रही बात कि जुबान लड़ाने की जरूरत क्या है? यह एक शौक है, आदत है या बीमारी? देखिए, पहले इसकी शुरुआत तो एक शौक के रूप में होती है और अंत बीमारी में। जिसको यह शौक होता है, उसे जुबान लड़ाने में मजा आने लगता है। जब इसकी आदत पड़ जाती है, तब वह अवसर ढूँढ़ने लगता है। जब इसकी लत पड़ जाती है, तब उसे जुबान लड़ाए बिना चैन नहीं पड़ता है और अंत में जब बीमार पड़ जाता है, उस अवस्था में, बिना लड़ाए भी लड़ता ही रहता है। यह जुबान लड़ाने का क्लाइमेक्स है। प्रायः हमने देखा होगा कि कुछ लोग बुढ़ापे में दिन-रात बड़बड़ाते रहते हैं। ऐसे लोगों को यह आदत जवानी में जुबान अड़ाने से आती है, जो बुढ़ापे तक आकर बीमारी का रूप धर लेती है।

कोई सुने, न सुने, वे बोलते ही

चीन के रक्षा मंत्री का भारत आना महत्वपूर्ण है ?

अशोक भाटिया

पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद के चौथे साल में प्रवेश करने के बीच भारत और चीन ने रविवार को इस क्षेत्र के शेष मुद्दों को हल करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए नयी उच्च-स्तरीय सैन्य वार्ता आयोजित की है। इस मामले से परिचित लोगों ने यह जानकारी दी है। सैन्य वार्ता का 18वां दौर चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू की अगले सप्ताह होने वाली भारत यात्रा के मद्देनजर हुआ है। शांगफू शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की एक महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेने यहां आ रहे है, जिसकी मेजबानी भारत की अध्यक्षता में की जा रही है। रविवार की सैन्य वार्ता दोनों पक्षों के वरिष्ठ सेना कमांडर के बीच अंतिम दौर की बातचीत के करीब चार महीने बाद हुई है। जानकर लोगों के अनुसार यह बैठक पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीनी क्षेत्र की ओर स्थित चुशुल-मोल्डो सीमा मुलाकात केंद्र पर हुई। यह पता चला है कि भारतीय पक्ष ने पूर्वी लद्दाख में डेमचोक और देपसांग के शेष विवादित स्थलों से संबंधित मुद्दों को जल्द से जल्द हल करने पर जोर दियाथा। वार्ता के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लेह स्थित 14वीं कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल राशिम बाली ने किया था। यही सैन्य कोर कमांडर स्तर की वार्ता पूर्वी लद्दाख विवाद को हल करने के लिए स्थापित की गई थी। भारत का कहना है कि जब तक सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति नहीं होगी, तब तक चीन के साथ उसके संबंध सामान्य नहीं हो सकते। पैंगोंग झील क्षेत्र में हिंसक झड़प के बाद पांच मई, 2020 को पूर्वी लद्दाख सीमा पर गतिरोध शुरू हुआ था। जून 2020 में गलवान घाटी में भयंकर संघर्ष के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में काफी गिरावट आई थी। सैन्य और कूटनीतिक वार्ता की एक श्रृंखला के परिणामस्वरूप, दोनों पक्षों ने पैंगोंग झील के उत्तर और दक्षिण किनारे और गोगरा क्षेत्र से अपने-अपने सैनिक पीछे हटाये थे।लद्दाख क्षेत्र में एलएसी पर सीमा सुरक्षा व्यवस्था संभालती है। एलएसी पर भारत और चीन के बीच तनाव के बीच 27 और 28 अप्रैल को शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के रक्षा मंत्रियों की यह बैठक नई दिल्ली में हो रही है। इस संगठन के सदस्य देश रूस, चीन के अलावा तजाकिस्तान, किर्गिस्तान, कजाखिस्तान, उज्बेकिस्तान व पाकिस्तान भी हैं। लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश से लगी सीमा पर जारी गतिरोध के बीच चीन के नए रक्षा मंत्री ली शांगफू एससीओ की इस बैठक में शामिल होंगे। यह 2020 के बाद किसी भी चीनी रक्षा मंत्री का पहला दौरा है। ऐसे में यह सवाल है कि चीन के रक्षा मंत्री का यह दौरा कितना महत्वपूर्ण है। दूसरी महत्वपूर्ण बात ये है कि एससीओ के अंदर चीन और पाकिस्तान दोनों ही हैं। भारत की रणनीति एससीओ बैठक के दौरान क्या होनी चाहिए? चीन के रक्षा मंत्री का दौरा काफी महत्वपूर्ण है। पिछला तीन साल छोड़ दें तो पिछले 20-30 वर्षों में भारत और चीन के संबंधों में काफी सुधार हो रहे थे। दोनों देश के बीच संबंधों में गहराई आ रही थी। लेकिन पिछले दो से तीन वर्षों में जो घटना हुई है उस वक्त से एक गतिरोध की स्थिति बनी हुई है। इसलिए उनका आना बहुत ही महत्वपूर्ण है। इससे पहले भी जब एससीओ के अंदर एनएसए की बैठक हुई तब उसमें चीन और पाकिस्तान दोनों ने वर्चुअली बैठक में हिस्सा लिया था। चीन के रक्षा मंत्री के आने से दोनों देशों के बीच एलएसी पर जो तनाव है, उसे कम करने को लेकर वार्ता में आगे बढ़ने के और भी रास्ते खुलने की संभावना बन रही है। भारत को यह प्रयास करना चाहिए कि चीन ने लद्दाख के जिन रणनीतिक इलाकों जैसे देपसांग प्लेन और चार्डिंग निंगलूंग नाला (CNN) से अपने सैनिकों को पीछे नहीं ले जाने की बात कही है, उसके लिए हमें वहां से डिसएंगेजमेंट करने को लेकर पुख्ता तौर पर वार्ता करनी चाहिए। भारत को इसके लिए न सिर्फ बातचीत करनी चाहिए बल्कि एक फर्म स्टैंड भी लेना चाहिए कि जब तक इन रणनीतिक क्षेत्रों से चीन अपने सैनिकों को पीछे नहीं कर लेता है तब तक हम जो और भी कॉमप्रिहेंसिव मुद्दे हैं उस पर आगे नहीं बढ़ेंगे। यह बात सही है कि जब तक डिप्लोमेटिक चैनल बातचीत के लिए नहीं खुलेगा तब तक इन सब चीजों का समाधान होना थोड़ा मुश्किल कार्य है। इसलिए इस प्लेटफॉर्म का भारत को इस्तेमाल करना चाहिए कि वो इसके लिए चीन को कन्विंस करे कि वो इन बिंदुओं से पहले पीछे हटे। यह बात चीन को भी पता है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है। चीन इन क्षेत्रों पर अपना दावा इसलिए करता रहा है क्योंकि उसकी विस्तारवाद की रणनीति शुरू से रही है। अरुणाचल प्रदेश से पहले वो सिक्किम के इलाकों को अपना बताया करता था, लेकिन कुछ समय के बाद उसने यह स्वीकार किया कि यह भारत का हिस्सा है। अभी जो अरुणाचल प्रदेश में 11 जगहों का नाम बदला और उसे अपने मैप का हिस्सा बताया मुझे लगता है कि वह ऐसा करके भारत के ऊपर एक दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। ये एक दबाव की राजनीति है ताकि वह अन्य इलाकों में अपना जो घुसपैठ है या फिर एलएसी के क्षेत्रों में वह ज्यादा दबाव बना पाए। इसलिए अरुणाचल को चीन एक औजार के रूप में इस्तेमाल करना चाहता है। चीन का जो वर्किंग स्टाइल रहा है शुरू से वह अभी भी है। वह हमेशा किसी न किसी तरीके से भारत के ऊपर दबाव बनाने की कोशिश करता रहा है, लेकिन मुझे लगता है कि आज की जो भारतीय विदेश नीति है उसमें वह अब सफल नहीं हो पाएगा। चूंकि हम यह जानते हैं कि भारत और चीन के बीच जो व्यापारिक रिश्ते हैं और जो व्यापार है उसमें चीन हमेशा से फायदे में रहा है। भारत के साथ व्यापार संतुलन का पलड़ा चीन के पक्ष में रहा है। सेकेंडरी और इंडस्ट्रियल गुड्स के मामले में चीन हमेशा से आपूर्तिकर्ता की भूमिका में रहा है। ऐसे में चीन हमेशा चाहेगा कि भारत के साथ जो उसके आर्थिक संबंध हैं, उसे और बढ़ाया जाए ताकि वह और रेवेन्यू बढ़ा सके। आर्थिक कारण भी एक बड़ा पहलू है चीन को वार्ता के मेज पर लाने की या उसे ऐसा लगता है कि व्यापार और अर्थव्यवस्था के लिए भारत के साथ बातचीत करना जरूरी है। लेकिन हमें यह कोशिश करनी चाहिए कि हम इस व्यापारिक संबंध को अपने पक्ष में कैसे लेकर आगे बढ़ें। व्यापार संतुलन को कैसे अपने पक्ष में किया जाए। कैसे फिर हम इस आर्थिक लिवरेज का लाभ चीन के साथ दूसरे क्षेत्रों में कर सकते हैं। जैसे एलएसी विवाद को सुलझाने में इसका इस्तेमाल किया जाए। यह भारत के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। एससीओ में कुल आठ देश हैं। इसमें चार सेंट्रल एशियन देश शामिल हैं और अन्य चार देशों में रूस, चीन, भारत और पाकिस्तान है। पाकिस्तान, चीन के दबाव के कारण ही एससीओ के अंदर आया है। भारत की जो परंपरागत विदेश नीति रही है और सामान्यतः जो इस तरह के क्षेत्रीय संगठन रहें हैं, उसका उपयोग हम लोग मल्टीलेटरल मुद्दो के लिए ही करते आ रहे है और यही ठीक भी रहेगा कि हम वो चीजें ही करें जहां पर सभी की सहमति हो। लेकिन उस दौरान हमें अपने द्विपक्षीय मुद्दों को भी तवज्जो देना होगा।एससीओ भारत के ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने के लिए, आतंकवाद को लेकर कार्रवाई करने के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण संगठन है। भारत को एससीओ के अंदर इन सभी मुद्दों पर बातचीत करनी चाहिए। चूंकि SCO अपने आप में यूनिक मंच है जहां पर चीन और पाकिस्तान दोनों ही इसके अंदर हैं।

दोनों देशों के साथ हमारे संबंध कई बार बहुत ही बुरे दौर में चला जाता है। ऐसे में इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से द्विपक्षीय वार्ता को बढ़ावा देने के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है। हाल के वर्षों में भारत का चीन के साथ बहुत ही इंगेजिंग और डायनेमिक संबंध रहा है। 2020 के घटनाक्रम को अगर छोड़ दिया जाए तो बहुत ही डायनेमिक रहा है। लेकिन यह भी है कि जहां-जहां सख्त रुख अख्तियार करने की जरूरत पड़ी है, वहां भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। चाहे वो लद्दाख में सीमा विवाद हो, डोकलाम का मुद्दा हो या अरुणाचल का तो कुल मिलाकर चीन के प्रति भारत की जो वर्तमान विदेश नीति है उसमें दृढ़ता है। यूपीए सरकार के दौरान जो विदेश नीति थी या जो चीन को लेकर दृष्टिकोण था उसमें इतनी गत्यात्मकता नहीं थी। ये बदलाव कुछ हाल के वर्षों में हुए है।

युगांडा से सूडान संकट तक : बदलती भारतीय विदेश नीति

आर.के. सिन्हा

सूडान में सेना और अर्धसैनिक बल के बीच चल रहे भीषण गृहयुद्ध के चलते वहां हालात तो बद से बदतर होते चले जा रहे हैं। ऐसे में वहां फंसे हजारों भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश लाने को लेकर सारा देश चिंतित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूडान में फंसे भारतीयों को जल्द से जल्द सुरक्षित निकासी के लिए विदेश मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश दे दिए हैं। मतलब यह कि अब सरकार एक्शन मोड में आ गई है। यह बदले हुए मजबूत भारत का नया चेहरा है। अब जहां पर भी भारतवंशी या भारतीय संकट में होते हैं, तो भारत सरकार पहले की तरह हाथ पर हाथ धर कर नहीं बैठती। आपको याद ही होगा कि रूस-यूक्रेन जंग के कारण हजारों भारतीय मेडिकल छात्र-छात्रायें यूक्रेन में फंस गए थे। उन्हें भारत सरकार तत्काल सुरक्षित स्वदेश लेकर आई। भारत के हजारों विद्यार्थी यूक्रेन में थे। वे वहां पर मेडिकल, डेंटल, नर्सिंग और दूसरे पेशेवर कोर्स कर रहे थे। ये रूस-यूक्रेन जंग को देखते हुए वहां से निकल कर स्वदेश आना चाहते थे। पहले तो किसी को समझ में ही नहीं आ रहा था कि इतनी अधिक संख्या में यूक्रेन की राजधानी कीव और दूसरे शहरों में पढ़ रहे भारतीय नौजवानों को स्वदेश कैसा लाया जाएगा। पर इच्छा शक्ति हो तो सब कुछ संभव है। यह साबित करके दिखाया गया। अब अफगानिस्तान में गृहयुद्ध के दिनों की ही बात को जरा याद कर लें। भारतीय वायु सेना और एयर इंडिया के विमान लगातार अफगानिस्तान से भारतीयों को लेकर स्वदेश आते रहे थे। काबुल में जिस तरह के हालात बन गए थे उसमें सारे भारतीयों को लेकर तालिबानी आतंकियों के बीच से लेकर आना कोई छोटी बात नहीं थी I इनको ताजिकिस्तान के रास्ते दिल्ली या देश के अन्य भागों में लाया जा रहा था। कुछ विमान कतर के रास्ते से भी आ रहे थे। उस वक्त भारत के अफगानिस्तान में दर्जनों विकास के बड़े प्रोजेक्ट चल रहे थे, इनमें अफगानिस्तान को नये तरह से खड़ा करने के लिए भारत हर तरह की मदद भी कर रहा था। भारत के हजारों करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट फंस गए थे। पर इन प्रोजेक्ट्स से हजारों भारतीय जुड़े हुए थे। इन्हीं भारतीयों को सुरक्षित निकाला जा रहा था। भारत की तरफ से अफगानिस्तान बांध से लेकर स्कूल, बिजली घर से लेकर सड़कें, काबुल की संसद भवन से लेकर पावर इंफ्रा प्रोजेक्ट्स और हेल्थ सेक्टर आदि समेत न जाने कितनी परियोजनाओं को तैयार किया जा रहा था। लेकिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अफगानिस्तान से देश के नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने और वहां से भारत आने के इच्छुक सिखों व हिंदुओं को भी भारत में शरण देने का अधिकारियों को निर्देश भी दे दिये। अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के नियंत्रण के बाद ही आने वाली परिस्थितियों को भांपते हुये भारत सरकार सक्रिय हो गई थी। जाहिर है, ये सब कदम उठाने के बाद भारत सरकार का इकबाल न केवल देश के अन्दर बल्कि विदेशों में भी बुलंद हुआ। अब आगे बढ़ने से पहले 1972 के दौर में चलते हैं। अब भी बुजुर्ग हो रहे भारतीयों को याद ही होगा कि सन 1972 में अफ्रीकी देश युगांडा के तानाशाह ईदी अमीन ने अपने देश में रहने वाले हजारों भारतीयों को रातों रात आदेश दे दिया था कि वे सभी 90 दिनों में देश को छोड़ दें। हालांकि वे भारतीय ही युगांडा की अर्थव्यवस्था की जान थे। पर सनकी अमीन कभी भी और कुछ भी कर देता था। उसके फैसले से वहां पर दशकों से रहने वाले भारतवंशियों के सामने बड़ा भारी संकट खड़ा हो गया था। तब ब्रिटेन ने उन भारतीयों को अपने यहां शरण दी थी। तब हमारी प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार ने उन भारतवंशियों के लिए कुछ नहीं किया था। ऐसा उन्होंने क्यों किया यह लोगों को अचम्भे में डालने वाला था I क्योंकि, वे कोई कमजोर प्रधानमंत्री तो थी नहीं I उस समय बांग्लादेश की आजदी और पाकिस्तान के 93000 सैनिकों के आत्म समर्पण के बाद उनके शोहरत का डंका बज रहा था I लेकिन, उन्होंने कोई ठोस कदम नहीं उठाये I पता नहीं क्यों? भारतीय युगांडा में लुटते-पिटते रहे थे, लेकिन हमने घडियाली आंसू बहाने के सिवा कुछ नहीं किया था। उन भारतीयों को हमसे अभी तक गिला है जो होना भी चाहिये। क्या हम सात समंदर पार जाकर बस गए बहादुर उधमी भारतीयों से सिर्फ यही उम्मीद रखें कि वे भारत में आकर निवेश करें? पर अब भारत चुनौती का सामना करता है। भारत की बदली हुई विदेश नीति के चलते ही हमने टोगो में जेल में बंद पांच भारतीयों को सुरक्षित रिहा करवाया था। ये सब के सब केरल से थे। टोगो पश्चिमी अफ्रीका का एक छोटा सा देश है। भारत सरकार 2015 में यमन में फंसे हजारों भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश लाई थी। वह अपने आप में एक मिसाल हैI भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस सुमित्रा से इन्हें पहले जिबूती ले जाया गया था। जिबूती से इन लोगों को चार विमानों से भारत वापस लाया गया। उस समय यमन के हूती विद्रोहियों के ख़िलाफ़ सऊदी अरब के नेतृत्व वाली गठबंधन सेना ने सैन्य कार्रवाई शुरू की थी जिसमें हजारों भारतीय फंस गये थे। अब भारत सरकार के सामने सूडान से भारत के नागरिकों को लाने की बड़ी चुनौती है। प्रधानमंत्री मोदी खुद सूडान से भारतीयों को वापस लाने के काम पर लगातार नजर रख रहे हैं। सूडान में चल रहे गृह युद्ध में कुछ भारतीयों के हताहत होने की भी खबरें हैं। सूडान में 3000 से अधिक भारतीय इस समय फंसे हैं। राजधानी खार्तूम में संघर्ष की वजह से इनकी निकासी में मुश्किलें आ रही हैं। बहरहाल, यह दुखद है कि भारत के मित्र देश सूडान में इतना गंभीर आर्तंरिक संकट चल रहा है। भारतीय विशेषज्ञ सूडान के वानिकी क्षेत्र के विकास में सन 1910 से सक्रिय हैं। महात्मा गांधी ने 1935 में इंग्लैंड जाते समय पोर्ट सूडान का दौरा किया था और सूडान में बसे भारत वंशियों से मुलाकात की थी। पंडित जवाहरलाल नेहरू भी 1938 में सूडान गए थे। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन ने 1953 में पहले सूडानी संसदीय चुनावों का निरीक्षण किया। 1957 में स्थापित सूडानी चुनाव आयोग ने भारतीय चुनाव कानूनों और प्रथाओं से प्रेरणा प्राप्त की। भारत ने फरवरी 1954 में स्थापित सूडानीकरण समिति को वित्तीय सहायता प्रदान की, जिसे स्वतंत्रता के बाद सूडानी सरकार में ब्रिटिश कर्मचारियों की जगह लेने का काम सौंपा गया था। भारत ने मार्च 1955 में खार्तूम में अपना दूतावास खोला। सूडान ने उसके चंदेक सालों के बाद राजधानी के चाणक्यपुरी में अपना दूतावास स्थापित किया।

राजा-महाराजा का वाकयुद्ध

कुलदीप सिंह पंवार

महाराजा और राजा का वाक युद्ध इन दिनों चर्चा में है। इसमें किसका कितना नुकसान किस का फायदा होगा तो यह तो चुनाव परिणाम ही बताएंगे। लेकिन हाल फिलहाल मध्यप्रदेश का राजनीति के दो धुरंधर राजनीतिज्ञ पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और ज्योतिरादित्य सिंधिया एक दूसरे पर तीखे शब्दों बाण छोड रहे हैं। राजा-महाराजा के जमाने तो लद गए लेकिन एमपी के लोग दिग्विजय सिंह को राजा तो ज्योतिरादित्य सिंधिया को महाराजा के नाम से बुलाने में अपनी शान समझते हैं। देखा जाए तो दोनों में पुरानी अदावत है। दोनों की राजनीतिक लडाई किसी से छिपी नहीं है। माधवराव सिंधिया से लेकर ज्योतिरादित्य सिंधिया तक दिग्विजय सिंह को पछाडने में अपनी ऊर्जा खर्च करते रहे, लेकिन पार्टी बदलने के अलावा दोनों ही कुछ नहीं कर सके। बहरहाल, अब तो सिंधिया भारतीय जनता पार्टी में आ गए हैं इससे दोनों के बीच खाई और गहरी हो गई है। हाल ही में दिग्गी राजा ने भगवान महाकाल से प्रार्थना की कि सिंधिया जैसा गद्दार कांग्रेस में दूसरा कोई पैदा न हो। राजा के बयान से भारतीय जनता पार्टी और सिंधिया खेमे में हलचल मच गई है जिस प्रकार पिछले चुनाव में 2018 में कमलनाथ कांग्रेस सरकार को सिंधिया ने धोखे से गिरा दी थी उनको गद्दार बता दिया था दिग्गी राजा आने वाले विधानसभा चुनाव में बदला लेने का सबसे अच्छा अवसर मानते हैं। राजा मध्यप्रदेश की जनता की नब्ज टटोलते रहते हैं उनको मालूम है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने आप को मुख्यमंत्री बनना देखना चाहते हैं। सिंह ने अपने एक बयान से कई निशाने साध दिए। उन्होंने एक तरह से शिवराज चौहान भी को चेता दिया सिंधिया क्यों विश्वसनीय नहीं है। इसका असर यह हुआ कि सिंधिया खेमे के कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री को कांग्रेस का कोरोना बता दिया और उन्हें चीन जाने की सलाह दे डाली। पूर्व मुख्यमंत्री सिंह महाकाल के दर्शन करने पहुंचे और तुलसी सिलावट के चीन जाने वाले बयान पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि मैं यहीं जी लूंगा और मरूंगा और लोगों की छाती पर मूंग दलूंगा। इस बीच भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने भी इस जुबानी जंग में कूदकर अपनी प्रतिक्रिया दे डाली। जिससे राजनीतिक पारा और गर्म हो गया है। महाकाल दर्शन को पहुंचे विजयवर्गीय पत्रकारों से चर्चा करते हुए दिग्विजय सिंह को भाषा की मर्यादा का पाठ पढ़ा दिया। और कहा कि कहा वैसे तो सिंह सुलझे हुए व्यक्ति हैं परंतु ना जाने क्यों उनकी कभी-कभी बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है।

माफिया के महिमामंडन की बेशर्म राजनीति

उत्तर प्रदेश विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की हुंकार प्रदेश और देशवासियों को विस्मृत नहीं हुई है। जब उन्होंने कहा था कि माफिया को मिट्टी में मिला देंगे। जान के लाले पड़ जाएंगे। माफिया या तो जेल में होगा अथवा उत्तर प्रदेश से भाग जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह बयान प्रयागराज में बसपा विधायक राजू पाल हत्याकाण्ड के चश्मदीद उमेश पाल की दिनदिहाड़े हत्या के बाद आया था। उमेश पाल की नृंशस हत्या अतीक अहमद के बेटे और गुर्गो ने की थी। उमेश पाल की हत्या के बाद अतीक अहमद के परिवार और गुर्गों के सितारे गर्दिश में चल रहे हैं। हत्याकाण्ड में शामिल कई शूटरों का पुलिस इनकाउंटर कर चुकी है। जिसमें अतीक का बेटा असद भी शामिल है। बीती 15 अप्रैल को पुलिस के सख्त पहरे और चैतरफा घेरेबंदी के बावजूद, किसी ने मीडिया का मुखौटा धारण कर, अतीक और उसके छोटे भाई अशरफ पर गोलियां चला दीं और कुछ ही सेकंड में जिंदगियां निष्प्राण हो गईं। माफिया के रूपक बने दोनों भाई मारे गए। यह हत्यावादी हमला भी किसी साजिशाना रणनीति का हिस्सा हो सकता है! अतीक और अशरफ को 'लाश' बनाने वालों ने आत्म-समर्पण भी कर दिया। उन पर हत्या का मुकदमा चल सकता है। साक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट और सार्वजनिक हैं। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने न्यायिक आयोग से जांच के आदेश दिए हैं। बेशक अतीक की माफियागीरी का फिलहाल अंत को चुका है, लेकिन उसके चार बेटे (दो बालिग, दो नाबालिग) पुलिस की गिरफ्त में हैं। लेकिन जिस तरह की राजनीति अतीक और अशरफ की हत्या के बाद की जा रही है, वो सोचने को मजबूर करती है। अतीक और अशरफ की मौत को चंद सियासी दल और संगठन सांप्रदायिक मुद्दा बनाने की कोशिश लगातार कर रहे हैं। सपा, बसपा और ओवैसी इस हत्याकांड को 'मुस्लिमवाद' के तौर पर प्रचारित करने में प्रयासरत हैं। यह खुला तथ्य है कि अतीक को मुलायम सिंह यादव और मायावती सरीखे नेताओं का संरक्षण हासिल था, जिसकी छाया में वह माफिया बनता चला गया। अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन उमेश पाल शूटआउट केस में नामजद अभियुक्त हैं। उमेश पाल शूटआउट केस में संलिप्तता सामने आने के बाद पुलिस ने 50 हजार का इनाम घोषित किया है। फिलवक्त फरार चल रही शाइस्ता ने इस साल जनवरी की पांच तारीख का असदुद्दीन की पार्टी एआईएमआईएम को छोड़कर बसपा का दामन थामा था। शाइस्ता के साथ उनके तीन बेटों ने भी बसपा की सदस्यता ली थी। उस वक्त यूपी निकाय चुनाव टलने की वजह से आज अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता को आधिकारिक तौर पर प्रयागराज सीट से मेयर का उम्मीदवार घोषित नहीं किया गया था। इसके बावजूद मंच से कई बार यह बात कही गई कि जब भी चुनाव होगा और शाइस्ता परवीन टिकट चाहेंगी तो पार्टी उन्हें ही उम्मीदवार बनाएगी। आज अगर उमेश पाल हत्याकाण्ड न हुआ होता तो, शाइस्ता परवीन अपने गुर्गों के साथ प्रयागराज में घर-घर जाकर अपने लिए वोट मांग रही होती। और हो सकता है वो माननीय मेयर भी बन जाती। अतीक की हत्या के बाद जिस तरह की राजनीति चंद सियासी दल कर रहे हैं। और जिस तरह की रिपोर्ट कुछ पत्रकार और मीडिया हाउस कर रहे हैं, वो साफ तौर पर दर्शाता है कि अपराधी नेता और मीडिया की दोस्ती कितनी गहरी है। माफिया अतीक अहमद कई राजनीतिक दलों और नेताओं के 'अतीक जी' हैं। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का मानना है कि जनाजा 'अतीक जी' का नहीं, कानून का निकला है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अतीक-अशरफ पर जानलेवा हमले को 'भारत के संविधान पर हमला' करार दिया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, बसपा प्रमुख मायावती और ओवैसी सरीखे नेताओं की फेहरिस्त लंबी है, जो अतीक-अशरफ की हत्या को 'लोकतंत्र की हत्या' मान रहे हैं। यह सबसे विरोधाभासी उपमा है। अतीक कब लोकतंत्रवादी था? जरा इस सवाल की व्याख्या वे नेतागण कर दें, जो आज रुदाली-प्रलाप में डूबे हैं। अतीक मुलायम सिंह यादव और मायावती के करीब और संरक्षण में रहा है, लिहाजा सपा-बसपा के नेताओं ने मुठभेड़ और कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। चूंकि ओवैसी 'मुस्लिमवादी' सियासत करते हैं, लिहाजा वह चिंघाड़ रहे हैं कि पुलिस ही मुठभेड़ में मारती रहेगी, तो अदालतें और जज क्या करेंगे? अदालतों पर ताले लटका देने चाहिए। किसी भी अपराध की सजा सरकार और पुलिस नहीं, न्यायपालिका तय करती है।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

आदि शंकराचार्य जयंती आज

1200 साल पहले हुआ था जगतगुरु शंकराचार्य का जन्म, इन्होंने बनाए देश में चार धाम

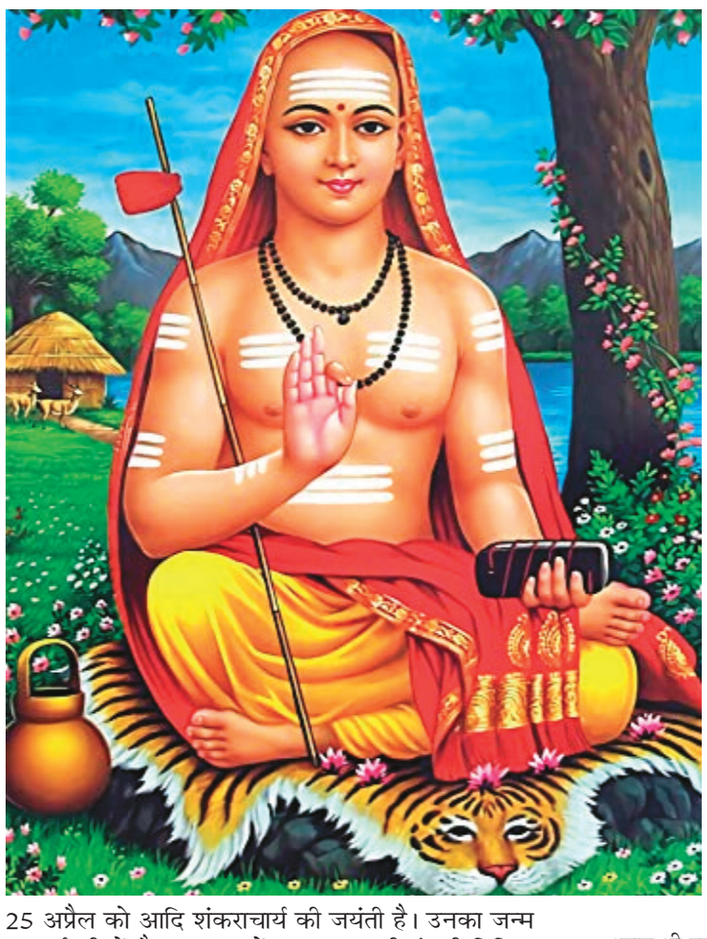

25 अप्रैल को आदि शंकराचार्य की जयंती है। उनका जन्म 788 ईस्वी में वैशाख माह में शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर हुआ था। आदि शंकराचार्य ने 8 साल की उम्र में सभी वेदों का ज्ञान हासिल कर लिया था।

इनका जन्म दक्षिण भारत के नम्बूदरी ब्राह्मण वंश में हुआ था। आज इसी वंश के ब्राह्मण बद्रीनाथ मंदिर के रावल होते हैं। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य की गद्दी पर नम्बूदरी ब्राह्मण ही बैठते हैं।

माना जाता है कि 820 ईस्वी में सिर्फ 32 साल की उम्र में शंकराचार्य जी ने हिमालय क्षेत्र में समाधि ली थी। हालांकि शंकराचार्य जी के जन्म और समाधि लेने के साल को लेकर कई तरह के मतभेद भी हैं।

आदि शंकराचार्य 8 साल की उम्र में सभी वेदों के जानकार हो गए थे। उन्होंने भारत की यात्रा की और चारों दिशाओं में चार पीठों की स्थापना की थी। जो कि आज के चार धाम है। शंकराचार्य जी ने गोवर्धन पुरी मठ (जगन्नाथ पुरी), श्रंगेरी पीठ (रामेश्वरम), शारदा मठ (द्वारिका) और ज्योतिर्मठ (बद्रीनाथ धाम) की स्थापना की थी।

देश में सांस्कृतिक एकता

भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक एकता के लिए आदि शंकराचार्य ने विशेष व्यवस्था की थी। उन्होंने उत्तर भारत के हिमालय में स्थित बदरीनाथ धाम में दक्षिण भारत के ब्राह्मण पुजारी और दक्षिण भारत के मंदिर में उत्तर भारत के पुजारी को रखा। वहीं पूर्वी भारत के मंदिर में पश्चिम के पुजारी और पश्चिम भारत के मंदिर में पूर्वी भारत के ब्राह्मण पुजारी को रखा था। जिससे भारत चारों दिशाओं में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रूप से मजबूत हो रूप से एकता के सूत्र में बंध सके।

धर्म और संस्कृति की रक्षा

आदि शंकराचार्य ने दशनामी संन्यासी अखाड़ों को देश की रक्षा के लिए बांटा। इन अखाड़ों के संन्यासियों के नाम के पीछे लगने वाले शब्दों से उनकी पहचान होती है। उनके नाम के पीछे वन, अरण्य, पुरी, भारती, सरस्वती, गिरि, पर्वत, तीर्थ, सागर और आश्रम, ये शब्द लगते हैं। आदि शंकराचार्य ने इनके नाम के मुताबिक ही इन्हें अलग-अलग जिम्मेदारियां दी।

इनमें वन और अरण्य नाम के संन्यासियों को छोटे-बड़े जंगलों में रहकर धर्म और प्रकृति की रक्षा करनी होती है। इन जगहों से कोई अधर्मी देश में न आ सके, इसका ध्यान भी रखा जाता है। पुरी, तीर्थ और आश्रम नाम के संन्यासियों को तीर्थों और प्राचीन मठों की रक्षा करनी होती है।

भारती और सरस्वती नाम के संन्यासियों का काम देश के इतिहास, आध्यात्म, धर्म ग्रंथों की रक्षा और देश में उच्च स्तर की शिक्षा की व्यवस्था करना है। गिरि और पर्वत नाम के संन्यासियों को पहाड़, वहां के निवासी, औषधि और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए नियुक्त किया गया। सागर नाम के संन्यासियों को समुद्र की रक्षा के लिए तैनात किया गया।

कुंती ने श्रीकृष्ण से वरदान में दुख क्यों मांगें?

सुख आएगा तो दुख भी आएगा, दुख के दिनों में भगवान की भक्ति करेंगे तो धैर्य, साहस और आत्मविश्वास बना रहेगा

महाभारत का प्रसंग है। महाभारत युद्ध समाप्त होने के बाद युधिष्ठिर राजा बन गए थे। पांडवों के परिवार में जब सही हो गया तो श्रीकृष्ण ने तय किया कि अब मुझे द्वारका जाना चाहिए।

श्रीकृष्ण सभी से विदा लेकर द्वारका के निकल रहे थे। रथ चढ़े और आगे बढ गए, तभी उनके सामने पांडवों की माता कुंती खड़ी थीं। रिश्ते में कुंती श्रीकृष्ण की बुआ थीं।

अपनी बुआ को देखकर श्रीकृष्ण रथ से उतरे और प्रणाम करने लगे। लेकिन, उनसे पहले कुंती झुक गईं और श्रीकृष्ण को प्रणाम करने लगीं।

श्रीकृष्ण बोले कि आप तो मेरी बुआ हैं, मैं आपका माता की तरह सम्मान करता हूं। हर रोज मैं ही आपको प्रणाम करता हूं, आज भी कर रहा हूं, लेकिन आज आज ये क्या कर रही हैं? आपने मुझे क्यों प्रणाम किया?

कुंती ने जवाब दिया कि कृष्ण, मेरे जीवन के कुछ ही वर्ष बाकी हैं। मैं जानती हूं कि तुम मेरे भतीजे ही नहीं, भगवान भी हो। अब मैं तुम्हारी भक्त बनना चाहती हूं। अब तुम जा रहे हो, लेकिन उससे पहले एक बार मेरे भगवान बन जाओ।

श्रीकृष्ण ने कहा कि ठीक है। भगवान से सभी लोग कुछ न कुछ मांगते हैं तो आप भी मुझसे कुछ मांग लीजिए।

कुंती ने कहा कि देना ही चाहते हो तो मुझे दुख दे दो।'

ये सुनकर श्रीकृष्ण बोले कि आप दुख क्यों मांग रही हैं? आपके जीवन में कभी सुख आया ही नहीं। अब जब सब ठीक हुआ है तो फिर से दुख ही मांग रही हैं।

कुंती ने जवाब दिया कि दुख के दिनों में तुम बहुत याद आते हो। कुछ दुख तो ऐसे हैं कि जब हम भगवान का कंधा पकड़ कर उनके और निकट चले जाते हैं। हमारे जीवन में जब-जब दुख आए हैं, तुमने ही हमारी रक्षा की है। मैं चाहती हूं कि मेरे जीवन में दुख रहें, ताकि मैं तुम्हें हमेशा याद करूं और तुम भी हम पर कृपा बनाए रखो।

प्रसंग की सीख

हमारे जीवन में सुख-दुख का आना-जाना लगा रहता है। सुख के दिनों में तो हम प्रसन्न रहते हैं, लेकिन दुख के दिनों में धैर्य खो देते हैं, निराश हो जाते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए। दुख तो रोज आएंगे। जब दुख का समय आए तो हमें भक्ति करनी चाहिए। भक्ति करेंगे तो साहस, धैर्य और आत्मविश्वास बना रहेगा और हम दुखों से लड़ पाएंगे।

गढ़देवी माई मंदिर में मां की पिंडी स्वरूप की होती है पूजा

बिहार के छपरा के रिविलगंज प्रखंड क्षेत्र के गोदना स्थित गढ़देवी माई का मंदिर भक्तों के लिए आस्था का बड़ा केंद्र है। यहां गढ़ देवी माई की पिंडीय स्वरूपों की पूजा श्रद्धालुओं के द्वारा पूरे विधि-विधान से की जाती है। यहां पौराणिक काल से मां की पिंडीय स्वरूप की पूजा-अर्चना होती चली आ रही है। कहा जाता है कि मां की अद्भुत पिंडीय स्वरूप के दर्शन करने एवं पूजा करने से भक्तों को अलौकिक शक्तियों का एहसास होता है।

धार्मिक आस्था वाले लोगों की भीड़ यहां पूरे वर्ष रहता है। चैत्र नवरात्र व शारदीय नवरात्र में नौ दिनों तक मां के दरबार में काफी भीड़ रहती है। गढ़देवी माई मंदिर में दर्शन और पूजा-पाठ एवं इससे जुड़ी महानता को लेकर कई धार्मिक कहानियां भी प्रचलित हैं।

1956 में मंदिर के वजूद में आने की मिलती है जानकारी

यहां की पुजारी ऊषा देवी ने बताया कि हजारों वर्ष पहले जंगल काट कर किसान के द्वारा मिट्टी खुदाई की जा रही थी। इस दौरान मां की पिंडी स्वरूप का दर्शन हुआ था। उसी समय से मां की पिंडीय स्वरूप की पूजा-अर्चना होते आ रही है। अब मां के नवपिंडी स्वरूप भव्य मंदिर का आकार ले चुका है जो लाखों श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र है। शिलापट पर उकेरी गई अक्षर के अनुसार वर्ष 1956 से मंदिर के वजूद में आने की जानकारी मिलती है।

मान्यता है कि गढ़ देवी माई के दरबार में हाजिरी लगाने से निःसंतान दपति को संतान की प्राप्ति होती है। श्रद्धालु अमित कुमार ने बताया कि मां की पिंडी स्वरूप के दर्शन मात्र से भक्तों के मन में अलग प्रकार की शक्तियां जागृत होती है। यहां नव पिंडीय स्वरूपों के दर्शन मात्र से बिगड़े काम आसानी से बन जाते हैं।

गढ़ देवी माई भक्तों की हर मनोकामना को करती है पूर्ण

पुजारी ऊषा देवी ने बताया कि मां की कृपा सभी पर बनी रहती है। गढ़ देवी माई मंदिर की सेवा उनके पूर्वज किया करते थे। उसी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं की खुशी देख कर अपनी खुशी दोगुनी हो जाती है। सच्चे मन से मांगी गई सभी मनोकामना मां पूरी करती हैं। कोई भी भक्त खाली हाथ गढ़ देवी माई के दरबार से खाली हाथ नहीं लौटता है। मन्नत पूरी होने पर श्रद्धालु गढ़ देवी माई को प्रसाद, चुनरी सहित श्रृंगार प्रसाधन चढ़ाते हैं। वहीं, श्रद्धालु लीलावती देवी, अमित प्रसाद, लकी श्रीवास्तव सहित अन्य ने बताया कि मां बड़ी कृपालु है। इनके शरण में रहने वाले को कभी किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती है।

तुर्की में खुदाई में मिली थी भगवान विष्णु की ये मूर्ति तिरुपति बालाजी के दर्शन जैसा मिलता है फल

भगवान श्री नारायण सभी कष्टों को दूर करने वाला कहा जाता है। कहते हैं कि श्रीविष्णु की पूजा से मनुष्य के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति आती है। मुजफ्फरपुर के चतुर्भुज स्थान रोड में भी एक ऐसा मंदिर है, जिसकी पौराणिकता बेहद प्राचीन है। इस मंदिर के संदर्भ में कहा जाता है कि जो लोग किन्हीं कारणों से तिरुपति बालाजी का दर्शन नहीं कर पाते हैं, उन्हें इस मंदिर के दर्शन मात्र से तिरुपति के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होता है। इस मंदिर की प्रतिमा भी ठीक वैसी ही है जैसे तिरुपति बालाजी के मंदिर में है। बस एक अंतर है। तिरुपति बालाजी मंदिर की प्रतिमा का आकार थोड़ा बड़ा है, तो यहां की प्रतिमा का आकार थोड़ा छोटा है। हालांकि प्रतिमा का रूप बिल्कुल तिरुपति बालाजी जैसा है।

यह मंदिर बेहद प्राचीन है। इस मंदिर के संदर्भ में कहा जाता है कि इसका निर्माण संवत 1354 में हुआ था। इस मंदिर में विराजमान भगवान चतुर्भुज नारायण की जो प्रतिमा है, वह सैकड़ों वर्ष पहले मुजफ्फरपुर के ही तुर्की में खुदाई के दौरान मिली थी। जिसका सपना मंदिर के प्रथम महंत को आया था। बाद में तुर्की से इस प्रतिमा को लाकर चतुर्भुज स्थान रोड में स्थापित किया गया।

तिरूपति दर्शन के समान मिलता है फल

महंत नवल मिश्र बताते हैं कि शालिग्राम पत्थर से बनी भगवान विष्णु की यह प्रतिमा सभी मनोकामना पूरी करने वाली हैं। उन्होंने बताया कि भगवान चतुर्भुज भक्तों की सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करते हैं। वे बताते हैं कि जो लोग किन्ही कारणों से तिरुपति जाकर दर्शन नहीं कर पाते हैं, उनके लिए चतुर्भुज मंदिर भी वैसा ही फलदायक है।पंडित नवल किशोर मिश्रा ने बताया मंदिर की भव्यता और प्राचीनता बेहद खास है। साथ ही इस मंदिर में महंतों की समाधि के बनाने की भी परंपरा है। देहत्याग के बाद मंदिर परिसर में ही महंतों की समाधि बनाई जाती है। तक इस मंदिर में 14 महंतों की समाधि बनी हुई है।

घर में बढ़ गई है नकारात्मक शक्ति वास्तु की 4 टिप्स को करें फॉलो

अक्सर देखने में आता है कि लोग अपनी जीवन में सकारात्मक रहने की पूरी कोशिश करते हैं, लेकिन इसके बाद भी कई बार घर में मौजूद बुरी ऊर्जा हमारे अंदर नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती है। इसकी वजह से घर के सदस्यों की सेहत और दैनिक कार्यों में बाधाएं उत्पन्न होती हैं। साथ ही परिवार में वाद विवाद और झगड़े की स्थिति भी निर्मित होने लगती है। नकारात्मक ऊर्जा लोगों को आलसी और उदास बनाती है।

-धूप और ताजी हवा

वास्तु शास्त्र के मुताबिक घर के माहौल को सकारात्मक बनाने के लिए सबसे जरूरी है कि घर में ज्यादा अंधेरा ना हो, इसके लिए घर की खिड़की और दरवाजे को खुला रखना बहुत जरूरी है, ताकि कमरे में प्राकृतिक रोशनी और हवा आ सके। घर के अंदर विषाक्त पदार्थों और नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने का सबसे आसान तरीका है खिड़कियां खोल कर रखना। घर को सकारात्मक रखने के लिए घर के अंदर ताजी हवा को आने देना बहुत जरूरी है। सूरज की प्राकृतिक रोशनी अवसाद के लक्षणों में सुधार करती है, और घर के सदस्यों के मूड को भी अच्छा करती है।

-टूटा हुआ सामान

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में मौजूद पुरानी टूटी हुई चीजें घर में नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती है, खासतौर पर इलेक्ट्रॉनिक सामान। ऐसे में यदि आपके घर में भी टूटा हुआ सामान जैसे फर्नीचर, घड़ियां या किसी प्रकार का कोई अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान है। तो उसे आज ही अपने घर से निकाल दें। यदि यह सामान इस्तेमाल किए जाने लायक है, तो इसकी मरम्मत करवा कर इसे चालू अवस्था में ही घर पर रखें।

-घर का सामान रखें व्यवस्थित

वास्तु शास्त्र मानता है कि यदि घर का सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा हो, तो इसकी वजह से घर के सदस्यों के व्यवहार में चिड़चिड़ापन और नकारात्मकता की भावना आती है। इससे घर के वातावरण में तनाव पैदा होता है, और सकारात्मकता दूर चली जाती है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने घर से गैर जरूरी सामानों को हटाकर, उसे व्यवस्थित रखें। आप जिन चीजों का इस्तेमाल नहीं करते हैं, उन्हें किसी जरूरतमंद को दान कर दें। इसके अलावा अपने कमरे को भी साफ रखें। ऐसा करने से घर में सकारात्मकता का वातावरण बना रहता है।

-नमक का करें प्रयोग

वास्तु शास्त्र के अनुसार नमक घर में इस्तेमाल किए जाने वाला एक ऐसा तत्व है, जिसमें नकारात्मक ऊर्जा को अपने अंदर खींच लेने का गुण होता है। ऐसे में बताया जाता है कि फर्श पर पोछा लगाते समय पानी में समुद्री नमक को मिलाया जाए, तो यह आपके घर का वातावरण सकारात्मक बना सकता है। गुरुवार के दिन इस उपाय को नहीं करना चाहिए। इसके अलावा किसी कांच के बर्तन में समुद्री नमक को रखने से घर की नकारात्मकता दूर होती है। यदि आपके घर के बाथरूम में किसी प्रकार का वास्तु दोष है, तो वहां किसी बर्तन में नमक रख दें, ऐसा करने से घर का वास्तु दोष भी ठीक होता है।

बड़ा चमत्कारी है हल्दी का पानी, 8 सरल उपाय बदल सकते हैं किस्मत

हम सभी अपने रसोई घरों में हल्दी का उपयोग करते हैं। हिंदू धर्म में हल्दी को पवित्र माना जाता है, इसलिए हिंदू धर्म की हर पूजा पाठ में हल्दी का इस्तेमाल किया जाता है। ज्योतिष शास्त्र में भी हल्दी के इस्तेमाल को लेकर कई तरह के उपाय बताए गए हैं। धार्मिक पुराणों के अनुसार हल्दी भगवान विष्णु को बेहद प्रिय मानी जाती है, इसलिए गुरुवार के दिन कुछ ऐसे उपाय हैं, जिनको अपनाकर व्यक्ति अपनी किस्मत के दरवाजे खोल सकता है। कुंडली में गुरु ग्रह की स्थिति को मजबूत करने के लिए भी हल्दी का उपाय कारगर माना जाता है।

-यदि आपके घर में गृह क्लेश की स्थिति निर्मित हो रही है तो ऐसे में आप अपने घर के मुख्य द्वार पर हल्दी के पानी का छिड़काव करें, मान्यता के अनुसार ऐसा करने से घर में सकारात्मकता आती है, और घर के सदस्यों को मानसिक शांति प्राप्त होती है, साथ ही सुख समृद्धि बनी रहती है।

-माना जाता है कि हल्दी का पानी अपने घर के मुख्य द्वार पर डालने से घर की नकारात्मक शक्तियां कमजोर होती है और घर के सदस्यों पर आने वाली विपत्तियां भी

टलती है।

-पूजा पाठ के दौरान अपनी कलाई या गर्दन में हल्दी का छोटा सा टीका लगाने पर बृहस्पति मजबूत होते हैं और वाणी में भी मजबूती आती है।

-मान्यताओं के अनुसार हल्दी का दान करना बेहद शुभ होता है। ऐसा करने से कई प्रकार की स्वास्थ संबंधित परेशानियां दूर होती हैं, और गुरु ग्रह अनुकूल होते हैं।

-ज्योतिष शास्त्र मानता है कि यदि हल्दी के पानी का घर के मुख्य द्वार पर प्रतिदिन छिड़काव किया जाए, तो ऐसे में घर का वास्तु दोष सहित सभी ग्रह दोष भी दूर होते हैं। घर के मुख्य द्वार पर हल्दी के पानी का छिड़काव करने से, राहु का दुष्प्रभाव खत्म होता है। आय में वृद्धि होती है और घर में खुशियां आती हैं।

-यदि आप भी लगातार कई दिनों से पैसों की तंगी से जूझ रहे हैं तो ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है, कि घर के मुख्य द्वार पर हल्दी के पानी में 1 का सिक्का डालकर छिड़काव करें। इसके बाद इस सिक्के को किसी मंदिर में रख आएं। प्रतिदिन ऐसा करने से जल्द ही पैसों से जुड़ी दिक्कतें खत्म हो जाएंगी।

-प्रत्येक गुरुवार को भगवान गणेश को एक चुटकी हल्दी चढ़ाई जाए तो विवाह में आ रही दिक्कतें दूर होती हैं। इसके अलावा भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की प्रतिमा के पीछे हल्दी की पुड़िया छुपा कर रखने से अति शीघ्र विवाह के योग भी बनने लगते हैं।

-मान्यताओं के अनुसार हल्दी की माला से यदि किसी मंत्र का जप किया जाए, तो आप विलक्षण बुद्धि के स्वामी बन सकते हैं।

आर माधवन ने कंगना की तारीफों के बांधे पुल

कंगना रणौत को बॉलीवुड की पंगा गर्ल कहा जाता है, यही वजह है कि अभिनेत्री के इंडस्ट्री में दोस्त कम और दुश्मन ज्यादा हैं। लेकिन जिससे उनकी दोस्ती है वह उसके साथ शिद्दत से निभाती हैं। कंगना और आर माधवन की दोस्ती बेमिसाल है। कंगना और आर माधवन ने एकसाथ दो फिल्मों में काम किया है। दोनों में फैंस को उनको जोड़ी खूब पसंद आई है। अब हाल ही में आर माधवन ने कंगना रणौत की जमकर तारीफ की है।

कंगना रणौत और आर माधवन को पहली बार तनु वेड्स मनु में देखा गया था। इस फिल्म में दोनों की जोड़ी फैंस को खूब पसंद आई थी। इसके बाद दोनों को तनु वेड्स मनु रिटर्न्स में भी साथ देखा गया। अब हाल ही में अभिनेता ने एक इंटरव्यू के दौरान कंगना रणौत की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कंगना को एक मजबूत महिला बताया है, वहीं इसके जवाब में कंगना ने भी शानदार रिप्लाई किया है।

एक इंटरव्यू के दौरान कंगना के काम को लेकर आर माधवन से सवाल किया गया। इसके जवाब में अभिनेता ने कहा, अगर आप उनकी सभी फिल्मों की सभी लीड हीरोइन्स को देखें, तो वे बहुत मजबूत हैं। उन्हें अपने घर में ही कुछ बहुत मजबूत महिलाओं के साथ बड़े होने का सौभाग्य मिला था। कंगना या शालिनी या वो सभी महिलाएं जिनके साथ काम करने का सौभाग्य मुझे मिला, वे सभी अपनी राय पेश करने वाली महिलाएं थीं।

आर माधवन ने कहा, कंगना पुशओवर और घिसी-पिटी अभिनेत्री नहीं हैं। वह ऐसी नहीं हैं कि जो एक-दो फिल्मों में आती हैं और नाचती हैं और आदमी से थप्पड़ खाकर चली जाती हैं। इस तरह की कहानियों में शामिल होने वाले लोग असल में मूर्ख हैं।

कंगना की तारीफ में आगे आर माधवन ने कहा, वह बेहद स्मार्ट और हम सभी के लिए महत्वपूर्ण हैं। वह असल में एक असाधारण अभिनेत्री हैं और देखिए कि वह आज सभी तरह की फिल्मों में क्या कर रही हैं। वर्कफ्रंट की बात करें पिछले साल अभिनेता की फिल्म रॉकेट्री रिलीज हुई थी जिसे फैंस ने खूब पसंद किया था। वहीं कंगना रणौत बहुत जल्द इमरजेंसी नाम से एक फिल्म लेकर आने वाली हैं।

जीनत अमान ने खुद बताया 71 की उम्र में इंस्टाग्राम पर क्यों किया डेब्यू

गुजरे जमाने की बोल्ड और खूबसूरत अभिनेत्रियों में गिनी जाने वाली दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान इन दिनों लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। उनके सुर्खियों में रहने के पीछे उनका सोशल नेटवर्किंग साइट इंस्टाग्राम पर इस उम्र में आए दिन अपनी ग्लैमरस तस्वीरें डालना है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जीनत अमान ने अभी कुछ ही वक्त पहले इंस्टाग्राम की दुनिया में कदम रखा है। लेकिन पीछे का कारण आज तक किसी को नहीं पता कि आखिर क्यों जीनत अमान ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ जुड़ने में इतनी देर लगा दी। हालांकि, हाल ही में अभिनेत्री ने खुद इस बात का खुलासा कर दिया है। चलिए जानते हैं क्या है इसके पीछे की वजह..

बॉलीवुड की दिग्गज स्टार जीनत अमान ने हाल ही में 71 साल की उम्र में अपना इंस्टाग्राम डेब्यू किया है। उनकी पहली पोस्ट एक सेल्फी थी, जिसमें उन्होंने 1970 के दशक के बारे में बात की थी। इसके साथ ही उसमें उन्होंने बताया था कि कैसे गुजरे जमाने में इंडस्ट्री पुरुष प्रधान हुआ करती थी। तभी से जीनत अमान अक्सर अपनी तस्वीरें साझा कर रही हैं, जो लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में खुलासा किया कि इतने वर्षों के बाद उन्होंने अपना इंस्टाग्राम डेब्यू क्यों किया। उन्होंने प्रशंसकों को उनकी जबरदस्त प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद भी दिया।

हाल ही में एक इंटरव्यू में जीनत अमान ने अपने इंस्टाग्राम डेब्यू के बारे में बात करते हुए कहा, 'मेरा इंस्टाग्राम डेब्यू करने का कोई इरादा नहीं था। मेरे बच्चे मुझे सोशल मीडिया हैंडल शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करते रहे क्योंकि वे जानते हैं कि मुझे लिखना अच्छा लगता है। वे मुझे एक साल से यह बता रहे थे, तो इस बार, मैंने फैसला किया कि क्यों नहीं? मुझे खुद को व्यक्त करने दो। इसलिए, उनकी वजह से, जैसा कि वे कहते हैं, मैंने यह कदम उठाया।'

अपने इंस्टाग्राम डेब्यू के पीछे की वजह का खुलासा करने के बाद जीनम अमान ने प्रशंसकों का शुक्रिया अदा किया और कहा, 'मुझे कहना है कि अब तक मुझे जो प्रतिक्रिया मिली है, उससे मैं बहुत ज्यादा खुश हूं। मैं वास्तव में उन्हें धन्यवाद देना चाहती हूं।' आपको बता दें, जीनत अमान ने बीते दिन एक तस्वीर साझा की थी, जिसे देख फैंस के साथ-साथ सेलेब्स भी काफी खुश हो गए थे। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ने ब्लैक ब्लेजर, ब्लैक पैंट और व्हाइट टी शर्ट पहनी है। इसके साथ ही उन्होंने सनग्लासेस लगाए हुए हैं। वह इस लुक में कमाल की खूबसूरत लग रही थीं।

जीनत अमान इंस्टाग्राम पर कुछ व्यक्तिगत कहानियां साझा कर रही हैं, जिन्होंने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया है। वहीं अगर अभिनेत्री के करियर की बात करें तो जीनत अमान ने अपना डेब्यू 'द इविल विदिन' से की थी। इसके बाद अभिनेत्री को 'सत्यम शिवम सुंदरम', 'डॉन', 'यादों की बारात', 'दोस्ताना', 'धरम वीर' और 'हरे रामा हरे कृष्णा' जैसी कई सुपर हिट फिल्मों में काम करने के लिए जाना जाता है।

एक्टिंग स्कूल में एक ही लड़की को डेट कर रहे थे वरुण और अर्जुन

वरुण धवन बॉलीवुड के जाने माने कलाकार हैं। एक्टर आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। सभी जानते हैं कि अर्जुन कपूर और वरुण धवन बेहद खास दोस्त हैं। दोनों की बॉन्डिंग अक्सर ही देखने को मिलती है। दोनों के बारे में जरा भी अंदाजा नहीं था कि उस लड़की की दोस्ती अर्जुन के साथ भी है, क्योंकि वह क्लास में हमेशा ही चुप बैठती थी और सिर्फ वरुण के साथ बात किया करती थी। एक्टर ने आगे बताया कि एक पार्टी के दौरान उन्होंने उस

कलाकारों ने एक ही एक्टिंग स्कूल से अभिनय सीखा है। वहीं, बीते दिनों दोनों कलाकार एक शो में साथ नजर आए थे। उस दौरान एक्टर ने एक मजेदार किस्सा सुनाया था।

एक ही एक्टिंग स्कूल में सीखा अभिनय

सभी जानते हैं कि एक्टर वरुण धवन और अर्जुन कपूर बॉलीवुड इंडस्ट्री के गहरे दोस्तों में से एक हैं। दोनों ही कलाकार अपनी दोस्ती की मिसाल पेश करने साजिद खान और रितेश देशमुख के फेमस शो यारों की बारात में नजर आए थे। उस दौरान वरुण धवन ने बताया कि जहां पर वे और अर्जुन एक्टिंग सीखा करते थे, वहां पर एक लड़की थी। उन्होंने बताया कि दोनों में से किसी को भी अस लड़की से प्यार नहीं था, लेकिन फिर भी उसने दोनों को घुमाया था।

सिटाडेल एक्टर ने बताया कि उन्हें इस बात लड़की से मजाक में पूछा कि क्या तुम्हारा और अर्जुन का कुछ चक्कर चल रहा है। वरुण ने कहा कि मुझे लगा कि इतने अच्छे दोस्त होने के बाद अर्जुन ने इस बारे में कुछ भी नहीं बताया।

अर्जुन करते थे सबसे ज्यादा फ्लर्ट

इस दौरान अर्जुन ने कहा कि एक्टिंग स्कूल में वरुण कुछ ऐसे थे कि इन्हें जो लड़की मिलती थी ये उनके साथ फ्लर्ट करते थे। वहीं, शो के दौरान फ्लर्ट को लेकर सवाल किया गया तो वरुण ने बताया कि अर्जुन ज्यादा फ्लर्ट करते हैं और अर्जुन ने भी इस पर हामी भरी थी। आपको बता दें कि वरुण धवन इन दिनों अपनी आने वेब सीरीज सिटाडेल को लेकर चर्चा में हैं। वहीं, बीते दिनों अर्जुन कपूर की रिलीज हुई फिल्म कुट्टे बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी। फिल्म को लेकर लोगों का कुछ खास रिस्पांस नहीं था।

महाकाल के पुजारियों के विरोध के बाद बादशाह ने मांगी माफी, 'सनक' से आपत्तिजनक शब्द हटाए

रैपर बादशाह ने अपने हाल ही में रिलीज सनक एलबम पर महाकाल मंदिर के पुजारियों और साधु-संतों के विरोध के बाद भावनाओं को आहत करने के लिए माफी मांगी हैं। बादशाह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर लिखा कि 'मैं गलती से भी किसी की भी भावनाओ को आहत करना नहीं चाहता हूं। मेरी जानकारी में आया कि मेरी हालिया रिलीज में से एक सनक ने कुछ लोगों की भावनाएं आहत की हैं। मैं कभी भी जानबूझकर या अनजाने में किसी को ठेस नहीं पहुंचाऊंगा 'मैं अपनी आर्टिस्टिक क्रिएशन और म्यूजिकल कंपोजीशन को बहुत ईमानदारी के साथ आप तक पहुंचाता हूं। हाल में हुई घटना के बाद मैंने इस बारे में ठोस कदम उठाते हुए अपने गानों के कुछ हिस्सों को बदला है और सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नए वर्जन के साथ पुराने वर्जन को बदल दिया है, ताकि कोई और इससे आहत न हो।'

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर रैपर बादशाह ने पोस्ट कर सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। बादशाह ने लिखा कि सनक एलबम के गाने में भोलेनाथ का नाम लिए जाने से किसी की भावना को जाने अनजाने ठेस पहुंची है, तो उनसे मैं क्षमा चाहता हूं। बता दें, सनक एलबम के एक गाने पर महादेव का नाम आपत्तिजनक शब्दों के साथ इस्तेमार करने पर महाकाल मंदिर के पुजारियों और साधु-संतों ने आपत्ति दर्ज की थी और गाने में बदलाव न करने पर एफआईआर की चेतावनी दी थी।

यह है पूरा मामला

19 अप्रैल 2023को श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने इस बात पर आपत्ति जताई थी कि रैपर बादशाह ने अपनी नई एलबम सनक के गाने में भोलेनाथ का नाम अश्लील शब्दों के साथ लिया था, उन्होंने यह चेतावनी दी थी कि यदि रैपर बादशाह इस गाने से भोलेनाथ का नाम नहीं हटाते हैं तो उनके खिलाफ FIR दर्ज करवाते हुए न्यायालय की शरण भी ली जाएगी। पंडित महेश शर्मा के साथ ही महामंडलेश्वर आचार्य शेखर, क्रांतिकारी संत अवधेशपुरी महाराज, हिंदूवादी नेता अंकित चौबे ने भी इस पर विरोध जताते हुए इस गाने की निंदा करते हुए भाषा के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की बात कही थी।

यह है गाने का विवादित हिस्सा

बादशाह के गाने के अंतरे में बोल है, कभी सेक्स तो कभी ज्ञान बांटता फिरूं... इसके बाद अश्लील शब्दों का प्रयोग करते हुए गाने के बोल हिट पर हिट में मारता फिरूं... तीन-तीन रात में लगातार जागता, भोलेनाथ के साथ मेरी बनती है।

पुतला जलाकर कहा था इंदौर में नहीं घुसने देंगे

बादशाह के सनक गाने के विवादित बोल को लेकर उज्जैन में श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारियों और साधु संतों द्वारा ली गई आपत्ति के बाद, इस विरोध का असर इंदौर में भी देखने को मिला था, जहां पर परशुराम सेना के द्वारा बादशाह का पुतला जलाया गया, और बादशाह के खिलाफ शिकायती आवेदन पुलिस को दिया गया। साथ ही सेना के सदस्यों ने बादशाह पर एफआईआर ना होने पर उग्र आंदोलन की धमकी देते हुए यह भी कहा था कि जब तक बादशाह माफी नहीं मांगेगा, तब तक बादशाह को इंदौर शहर में नहीं घुसने देंगे।

जालिमा की शूटिंग के वक्त नर्वस हुई थीं माहिरा नोज टू नोज किसिंग सीन पर चिढ़ाते थे क्रू मेंबर्स

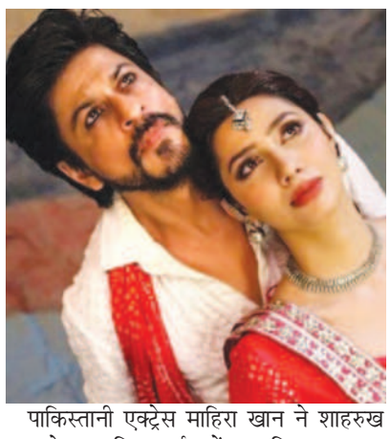

पाकिस्तानी एक्ट्रेस माहिरा खान ने शाहरुख खान के साथ फिल्म रईस में काम किया था। अब एक रिसेंट इंटरव्यू में उन्होंने फिल्म से जुड़ी कुछ यादें शेयर की हैं। माहिरा ने कहा कि जालिमा सॉन्ग की शूटिंग के दौरान वो काफी नर्वस हो गई थीं। उस गाने में माहिरा का शाहरुख के साथ नोज टू नोज किस था। शूटिंग के वक्त फिल्म के क्रू मेंबर उन्हें इस बात को लेकर चिढ़ाते थे। माहिरा के मुताबिक, खुद शाहरुख भी इस बात को लेकर चुटकी लिया करते थे। माहिरा शर्मा वैसे तो पाकिस्तान की मशहूर एक्ट्रेसेस में से एक हैं, लेकिन भारत में उन्हें पॉपुलैरिटी शाहरुख खान के साथ रईस में काम करने के बाद मिली। उन्होंने अनुपमा चोपड़ा के साथ इंटरव्यू में फिल्म से जुड़ी कुछ अनकही बातें शेयर की है। उन्होंने लिखा, 'हमें पता नहीं था कि जालिमा गाने में कैसा स्टेप करना है। मेकर्स को काफी सारी रिस्ट्रिक्शन थीं इसलिए लास्ट में नोज किसिंग को गाने में रखा गया। हालांकि मुझे इसके बाद भी नर्वस फील हो रहा था। मैं डरी रहती थी कि कुछ ज्यादा न हो जाए। इसके लिए सब मेरा मजाक भी बनाते थे। मैं खुद अपने आप से कहती थी कि मैं यहां किसी भी कीमत पर किस नहीं कर सकती।'

खुद शाहरुख भी लेते थे चुटकी

माहिरा ने आगे कहा, 'खुद शाहरुख भी मुझे चिढ़ाया करते थे। वो अक्सर मुझसे कहते थे कि अगला सीन पता है कौन सा होने वाला है। जाहिर है कि शाहरुख उसी सीन के बारे में बात करते थे।' माहिरा ने कुछ वक्त पहले पाकिस्तान में एक इंटरव्यू देते हुए कहा था कि रईस की शूटिंग के दौरान उनकी और शाहरुख के बीच 'नाक' की जंग हो गई थी। उस इंटरव्यू में एंकर ने माहिरा से पूछा कि उनमें और शाहरुख में नाक के अलावा और क्या चीज कॉमन है। जवाब में माहिरा ने कहा कि शाहरुख के साथ काम करना उनके लाइफ का सबसे अमेजिंग मोमेंट है। माहिरा ने कहा, 'शाहरुख मेरे बचपन के हीरो हैं, उनके साथ काम करना मेरे लिए सपना जैसा था।'

माहिरा को पाकिस्तान में शाहरुख खान की तारीफ पर भी कुछ दिन पहले आलोचना का शिकार होना पड़ा था। दरअसल उन्होंने शाहरुख की फिल्म पठान की बातों-बातों में तारीफ की थी। उनकी इस बात से खफा होकर पाकिस्तान के सांसद डॉ. अफनान उल्लाह खान ने उन्हें चापलूस करार दे दिया था। उन्होंने माहिरा पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि वो पैसों के लिए भारतीय एक्टर्स की चापलूसी करती हैं।

'पूजा' को देखने के लिए बढ़ी लोगों की बेसब्री लेकिन 'ड्रीम गर्ल' की मुंह दिखाई में आ गया ये पंगा?

बहुप्रतीक्षित फिल्म ड्रीम गर्ल 2 के फैन्स इस फिल्म को लेकर काफी उत्सुक है और हाल में पूजा की एक झलक देखने के बाद उनकी ये बेकरारी काफी बढ़ भी गई, जिनके लिए फिल्म का और इंतजार कर पाना थोड़ा मुशकिल हो गया है. अब उनका ये इंतजार थोड़ा सा और लंबा होने वाला है क्योंकि फिल्म की रिलीज डेट बदल कर 25 अगस्त, 2023 कर दी गई है. इस देरी की वजह कथित तौर पर फिल्म के वीएफएक्स वर्क को बताया जा रहा है. दरअसल ड्रीम गर्ल 2 में वीएफएक्स वर्क बहुत अहम है, क्योंकि फिल्म में पूजा और करम की भूमिका आयुष्मान खुराना निभा रहे हैं. ऐसे में टीम यह सुनिश्चित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है कि वह पूजा के रूप में सहज और कन्विंसिंग दिखें.

इस के बारे में बात करते हुए बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड की जॉइंट मैनेजर डायरेक्टर -एकता आर कपूर ने कहा, "हम चाहते हैं कि आयुष्मान खुराना का किरदार ड्रीम गर्ल 2 में पूजा के रूप में बिल्कुल परफेक्ट दिखें, और इसलिए हम फैस के लिए वीएफएक्स वर्क को परफेक्ट तरीके से करने के लिए थोड़ा और समय ले रहे हैं. हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे दर्शक फिल्म देखते समय जितना हो सके उतना बेस्ट अनुभव करें. ड्रीम गर्ल 2 के लिए वीएफएक्स वर्क फिल्म का एक जरूरी हिस्सा है, और हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हम अपने दर्शकों को हाई क्वालिटी प्रोडक्ट डिलीवर करें."

ये फिल्म धमाकेदार कॉमेडी होने का वादा करती है जो दर्शकों को हंसा हंसाकर लोट-पोट कर देगी. वहीं फिल्म की नई रिलीज डेट और फिल्म के निर्माण की प्रत्याशा के साथ ओरिजिनल ड्रीम गर्ल के फैन्स ड्रीम गर्ल 2 की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. हम यह देखने के लिए और इंतजार नहीं कर सकते कि एकता आर कपूर ने इस बहुप्रतीक्षित सीक्वल के साथ हमारे लिए क्या रखा है. इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे लीड रोल में हैं. राज शांडिल्य द्वारा निर्देशित, बालाजी टेलीफिल्म्स की ड्रीम गर्ल 2 एक मजेदार फिल्म होने का वादा करती है.

आलिया को देखकर मैंने बहुत कुछ सीखा है, लेकिन हम दोनों बहुत अच्छे दोस्त नहीं हैं : शांतानु माहेश्वरी

चैनल वी के शो 'दिल दोस्ती डांस' से अपने करियर की शुरुआत करने वाले अभिनेता शांतानु माहेश्वरी अब बड़ी फिल्मों का हिस्सा बनने लगे हैं। शांतनु ने शो मैन संजय लीला भंसाली की फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा है। उनकी एक वेब सीरीज 'ट्रूथ परीः व्हेन लव बाइट्स' बीते हफ्ते नेटफ्लिक्स पर प्रसारित हुई है।

'गंगूबाई काठियावाड़ी' में मेरे काम को जो प्रशंसा मिली इसके बाद से मुझे काम तो आने ही लगे हैं लेकिन मैं ये नहीं कहूंगा कि सिर्फ प्रेम कहानियां ही आ रही हैं। प्रेम कहानियों के इतर भी मुझे कई तरह के किरदार करने के लिए चुना जा रहा है और मैं इस बात से बेहद खुश हूं। हालांकि, मेरा ये भी मानना है कि अगर प्रेम कहानियां भी आती है तो करने में कोई हर्ज नहीं हैं क्योंकि आपका प्रेम को कहने और करने का तरीका अलग होना चाहिए।

मैंने कभी सोचा ही नहीं था कि मैं टीवी पर आऊंगा या फिर अपने डांस के जरिए भारत का प्रतिनिधित्व विदेश में भी करूंगा। संजय लीला भंसाली के साथ अपनी पहली फिल्म करना मेरे लिए अब तक का सबसे खूबसूरत पल भी हुआ कि मुझे किसी शो के लिए चुन लिया जाता था लेकिन फिर बाद में रिजेक्शन कॉल भी आ जाता था तो इस तरह से निराश भी होना पड़ा है। लेकिन जबसे मैंने 'गंगूबाई काठियावाड़ी' की है तबसे मुझे इंडस्ट्री में एक अलग नजरिए से देखा जाने लगा है। अब मुझे उस तरह से ऑडिशन नहीं देने पड़ते हैं। मुझे देख कर रोल लिखे जाने लगे हैं।

मेरे माता पिता बहुत खुश थे, या यूं कहूं कि वो मुझसे भी ज्यादा खुश थे। मुझे कभी खुद पर भरोसा नहीं था लेकिन उनको मुझ पर मुझसे भी ज्यादा भरोसा था। मैंने कभी नहीं सोचा था कि कैमरे के सामने आकर काम करूंगा लेकिन वे बोलते थे कि तुमको करना चाहिए। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे इतने अच्छे और समझदार माता पिता मिले हैं। मेरे पिताजी राजेंद्र कुमार माहेश्वरी का बिजनेस है और मेरी माता संध्या एक गृहणी है। एक बड़े भाई हैं जिनकी शादी हो चुकी है।

मैं बड़े निर्देशकों के साथ तो काम करना ही चाहता हूं लेकिन मैं उन लोगों के साथ भी काम करने के लिए तैयार हूं जो पहली बार फिल्म बना रहे हैं। मेरा काम है ज्यादा से ज्यादा लोगों का मनोरंजन करना है तो मैं अपने आपको बिल्कुल भी रोकना नहीं चाहता हूं। मैं खेल से जुड़ा हुआ कोई किरदार करना चाहता हूं क्योंकि मुझे ऐसे काम करना बहुत पसंद है। इसके अलावा मैं एक्शन फिल्में करना चाहूंगा, या डांस पर बनी किसी फिल्म में काम करना चाहूंगा।

मैंने आलिया के साथ फिल्म में काम किया है। लेकिन हम दोनों बहुत अच्छे दोस्त नहीं हैं। आलिया से मैंने बहुत कुछ सीखा है। उनके साथ मेरा जो अनुभव रहा है उससे मैं ये ही समझ पाया कि आलिया जितनी कमाल की अदाकारा हैं उतनी ही कमाल की इंसान भी हैं। जब भी वह अपने सीन करती थीं मैं सिर्फ देखता रहता था कि वो कैसे और क्या कर रही हैं क्योंकि देखने से ही बहुत कुछ सीखने को मिलता था।

यह एक वैंपायर की दुनिया की कहानी है। इसमें तानिया जिस लड़की के किरदार में है वह वैंपायर रहती है। उसका दांत टूट जाता है। वह अपना इलाज करवाने जिस अस्पताल में आती है, वहां मैं दंत चिकित्सक हूं। मैं सिर्फ इतना बता सकता हूं कि यह शो वैंपायर की दुनिया पर बने पिछले किसी भी शो की तरह नहीं है। इसकी कहानी एकदम नई है और आपको इस सीरीज के जरिए एक अलग तरह का कॉन्टेंट देखने को मिलेगा।

जीवन किसी भी परिस्थितियों का मोहताज न बने

हर महिला को नौकरी, व्यवसाय व निवेश की जानकारी जरूरी

आजकल अच्छी-ख़ासी पढ़ी-लिखी महिलाएं भी शादी के बाद बच्चों के सही लालन-पालन के लिए अपनी नौकरी या बिज़नेस छोड़ देती हैं।

समझ नहीं समझदारी की कमी

जो महिलाएं दूरदर्शी, क्वालीफाइड और जानकार होती हैं और शेयर या म्यूचुअल फंड्स में निवेश आदि करना चाहती हैं, उन पर भी अधिकतर भरोसा नहीं किया जाता। दरअसल, हमारी मानसिकता ही ऐसी हो चुकी है कि महिलाएं वित्तीय मामले में कम समझ रखती हैं और धन प्रबंधन का काम मूल रूप से पुरुषों के ही बस की बात है। जबकि आज बड़े-बड़े बैंकों व कॉर्पोरेट घरानों में महिलाएं मुख्य कार्यकारी व प्रबंधक की ज़िम्मेदारी का निर्वाह सफलतापूर्वक कर रही हैं।

एक तरफ़ ख़ुद से अधिक कमाने वाली या कमाने वाली महिलाओं से पतियों को तुलनात्मक हीनता महसूस होती रहती है और वे गाहे-बगाहे ताना मारते रहते हैं कि कमाती हो तो ख़ुद को बॉस मत समझो या अधिक इतराओ मत। दूसरी ओर न कमाने वाली महिलाएं जब किसी काम के लिए पैसे मांगती हैं तो कुछ पति बातों ही बातों में सुना देते हैं कि पैसे ज़रा देखकर ख़र्च किया करो। कमाने वाले को पता चलता है कि कितनी मुश्किल से पैसा कमाया जाता है।

शादी हुई तो काम क्यों छूटा?

शानदार शैक्षणिक रिकॉर्ड, अच्छी-ख़ासी डिग्री और प्रतिष्ठा वाली नौकरी- ये सब होने के बावजूद ज़्यादातर महिलाओं को शादी के बाद अपनी वित्तीय ज़रूरतों के लिए पति की सहमति और स्वीकृति पर निर्भर रहना पड़ता है। बच्चे होने के बाद बहुत-सी महिलाएं जॉब छोड़ देती हैं और इनमें से बहुत कम ही दोबारा जॉइन करती हैं। कुछ अपनी मर्ज़ी से, कुछ सास-ससुर या पति के दबाव से, तो कुछ बच्चों में ही अपना भविष्य देखने की वजह से नौकरी नहीं करतीं। कई घर और ऑफ़िस दोनों जगह के दबाव को न झेल पाने की वजह से नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य हो जाती हैं।

हालांकि कुछ समय तक तो सबकुछ ठीक-ठाक चलता है, लेकिन बाद में जब बच्चे बड़े होने लगते हैं और अपना-अपना कॅरियर संवारने में जुट जाते हैं तो इन महिलाओं को बड़ा अकेलापन और उपेक्षा-सी महसूस होने लगती है।

इसलिए ज़रूरी है वित्तीय आत्मनिर्भरता

...क्योंकि अनहोनी कहकर नहीं आती। कल को पति के व्यवसाय में व्यवधान आ जाए, नुक़सान लग जाए, उन्हें कोई गंभीर बीमारी हो जाए, नौकरी छूट जाए या बेटा-बेटी आपकी उम्मीदों पर खरे न उतरें और अपनी व्यस्तता में आपको भूल जाएं, तो ऐसे समय में हर महिला को अपनी वित्तीय आवश्यकताओं के लिए आत्मनिर्भर होना ज़रूरी है।

आत्मसम्मान बरक़रार रखने के लिए महिलाओं की वित्तीय स्वनिर्भरता ज़रूरी है। निजी आवश्यकता की कई तरह की चीज़ें लेनी होती हैं, ज़रूरत पड़ने पर अपने मित्रों की या माता-पिता की आर्थिक मदद करनी होती है या भाई-भाभियों के लिए उपहार आदि ख़रीदने होते हैं। इन सब चीज़ों के लिए बार-बार पति या बेटे के आगे हाथ फैलाना गवारा नहीं होता। ख़ुद को असहाय समझने की नौबत न आए इसके लिए हाथ में दो पैसे रहने ज़रूरी हैं। घरेलू हिंसा की शिकार होने या विवाहित व कमाऊ बेटे-बेटी की उपेक्षा का शिकार होने पर हाथ में पैसा रहना ज़रूरी है।

प्रतिष्ठा व सम्मान पाने के लिए कमाई करना और व्यस्त रहना आवश्यक है। साथ ही अपनी सोसायटी या रिश्तेदारी की अन्य महिलाओं व अपनी संतान का रोल मॉडल बनने के लिए भी आपका आत्मनिर्भर होना ज़रूरी होता है। देश की जीडीपी भी बढ़ती है, अगर कामकाजी महिलाओं की आबादी ज़्यादा हो। महिलाओं की वित्तीय सक्रियता और उनका वित्तीय रूप से संपन्न होना किसी भी देश के लिए फ़ायदेमंद होता है। इससे वे एक अच्छी उपभोक्ता बन सकती हैं क्योंकि उनके पास मनचाही चीज़ें ख़रीदने की शक्ति बढ़ती है।

जीवन की सांझ के लिए महिलाओं को अपने पास कुछ पैसा ज़रूर रखना चाहिए। वैज्ञानिक अध्ययनों और कई अनुसंधानों में साबित हो चुका है कि महिलाओं की औसत आयु पुरुषों के मुकाबले अधिक होती है।

अपने हक़ के लिए पहल करें

धन की आवश्यकता के लिहाज़ से परिवार में स्त्रियों, ख़ासतौर पर बड़ी उम्र की महिलाओं की गिनती सबसे आख़िर में आती है। यही माना जाता है इन्हें पैसों की क्या ज़रूरत हो सकती है। क्या वाक़ई कोई ऐसा वयस्क होता है, जिसके अपने ख़र्चे या अपनी ज़रूरतें न होती हों, जिनके लिए वो किसी से कहने में न हिचकता हो? मन मारकर रहने वाले को कम ज़रूरतों वाला इंसान मान लेना उसके प्रति अन्याय ही है, और स्त्रियां अपने हक़ में पहल न करके, स्वयं यह अन्याय ख़ुद पर करती हैं। जीवन के सबसे अहम दो पहलुओं में स्त्रियां कमज़ोर पड़ जाती हैं - पहला स्वास्थ्य और दूसरा धन। इन दोनों पर इसलिए ध्यान देने की ज़रूरत है क्योंकि इनके अभाव में वे न तो ख़ुद के लिए कुछ कर पाएंगी, न दूसरों के लिए।

शादी करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

इस बात से तो हर कोई जानता है कि शादी एक ऐसा बंधन है, जिसके बाद लड़का और लड़की दोनों की लाइफ में काफ़ी ज़्यादा बदलाव आते हैं. आख़िरकार दो अलग इंसान हमेशा के लिए एक-दूसरे के हो जाते हैं. ऐसे में यह ज़रूरी हो जाता है कि एक हैप्पी मैरिड लाइफ के लिए पति और पत्नी के बीच सामंजस्य अच्छा हो. दोनों के बीच अंडरस्टैंडिंग अच्छी हो. दोनों ख़ुद के साथ-साथ एक-दूसरे के परिवार को भी लेकर चलने वाले हों. दोनों के प्रेम में झगड़े हो, तो मनाने की समझ भी हो. ग़ुस्सा करने की फ़ितरत हो, तो प्यार दिखाने में देरी भी ना हो. ख़ासकर आज के बदलते परिवेश में तो और भी ज़्यादा ज़रूरी हो गया है कि अपने पार्टनर को जब तक अच्छे से समझ ना लें, शादी ना करें. क्योंकि अब वो ज़माना नहीं रहा जब लोग शादी को सात जन्मों का पवित्र बंधन मानकर उसे मजबूरी में भी निभाते रहेंगे.

भारत में भी लोगों की सोच में काफ़ी बदलाव आ चुके हैं और ये बदलाव तेजी के साथ बढ़ रहे हैं. इसलिए ज़रूरी है कि शादी करने से पहले निम्न चार बातों तो ज़रूर जान लें, वरना बाद में पछताना भी पड़ सकता है.

जिस सोच के साथ शादी कर रहे हैं, वैसे आगे भी रहें

अक्सर कपल की ये शिकायत रहती है कि शादी के बाद पार्टनर के स्वभाव में ज़्यादा बदलाव आ गया है, जिसकी वजह से रिश्ते में प्यार की कमी आ गई है. वैसे तो शादी के बाद इंसान के स्वभाव में थोड़ा-बहुत बदलाव आना कोई बड़ी बात नहीं होती, क्योंकि लड़की हो या लड़का शादी के बाद उनके ऊपर ज़िम्मेदारियों का बोझ बढ़ जाता है. ऐसे में बैचलर लाइफ की सोच और मैरिड लाइफ की सोच में फ़र्क़ आना आम बात है, लेकिन इस वजह से पति-पत्नी के बीच प्यार और रिस्पेक्ट की कमी नहीं होनी चाहिए. न ही स्वभाव में चिड़चिड़ापन आना चाहिए. इसलिए शादी करने से पहले हर इंसान को ये ज़रूर जान लेना चाहिए कि आप जिस इंसान से शादी करने जा रहे हैं, वो आगे भी वैसा ही रहे. ऐसा नहीं कि शादी के बाद उसका स्वभाव पूरी तरह से बदल जाए.

सॉरी बोलने की आदत

वैसे तो ये ज़्यादातर इंसान की आदत होती है कि जब तक हमारी ग़लती नहीं होगी हम सॉरी नहीं बोलेंगे. लेकिन कई रिश्ते ऐसे होते हैं, जिसके लिए बिना ग़लती किए भी सॉरी बोलना उस रिश्ते के लिए अच्छा ही रहता है. बल्कि उस रिश्ते में प्यार और भी ज़्यादा बढ़ जाता है. ये बात ख़ासकर शादी के बाद पति-पत्नी के बीच और भी अधिक मायने रखता है. अपने रिश्ते में प्यार बनाए रखने के लिए कई बार ग़लती नहीं होने पर भी सॉरी बोलना पड़ता है. एक सॉरी ना सिर्फ़ टेंशन को बढ़ने से रोकने का काम करते हैं, बल्कि फैमिली के साथ प्यार से रहने में भी आसानी हो जाती है. इसलिए शादी करने से पहले ये जान लें कि आपका पार्टनर इस मामले में कैसा है. कहीं वो इतना इगो वाला तो नहीं कि उसे अपने इगो से ज़्यादा कुछ और प्यारा ही न हो. ऐसे में शादी के रिश्ते में परेशानी होने की संभावना बढ़ती है.

करियर को लेकर कंफर्म कर लें

अगर आप वर्किंग लेडी हैं, तो शादी से पहले ये ज़रूर जान लें कि शादी के बाद आप जॉब करना चाहती हैं, तो आपके पार्टनर को या फिर उनके फैमिली को इससे कोई परेशानी तो नहीं होगी. क्योंकि आज के समय में भी कई ऐसी फैमिली हैं, जो ये चाहती है कि शादी के बाद महिलाओं का घर संभालना ही बेहतर होता है. अगर कोई महिला जॉब करें, तो वो एक पारिवारिक मुद्दा बन जाता है. इसलिए ये आप अपने प्रोफेशनल करियर को लेकर पहले ही कंफर्म हो लें, नहीं तो बाद में परेशानी हो सकती है.

बच्चे की प्लानिंग के बारे में बात कर लें

ज़्यादातर टाइम ऐसा होता है कि शादी होते ही परिवार में ये सुगबुगाहट शुरु हो जाती है कि आप जितनी जल्द हो बच्चे की प्लानिंग कर लें. यहां तक कि कई बार पार्टनर भी आपसे ये उम्मीद कर बैठते हैं कि आप बच्चे के बारे में जल्द से जल्द सोच लें. ऐसे में अगर आप शादी के तुरंत बाद बच्चे की टेंशन नहीं लेना चाहते हैं, तो आपको लोगों की बातें बार-बार सुनने को मिल सकती है, जिससे आपकी परेशानी बढ़ सकती है. ऐसे में शादी से पहले ही आपस में बातचीत कर लें कि शादी के बाद बच्चे की प्लानिंग करने के लिए आप कितना टाइम लेना चाहेंगी.

अपनी लाइफ पार्टनर में ख़ूबसूरती ही नहीं, ये ख़ूबियां भी चाहते हैं पुरुष

हर पुरुष की दिली तमन्ना होती है कि उसकी पत्नी बेहद ख़ूबसूरत हो, मगर ख़ूबसूरती के साथ ही पुरुष पत्नी में कुछ ख़ूबियां भी चाहते हैं. ख़ूबसूरती के दीवाने पुरुष अपनी पत्नी की किन ख़ूबियों पर फ़ख़्र महसूस करते हैं? इस बात को सिरे से नकारा नहीं जा सकता कि पति के लिए पत्नी की ख़ूबसूरती कोई मायने नहीं रखती, लेकिन ख़ूबसूरत होना ही काफ़ी नहीं. ख़ूबसूरती से कहीं बढ़कर पुरुषों को ऐसी महिलाएं पसंद आती हैं, जिनमें ये ख़ूबियां हों-

देश-दुनिया की ख़बर रखती हो

गली-मोहल्ले की जानकारी के साथ ही पति ये भी ख़्वाहिश रखते हैं कि उनकी पत्नी को देश-दुनिया की भी पूरी ख़बर हो ताकि वो हर मुद्दे पर पत्नी से बात कर सकें. इसके साथ ही पुरुष ये भी चाहते हैं कि पत्नी बच्चों को भी देश-दुनिया की जानकारी दे.

मन से ख़ूबसूरत हो

पहली नज़र में तन की ख़ूबसूरती को महत्व देने वाले पुरुष पत्नी के मन की ख़ूबसूरती को उससे कई गुना अधिक महत्व देते हैं. इसीलिए वो चाहते हैं कि उनकी पत्नी का मन ख़ूबसूरत हो. वो अपनी सादगी और अच्छे व्यवहार से पूरे परिवार का मन मोह ले. वो झूठी-बनावटी बातों से कोसों दूर हो.

परिवार को दिल से अपनाए

पुरुष चाहते हैं कि उनकी तरह ही पत्नी भी उनके माता-पिता को दिल से अपनाए. इसी तरह घर के हर एक सदस्य फिर चाहे वो पति का छोटा/बड़ा भाई/बहन हो, से प्रेम करे और उनसे सलीके से पेश आए. एक अच्छी होम मेकर की तरह परिवार को जोड़े रखे और घर के बड़े-बुज़ुर्गों से लेकर बच्चों तक सभी उसे प्यार करें.

पूरे परिवार का ध्यान रखे

हो सकता है, पति के कहीं जाने पर जब आप उन्हें अपना ख़्याल रखने को कहें, तो मैं बच्चा नहीं हूं कहकर वो आपकी बात टाल दें, परंतु एक सच ये भी है कि वो दिल से चाहते हैं कि आप न सर्फ़ि उनका, बल्कि उनके परिवार के प्रत्येक सदस्य का ख़्याल रखें. उनकी ज़रूरतों को समझें और उन्हें पूरा करें.

समझदार हो

आमतौर पर कहा जाता है कि पुरुषों को ख़ूबसूरत पत्नी पसंद आती है, समझदार नहीं, जो उनके इशारों पर काम करे, लेकिन ये सच नहीं है. पुरुष ऐसी समझदार महिला को पसंद करते हैं जो उनकी ग़ैर मौजदूगी में किसी भी मसले को हल कर सके. उसे किसी के सहारे की ज़रूरत न हो.

सलाहकार हो

वो दिन गए जब घर के बाहर के काम पतियों के ज़िम्मे होते थे और घर के अंदर की सभी ज़िम्मेदारियां पत्नी संभालती थी. आज दोनों के कंधों पर समान ज़िम्मेदारियां हैं इसीलिए पुरुष चाहते हैं कि पत्नी उनके हर काम में साथ दे, उनकी अच्छी सलाहकार बने और हर फ़ैसले में अपनी राय दे.

मुश्किल घड़ी में साथ दे

सुख और दुख जीवन के दो पहलू हैं. जो पत्नी दुख में भी ख़ुश रहना और हर मुश्किल घड़ी में पति और परिवार का साथ देना जानती है, पुरुष की नज़र में वही दुनिया की सबसे ख़ूबसूरत महिला होती है. न कि वो जो ख़ूबसूरत तो होती है, पर मुश्किल घड़ी में पति और परिवार का साथ छोड़कर कन्नी काट लेती है.

अच्छी कुक हो

किसी ने सच ही कहा है, पति के दिल का रास्ता पेट से होकर गुज़रता है. यही वजह है कि ख़ूबसूरत महिलाओं से पहले अच्छा खाना बनाने वाली पत्नी पति के दिल में घर बनाती है. अगर पत्नी अच्छी कुक हो, तो खाने के शौक़ीन पुरुष रिश्तेदारों और दोस्तों के सामने भी फ़ख़्र महसूस करते हैं.

बच्चों की हाइट बढ़ाने में मदद करते हैं ये सुपर फूड्स

अगर आपके बच्चे की हाइट नहीं बढ़ रही है, तो हो सकता है कि बच्चे को शारीरिक विकास के लिए ज़रूरी पोषक तत्व नहीं मिल रहे हों. शरीर में पोषक तत्वों की कमी होने पर बच्चों को न केवल कई बीमारियां घेर लेती हैं, बल्कि इसका असर उनकी हाइट पर भी पड़ता है. इसीलिए उन्हें बचपन से ही सारी सब्ज़ियां, फल और हेल्दी चीज़ें खाने की आदत डालें.

मिल्क और डेयरी फूड्स

दूध में सबसे अधिक कैल्शियम होता है और कैल्शियम हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है. इसके अलावा दूध प्रोटीन का भी अच्छा स्रोत है, जो बच्चे के शरीर में कोशिकाओं के विकास में मदद करता है, इसलिए बच्चों को रोज़ाना एक ग्लास दूध जरूर पिलाएं. दूध के अतिरिक्त दूसरे डेयरी प्रोडक्ट्स- पनीर, दही, चीज़ आदि भी विटामिन ए, बी, डी और ई के साथ-साथ प्रोटीन और कैल्शियम के समृद्ध स्रोत हैं, जो बच्चे की हाइट बढ़ाने में मदद करेंगे.

हरी पत्तेदार सब्जियां

मेथी, पालक, चौलाई, बंदगोभी जैसी पत्तेदार सब्जियों में विटामिन-सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम और पोटैशियम के अलावा विटामिन-के जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को पर्याप्त पोषण प्रदान करते हैं और बच्चों की हाइट बढ़ाने में मदद करते हैं.

अंडा

प्रोटीन रिच अंडे को न्यूट्रिशन का पावरहाउस भी कहते हैं. एक अध्ययन के अनुसार, रोज़ाना दो अंडे खाने से बच्चों की हाइट बढ़ती है. अंडे के पीले भाग में हेल्दी फैट होते हैं, जो बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास में मदद करते हैं.

सोयाबीन

सोयाबीन में प्रोटीन प्रचुर मात्रा में होता है, जो बच्चे की कोशिकाओं और हड्डियों के निर्माण तथा विकास में मदद करने के साथ ही लंबाई बढ़ाने में भी सहायता करता है.

शकरकंद

शकरकंद विटामिन-ए से समृद्ध होता है, जो हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है. इसमें घुलनशील और अघुलनशील तत्व होते हैं, जो पाचन तंत्र को सही रखते हैं और आंतों के लिए गुड बैक्टीरिया के निर्माण में मदद करते हैं. शकरकंद विटामिन-सी, मैग्नीज़, विटामिन बी6 और पोटैशियम का भी अच्छा स्रोत है, जो बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास में सहायता करते हैं.

साल्मन फिश

इस फिश में ओमेगा-3 फैटी एसिड प्रचुर मात्रा में होता है. ओमेगा-3 फैटी एसिड दिल की अच्छी सेहत के साथ ही शारीरिक विकास और वृद्धि के लिए भी अच्छा माना जाता है. कुछ अध्ययनकर्ताओं का मानना है कि ओमेगा फैटी-3 एसिड हड्डियों की मजबूती के बहुत ज़रूरी है. ये बच्चों में नींद की समस्या को भी दूर करता है.

मीट

बच्चों की हड्डियों और मांसपेशियों के विकास के लिए मीट फायदेमंद है. यह प्रोटीन और कई न्यूट्रिएंट्स से भरपूर होता है, जो बच्चे की लंबाई बढ़ाने में मदद करता है.

साबूत अनाज

इसमें कई तरह के माइक्रो न्यूट्रिएंट्स होते हैं, जो बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए फायदेमंद होते हैं. इसे खाने से बच्चों के शरीर में कैल्शियम, विटामिन्स, कॉपर, मैग्नीज़, जिंक और आयरन जैसे पोषक तत्वों की कमी पूरी होती है. इसका सीधा प्रभाव उनकी ग्रोथ पर पड़ता है.

आंवला

विटामिन सी से भरपूर आंवले भी बच्चों की हाइट बढ़ाने में मददगार है. यह शरीर में हार्मोंस को संतुलित रखने के साथ ही दिमाग को भी तेज़ करता है.

ओट्स

इसमें विटामिन बी, ई, पोटेशियम और जिंक भी होते हैं जो कि बच्चों की दिमागी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं. इसमें बहुत ज्यादा फाइबर होता है, जो बच्चों के पाचन को सही रखता है. साथ ही इसमें मौजूद प्रोटीन बच्चों की हाइट बढ़ाने में मददगार होता है.

बादाम

विटामिन और मिनरल सहित अनेक पोषक तत्वों से भरपूर बादाम बच्चों की हाइट बढ़ाने में मदद करता करता है. इसमें हेल्दी फैट, फाइबर, मैग्नीज़, मैग्नीशियम और विटामिन-ई भी होता है, जो बच्चों की हड्डियों के लिए भी फायदेमंद होता है.

बेरीज़

रसबेरी, ब्लैकबेरी, ब्लूबेरी और स्ट्रॉबेरी में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में होते हैं. ये बेरीज़ ऊतकों की मरम्मत करते हैं, साथ ही बच्चों की हाइट बढ़ाने में भी मदद करते हैं.

दालें

दालों में प्रोटीन और फाइबर की मात्रा अधिक होती है और वसा की मात्रा कम, जो बढ़ते बच्चों के शारीरिक विकास के लिए बहुत ज़रूरी है.

समर में आपको रिफ्रेश कर देंगे ये देसी ड्रिंक्स

मौसम का मिज़ाज जब गर्म हो तो ज़रूरत होती है ऐसा कुछ पिया जाए जो गर्मी से राहत भी दिलाए और आपको एनेर्जेटिक भी फ़ील कराए. हम आपको यहां ऐसे ही रिफ्रेशिंग समर ड्रिंक्स और वो भी देसी व हेल्दी ड्रिंक्स के बारे में बताने जा रहे हैं जो आपको गर्मी से राहत दिलाकर रखेंगे कूल.

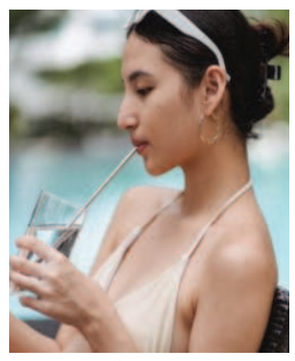

छाछ: कैल्शियम, मिनरल, प्रोटीन, विटामिन बी 12 से भरपूर छाछ गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचाती है. इसमें इलेक्ट्रोलाइट भी होते हैं और ये बॉडी को हाइड्रेट करके पेट पेट को ठंडा रखती है. आप मसाला छाछ भी बना सकते हैं, इसमें नमक, अदरक-मिर्च का पेस्ट मिला सकते हैं या फिर भुना जीरा पाउडर, सेंधा नमक, पुदीने के पत्ते भी मिलाकर इसका मज़ा लिया जा सकता है.

नारियल पानी: ये हर मौसम में

सेफ है लेकिन गर्मी में ये पेट व शरीर को ठंडक प्रदान करता है. ज़ाहिर है डिहाइड्रेशन से भी बचाता है और एनर्जी से भरपूर है. अगर आपको इसे ठंडा करके पीना है तो पानी निकालकर कुछ देर फ्रिज में रख दें.

बेल का शर्बत: ये बेहद गुणकारी है, विटामिन सी, आर्यन, प्रोटीन व फाइबर से भरपूर बेल पेट को ठंडक देता है. इसके गूदे को मैश करके इसमें पानी, शक्कर, काला नमक मिलाकर पिएं. चाहें तो उसको ठंडा करके पिएं. ये लू से भी बचाव करता है और पेट को रोगमुक्त रखता है.

गन्ने का रस: पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है, शरीर और पेट को भी ठंडक देता है. कैल्शियम, आयरन व मिनरल्स से भरपूर गन्ने का रस आपको गर्मी में एनर्जी देगा.

सत्तू का शर्बत: सत्तू के गुणों से सभी वाक़िफ़ हैं. एनर्जी से भरपूर सत्तू गर्मी से भी राहत दिलाता है. पानी में इसे मिक्स करके नींबू का रस व काला नमक डालकर पिएं.

नींबू पानी या शिकंजी: नींबू शरीर को हाइड्रेट करता. विटामिन सी का बेहतरीन स्रोत है ये. टॉक्सिंस को बाहर निकालने में भी कारगर है. नींबू पानी बनाकर उसे ठंडा करके पिएं.

आम पना: आम पना लू से भी बचाव करता है और बेहद स्वादिष्ट भी होता है. आप कच्चे आम यानी कैरी का छिलका हटाकर उबाल लें. इसकी गुठली निकालकर इसमें काला नमक, शक्कर मिलाकर ब्लेंड कर लें. चिल्ड सर्व करें, चाहें तो ऊपर से चाट मसाला या भुना जीरा या जीरा पाउडर बुरक लें.

इन सबके अलावा हाइड्रेटेड रहें. पानी से बेहतरीन ड्रिंक और भला क्या हो सकता है हाइड्रेटेड रहने के लिए. पानी से टॉक्सिंस भी निकल जाते हैं. हल्का भोजन करें, अल्कोहोल, तेज़ मसाले व तली चीज़ें और एरिएटेड/कार्बोनेटेड ड्रिंक्स और पैक्ड जूस अवॉइड करें. इससे बेहतर होगा कि आप जलजीरा, तरबूज़ का रस, टमाटर, ककड़ी, गाजर आदि का जूस लें और मौसमी फल व सब्ज़ियों का सेवन करें.

अडानी समूह करने वाला है 650 मिलियन डॉलर के बॉन्ड्स का भुगतान, यहां होगा फायदा

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। अडानी समूह ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद कारोबार की रणनीति में बदलाव किया है। अब कंपनी नया कारोबार शुरू करने के बजाय कर्जों के पुनर्भुगतान पर फोकस कर रही है। इस सिलसिले में अडानी समूह अब अपनी विभिन्न कंपनियों के फॉरेन करेंसी बॉन्ड को खरीदने वाला है। इससे अडानी के शेयरों को सीधा फायदा पहुंच सकता है।

इस कंपनी के बॉन्ड से शुरुआत

ईटी में छपी एक खबर में मामले से जुड़े सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अडानी समूह सरप्लस कैश और आंतरिक खातों की रकम का इस्तेमाल बॉन्ड को खरीदने में करने की योजना बना रहा है। इसकी शुरुआत अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन के 650 मिलियन डॉलर के बॉन्ड को खरीदने से होगी। सूत्रों का कहना है कि अडानी समूह अपनी अन्य कंपनियों के बॉन्ड का भी मूल्यांकन कर रहा है और इसके बाद उन्हें भी खरीदा जा सकता है।

मार्च तिमाही में इतने बॉन्ड का भुगतान

अडानी समूह का यह कदम निवेशकों व कर्जदारों की चिंताएं दूर करने के लिए है। अडानी समूह ने इससे पहले मार्च तिमाही के दौरान कम से कम 3 बिलियन डॉलर का बॉन्ड चुकाया है। समूह ने जीक्यूजी पार्टनर्स से इक्विटी फंडिंग के रूप में मिले 1.88 बिलियन डॉलर और प्रवर्तक समूहों की अतिरिक्त 1 बिलियन डॉलर की फंडिंग का इस्तेमाल बॉन्ड का भुगतान करने में किया था। अडानी समूह बदली रणनीति के तहत समय से पहले बॉन्ड्स का भुगतान कर रहा है।

छुड़ाए गए इतने शेयर

अडानी समूह ने इस महीने की शुरुआत में एक फाइलिंग में शेयर बाजारों को बताया था कि समूह की चार कंपनियों अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, अडानी पोर्ट्स एंड सेज लिमिटेड, अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड और अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के उन शेयरों को छुड़ाने के लिए कम से कम 2.54 बिलियन डॉलर खर्च किए गए हैं, जिन्हें प्रवर्तकों के द्वारा गिरवी रखा गया था। इसे किसी भी भारतीय समूह के द्वारा प्रवर्तकों के गिरवी रखे गए शेयरों को छुड़ाने के लिए एक तिमाही के दौरान किया गया अब तक का सबसे बड़ा भुगतान बताया जा रहा है।

यहां भी समूह ने किया भुगतान

इन सब के अलावा अडानी समूह ने मार्च तिमाही के दौरान बॉन्ड के अलावा कमर्शियल पेपर्स के बकाये का भी भुगतान किया था। अडानी समूह ने कम से कम 3,650 करोड़ रुपये के कमर्शियल पेपर्स का भुगतान किया था। ये कमर्शियल पेपर्स तीन घरेलू म्यूचुअल फंड्स को बेचे गए थे।

इनमें एसबीआई म्यूचुअल फंड को 2,750 करोड़ रुपये, आदित्य बिड़ला सन लाइफ म्यूचुअल फंड को 500 करोड़ रुपये और एचडीएफसी म्यूचुअल फंड को 450 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था।

सूरत, दिल्ली, हैदराबाद, पटना, जयपुर समेत कई शहरों में सोना सस्ता, चांदी के भी गिरे दाम

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। सोना और चांदी दोनों कीमती धातुओं में आज मिलाजुला कारोबार देखा जा रहा है। सोने के दाम आज मामूली तेजी के साथ कारोबार करते देखे जा रहे हैं। वहीं चमकीली मेटल चांदी के दाम की बात करें तो ये 250 रुपये से ज्यादा की गिरावट के साथ कारोबार कर रही है। हालांकि रिटेल बाजार में आज सोने के दाम नीचे आए हैं तो जानें कि कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना और चांदी के दाम कहां पर हैं।

एमसीएक्स पर सोने के दाम जानें

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आज सोने के दाम देखें तो ये 59873 रुपये पर हैं और इसमें 28 रुपये या 0.05 फीसदी की बढ़त दर्ज की जा रही है। एमसीएक्स पर सोने का दाम नीचे की तरफ 59817 रुपये प्रति 10 ग्राम तक गया था और ऊपर में 59891 रुपये तक के लेवल देखे गए थे। सोने के दाम इसके जून वायदा के लिए बने हुए हैं और इसमें आज मामूली उछाल के चलते रिटेल बाजार में भी दाम में बढ़त दिखाई दे रही है।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आज चमकी मेटल चांदी में 256 रुपये या 0.34 फीसदी की गिरावट देखी जा रही है और ये सस्ते दाम पर मिल रही है। चांदी में आज 74398 रुपये प्रति किलो के रेट देखे जा रहे हैं। नीचे में चांदी के दाम 74258 रुपये और ऊपर में 74512 रुपये तक गए थे।

चांदी के ये दाम इसके मई वायदा के लिए हैं और रिटेल बाजार में भी इसका असर देखा जा रहा है।

रिटेल बाजार में आज सोना कितना सस्ता

रिटेल बाजार में आज सोने और चांदी के दाम में गिरावट देखी जा रही है। स्पॉट गोल्ड के दाम में थोड़ी कमी आई है और रिटेल सोना सस्ता हुआ है। आपके शहर में आज सोना कितना सस्ता हुआ है ये आप यहां जान सकते हैं।दिल्ली में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 80 रुपये की गिरावट के साथ 60710 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रहा है।मुंबई में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 80 रुपये की गिरावट के साथ 60710 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रहा है।चेन्नई में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 100 रुपये की तेजी के साथ 61250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रहा है।कोलकाता में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 80 रुपये की गिरावट के साथ 60710 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रहा है। अन्य शहरों में कैसे हैं सोने के दाम अहमदाबाद में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 80 रुपये की गिरावट के साथ 60760 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रहा है। बेंगलुरू में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 80 रुपये की गिरावट के साथ 60760 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रहा है। चंडीगढ़ में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 80 रुपये की गिरावट के साथ 60860 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रहा है। गाजियाबाद में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 80 रुपये की गिरावट के साथ 60860 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रहा है। गुरुग्राम में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 80 रुपये की गिरावट के साथ 60860 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रहा है। हैदराबाद में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 80 रुपये की गिरावट के साथ 60710 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रहा है। जयपुर में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 80 रुपये की गिरावट के साथ 60860 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रहा है।

लखनऊ में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 80 रुपये की गिरावट के साथ 60860 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रहा है। मैसूर में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 80 रुपये की गिरावट के साथ 60760 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रहा है। नोएडा में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 80 रुपये की गिरावट के साथ 60860 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रहा है। पटना में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 80 रुपये की गिरावट के साथ 60760 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रहा है। सूरत में 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 80 रुपये की गिरावट के साथ 60760 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रहा है।

रतन टाटा को ऑस्ट्रेलिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, राजदूत ने ट्वीट कर दिग्गज के बारे में ये कहा

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। उद्योगपति और टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा को ऑस्ट्रेलिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया से सम्मानित किया गया है। भारत में ऑस्ट्रेलिया के राजदूत बैरी ओ फैरेल ने सप्ताहांत पर ट्विटर पर इसकी पुष्टि की। फैरेल ने रतन टाटा को 'व्यापार, उद्योग और परोपकार जगत का दिग्गज' बताया। उन्होंने कहा कि टाटा के योगदान ने ऑस्ट्रेलिया पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। ओ फैरेल ने शनिवार को ट्वीट किया, रतन टाटा न केवल भारत में व्यापार, उद्योग और परोपकार के दिग्गज हैं, बल्कि उनके योगदान ने ऑस्ट्रेलिया में भी महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों के प्रति रतन टाटा की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता को देखते हुए उन्हें ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया (एओ) सम्मान प्रदान करते हुए खुशी हो रही है।

दुनिया के सबसे अमीर आदमी ने उत्तराधिकारी चुनने के लिए पांच बच्चों का लिया ऑडिशन, जानें लंच में क्या हुआ?

बिजनेस डेस्क, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बर्नार्ड अरनॉल्ट ने अपने लग्जरी ब्रांड का साम्राज्य चलाने के लिए लंच के दौरान अपने पांच बच्चों का ऑडिशन लिया। कहा जा रहा है कि लुई वीटॉन (एलवीएमएच) के अध्यक्ष और सीईओ बर्नार्ड अरनॉल्ट और दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति कथित तौर पर लुई वीटॉन के मुख्यालय में एक निजी भोजन कक्ष के अंदर दोपहर के भोजन के लिए अपने पांच बच्चों से मिले थे। दोपहर के भोजन के समय हुई यह मुलाकात 90 मिनट तक चली थी इस दौरान फ्रांसीसी अरबपति ने अपने आईपैड बातचीत की चर्चा शुरू कर अपने बच्चों से लग्जरी व्यापार साम्राज्य को चलाने की रणनीति पर सलाह मांगी। इस दौरान 74 साल के अरबपति अपने पांच बच्चों में सभी के पास गए और उनसे सलाह-मशविरा किया। जानकारों का मानना है कि अरनॉल्ट एलवीएमच के विभिन्न प्रबंधकों पर अपने बच्चों की राय चाहते थे। इसे देखते हुए ऐसा लग रहा है कि एलवीएमएच में यह बदलाव का समय है। लंच के दौरान अरनॉल्ट ने प्रभावी रूप से यह देखने के लिए अपने बच्चों का ऑडिशन लिया कि कौन उनके लग्जरी साम्राज्य हो अच्छे से संभाल सकता है? ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के अनुसान अरनॉल्ट पिछले साल टेस्ला के सीईओ एलन मस्क को पछाड़कर दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए थे। बीते 19 अप्रैल को उनकी संपत्ति 208 अरब डॉलर थी। लुई विटॉन मोएट हेनेसी दुनिया में लग्जरी उत्पादों के मामले में एक बड़ा नाम है। यह ब्रांड एलवीएमएच के नाम से मशहूर है। दुनिया के सबसे अमीर शख्स बर्नार्ड अरनॉल्ट इसी कंपनी के अध्यक्ष और सीईओ हैं। 5 मार्च 1949 को फ्रांस के रूबैक्स स्थित एक कारोबारी परिवार में पैदा हुए अरनॉल्ट ने अपने करियर की शुरुआत एक इंजीनियर के रूप में की थी। उन्होने इकोले पॉलिटेक्निक से पढ़ाई करने के बाद फेरेट सविनेल कंस्ट्रक्शन कंपनी में इंजीनियर के रूप में काम शुरू किया था। अपने काम के दम पर 1978 में तमाम प्रमोशन हासिल करते हुए वे इस कंपनी के अध्यक्ष के पद पर पहुंचे। वे 1984 तक इस कंपनी के लिए काम करते रहे। उन्होंने इस दौरान फिइनांसियर अगाचे होल्डिंग कंपनी का खाका तैयार किया। उसके बाद फैशन की दुनिया में उनकी दिलचस्पी दिन-प्रतिदिन बढ़ती चली गई। थोड़े ही समय में उन्होंने एक लग्जरी ब्रांड को विकासित कर उसे एक मुनाफ कमाने वाला ग्रुप बना दिया।

ओपीईसी देशों से तेल आयात 22 वर्षों के न्यूनतम स्तर पर, रूस-यूक्रेन संकट का असर

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। रूस से तेल की खरीदारी बढ़ने से ओपीईसी देशों से भारत का कच्चे तेल का आयात 22 वर्षों के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया है। उद्योग से जुड़े आंकड़ों के अनुसार इस साल ओपीईसी देशों से तेल आयात में और कमी आ सकती है। पेट्रोलियम पदार्थों के निर्यातक संगठन ओपीईसी में मुख्य रूप से मिडिल ईस्ट और अफ्रीकी देश शामिल हैं। मार्च 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष में ओपीईसी देशों से भारत का तेल आयात 59% रहा, जो वित्तीय वर्ष 2021-22 में 72% था। आंकड़ों से पता चलता है कि रूस पहली बार इराक को पीछे छोड़ते हुए भारत के लिए शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा, जिससे सऊदी अरब पिछले वित्त वर्ष में नंबर 3 पर आ गया। ओपेक का हिस्सा सिकुड़ा है क्योंकि भारत, जिसने अतीत में शायद ही कभी उच्च माल ढुलाई लागत के कारण रूसी तेल खरीदा था, अब रूसी समुद्री तेल के लिए रूस का शीर्ष ग्राहक है।

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन शानदार तेजी के साथ बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार, सेंसेक्स फिर 60,000 अंकों के पार

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के लिए हफ्ते का पहला कारोबारी दिन बेहद शानदार रहा है। बीएसई सेंसेक्स 401 अंकों की तेजी के साथ 60056 तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 120 अंकों के उछाल के साथ 17,734 अंकों पर बंद हुआ है। इससे पहले सुबह से लेकर दोपहर तक बाजार सीमित दायरे में कारोबार कर रहा था। एक बार बाजार लाल निशान में भीआ गया। लेकिन निचले लेवल से बाजार में खरीदारी लौटी। दोपहर बाद खरीदारी लौटने के चलते शानदार तेजी के साथ बाजार बंद हुआ है। आज के ट्रेड में बैंकिंग, आईटी, एफएमसीजी, मेटल्स, इंफ्रा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर तेजी के साथ बंद हुआ है जबकि हेल्थकेयर, मीडिया, फार्मा, ऑटो सेक्टर के शेयर गिरावट के साथ बंद हुआ है। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स तेजी के साथ बंद हुआ है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 23 शेयर हरे निशान में तो 7 गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 35 शेयर तेजी के साथ तो 15 गिरावट के साथ बंद हुए। आज के ट्रेड में विप्रो 2.69 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 2.31 फीसदी, टाइटन कंपनी 2.31 फीसदी, एक्सिस बैंक 2.16 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.08 फीसदी, एचडीएफसी 1.02 फीसदी एचडीएफसी बैंक 0.88 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। तो इंडसइंड बैंक 1.24 फीसदी, मारुति सुजुकी 1.11 फीसदी, सन फार्मा 1 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है। आज के कारोबारी सत्र में भी निवेशकों की संपत्ति में शानदार उछाल देखने को मिला है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनी का मार्केट कैपिटलाईजेशन बढ़कर 266.33 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है। जो पिछले ट्रेडिंग सेशन में 264.97 लाख करोड़ रुपये रहा था। आज के सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 1.36 लाख करोड़ रुपये की तेजी आई है।

विप्रो के शेयरधारकों के लिए कमाई का मौका!

27 अप्रैल को कंपनी करेगी शेयर बायबैक पर विचार

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। सोमवार के ट्रेडिंग में देश की तीसरी बड़ी आईटी कंपनी विप्रो का शेयर 2.69 फीसदी के उछाल के साथ 378 रुपये पर बंद हुआ है। पर विप्रो के शेयर में आई इस तेजी की वजह है कंपनी के शेयर बायबैक करने की घोषणा। विप्रो ने ये एलान किया है कि कंपनी के बोर्ड की 27 अप्रैल 2023 को बैठक होगी जिसमें शेयर बायबैक के फैसले पर निर्णय लिया जाएगा।

क्यों लिया गया बायबैक का फैसला

विप्रो का शेयर लंबे समय से सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। एक साल में शेयर में 30 फीसदी और दो साल में 21 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। विप्रो के शेयर को लेकर निवेशकों की उदासीनता नजर आ रही है। विप्रो के शेयर के सेंटीमेंट को बेहतर करने के लिए कंपनी ने शेयर बायबैक का फैसला किया है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंजों को रेग्युलेटरी फाइलिंग में कहा कि कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की 27 अप्रैल को बैठक होगी जिसमें बोर्ड शेयर बायबैक पर विचार करेगी। बोर्ड बैठक में ये तय किया जाएगा कि कंपनी किस भाव पर और कुल कितने रकम का शेयर बायबैक करेगी। बोर्ड बैठक में ये भी फैसले लिया जाएगा कि कंपनी शेयर बायबैक ओपेन मार्केट से करेगी या फिर टेंडर ऑफर रूट के जरिए ये किया जाएगा।

रिटेल निवेशकों के लिए बेहतर मौका

जिन निवेशकों के पास विप्रो के शेयर मौजूद है वे बेहतर मुनाफा कमाने के लिए बायबैक में शेयर को सरेंडर कर सकते हैं। 27 अप्रैल को ही 2022-23 वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही के लिए विप्रो नतीजों की घोषणा भी करने वाली है।

पिछली बार विप्रो ने 2002-21 में शेयर बायबैक स्कीम लेकर आई थी। तब अजीम प्रेमजी से जुड़ी कंपनियों ने 9156 करोड़ रुपये के 22.89 करोड़ शेयर टेंडर किए थे। तब कंपनी ने 400 रुपये प्रति शेयर के भाव पर शेयर बायबैक किया था। शेयरबैक 29 दिसंबर 2020 से लेकर 11 जनवरी 2021 तक के लिए खुला हुआ था।

स्टारशिप टेस्ट फ्लाइट से टेक्सास लॉन्च साइट को नुकसान

कंक्रीट के टुकड़े बिखरे, जमीन में गहरे गड्ढे पड़े; मरम्मत में लग सकता है महीनों का समय

टेक्सास, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे शक्तिशाली लॉन्च व्हीकल स्टारशिप ने टेक्सास लॉन्च साइट को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। अपने पहले ऑर्बिटल टेस्ट के बाद लॉन्च साइट पर कंक्रीट के टुकड़े, मेटल की मुड़ी हुई चादरें, जमीन में गहरे क्रेटर दिखाई दिए। गुरुवार (20 अप्रैल) की टेस्ट फ्लाइट से हुई क्षति की मरम्मत में महीनों का समय लग सकता है। इससे अगले लॉन्च में देरी हो सकती है। स्पेसएक्स के बॉस एलन मस्क ने टेस्ट से पहले कहा था कि स्टारशिप का लॉन्च पैड को नष्ट किए बिना लिफ्ट कर पाना ही बड़ी जीत होगी। मस्क का रॉकेट लिफ्ट ऑफ में कामयाब रहा था, लेकिन लगभग चार मिनट बाद ये एक्सप्लोड हो गया था। न्यूज एजेंसी एएफपी के एक फोटोग्राफर ने टेस्ट के दो दिन बाद लॉन्च पैड के आसपास की फोटो कैप्चर की है। इन तस्वीरों में लॉन्च पैड को हुए नुकसान को देखा जा सकता है। इस टेस्ट के बाद, 'मस्क ने कहा कि स्पेसएक्स ने लॉन्च माउंट के नीचे एक विशाल वाटर-कूल्ड स्टील प्लेट का निर्माण शुरू कर दिया है।' पहले टेस्ट के दौरान यह तैयार नहीं हो पाया था और इंजीनियरों को लगा था कि इसके बिना भी पैड बिना डैमेज के रॉकेट को लिफ्ट ऑफ करा देगा।

स्टेनलेस स्टील से बने स्टारशिप को दुनिया के दूसरे सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने बनाया है। स्पेसएक्स ने लॉन्च फेल होने के बाद कहा था- स्टेज सेपरेशन से पहले स्टारशिप ने रैपिड अनशेड्यूल्ड डिसअसेंबली एक्सपीरिएंस की। एलन मस्क ने टीम को इस लॉन्च पर बधाई दी थी। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, 'स्टारशिप के एक्साइटिंग टेस्ट लॉन्च के लिए स्पेसएक्स की टीम को बधाई।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारभ समय	
सूर्य-	मेष में	मेष--	05-22 बजे
चंद्र-	मिथुन में	वृष--	07-08 बजे
मंगल	मिथुन में	मिथुन..	09-08 बजे
बुध-	मेष में	कर्क...	11-20 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह...	13-32 बजे
शुक्र-	वृष में	कन्या..	15-40 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला...	17-45 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	19-54 बजे
केतु-	तुला में	धनु.....	22-08 बजे
		मकर..	00-14 बजे
		कुंभ...	02-05 बजे
		मीन ..	03-44 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 | सूर्योदय- 05-57 सूर्य अस्त- 18-31
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी - 09 -40 तक उपरान्त षष्ठी
मास - वैशाख शुक्ल पक्ष , मंगलवार April 25
नक्षत्र - आर्द्रा - 04- 20 - तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - अतिगण्ड - 07 - 44 - तक उप -
करण- बालव - 09 - 40 - तक उप- कौलव
विशेष:- श्री आध शंकराचार्य जं.श्री सूरदास जं.
व्रत -त्योहार - श्री रामानुजाचार्य जं.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
15:24 से 16:59 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05:57 - 07:30	अशुभ	काल.	18:31 - 19:59	अशुभ
उत्पात	07:30 - 09:05	अशुभ	लाभ	19:59 - 21:24	शुभ
चंचल	09:05 - 10:39	शुभ	उत्पात	21:24 - 22:49	अशुभ
लाभ	10:39 - 12:14	शुभ	शुभ.	22:49 - 00:14	शुभ
अमृत	12:14 - 13:49	शुभ	अमृत	00:14 - 01:39	शुभ
काल	13:49 - 15:24	अशुभ	चंचल	01:39 - 03:04	शुभ
शुभ	15:24 - 16:59	शुभ	रोग	03:04 - 04:29	अशुभ
रोग	16:59 - 18:31	अशुभ	काल	04:29 - 05:57	अशुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
कुछ मनोरंजन के लिए अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करें। आपका कोई पुराना रोग आज आपको परेशान कर सकता है जिससे आपको अस्पताल जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। परिवार में अपने दबदबे वाले रवैये को बदलने का यह सही समय है।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपके पास अपने स्वास्थ्य और रूप-रंग को बेहतर बनाने के लिए पर्याप्त समय होगा। आर्थिक तौर पर आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आप आज मौद्रिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं, बशर्ते आप वास्तव में कड़ी मेहनत करें। बच्चों के साथ समय बिताना महत्वपूर्ण रहेगा।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,
बड़ों को अच्छा लाभ पाने के लिए अपनी अतिरिक्त ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करने की आवश्यकता है। अपने ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें- और आज सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। बच्चों को उनके गृह कार्य को पूरा करने में मदद करने का समय। अपने प्रिय की वफादारी पर शक न करें।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपका मन अच्छी बातों के प्रति ग्रहणशील रहेगा। आप जीवन में पैसे के महत्व को नहीं समझते हैं, लेकिन आज आपको इसके महत्व का एहसास होगा क्योंकि आपको पैसों की जरूरत तो होगी, लेकिन आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
ज्यादा खाने से बचें और फिट रहने के लिए नियमित रूप से हेल्थ क्लब जाएं। आज जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आपके लिए घातक हो सकता है। जहां तक हो सके इस तरह के फैसले लेने से बचें। उन लोगों से संवाद करने के लिए अच्छा दिन है जिनसे आप कम ही मिलते हैं।

कन्या — टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,
मन में सकारात्मक विचार लाएं। पैसों से जुड़ी समस्याओं को लेकर आज आप कुछ चिंतित रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने विश्वस्त विश्वासपात्र से सलाह लेनी चाहिए। संतान की बीमारी आपको व्यस्त रखेगी। आपको तुरंत ध्यान देने की जरूरत है।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
मज़ाकिया रिश्तेदारों का साथ आपका तनाव कम करेगा और आपको ज़रूरी राहत देगा। आप भाग्यशाली हैं कि आपको ऐसे रिश्तेदार मिले हैं। आज आपके सामने निवेश के नए अवसर तलाशे जा सकते हैं- लेकिन इन परियोजनाओं की व्यवहार्यता का अध्ययन करने के बाद ही खुद को प्रतिबद्ध करें।

वृश्चिक — लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,
आपकी शाम मिली जुली भावनाओं से भरी होगी जो आपको तनाव में रख सकती है। लेकिन ज़्यादा चिंता करने की ज़रूरत नहीं है- क्योंकि आपकी ख़ुशी आपको निराशा से ज़्यादा खुशी देगी। दिन भर के लिए जीने और मनोरंजन पर जरूरत से ज्यादा समय और पैसा खर्च करने की अपनी प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखें।

धनु — ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे
आपका तल्ख़ बर्ताव पत्नी के साथ रिश्ते बिगाड़ सकता है। कुछ भी मूर्खतापूर्ण करने से पहले अपने व्यवहार के नतीजों के बारे में सोचें। हो सके तो अपना मूड बदलने के लिए दूर चले जाएं। भाई-बहनों के सहयोग से आज आपको धन लाभ की प्राप्ति होगी। अपने भाई-बहनों से सलाह लें।

मकर — मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी
मस्ती करने के लिए बाहर निकलने वालों के लिए बेहद खुशी और आनंद। आपके समर्पण और कड़ी मेहनत पर ध्यान दिया जाएगा और आज आपके लिए कुछ आर्थिक पुरस्कार लेकर आएगा। किसी दूर के रिश्तेदार का लंबे समय से प्रतीक्षित संदेश पूरे परिवार और विशेष रूप से आपके लिए खुशखबरी देगा।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,
आपकी आशा एक समृद्ध नाजुक सुगंधित और चमकदार फूल की तरह खिल उठेगी। पैसों के निवेश और बचत को लेकर आज आपको अपने परिजनों से बात करने की जरूरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार साबित होगी।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आप आशा के जादू के अधीन हैं। यदि आपकी रचनात्मक प्रतिभा का उचित उपयोग किया जाए तो यह अत्यधिक आकर्षक साबित होगी। घर में पूजा-पाठ या मांगलिक कार्य करने चाहिए। अगर आपने थोड़ा सा प्यार बांटा तो आपका प्रिय आज आपके लिए फरिश्ता बन जाएगा।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

बृजभूषण सिंह की कहानी: एसपी पर पिस्टल तानी, हत्या की बात मानी

अब उन्हें हटाने के लिए ही फुटपाथ पर डटे हैं नामी पहलवान

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। गुंडई ऐसी कि एसपी ऑफिस में एसपी पर ही पिस्टल तान दी। राजनीति ऐसी कि लगातार 6 बार से सांसदी का चुनाव जीत रहे हैं। कारोबार ऐसा कि 50 से ज्यादा स्कूल-कॉलेज के मालिक हैं। रसूख ऐसा कि पार्टी लाइन से अलग भी बयानबाजी करते हैं। बेधड़क इतने कि इंटरव्यू में हत्या की बात कबूल करते हैं। दबदबा ऐसा कि 11 साल से भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष हैं।

यही खासियत है बृजभूषण शरण सिंह की, जिनके खिलाफ एक बार फिर देश के कई नामी पहलवान दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे हैं। 8 पहलवान सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। इन्होंने कोर्ट से बृजभूषण के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में एक कांग्रेसी नेता हुए चंद्रभान शरण सिंह। उन्हीं के परिवार में 1957 में बृजभूषण शरण सिंह पैदा हुए। कॉलेज के दिनों से ही बृजभूषण छात्र राजनीति में सक्रिय थे।

सत्तर के दशक में के.एस. साकेत महाविद्यालय, अयोध्या में महामंत्री बने। छात्र राजनीति के दौरान ही कॉलेज के किसी मामले में उन्होंने हैंडग्रेनेड चला दिया था, जिसके बाद उनका नाम उछला और फिर राजनीति में वो सक्रिय होते गए। 1987 की बात है। जिले के गन्ना डायरेक्टरी के चुनाव में बृजभूषण ने भी पर्चा भर दिया। बृजभूषण को एसपी ने बुलाया और उन्हें गाली देते हुए नामांकन वापस लेने की धमकी दी। बृजभूषण एक इंटरव्यू में बताते हैं, 'मैंने एसपी पर पिस्टल तान दी और उसे 200 गालियां दीं। स्थानीय पत्रकार हनुमान सिंह सुधाकर वहीं थे। इसके बाद मैंने अपनी बाइक उठाई और वहां से निकल गया।'

बाबरी मस्जिद गिराने के लिए फावड़ा और बेलचा दिया

बाबरी मस्जिद विध्वंस मामले में लालकृष्ण आडवाणी, कल्याण सिंह, मुरली मनोहर जोशी समेत जो 40 लोग आरोपी बनाए गए, उनमें बृजभूषण शरण सिंह भी थे। बृजभूषण बताते हैं, 'जब कारसेवकों ने बाबरी मस्जिद पर हमला किया तो किसी के पास कोई हथियार नहीं था। वहां पास में कृष्णा गोयल का काम चल रहा था। हमने स्टोर रूम तोड़ा और कारसेवकों तक गैती फरुआ पहुंचाया। हमने गिराया नहीं है, लेकिन रात 10 बजे तक हम वहीं थे।' सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने साल 2020 में बृजभूषण शरण सिंह समेत सभी आरोपियों को बरी कर दिया।

1991 में शुरू हुआ जीत का सिलसिला

छात्र राजनीति और जन्मभूमि आंदोलन की वजह से बृजभूषण क्षेत्र में काफी लोकप्रिय हो चुके थे। 1991 में जब बीजेपी ने बृजभूषण सिंह को लोकसभा टिकट दिया तब इनके खिलाफ 34 आपराधिक मामले दर्ज थे। बीजेपी ने सिंह को गोंडा का रॉबिनहुड कहकर बचाव किया। वो बड़े अंतर से चुनाव जीते। 1996 में जब बृजभूषण सिंह टाडा के तहत तिहाड़ जेल में सजा काट रहे थे, तब इनकी पत्नी केतकी सिंह ने गोंडा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा। बृजभूषण के जेल में होने के बावजूद केतकी सिंह ने कांग्रेस के आनंद सिंह को 80,000 वोटों से हराया।

बृजभूषण शरण सिंह को लेकर सबसे बड़ा विवाद तब हुआ था, जब इन पर अंडरवर्ल्ड के साथ जुड़े होने के आरोप लगे। इनके

खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने की वजह से टाडा का मामला दर्ज किया गया। दाऊद से फोन पर बात करने और उसकी मदद करने के आरोप भी लगे थे। बाद में बीजेपी ने इन सभी आरोपों से सिंह को बरी कर दिया। 30 मई 1996 को तिहाड़ जेल में सजा काट रहे बृजभूषण सिंह को प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की चिट्ठी मिली। इसमें उन्होंने लिखा था कि आप बहादुर हैं। सावरकर जी को याद करिए। उन्हें उम्रकैद की सजा मिली थी।

मायावती और संघ के बड़े नेता से ले लिया पंगा

बृजभूषण एक इंटरव्यू में बताते हैं, 'मायावती का गोंडा में एक कार्यक्रम था। उन्होंने गोंडा का नाम बदलकर लोकनायक जयप्रकाश नगर करने की घोषणा की। मैं मायावती से भिड़ गया। मैंने आंदोलन खड़ा किया। इसकी तस्वीरें लेकर मैं अटल जी के पास गया और अटल जी ने एक फोन पर जिले का नाम रोक दिया, लेकिन ये नामकरण संघ के बड़े नेता नाना जी ने कराया था और फिर मेरा संघ में विरोध शुरू हो गया।' गोंडा से बृजभूषण का टिकट काटकर घनश्याम शुक्ल को दे दिया गया। जिस दिन वोट पड़ रहा था उसी दिन घनश्याम शुक्ल का एक्सीडेंट में निधन हो गया। कुछ दिनों बाद एक्सीडेंट कराने का आरोप बृजभूषण पर लगा। इस घटना की सीबीआई जांच का आदेश दिया गया। बाद में बृजभूषण बीजेपी छोड़कर सपा में शामिल हो गए। 2009 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की कैसरगंज सीट से सपा के टिकट पर चुनाव जीते। 2014 के चुनाव से पहले बीजेपी में घर वापसी हो गई और तब से बीजेपी सांसद हैं।

बृजभूषण ने मंच पर पहलवान को जड़ा था थप्पड़

रांची में अंडर-15 नेशनल कुश्ती चैंपियनशिप में कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण ने एक पहलवान को मंच पर ही थप्पड़ जड़ दिया था। दरअसल, उस पहलवान की उम्र ज्यादा थी। वो बृजभूषण के कॉलेज के नाम पर प्रतियोगिता में शामिल होना चाहता था। वहां बृजभूषण बैठे थे और उन्होंने पहलवान पर हाथ छोड़ दिया।

इंटरव्यू में खुद कबूली एक हत्या करने की बात

यूपी में 2022 विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा सांसद बृजभूषण शरण का एक इंटरव्यू खूब वायरल हुआ। इसमें उन्होंने खुद एक हत्या की बात कबूली। कहा- मेरे जीवन में एक हत्या मुझसे हुई है। लोग चाहे कुछ भी कहें। रविंद्र को जिस आदमी ने मारा था। उसकी पीठ पर राइफल से मैंने गोली मारी थी।

दरअसल, यह मामला 1983 का है। रविंद्र सिंह, अवधेश सिंह और बृजभूषण तीनों दोस्त थे। ये खनन के ठेके लेते थे। तीनों दोस्त एक जगह गए तो वहां पर विवाद हो गया। वहां उनके दोस्त को किसी ने गोली मार दी। इसके बाद बृजभूषण ने हमला करने वाले को गोली मार दी। बताया जाता है कि इस मामले में कोर्ट ने उनको बरी कर दिया।

50 से ज्यादा स्कूल-कॉलेजों के मालिक

चुनावी हलफनामे के मुताबिक बृजभूषण सिंह के पास करीब 10 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्ति है। वहीं उनकी पत्नी के पास करीब 6 करोड़ रुपए की संपत्ति है। उनके पास स्कॉर्पियो, फोर्ड और फॉर्च्यूनर जैसी कई गाड़ियां हैं।

स्थानीय पत्रकार बताते हैं कि इस सरकारी डेटा से इतर बृजभूषण सिंह इलाके के करीब 50 से ज्यादा स्कूल कॉलेजों के मालिक हैं। अलग-अलग सेक्टर में वो ठेकेदारी का काम भी करते हैं। वो हेलिकॉप्टर और घोड़ों की सवारी के लिए भी मशहूर हैं।

सांसद बृजभूषण के खिलाफ रेसलर्स के आरोप

विनेश फोगाट ने सोमवार सुबह कहा, 'आप सभी को नमस्कार, जैसे कि आप सब जानते हैं। 3 महीने पहले हमने रेसलिंग फेडरेशन के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आवाज उठाई थी। हमारे साथ में कुछ राजनीति हुई है। सरकार ने एक कमेटी बनाई थी। 4 हफ्ते का समय मांगा था। 3 महीने हो गए हमें इंतजार करते हुए, हमारे साथ आज भी न्याय नहीं हुआ है।'

उन्होंने कहा 'दो दिन पहले हम पुलिस स्टेशन गए थे। जहां 7 लड़कियों ने बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई करने की शिकायत दी है।

शिकायत में मांग की कि बृजभूषण ने जो शारीरिक शोषण किया है, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। पुलिस हमारी एफआईआर भी दर्ज नहीं कर रही है, जिसके बाद इंतजार कर जंतर-मंतर पर आए हैं।'

80 साल पुराना पेड़ धराशायी, पति-पत्नी की दबकर मौत

35 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चली हवाएं छत्तीसगढ़ में यलो और ऑरेंज अलर्ट

धमतरी, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। धमतरी जिले में सोमवार को चली तेज आंधी में 80 साल पुराना आम का पेड़ धराशायी हो गया, जिसके नीचे दबकर पति-पत्नी की मौत हो गई। सांकरा के साप्ताहिक बाजार में दोनों पति-पत्नी सड़क किनारे झोपड़ी के पास बैठकर चना-मुर्रा बेच रहे थे, तभी वहां 80 साल पुराना आम का पेड़ तेज आंधी में गिर गया, जिसके नीचे पति-पत्नी दब गए। मामला सिहावा थाना क्षेत्र का है। मृत पति-पत्नी का नाम दयालु राम निषाद और ईश्वरी निषाद है। आम का पेड़ झोपड़ी के ऊपर गिरा। इसी झोपड़ी के पास पति-पत्नी भी बैठे हुए थे, उनके ऊपर भी पेड़ का हिस्सा गिर गया। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पत्नी की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, वहीं गंभीर रूप से घायल पति ने अस्पताल ले जाते हुए दम तोड़ दिया। पुलिस ने पति-पत्नी के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया है। बता दें कि बंगाल की खाड़ी से आ रही नमीयुक्त हवा के कारण धमतरी जिले में मौसम का मिजाज पिछले 3 दिनों से बदला हुआ है। सोमवार को जिले में करीब 30 से 35 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार

से हवाएं चलीं। वहीं नगरी इलाके में घंटेभर गरज-चमक के साथ तेज बारिश हुई। अंधड़ के कारण नगरी ब्लॉक के कई गांव में बिजली ठप हो गई है। शहर में भी अंधड़ से रुद्री रोड पर पेड़ गिर गया है। विधायक रंजना साहू ने बेमौसम बारिश से हो रहे फसल के नुकसान का आकलन कराने और किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग कलेक्टर को पत्र लिखकर की है। धमतरी शहर के अलावा नगरी, कुरूद और मगरलोड में सोमवार दोपहर बाद मौसम बदल गया। पंडरीपानी, देऊरपारा, सोनामगर सहित कई गांवों में बिजली ठप हो गई। पानी के लिए महिलाएं देर-शाम तक भटकती रहीं। मगरलोड में हवा के साथ बूंदाबांदी हुई। कुरूद ब्लॉक में तोज आंधी चली। मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा ने बताया कि अगले 24 घंटे के लिए धमतरी में यलो अलर्ट है। इस दौरान बारिश, आंधी और बिजली गिरने की संभावना है। ओलावृष्टि के भी आसार हैं। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने के लिए कहा है।

मौसम विभाग ने आने वाले 17 घंटों के लिए अंधड़, बारिश, बिजली और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। इसके लिए मौसम वैज्ञानिक ने प्रदेश भर के कई जिलों के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। प्रदेश के बस्तर, बेमेतरा,बीजापुर, बिलासपुर, दंतेवाड़ा, कबीरधाम, कांकेर, कोंडागांव, मुंगेली, नारायणपुर और सुकमा में कुछ जगहों पर गरज चमक के साथ वज्रपात होने, अंधड़ चलने और एक-दो स्थानों पर ओलावृष्टि होने की आशंका है। बालोद, बलौदा बाजार, धमतरी,दुर्ग, गरियाबंद, जांजगीर-चांपा, कोरबा, कोरिया, महासमुंद, रायपुर, राजनांदगांव, सूरजपुर, सरगुजा, जिले में एक-दो स्थान पर गरज चमक के साथ अंधड़ चलने और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका जताई गयी है।

रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में सोमवार को अंधड़ के साथ तेज बारिश हुई। इसके साथ ही ओले भी पड़े। दरअसल, मार्च के दूसरे पखवाड़े के बाद से थोड़े-थोड़े दिन के अंतराल पर बने द्रोणिका और चक्रवातों के कारण प्रदेश में लगातार समुद्र से हवा आ रही है।

घरेलू विवाद में पत्नी ने धारदार हथियार से वार कर पति को उतारा मौत के घाट

घर में ताला लगा हुई फरार

कांकेर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। कांकेर जिले के बांदे थानाक्षेत्र अन्तर्गत पत्नी ने अपने पति के ऊपर टंगिया से वार कर मौत के घाट उतार दिया। मामूली झगड़े के चलते पत्नी ने आवेश में आकर पति के ऊपर टंगिया से वार कर दिया जिसकी उसकी मौत हो गई।

बांदे थाने से मिली जानकारी के अनुसार बांदे में अशोक व्यापारी के यहां खेती किसानी का काम करने के लिए किराए से उसी के मकान में टूगे राम गोटा अपने पत्नि जानोबाई व बच्चों के साथ रहता था। घरेलू विवाद के चलते किराए के मकान में ही पत्नी ने पति पर टंगिया से वार कर मौत के घाट उतार किराए के मकान में ताला लगाकर दरवाजा बंद कर बच्चों को लेकर चली गई। किराए मालिक की शिकायत पर बांदे थाने में पत्नी के ऊपर मामला दर्ज कर आरोपी पत्नी की खोजबीन जारी है।

'कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व अविश्वसनीयता के घेरे में'

बिलासपुर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। बिलासपुर में नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा है कि कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व अविश्वसनीयता के कटघरे में है। प्रदेश में मुख्यमंत्री के कार्यकाल को लेकर कांग्रेस के बड़े नेताओं ने जनता के सामने स्पष्ट क्यों नहीं किया। आरक्षण के मामले में राज्य सरकार पूरी तरह से फंस गई है और मामला सरकार के पाले में है। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल बिलासपुर में बूथ प्रभारियों, शक्ति केंद्र प्रभारियों और सह संयोजकों की बैठक लेने आए थे। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि भाजपा ने आरक्षण को सर्व सम्मति से विधानसभा में पारित किया है। यह मामला राज्य सरकार और राज्य पाल के बीच का है। इसमें भाजपा को कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा कि हमने कांग्रेस से कहा था कि डाटा आयोग की रिपोर्ट सदन में पेश करें। लेकिन ऐसा नहीं किया गया। आरक्षण को लेकर राज्य सरकार पूरी तरीके से फंस चुकी है।

सरकार की एक गलती के कारण ये स्थिति बनी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के उस बयान पर नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने कुछ दिन पहले कहा था कि भाजपा ने सभी आदिवासी नेताओं को दरकिनार कर दिया है। चंदेल ने कहा कि मुख्यमंत्री को अपनी चिंता करनी चाहिए।

कांग्रेस के ही लोग उनके पीछे पड़े हुए हैं। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री यह बताएं क्या सही में ढाई-ढाई साल का वादा हुआ था। हाईकमान के सामने ऐसी कोई बात हुई थी, तो कांग्रेस के बड़े नेताओं को स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि टीएस सिंहदेव अपना दर्द खुद जानते हैं और बंद कमरे में सिसक रहे हैं। हर जगह बोलते हैं कि मैं सीएम बनूंगा। चंदेल ने विधानसभा चुनाव को लेकर कहा कि भाजपा में संगठन चुनाव लड़ता है। पार्टी किसी के चेहरे पर चुनाव नहीं लड़ती। विधानसभा चुनाव में भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चेहरा रहेगा और भाजपा पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी। चंदेल ने कहा कि विधानसभा चुनाव के पहले से भाजपा की टीम तैयार है। हर जगह बूथ को सशक्त किया जा रहा है। बूथ सशक्तिकरण की तैयारी को लेकर संगठन के नेता सभी जगहों पर बैठकें ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि किसी भी चुनाव को जीतने के लिए बूथ को मजबूत करना महत्वपूर्ण होता है। बूथ को जीतने से ही चुनाव में सफलता मिलती है। उन्होंने सभी बूथ व शक्ति केंद्र के प्रभारी और संयोजक सहसंयोजकों को बूथ को मजबूत करने की दिशा में काम करने के लिए कहा गया है।

शिक्षक को पीटने वाला गिरफ्तार

बालोद, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में सरकार आर्थिक, सामाजिक सर्वेक्षण कार्य करा रही है। इस दौरान बालोद में सर्वेक्षण काम में लगे एक शिक्षक की स्कूल में घुसकर एक ग्रामीण ने पीट दिया। शिक्षक को सर्वे के दौरान आरोपी ने डाटा दिया था, लेकिन राशन कार्ड में सुधार नहीं हुआ। घटना के दो दिन बाद शिक्षक ने मामले की एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने मंगलवार को आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। मामला गुंडरदेही थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गुंडरदेही की ओर से शिक्षक प्रधान पाठक बलराम बंजारे की खेरुद गांव में सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण के कार्य में ड्यूटी लगाई गई है। इसका काम आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की मदद से किया जा रहा है। सर्वेक्षण कार्य के दौरान शिक्षक बलराम बंजारे करीब एक सप्ताह पहले गांव के ही पुरानिक साहू के घर पहुंचे थे। वहां से पुरानिक ने उन्हें पूरी जानकारी दी और फार्म भर लिया। इसके कुछ दिनों बाद पुरानिक साहू शिक्षक बलराम बंजारे के स्कूल पहुंच गया।

झारखंड में फैलता कोरोना संक्रमण का दायरा

रांची, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड में कोरोना संक्रमण का दायरा 300 के आंकड़े को पार कर चुका है। राज्य में ताजा आंकड़े के अनुसार 343 से ज्यादा संक्रमित मरीज राज्य में मौजूद हैं और सबसे ज्यादा संक्रमण के मामले पूर्वी सिंहभूम में है। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में संक्रमित पाई गयी 49 छात्रों को नयी सूची में शामिल नहीं किया गया है। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जारी किए गये आंकड़े बताते हैं, पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 63 नये मामले दर्ज किए गये हैं। इन नये आंकड़ों के साथ कोरोना संक्रमितों की संख्या राज्य में 294 में हो गयी है। संक्रमण के सबसे ज्यादा मामले रांची में है। वहीं दूसरे स्थान पर पूर्वी सिंहभूम है जहां सबसे ज्यादा संक्रमितों की संख्या है। संक्रमण के इन आंकड़ो में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में संक्रमित पाई गयी 49 छात्रों की सूची शामिल नहीं है। अगर इन आंकड़ों को उसमें जोड़ा गया तो संक्रमितों की संख्या ज्यादा होगी।

राज्य में संक्रमण के आंकड़े में लगातार बढ़त देखी जा रही है। पूर्वी सिंहभूम के चाकुलिया कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में सोमवार को 46 छात्राएं कोरोना संक्रमित पाई गयी है। सभी संक्रमित छात्रों के लिए अलग व्यवस्था की गयी है।

माओवादी और सुरक्षा बलों के बीच जंग का मैदान बना कोल्हान

फंसे ग्रामीण, जमीन पर आईईडी-आसमान से मोर्टार

चाईबासा, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। पिछले पांच महीनों में कोल्हान इलाके में छह ग्रामीणों की मौत हो गयी । यह मौत सामान्य नहीं है। यह उस जंग का हिस्सा है, जो माओवादी और सुरक्षा बलों के बीच जारी है। छह ग्रामीण माओवादियों के लगाए आईईडी बम की चपेट में आने से मारे गये। आईईडी की चपेट में आने से 18 से ज्यादा सुरक्षा बल के जवान भी घायल हैं। संख्या हर रोज बढ़ रही है। कोल्हान के कई गांव में माओवादियों नेआईईडी बम बिछा रखा है। ग्रामीणों का जीवन जंगल पर निर्भर है। जंगल जाना, तो दूर घर से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। कई गांव चौतरफा घिर गये हैं। ग्रामीण ना घर के अंदर सुरक्षित हैं, ना बाहर। 18 अप्रैल को पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित गोइलकेरा थाना क्षेत्र में 5 प्रेशर आईईडी बम बरामद किए गये। नक्सली जंगल में आइईडी,प्रेशर बम, बुवी ट्रैप बिछा कर सुरक्षाबलों को निशाना बना रहे हैं। ग्रामीण भी उसी रास्ते पर चलते हैं जिससे सुरक्षा बल जंगल के अंदर प्रवेश करते हैं। नतीजा ग्रामीणों के हिस्से मौत और दहशत। तुम्बाहाका और सरजमबुरु में लोहे की नुकीली छड़ जमीन में कच्चे रास्तों पर बिछी देखी गयी। छत्तीसगढ़ में नक्सली ऐसे स्पाइक बनाते थे। अब झारखंड के कोल्हान इलाके में भी नक्सली स्पाइक बना रहे हैं। 3 मार्च को तुम्बाहाका गांव से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित सीआरपीएफ 197 बटालियन के कैंम्प पर फायरिंग 1 नक्सलियों ने 40 राउंड फायरिंग की। सुरक्षाबलों ने फायरिंग शुरू की तो नक्सली पीछे हट गये। हर रोज इस तरह के कई मामले सामने आ रहे हैं। राजधानी रांची से से लगभग दो सौ किलोमीटर दूर दैनिक भास्कर कोल्हान के उस इलाके में पहुंचा, जहां माओवादियों को खत्म करने के लिए कांबिंग ऑपरेशन चल रहा है। इसे ऑपरेशन थंडर स्टॉर्म नाम दिया गया है।

दोपहर की शुरुआत हो गयी थी। सूरज मेरे सिर के ठीक ऊपर था। मौसम उमस भरा है लेकिन जंगल से आ रही हवा राहत दे रही थी। मेरे कदम जिन रास्तों पर बढ़ रहे है, मुझे पता नहीं है जमीन के नीचे मौत बिछी है या एक और कदम आगे बढ़ाने के लिए जिंदगी। यहां केन बम, लैंड माइंस और मोर्टार के धमाके हर रोज हो रहे हैं। मेरे साथ इन रास्तों पर साथ सफर करने के लिए जरूरी है कि आप इस इलाके को समझिए। चाईबासा-सरायकेला का यह इलाका दुर्गम है। दुर्दात है। सखुआ, महुआ, केंद जैसे पेड़ों से पटा यह इलाका घना जंगल है। यह जंगल सिर्फ सपाट मैदानी नहीं बल्कि सांस फूला देने वाली खड़ी चढ़ाई भी। पेड़ों का घनत्व इतना कि भरी दोपहरी में भी सूरज की किरणें सीधी जमीन तक नहीं पहुंच रही। गांव के नाम कहीं सिर्फ दो या तीन घर। कई गांव इस घने जंगल में हैं या इससे सटे। जिस जगह पर कांबिंग ऑपरेशन चल रहा है वह 40 किलोमीटर के दायरे में फैला हुआ है। इस 40 किमी के दायरे में चार प्रखंड हैं। गोइलकेरा, खूंटपानी, सदर चाईबासा और टोंटो।

8 अगस्त 2022 से पलामू, गढ़वा और लातेहार इलाके में बूढ़ा पहाड़ में ऑपरेशन ऑक्टोपस चलाया गया। सफलता हाथ लगी। इसके बाद खूंटी, सरायकेला, चाईबासा जिलों के ट्राई जंक्शन पर ऑपरेशन थंडर स्टॉर्म चलाया जा रहा है। यह इलाका इसी ट्राइ जंक्शन का हिस्सा है। यहां माओवादी और अर्धसैनिक बलों के बीच मुठभेड़ जारी है। इस इलाके से सुरक्षा बल ने कई बड़े माओवादियों को मार गिराया। जंग अभी खत्म नहीं हुई है, माओवादियों के सेंट्रल जोन के कई बड़े नेता अब भी इस इलाके में है। यहां की हरियाली और ख़ूबसूरती माओवाद के खतरनाक चेहरों को भी पनाह दे रही है।

विधायक सीपी सिंह को रात एक बजे आया अश्लील कॉल

डर्टी गर्ल के नाम से मोबाइल में सेव किया नंबर, सुबह थाने में दर्ज कराई एफआईआर

रांची, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के कथित अश्लील वीडियो वायरल होने के बाद वरिष्ठ भाजपा नेता और विधायक सीपी सिंह ने थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि मुझे भी अश्लील वीडियो कॉल आते हैं। विधायक सीपी सिंह ने अज्ञात महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। विधायक सीपी सिंह ने बताया कि उन्हें रात में एक महिला अश्लील वीडियो कॉल कर रही थी। इस वजह से तीन बजे तक जागते रहे। सुबह इस मामले की शिकायत विधायक सीपी सिंह ने लालपुर थाने में दर्ज कराई है। एसपी को संबोधित करते हुए एक चिट्ठी भी उन्होंने लिखी है। मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने बताया कि 24 अप्रैल को रात के 1:15 बजे वे सोने की तैयारी में थे। इसी दौरान नंबर (+917408335243) से वाट्सएप पर फोन आया। फोन रिसीव किया तो कोई महिलाअश्लील बातें करने लगी। फोन काटने लगे, तो दिखा कि महिला आपत्तिजनक स्थिति में है। फोन काटने में दिक्कत होने लगी तो मोबाईल ऑफ कर दिया। थोड़ी देर बाद ऑन किया उसे म्यूट करके सोने लगे।

उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे कई तरह के लोगों के फोन आते हैं। एक बार एक पागल ने मुझे फोन पर बहुत तंग किया था। मेरी शिकायत के बाद उसे गुजरात से गिरफ्तार किया गया था। इसी तरह एक बार माओवादी ने मुझे कॉल किया था। मेरा फोन नंबर सार्वजनिक है कोई भी कॉल करता है लेकिन इस तरह के नंबर को मैं सेव कर लेता हूं ताकि गलती से दोबारा फोन ना उठे। इस लड़की का नंबर भी मैंने डर्टी गर्ल के नाम से सेव रखा है। विधायक ने कहा,मेरी आदत है कि मैं हर किसी का फोन उठाता हूं अगर नहीं उठा पाया तो कॉल वापस करता हूं। मैं 24 घंटे फोन ऑन रखता हूं। कब किसी को कहां जरूरत पड़े। मैं रात के 12 बजे एक बजे भी घर से निकलकर आपात स्थिति में पहुंचा हूं।

राज्यपाल के शैक्षणिक सलाहकार पहुंचे रांची विवि

रांची, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्यपाल सह कुलाधिपति सीपी राधाकृष्ण के शैक्षणिक सलाहकार प्रो. ई. बालागुरूसामी ने कहा कि इस विश्वविद्यालय का इतिहास काफी पुराना है। ऐसे में हमें यह ध्यान रखने की जरूरत है कि हम नन-स्किल्ड डिग्रीधारी युवाओं को तैयार करने से बचें। हमें यह ध्यान रखना होगा कि हम सिर्फ डिग्री न बांटे बल्कि विश्वविद्यालय से युवाओं को दक्ष और बोल्ड बना कर निकालें। इसके लिये शिक्षकों को समर्पित होकर नयी तकनीक से छात्रों को पढ़ाना चाहिये। वे आज रांची विवि पहुंचे। जहां उन्होंने सेंट्रल लाइब्रेरी सभागार में संबोधित किया। मौके पर कुलपति आरयू प्रो. डॉ. अजीत कुमार सिन्हा, प्रोवीसी डॉ. अरूण कुमार सिन्हा एवं सभी विभागों के हेड, डीन और प्राध्यापक मौजूद थे। रांची विश्वविद्यालय 1960 से स्थापित है। यहां जितने विषयों की पढ़ाई हो रही है उसे देख कर मुझे प्रसन्नता है। अब हमें रांची विश्वविद्यालय को एक मॉडल विश्वविद्यालय बनाना है।

भारत ने श्रीलंकाई नागरिकों को बचाने का दिया प्रस्ताव

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। सूडान में चल रहे गृह युद्ध के बीच विभिन्न देशों से अपने नागरिकों को वहां से बाहर निकालने के लिए निकासी अभियान चलाए जा रहे हैं। इस गृहयुद्ध के बीच भारत द्वारा श्रीलंकाई नागरिकों को बाहर निकालने के प्रस्ताव की सराहना की है। भारत की सराहना करते हुए श्रीलंका के विदेश मंत्री एमयूएम अली साबरी ने सोमवार को ट्वीट कर कहा- हम सूडान में अपने नागरिकों की स्थिति को बारीकी से देख रहे हैं। उन्हें वहां से निकालने के लिए सक्रिय और सुरक्षित निकासी पर भी काम कर रहे हैं। इस दौरान भारत द्वारा श्रीलंकाई नागरिकों को बाहर निकालने के प्रस्ताव की सराहना करते हैं। हमें उम्मीद है कि हम अपने नागरिकों को जल्द सुरक्षित वापस बुला लेंगे।

सूडान में देश की सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच हिंसा में अबतक 400 से भी ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। सूडान में दोनों ही गुटों के जनरल ने 72 घंटे की सीजफायर के लिए सहमति जताई। इसके बाद विभिन्न देश अपने नागरिकों को बाहर निकालने का अभियान चला रहे हैं। यह सीजफायर 24 अप्रैल की आधी रात से शुरू होकर 72 घंटे तक रहेगी।

लद्दाख में भारत से जारी तनाव को लेकर चीनी रक्षा मंत्रालय का अहम बयान

विवाद सुलझाने पर कही ये बात

बीजिंग, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख से संबंधित शेष मुद्दों के समाधान को लेकर सैन्य स्तर की वार्ता के दौरान गहन चर्चा हुई। इस दौरान दोनों पक्ष अहम मुद्दों पर मिलकर काम करने को लेकर सहमत हो गए हैं। चीन के रक्षा मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी बयान में कहा गया है कि भारत और चीन के शीर्ष सैन्य अधिकारियों के बीच हाल ही में बातचीत हुई। इस दौरान पूर्वी लद्दाख में लंबे समय से जारी गतिरोध से जुड़े मुद्दों के समाधान को तेज पर सहमति जताई है। साथ ही वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति बनाए रखने के लिए कहा है।

रविवार को भी हुई थी बैठक

पूर्वी लद्दाख के शेष विवादित मुद्दों को हल करने के लिए भारत और चीन के बीच रविवार को कोर कमांडर स्तर की 18वें दौर की वार्ता हुई थी। यह बैठक पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीनी क्षेत्र की ओर स्थित चुशुल-मोल्डो सीमा केंद्र पर हुई।

चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू की प्रस्तावित भारत यात्रा से पहले यह बैठक हुई है जो शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की रक्षा मंत्री स्तर की एक महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेने यहां आएंगे। यह बैठक भारत की अध्यक्षता में हो रही है।

दोनों पक्ष अपने-अपने विचारों पर स्पष्ट

पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के बीच प्रासंगिक मुद्दों पर विचारों का स्पष्ट आदान-प्रदान हुआ है। दोनों पक्षों ने सैन्य एवं राजनयिक चैनलों के माध्यम से निकट संपर्क और संवाद बनाए रखने और शेष मुद्दों के परस्पर स्वीकार्य समाधान पर काम करने को लेकर सहमत जताई है।

सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने पर भी सहमत

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने सोमवार को बीजिंग में मीडिया को बताया था कि दोनों पक्ष पश्चिमी सेक्टर में जमीनी स्तर पर सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने पर भी सहमत हुए हैं। दोनों पक्षों ने पश्चिमी सेक्टर में एलएसी से संबंधित प्रासंगिक मुद्दों के समाधान पर खुलकर और गहन चर्चा की ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं स्थिरता कायम रखी जा सके जिससे द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति सुगम हो सके।

सूडान में 400 से ज्यादा मौतों के बाद 72 घंटे का सीजफायर लागू

जल्द शुरू हो सकता है भारतीयों का रेस्क्यू

खार्तूम, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। हिंसाग्रस्त सूडान में दोनों जनरल 72 घंटे के सीजफायर के लिए तैयार हो गए हैं। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने यह जानकारी दी। करीब 10 दिनों की लड़ाई, सैंकड़ों मौतों और बड़ी संख्या में विदेशी लोगों के पलायन के बाद यह सीजफायर होने जा रहा है। इससे पहले भी दोनों पक्षों में सीजफायर कराने की कोशिश की गई थी लेकिन वह नाकाम रहीं। ब्लिंकेन ने एलान करते हुए कहा कि 'बीते 48 घंटे की सघन बातचीत के बाद सूडान आर्म्ड फोर्सेस और रैपिड सपोर्ट फोर्सेस राष्ट्रव्यापी सीजफायर करने के लिए रजामंद हो गई हैं। यह सीजफायर 24 अप्रैल की आधी रात से शुरू होकर अगले 72 घंटे तक चलेगा।'

जल्द हो सकता है सूडान में फंसे भारतीयों का रेस्क्यू

संघर्षग्रस्त सूडान से फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए केंद्र सरकार ने 'ऑपरेशन कावेरी' शुरू किया है। सीजफायर लागू होने के साथ ही भारत जल्द ही इस अफ्रीकी देश में फंसे अपने लोगों का रेस्क्यू अभियान शुरू कर सकता है।

कोच्चि में सोमवार को युवम

कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने खुद कहा था कि 'सूडान में गृहयुद्ध की वजह से हमारे कई लोग वहां फंस गए हैं। इसलिए हमने उन्हें सुरक्षित लाने के लिए 'ऑपरेशन कावेरी' शुरू किया है। इसकी देखरेख केरल के बेटे और हमारी सरकार के मंत्री मुरलीधरन कर रहे हैं।'

सूडान में अभी कितने भारतीय फंसे हैं?

देश में हिंसा, तनाव और असुरक्षित हवाईअड्डों के कारण विदेशी नागरिकों को निकालना मुश्किल हो रहा है। इस बीच अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज राजधानी खार्तूम में मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नियंत्रण करने की कोशिश कर रहा है। फंसे हुए विदेशी नागरिकों में लगभग 3,000 भारतीय हैं। वहीं, केरल के 48 वर्षीय अल्बर्ट ऑगस्टाइन की गोली लगने से मौत हो चुकी है।

सूडान में हालात बेहद खराब

संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी के अनुसार, सूडान में हुई हिंसा में अभी तक 427 लोगों की मौत हुई है और 3700 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में खार्तूम में मौजूद मिस्त्र के दूतावास के एक अधिकारी भी शामिल हैं, जो अपने कार्यालय से घर लौटते समय हिंसा की चपेट में आ गए। अभी तक सूडान से विभिन्न देशों के 4 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित निकाला जा सका है। वहीं सूडान के निवासी भी बड़ी संख्या में चाड, इजिप्ट और दक्षिण सूडान पलायन कर गए हैं। लोगों को पानी, खाने और दवाईयों की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

क्या है विवाद की वजह

बता दें कि अक्तूबर 2021 में नागरिकों और सेना की संयुक्त सरकार के तख्तापलट के बाद से ही सेना और अर्धसैनिक बल के बीच तनाव बना हुआ था। सेना के प्रमुख जनरल अब्देल फतेह अल बुरहान के हाथों में है और आरएसएफ की कमान हमदान दगालो यानी हेमेदती के पास है। एक सॉवरेन काउंसिल के जरिए सेना और आरएसएफ मिलकर देश चला रहे थे। हाल ही में आरएसएफ के जवानों को अपने लिए खतरा मानते हुए सेना ने बीते दिनों आरएसएफ के जवानों की तैनाती की व्यवस्था बदलते हुए नई व्यवस्था शुरू की, जिसे लेकर आरएसएफ के जवानों ने नाराजगी जाहिर की। धीरे धीरे ये नाराजगी हिंसा में बदल गई और लड़ाई शुरू हो गई।

प्रियंका गांधी की कर्नाटक में पहली चुनावी रैली

मैसूरु में कहा- यहां 40% कमीशन वाली सरकार, पीएम को पता, लेकिन वे चुप हैं

मैसूर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने मंगलवार को मैसूरु से पार्टी प्रत्याशियों के लिए चुनाव प्रचार की शुरुआत की। 10 मई को होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले प्रियंका पहली बार राज्य के दौरे पर पहुंची। प्रियंका ने राहुल गांधी की तरह ही कर्नाटक की भाजपा सरकार को 40% कमीशन वाली सरकार बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने आपको बेशर्मी और बेरहमी से लूटा है।प्रधानमंत्री को भी कई लोगों ने यहां के सरकार के भ्रष्टाचार को लेकर चिट्ठी लिखी, लेकिन पीएम चुप हैं।

प्रियंका ने कर्नाटक की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस सरकार में हर तरह के स्कैम हो रहे हैं। भ्रष्टाचार के कारण एक कॉन्ट्रैक्टर ने आत्महत्या की, पुलिस भर्तियों में स्कैम हुए, हर तरह का भ्रष्टाचार किया गया। इसके खिलाफ पीएम को चिट्ठी भी लिखी गई, लेकिन कुछ नहीं हुआ।

प्रियंका ने कहा- आपने सुना होगा कि कॉन्ट्रैक्टर एसोसिएशन, स्कूल मैनेज एसोसिएशन ने पीएम तक लेटर लिखा मगर कुछ समाधान नहीं निकला। तमाम स्कैम हुए लेकिन कहीं किसी दोषी को पकड़ा नहीं गया क्योंकि वे भाजपा से जुड़े थे। एक विधायक के बेटे से 8 करोड़ रुपए कैश मिले, उस पर कार्रवाई करने के बजाए उनके पिता ने परेड निकाली। इन्होंने किसी को नहीं छोड़ा जहां मौका मिला, इन्होंने वहां लूटा। कहा जाता है कि कर्नाटक से 1.5 लाख करोड़ रुपए लूटे गए हैं। प्रियंका ने कर्नाटक के लोकल दूध ब्रांड नंदिनी को लेकर भी सरकार को घेरा। प्रियंका ने कहा- बीजेपी ने नंदिनी ब्रांड को खत्म करने की कोशिश की। आपको याद होगा कि कांग्रेस के समय दूध उत्पादन इतना था कि हम 'क्षीर भाग्य योजना' के तहत स्कूल के बच्चों को दूध देते थे। यही नहीं दूध के भारी उत्पादन के कारण हम किसानों को भी 5 रुपए/लीटर दूध देते थे।

प्रियंका ने कहा- रोजगार कहां गए, पैसा कहां गया, उन वचनों का क्या हुआ जो आपने कर्नाटक की जनता से किए थे। हम सवाल उठा रहे हैं लेकिन बीजेपी सरकार जवाब नहीं दे पा रही है। इन्होंने आरक्षण के नाम पर भी धोखा दिया। यहां आरक्षण बढ़ाने का प्रचार किया और वहां केंद्र में कुछ भी नहीं किया।

ब्रिक्स को अपना कूटनीतिक हथियार बनाने की कोशिश में जुटा है चीन?

प्रिटोरिया, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) में शामिल होने के लिए 19 देशों ने जुबानी या लिखित अर्जी दी है। इस वर्ष अगस्त में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में इस समूह का विस्तार एक प्रमुख एजेंडा होगा। इस बात की पुष्टि मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने कर दी है। वैसे विस्तार के सवाल पर पहली चर्चा इस साल जून में होगी, जब ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्री दक्षिण अफ्रीका में इकट्ठे होंगे। जून में दो और तीन तारीख को होने वाली ब्रिक्स बैठक को इस खास एजेंडे की वजह से बहुत महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। यह बैठक ब्रिक्स के सालाना शिखर सम्मेलन की तैयारी के लिए आयोजित होगी। ब्रिक्स के लिए दक्षिण अफ्रीका के राजदूत अनिल सुकलाल ने जून की बैठक के एजेंडे के बारे में जानकारी दी है।

'पाकिस्तान नहीं चीन को सबसे बड़ी सैन्य चुनौती मानते हैं भारतीय'

वॉशिंगटन, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के भारतीय मूल के सांसद रो खन्ना ने कहा है कि भारतीय अब पाकिस्तान को नहीं बल्कि चीन को सबसे बड़ी सैन्य चुनौती मानते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका को चीन के साथ अपने रिश्तों को फिर से संतुलित करने की जरूरत है। बता दें कि मई 2020 से पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई भिड़ंत के बाद से दोनों देशों के रिश्तों में तनाव बना हुआ है। भारत और चीन 17 राउंड की शीर्ष कमांडर स्तर की बातचीत कर चुके हैं लेकिन अभी भी दोनों देशों में तनाव बना हुआ है। भारत साफ कर चुका है कि जब तक सीमा पर शांति नहीं होगी, तब तक दोनों देशों के संबंध सामान्य नहीं हो सकेंगे।

क्या बोले अमेरिकी सांसद

प्रतिष्ठित स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के हूवर इंस्टीट्यूट में विदेश नीति पर दिए अपने संबोधन में रो खन्ना ने कहा कि 'आज हमें चीन

के साथ अपने रिश्तों को फिर से संतुलित करने की जरूरत है। इससे हमें और एशिया में हमारे सहयोगियों को मिल रही चुनौती को लेकर स्पष्टता आएगी। हम उम्मीद करते हैं कि हमारी कूटनीति और नेतृत्व की बदौलत 21वीं सदी, 20वीं सदी की तुलना में कम हिंसाग्रस्त होगी।'

रो खन्ना ने कहा कि 'चीन एशिया में आधिपत्य जमा रहा है और सीमा विवाद को लेकर भारत को धमका रहा है तो अन्य देशों के साथ भी जूनियर सहयोगियों जैसा व्यवहार कर रहा है।' खन्ना ने कहा कि अमेरिका को भारत और अन्य एशियाई सहयोगी देशों के साथ संबंध मजबूत करने की जरूरत है। साल 2017 में अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत ने मिलकर क्वाड का गठन किया, जिसका उद्देश्य भारत प्रशांत क्षेत्र में अहम समुद्री रास्ते की सुरक्षा सुनिश्चित करना है ताकि यह रास्ता किसी भी देश के प्रभाव से मुक्त रहे।

बता दें कि चीन, दक्षिणी चीन सागर और पूर्वी चीन सागर को लेकर पड़ोसी देशों के साथ विवाद कर रहा है। चीन पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा करता है। वहीं वियतनाम, मलेशिया, फिलीपींस, ब्रुनेई, ताइवान भी दक्षिणी चीन सागर पर अपना दावा करते हैं। चीन द्वारा दक्षिणी चीन सागर में कई कृत्रिम द्वीप बनाकर यहां अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा रहा है। दक्षिणी चीन सागर और पूर्वी चीन सागर मिनरल्स, तेल और प्राकृतिक संसाधनों के मामले में काफी समृद्ध माने जाते हैं, साथ ही वैश्विक कारोबार के लिए भी ये क्षेत्र बेहद अहम हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने पाकिस्तान को फटकारा

कहा- सीमापार से आंतकवाद फैलाने वालों से जुड़ना मुश्किल

पनामा, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के भारत दौरे से पहले पनामा पहुंचे विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान को जमकर फटकार लगाई है। उन्होंने कहा कि हम ऐसे देश से नहीं जुड़ सकते, जो आंतकवाद को बढ़ावा दे रहा है। पनामा के विदेश मंत्री के साथ एक संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान जयशंकर ने कहा कि हमारे लिए एक ऐसे पड़ोसी के साथ जुड़ना बहुत मुश्किल है जो हमारे खिलाफ सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देता है। हमने हमेशा कहा है कि उन्हें अपने वादे पर कायम होना पड़ेगा और सीमा पार बढ़ते आतंकवाद को खत्म करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि हमें उम्मीद है कि एक दिन हम उस मुकाम पर पहुंचेंगे। गौरतलब है, पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी अगले महीने भारत दौरे पर आने वाले हैं।

पाकिस्तान में थाने पर आत्मघाती हमला, 12 पुलिसकर्मियों की मौत

40 लोग घायल, धमाके में पुलिस स्टेशन समेत तीन इमारतें गिरीं

इस्लामाबाद, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के स्वात जिले के कबाल शहर में काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट के पुलिस स्टेशन पर सोमवार रात आत्मघाती हमला हुआ। थाने में दो धमाके हुए, इसके चलते आग लग गई। इस हमले में 12 पुलिस कर्मियों की मौत हुई है। जबकि 40 लोग घायल हैं।

लोगों को सही इलाज देने के लिए आसपास के सभी अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। हमले के बाद खैबर पख्तूनख्वा में हाई अलर्ट है। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि धमाकों में पुलिस स्टेशन की छत गिर गई, जिससे कई लोग मलबे में दब गए। डीपीओ स्वात शफीउल्लाह ने इसे आतंकी हमला बताया है। उन्होंने कहा कि विस्फोट की वजह से तीन इमारतें ध्वस्त हो गईं हैं। विस्फोट के तुरंत बाद पुलिस स्टेशन में आग लग गई थी। जिसमें पुलिसकर्मियों की झुलसकर मौत हो गई। पाकिस्तान आर्मी इलाके में कई दिनों से आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन चला रही है। हालांकि, एक दूसरे अधिकारी, डीआईजी खालिद सोहेल का कहना है कि पुलिस स्टेशन पर कोई आत्मघाती हमला नहीं हुआ। बल्कि धमाका स्टेशन के स्टोर रूम में रखे हथियारों और बारूद वाली जगह पर हुआ। उन्हें शक है कि ऐसा किसी की लापरवाही से हुआ है।

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, एक पुलिस अधिकारी इमदाद ने बताया कि शुरुआती जानकारी से पता चला है रात 8:20 बजे पुलिस स्टेशन कैंपस के भीतर विस्फोट हुआ। कैंपस में काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) का ऑफिस और एक मस्जिद भी है।

स्वात में काउंटर टेररिज्म पुलिस स्टेशन पर हमले के बाद प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ समेत देश के बड़े नेताओं ने संवेदनाएं जाहिर की हैं। गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने कहा कि हम देश की सुरक्षा में जान गंवाने वाले अधिकारियों के योगदान को हमेशा याद रखेंगे। उन्होंने इस पूरे पर रिपोर्ट तलब की है।

वहीं, पाकिस्तानी वेबसाइट 'डॉन' के मुताबिक खैबर पख्तुनख्वा में 2023 के शुरुआती 3 महीनों में हुए आतंकी हमलों में 125 पुलिस वालों की मौत हुई है। जबकि 212 गंभीर रूप से घायल हुए हैं। आर्थिक और राजनीतिक तंगी से बेहाल देश में 90 दिनों में ही 25 हमले हो चुके हैं।

पाकिस्तान के कराची में कुछ आतंकियों ने पुलिस हेडक्वार्टर पर हमला कर दिया। इस हमले में एक पुलिस अफसर, एक रेंजर समेत 4 की जान चली गई और 18 लोग घायल हुए। पाकिस्तानी मीडिया जियो न्यूज के मुताबिक, आतंकी पुलिस की वर्दी में हेडक्वार्टर में घुसे थे। 3 आतंकियों ने खुद को उड़ा लिया और अन्य दो आतंकी पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में मारे गए। कुल कितने आतंकी थे, ये साफ नहीं है।

जापान में मध्यावधि चुनाव की आहट

जी-7 शिखर सम्मेलन के बाद भंग हो सकती है संसद

टोक्यो, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। जापान में सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) में संसद के निचले सदन डियेट का मध्यावधि चुनाव कराने पर गंभीरता से विचार शुरू हो गया है। रविवार को देश में आए पांच उप चुनाव नतीजों में पार्टी को बड़ी सफलता मिलने के बाद पार्टी नेतृत्व ने तुरंत से फिर से जनादेश हासिल करने पर विचार शुरू कर दिया। रविवार को पांच सीटों के उप चुनाव नतीजे आए, जिनमें से चार में एलडीपी को जीत मिली। जापानी मीडिया में चर्चा है कि इस वर्ष मई में जी-7 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा डियेट भंग करने की सिफारिश कर देंगे। जी-7 देशों का शिखर सम्मेलन जापान के हिरोशिमा में होने वाला है। फिलहाल डियेट का सत्र चल रहा है, जो 21 जून तक चलेगा। लेकिन पर्यवेक्षकों के मुताबिक इसी सत्र के दौरान सदन के भंग होने की ज्यादा संभावना है। पिछले साल के आखिर में किशिदा की एप्रूवल रेटिंग (उनके काम से संतुष्ट लोगों की संख्या) काफी गिर गई थी। तब सिर्फ 35 फीसदी लोग उनके काम से संतुष्टि जता रहे थे। लेकिन मार्च में एप्रूवल रेटिंग 48 फीसदी हो गई। समझा जाता है कि किशिदा की यूक्रेन यात्रा को देश में काफी पसंद किया गया, जिसका सियासी लाभ प्रधानमंत्री को मिला है। इसके अलावा देश में जन्म दर बढ़ाने के लिए उनकी सरकार ने जो ठोस उपाय किए हैं, उन्हें भी देश में काफी पसंद किया गया है। जापान में आबादी घटने की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। कुछ विश्लेषकों ने कहा है कि हालांकि अगर उप चुनाव में जीती गई सीटों की संख्या से एलडीपी को बड़ी सफलता मिलने का संकेत मिलता है, लेकिन अगर नतीजों पर बारीक नजर डाली जाए, तो साफ होता है कि जीतने के लिए एलडीपी को काफी मशक्कत करनी पड़ी। दो सीटों पर जीत का अंतर बहुत कम रहा। उप चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद एलडीपी के महासचिव तोशिमित्सु मोतेगी ने टीवी चैनल एनएचके से कहा- 'ओसाका और कुछ दूसरी जगहों पर ये उप चुनाव स्थानीय चुनावों के साथ हुए।

इनमें हमें कड़ा संघर्ष करना पड़ा। अब हमें अपने संगठन को मजबूत करना होगा और अपनी चुनाव तैयारियों की गंभीरता से समीक्षा करनी होगी।'

कोविड-19 की सच्चाई छिपा रहा चीन

पहली जांच रिपोर्ट ही गायब कर दी, इंटरनेशनल टीम को इन्वेस्टिगेशन नहीं करने दिया

वॉशिंगटन, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। साल 2020 के शुरुआती दिनों की बात है। दुनिया में एक नई बीमारी तेजी से फैल रही थी। इसे कोविड-19 नाम दिया गया। अमेरिका और चीन के साइंटिस्ट्स ने इससे जुड़ा कुछ अहम डेटा जारी किया। इसमें बताया गया था कि यह वायरस कितनी तेजी से फैल रहा है और लोग मारे जा रहे हैं।

तमाम तरह की हेल्थ वॉर्निंग्स और अलर्ट जारी किए किए। मकसद था कि इस वायरस से निपटने के लिए तमाम देश मिलकर काम करें। बहरहाल, चंद दिनों में ही यह रिसर्च पेपर और डेटा गायब हो गया। कहा गया कि रिसर्च रिपोर्ट सही नहीं थी। सच्चाई ये है कि चीन ने इसे हटाया। इसके साथ ही डेटा जारी करने वाले वैज्ञानिकों को भी टॉर्चर किया गया। तब तक कोविड-19 महामारी बन चुका था। अब यह साफ हो चुका है कि रिसर्च में कोई खामी नहीं थी, बल्कि हकीकत यह थी कि चीन सरकार सच्चाई छिपाना चाहती थी। यूनिवर्सिटी ऑफ फ्लोरिडा की प्रोफेसर इरा लोन्गिनी ने कहा-

चीन से कोई भी जानकारी जुटाना बेहद मुश्किल है। मैंने भी उस रिसर्च में हिस्सा लिया था। कई बातों को छिपाया गया और कुछ को तो सिरे से गायब ही कर दिया गया। चीन ने अपने साइंसदानों को परेशान किया, इंटरनेशनल लेवल की कोई इन्वेस्टिगेशन नहीं होने दी और ऑनलाइन डिस्कशन भी बैन कर दिया। इन बातों के तमाम सबूत मौजूद हैं।

सेंसरशिप का यह आलम रहा कि इंटरनेशनल जर्नल्स और साइंटिफिक डेटा तक सामने नहीं आ सका। सरकार के दबाव में चीनी वैज्ञानिकों ने ऑनलाइन डेटा ही हटा दिया। इसके अलावा जेनेटिक सीक्वेंसिंग और पब्लिक डेटाबेस जैसे सबूत भी सामने नहीं आ सके।

80 साल के बाइडेन फिर लड़ेंगे अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव

वॉशिंगटन, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन दूसरी टर्म के लिए आज शाम को अपनी उम्मीदवारी की घोषणा कर सकते हैं। उनके करीबियों के मुताबिक 80 साल के जो बाइडेन वीडियो रिलीज कर 2024 में होने वाले चुनावों को लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से अपनी उम्मीदवारी पेश करेंगे। 2020 के राष्ट्रपति चुनावों से पहले भी उन्होंने ऐसे ही 25 अप्रैल को अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की थी। वहीं, सोमवार को मीडिया से बात करते हुए बाइडेन ने कहा था, 'मैं पहले ही

बता चुका हूं कि मैं फिर चुनाव लड़ने के बारे में सोच रहा हूं। मैं जल्द ही इसकी घोषणा कर दूंगा।'

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक बाइडेन अपनी उम्मीदवारी की घोषणा उस समय कर रहे हैं। जब अमेरिका के लोगों के बीच उनकी लोकप्रियता 40 अंकों से भी कम हो गई है। वो महंगाई के मुद्दे पर घिरे हुए हैं। वहीं एक पोल में सामने आया है कि उनकी खुद की पार्टी के ही ज्यादातर लोग नहीं चाहते हैं कि उन्हें फिर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया जाए। डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से अभी तक किसी बड़े नेता ने राष्ट्रपति चुनाव के उम्मीदवार के तौर पर दावेदारी पेश नहीं की है। जबकि विपक्षी पार्टी रिपब्लिकन के दो बड़े चेहरे डोनाल्ड ट्रम्प और निक्की हेली दावेदारी पेश कर अपनी कैंपेन की शुरूआत भी कर चुके हैं। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट मुताबिक बाइडेन के सहयोगियों ने 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से जुड़े अभियान की तैयारी पिछले साल ही शुरू कर दी थी।

इस दौरान अमेरिका की फर्स्ट लेडी यानी जो बाइडेन की पत्नी जिल बाइडेन के साथ भी कई मीटिंग हुई। उनकी इलेक्शन कैंपेन को भारतीय मूल की अनीता डन और जेन डिलन कर मैनेज कर रही हैं। जो बाइडेन 80 साल के हैं। वे अमेरिका के इतिहास में सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति हैं। डॉक्टर्स कई बार बाइडेन की सेहत से जुड़े टेस्ट कर चुके हैं।

नेता प्रतिपक्ष बोले- महंगाई राहत कैंप में बेवकूफ बनाएगी कांग्रेस

राजेंद्र राठौड़ ने कहा- जनता के पैसे कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को बांटेगी सरकार

जयपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में 24 अप्रैल से शुरू हो रहे महंगाई राहत कैंप को लेकर बीजेपी ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है। विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि जिस कांग्रेस को साढ़े 4 साल तक राजस्थान की जनता याद नहीं आई। वह कांग्रेस अब चुनाव से पहले जनता को झूठी घोषणाएं कर खुश करने की कोशिश में जुटी है। लेकिन राजस्थान की जनता कांग्रेस के झूठे वादों में नहीं आकर आने वाले चुनाव में कांग्रेस को सबक सिखाएगी।

राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार राजस्थान में महंगाई राहत के 2,700 कैंप लगाने जा रही है। जिसमें असंतुष्ट कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कैंप प्रभारी बनाकर खुश करने की कोशिश की जा रही है। जो पूरी तरह फैल होगी। कांग्रेस सरकारी पैसे से शिविर का कांग्रेसीकरण करने जा रही है। लेकिन जिस तरह भारत जोड़ो यात्रा विफल हुई। ठीक उसी तरह महंगाई राहत कैंप भी फ्लॉप होगा।

राठौड़ ने कहा कि महंगाई राहत कैंप और प्रशासन शहरों के संग अभियान में सरकारी कर्मचारी भी साथ नहीं है। क्यों कि राजस्थासन में 50 हज़ार मंत्रालय कर्मचारी, 700 तहसीलदार, 1,100 नायब तहसीलदार, 4,121 गिरदावर, 12,000 पटवारी, 11,000 से

ज्यादा ग्राम विकास अधिकारी, 6,000 सूचना सहायक, 11,285 से ज्यादा सरपंच सरकारी कार्यों का बहिष्कार कर रहे हैं। जिसकी वजह से मकानों की रजिस्ट्री, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, जमाबंदी, गिरदावरी नकल और नामंत्रण जैसे जनता से जुड़े काम सीधे तौर पर रुके हुए हैं। ऐसे में सरकार का कैंप सिर्फ कागजों में सिमट कर रह जाएगा।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस के जन घोषणा पत्र में झूठे वादे किए थे। 2018 चुनाव के वक्त कांग्रेसी नेताओं ने पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने की घोषणा की थी। इसके साथ ही रसोई गैस की कीमतों पर नियंत्रण का प्रयास करने का वडा भी किया था। लेकिन साढ़े चार साल का वक्त बीत जाने के बाद भी इन दोनों में से कोई भी वादा पूरा नहीं हुआ है।

राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में पेट्रोल-डीजल पर सबसे ज्यादा वैट लग रहा है। देश में सबसे ज्यादा मंडी टैक्स और सबसे महंगी बिजली भी राजस्थान में ही है। जिसकी वजह से प्रदेश की जनता को महंगाई की मार झेलनी पड़ रही है। राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में पेट्रोल पर 31.04 परसेंट वैट और 1.50 रुपए रोड सेस है।

जबकि डीजल पर 19.30 परसेंट वैट और 1.75 रुपए रोड सेस है। वहीं पिछली बीजेपी सरकार के समय डीजल पर वैट 18 परसेंट और पेट्रोल पर वैट 26 परसेंट ही था। लेकिन गहलोत शासन में अब तक 6 बार पेट्रोल- डीजल पर वैट बढ़ाया गया और मात्र 2 बार घटाया गया। जनता के पैसे कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को बाटने की तैयारी

राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि सांख्यिकी विभाग की ओर से राजीव गांधी युवा मित्र योजना के तहत 2,000 युवा मित्रों को 17,000 रुपए प्रतिमाह सैलरी देने की तैयारी कर रही है। वहीं 350 राजीव गांधी समन्वयक को 32,000 रुपए प्रतिमाह सैलरी दी जाएगी। इसी तरह कांग्रेस सरकार प्रदेश के 165 थानों में सरकार पैरा लीगल वॉलिंटियर्स की नियुक्ति कर रही है। जिन्हें जनता की गाढ़ी कमाई से ही 15,000 रुपए हर महीने सैलरी दी जाएगी।

इसके साथ ही सराकर ने प्रशासन शहरों के संग अभियान में नगर मित्र के रूप में सत्ता के अधिकृत दलाल नियुक्त किए हैं। जबकि 80 हजार स्वास्थ्य मित्र और 70 हजार डिजिटल सखियां बनाई है। जो सिर्फ कांग्रेस की योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने का काम कर रहे है। जो पूरी तरह से गलत है।

राठौड़ ने कहा कि पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने शिक्षक भर्ती पेपर लीक मामले को बड़ा मुद्दा बताते हुए सवाल खड़े किए हैं। जबकि बीजेपी तो पहले से ही यह बात कह रही है। बीजेपी ने पेपर लीक मामले को लेकर सड़कों पर उतरकर आंदोलन भी किए हैं। जबकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बाबूलाल कतरा की नियुक्ति की थी। जिसकी जाँच होनी चाहिए। इसी तरह गहलोत ने पिछले कार्यकाल में आरपीएससी में हबीब खां गौराण को रख भ्रष्टाचार किया था। जिसे राजस्थान की जनता कभी माफ़ नहीं करेगी।

राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने कई घोषणाएं बिना बजटीय प्रावधान के ही कर दी। जिनका पैसा कहां से आएगा। यह किसी को भी नहीं पता है। पिछले बजट में सरकार ने 1.33 करोड़ महिलाओं को स्मार्ट फोन देने की घोषणा भी की थी। लेकिन आज तक एक भी महिला को फोन नहीं दिया है। इससे साफ़ जाहिर होता है। अशोक गहलोत सिर्फ राजस्थान की महिलाओं को बेवकूफ बनाने का काम कर रहे है। राठौड़ बोले कि महंगाई राहत कैंपों के प्रभावी हर पांचवें तहसीलदार पर रिश्वतखोरी का आरोप है। 304 तहसीलदार, 175 नायब तहसीलदार एसीबी की जांच के दायरे में हैं। भ्रष्टाचार पर जीरो डिसक्रिशन, जीरो करप्शन और जीरो टॉलरेंस का दावा करने वाली सरकार एसीबी की ओर से आरोप प्रमाणित करने के बाद पकड़े गए 557 कार्मिक और अधिकारियों की अभियोजन स्वीकृति रोककर बैठी है। एक शिविर में 150 कर्मचारी और अधिकारी बिठा रहे हैं। चुनावी साल में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग टीए-डीए का अतिरिक्त भार सरकारी खजाने पर आएगा। जिसे सरकार राजस्थान की जनता से ही वसूलेगी।

टोंक में दो समुदायों के बीच झड़प

पथराव के साथ चले लाठी-डंडे; 2 पुलिसकर्मी समेत कई घायल

टोंक, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के टोंक में दो समुदायों के बीच झड़प की खबर है. बताया गया कि पथराव के साथ आपस में लाठी-डंडे चल गए. इस घटना में दो पुलिसकर्मियों के घायल होने की भी खबर है. किसी बात से शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते पथराव और पत्थरबाजी में बदल गई.

राजस्थान के टोंक में दो समुदायों के बीच झड़प की खबर है. बताया गया कि पथराव के साथ आपस में लाठी-डंडे चल गए. इस घटना में दो पुलिसकर्मियों के घायल होने की भी खबर है. बताया जा रहा है कि मोटरसाइकिल तेज चलाने की बात को लेकर विवाद बढा.कहासुनी देखते ही देखते पत्थरबाजी में बदल गई. पथराव और लठ्ठबाजी में कई लोगों के घायल होने की सूचना है. पथराव में एक महिला एक पुलिसकर्मी सहित आधा दर्जन लोग हुए घायल हुए हैं. स्थिति तनावपूर्ण, लेकिन नियंत्रण में बताई जा रही है. तीन अन्य थाना क्षेत्र का जाब्ता मौके पर बुलाया जा रहा है. घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है.

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, घटना टोंक जिले के मालपुरा कस्बे का है. जानकारी के अनुसार, मालपुरा कस्बे की पुरानी तहसील के पास दो समुदायों के बीच मोटरसाइकिल तेज चलाने

की बात को लेकर कहासुनी हो गई. कहासुनी का मामला अचानक पत्थरबाजी में बदल गया. एक समुदाय के लोग लाठी-डंडे लेकर सड़कों पर उतर गए.

अफवाह पर न करें भरोसा

डीएसपी मलपुरा सुशील मान, ने बताया कि राजस्थान केटोंक जिले के मालपुरा में दो बच्चों के बीच झगड़े ने मारपीट का रूप ले लिया और दो समुदायों के बीच पथराव हो गया. इलाके में पुलिस बल तैनात किया गया है. स्थिति नियंत्रण में है. लगभग 3-4 लोग घायल हुए हैं और उनका इलाज चल रहा है. मैं लोगों से अपील करता हूं कि किसी भी अफवाह पर यकीन न करें.

घटना में दो पुलिसकर्मी समेत चार घायल

बवाल की सूचना पर पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराने का प्रयास किया. रिपोर्ट के अनुसार, घटना में पथराव में एक महिला एक पुलिसकर्मी सहित आधा दर्जन लोग हुए घायल हुए हैं. घायलों को अस्पताल भेजा गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है. बवाल के बाद इलाके में तनाव जैसे हालात हैं, मगर स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है. एहतियात के तौर पर घटनास्थल पर भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई हैं.

बवाल का वीडियो सामने आया, जांच में जुटी पुलिस

रिपोर्ट के मुताबिक, घटना का एक वीडियो भी सामने आया है. वीडियो में लोग पत्थरबाजी करते हुए नजर आ रहे हैं. इस बीच पुलिस लोगों को समझाने का प्रयास भी कर रही है. कुछ लोग सड़क पर लाठी डंडों के साथ दिखाई दे रहे हैं. पत्थरबाजी के बाद सड़के पर और आस पास पत्थर ही पत्थर नजर आ रहे हैं. घटना के बाद पुलिस जांच में जुट गई है.

गहलोत ने की महंगाई राहत कैंप की शुरुआत

सीएम ने बुजुर्ग से पूछा- पेंशन मिल रही है? जवाब मिला- साहब, आप तो वेरी गुड हो

जयपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। आमजन को सरकारी योजनाओं का लाभ देने के लिए सरकार के महंगाई राहत कैंप शिविर का आज मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उद्घाटन किया। जयपुर के सांगानेर तहसील के महापुरा में हुए इस कैंप में पुष्पा देवी प्रजापत को रसोई गैस सिलेंडर देकर पहला लाभार्थी बनाया गया। आज पूरे राज्य में 1799 जगहों पर इस तरह के कैंप लगाए गए हैं, जिनकी संख्या अगले कुछ दिनों में बढ़ाकर 2700 तक की जाएगी।

महंगाई राहत कैंप का उद्घाटन करने के बाद गहलोत ने कहा कि महंगाई बहुत तेज मार कर रही है। इसलिए हमने गैस सिलेंडर उज्ज्वला योजना के सस्ते किए हैं, क्योंकि ये वो लोग हैं जो सिलेंडर अब भी नहीं खरीद नहीं पा रहे हैं। हम चाहते हैं कि भारत सरकार को भी महंगाई से राहत देने के लिए आगे आना चाहिए।

आज मैं जिस एजेंसी में गया, वहां 32 हजार कनेक्शनधारी हैं, जिसमें से 1500 उज्ज्वला कनेक्शनधारियों में से केवल 150 ही ले रहे हैं। घोषणा के बाद 500

लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवाए हैं। इन कैंपों की सबसे बड़ी खासियत है कि कोई अगर अपना जनाधार लेकर यहां केवल बिजली के लिए आया है तो उसे चैक किया जाएगा कि क्या वह दूसरी योजना का फायदा लेने के लिए भी योग्य है या नहीं।

अगर योग्य मिलता है तो उसे उस स्कीम का भी गारंटी गार्ड बनाकर दिया जाएगा। हम इन शिविरों में 10 गारंटी कार्ड दे रहे हैं। ये कार्ड सरकार की गारंटी दे रही है कि आपको योजना का लाभ मिलेगा।

साहब तो आप तो वेरी गुड हो

महंगाई राहत कैंप में अशोक गहलोत ने एक बुजुर्ग से पूछा कि क्या पेंशन मिल रही है तो बुजुर्ग ने कहा कि साहब आप तो वेरी गुड हो। इस पर सीएम सहित वहां मौजूद कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, मंत्री महेश जोशी खिलखिला उठे।

मुख्यमंत्री गैस सिलेंडर योजना के तहत 500 रुपए में सिलेंडर। मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को 100 यूनिट प्रतिमाह निःशुल्क बिजली। मुख्यमंत्री निःशुल्क कृषि बिजली योजना के तहत कृषि उपभोक्ताओं को 2000 यूनिट प्रतिमाह निःशुल्क बिजली। मुख्यमंत्री निःशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना के तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के दायरे में आने वाले सभी लाभार्थियों को प्रत्येक माह निःशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट। मुख्यमंत्री ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत नरेगा में 100 कार्य दिवस पूरा करने वाले परिवारों को 25 दिन का अतिरिक्त रोजगार और कथौड़ी, सहरिया तथा विशेष योग्यजन को 100 अतिरिक्त दिवस का रोजगार। इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के तहत वर्ष में 125 दिन कार्य के अवसर। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत न्यूनतम 1000 रुपए पेंशन प्रतिमाह तथा प्रतिवर्ष 15 प्रतिशत की वृद्धि। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपए। मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना की राशि 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपए। मुख्यमंत्री कामधेनु पशु बीमा योजना के तहत 2 दुधारू गौवंशीय पशुओं के लिए प्रति पशु 40 हजार रुपए का बीमा कवर।

सीएम विशेषाधिकारी लोकेश शर्मा ने किया युवा संवाद

भाजपा के नेताओं पर लगाया दुष्प्रचार का आरोप

हनुमानगढ़, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। सीएम अशोक गहलोत के विशेषाधिकारी लोकेश शर्मा हनुमानगढ़ के दौरे पर रहे। जिलेभर में लोकेश शर्मा के गुजरने वाले रास्तों पर जगह-जगह पुष्प वर्षा कर युवाओं ने स्वागत किया। जिला मुख्यालय स्थित अग्रसेन भवन में सीएम विशेषाधिकारी लोकेश शर्मा ने युवा संवाद कार्यक्रम में युवाओं को संबोधन किया। मीडिया से बातचीत में लोकेश शर्मा ने भाजपा पर दुष्प्रचार करने का आरोप लगाते हुए मंत्री गजेन्द्र सिंह, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ और तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष सतीश पुनिया पर आरोप लगाए।

लोकेश शर्मा ने कहा कि इन सभी को अपने झूठे ट्वीट को हटाना भी पड़ा था। लोकेश शर्मा ने कहा कि 10 हजार युवा साथी प्रदेशभर में विपक्षी पार्टियों के दुष्प्रचार को रोकने के कार्य में जुटे हुए हैं। युवाओं को टिकट देने की बात पर शर्मा बोले कि युवा देश का भविष्य हैं। बिना नाम लिए शर्मा ने कहा कि कुछ स्वार्थी लोग अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए पार्टी के साथ धोखा करते हैं।

लोकेश शर्मा ने कहा कि हनुमानगढ़ आया हूं और मैंने यहां के जितने भी हमारे युवा साथी हैं, जो पिछले 10-15 सालों से मुझसे जुड़े हुए हैं। विचारधारा के साथ लगातार काम कर रहे हैं उन सभी लोगों के साथ एक संवाद का कार्यक्रम किया है। चुनाव नजदीक आने वाले हैं, आखिरी में हमारे चुनाव होंगे तो यह जिम्मेदारी बन जाती है कि प्रदेश के युवाओं को मोटिवेट किया जाए और उन्हें यह टास्क दिया जाए कि हमें हर हाल में सरकार रिपीट करनी है। प्रदेश के मुखिया ने जिस तरह से आम जनता के लिए जिन योजनाओं को लागू किया है। योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भी हम ही लोगों की है। मैंने सब को यह संदेश देने का प्रयास किया है कि आप सब एकजुट हो जाएं और माननीय मुख्यमंत्री द्वारा चलाई जा रही तमाम योजनाओं की जानकारी घर-घर तक पहुंचाएं।

शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश में काम करते हुए आमजन के लिए योजनाओं को लागू करने में कमी नहीं रखी। कमी हमारी यह रही कि हम उन योजनाओं को आम व्यक्ति तक पहुंचाने में पूरी तरह से सफल नहीं हो पाए। इसलिए मैं खुद पूरे प्रदेशभर में घूम रहा हूं। मैं इससे पहले बीकानेर, पाली, जोधपुर, जैसलमेर भी गया तो मेरा प्रयास यही है कि सभी युवाओं को यह संदेश दिया जाए कि अब कमर कस लें क्योंकि बिगुल बज चुका है। रणभेरी बज चुकी है, हमें चुनाव में उतरना है और 24 अप्रैल से जो राहत कैंपों की शुरुआत की जा रही है, उन्हें हमारे युवा साथियों की सकारात्मक भूमिका रहे। शर्मा बोले अगर सभी काम करें तो निश्चित तौर पर प्रदेश में सरकार को रिपीट होने से कोई नहीं रोक पाएगा। लोकेश शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार प्रयास कर रहे हैं कि सभी कमियां दूर हो। संगठन की नियुक्तियों की जल्द कमियां दूर करते हुए सभी नियुक्तियां कर दी जाएंगी।

लोकेश शर्मा ने कहा कि विपक्ष सिर्फ आरोप लगाना ही जानता है और आरोपों में कभी सच्चाई नहीं होती। वह यह कैसे कह सकते हैं कि कांग्रेस की सरकार में ब्यूरोक्रेसी हावी रहती है। यह सिर्फ और सिर्फ उनकी मनगढ़ंत बातें हैं। लोकेश शर्मा ने कहा कि जिस तरह से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सोशल मीडिया का भारतीय जनता पार्टी ने दुरुपयोग किया है हमने वह कभी नहीं किया।

आमने-सामने भिड़े ट्रेलर, 3 जिंदा जले

बाड़मेर में अलसुबह भीषण हादसा; भतीजे की मौत, चाचा ने कूदकर बचाई जान

बाड़मेर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। बाड़मेर में सोमवार सुबह करीब 4 बजे हुए भीषण हादसे में तीन लोग जिंदा जल गए। एक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दरअसल, बीकानेर से सांचौर जा रहे हाईवे पर सुबह दो ट्रेलर आमने-सामने से भिड़ गए। टक्कर के बाद दोनों में आग लग गई। दोनों वाहनों में ड्राइवर समेत चार लोग सवार थे। हादसा बाड़मेर जिले के गुड़ामालानी आदूराम पेट्रोल पंप के पास आलपुरा गांव के पास हुआ। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है। पुलिस मौके पर जांच-पड़ताल में जुटी है।

पुलिस के अनुसार, एक ट्रेलर बीकानेर से मिट्टी भर सांचौर की तरफ जा रहा था। दूसरे ट्रेलर में टाइल्स भरी हुई थी। वह सामने से आ रहा था। शुरुआती जांच में सामने आ रहा है कि एक ट्रेलर ड्राइवर को झपकी लगने के कारण दोनों में टक्कर हो गई। जब तक फायर बिग्रेड मौके पर पहुंचती तब तक दोनों वाहन 60-80 फीसदी से ज्यादा जल चुके थे।

टाइल्स भरे ट्रेलर में प्रदीप (23) पुत्र रामचंद्र और लक्ष्मणराम पुत्र भारमल सवार थे। दोनों ही बीकानेर के नोखा में गांव धरनोक के रहने वाले थे। इसमें से प्रदीप जिंदा जल गया। वहीं, लक्ष्मणराम गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। मिट्टी से भरे ट्रेलर में मोहम्मद हासफ शरीफ पुत्र समू खान निवासी जझू बीकानेर था। वह भी जिंदा जल गया। एक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

जानकारी के मुताबिक चाचा लक्ष्मणराम और भतीजा प्रदीप ट्रेलर में टाइल्स भरकर रामजी की गोल से बालोतरा की तरफ जा रहा था। प्रदीप ट्रेलर चला रहा था। लक्ष्मणराम पास में बैठा था। भिड़ंत के बाद भतीजा अंदर ही फंस गया, जबकि लक्ष्मणराम ने कूदकर अपनी जान बचाई।

घटना के वक्त ट्रेलर में मौजूद चाचा लक्ष्मणराम बताया- मैं और मेरा भतीजा प्रदीप टाइल्स भरकर पंजाब की तरफ जा रहे थे। मैं सो रहा था। पता नहीं ओवरटेक या नींद की झपकी आने से हादसा हुआ। हादसे के बाद ट्रेलर का मुख्य कांच उछलकर सड़क पर गिर गया। जब तक मैं कुछ समझ पाता तब दोनों ट्रेलर में आग लग गई। मैं मदद के लिए चिल्लाया। मैंने अपने स्तर पर बाहर निकालने का प्रयास किया। डीजल टैंक फटने से दोनों ट्रेलर में आग भंयकर लग गई। मेरी आंखों के आगे तीनों जिंदा जल गए। मैं कुछ नहीं कर पाया। 10-15 मिनट गुड़ामालानी पुलिस व एंबुलेंस पहुंच गई। मुझे हॉस्पिटल लेकर गए। भतीज की सगाई हो रखी थी। अगले साल शादी करने वाले थे।मौके से 60 मीटर दूरी पर रहने वाली महिला ने बताया- हादसे से कुछ मिनट पहले ही मैं नींद से उठी थी।

तीन दिन बाद फिर बारिश-आंधी का अलर्ट

अप्रैल में गर्मी पर ब्रेक, 6 डिग्री तक गिरा पारा; मई का पहला हफ्ता भी कूल रहेगा

जयपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर समेत कई शहरों में आंधी-बारिश से गर्मी के तेवर नरम पड़ गए हैं। पिलानी, अलवर, धौलपुर समेत कई शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 2 से लेकर 6 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। रविवार देर शाम धूलभरी हवा चलने से लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली है।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक राज्य में अगले तीन दिन मौसम साफ रहेगा। फिर 27-28 अप्रैल से एक मजबूत सिस्टम एक्टिव होगा। इसके असर से आंधी-बारिश का दौर वापस शुरू होगा। यह रुक-रुककर चलता रहेगा।

मौसम केंद्र जयपुर और सिंचाई विभाग से जारी रिपोर्ट देखें तो कल जयपुर के चौमू, चाकसू, कोटखावदा, जमवारामगढ़, आंधी, माधोराजपुरा, फागी समेत कई जगहों पर 1 से 3MM तक बरसात हुई। इससे पहले जयपुर सहित प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी चली।

यह स्थिति झुंझुनूं, चूरू, बीकानेर, हनुमानगढ़ और गंगानगर एरिया में भी रही। अंधड़-बूंदाबांदी के बाद जयपुर, दौसा, झुंझुनूं समेत कई शहरों में ठंडी हवा चलती रही। इससे तापमान में गिरावट हुई और कई शहरों में मौसम सुहावना हो गया।

आंधी-बारिश के कारण राजस्थान के कई शहरों में पारा लुढ़क गया। धौलपुर में सबसे ज्यादा 6.4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट रही। यहां एक दिन पहले अधिकतम तापमान 38.8 था, जो गिरकर कल 32.4 डिग्री पर आ गया।

बारातियों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, दो की मौत

6-7 लोग हुए गंभीर घायल, शादी कर वापस लौट रहे थे लोग

निम्बाहेडा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। निंबाहेड़ा सदर थाना अंतर्गत पिलखेड़ी से शादी कर वापस लोट रहे बारातियों के साथ दुर्घटना हो गई। जानकारी के मुताबिक जिस ट्रैक्टर ट्रॉली से वो लोग घर वापस जा रहे थे वो निंबाहेड़ा गांव के पास पलट गई। इस हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई। इस हादसे में आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं।

करीब रात को 8:30 बजे शादी से वापस लौट रहे। बारातियों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली वापस से मध्य प्रदेश जावद तहसील के पास तुम्बा जा रही थी। इसी बीच फाचर अहिरन के यहां पर हादसा हो गया वह 2 महिलाओं की मृत्यु हुई। निवासी तुंम्बा मध्य प्रदेश रानी बाई पति भेरू लाल, दूसरी निवासी मध्य प्रदेश के नानपरिया गांव महिला हशी बाई पति हर देव की मौत हो गईं है। वहीं तीन महिला समेत 6-7 लोग घायल हो गए। बराती तुंबा ढाणी जावद के निवासी हैं।

नई बाइक हुई खराब तो शोरूम के सामने लगाई आग

बार-बार खराबी आने से परेशान हो गया था युवक, पेट्रोल छिड़क कर जला दी

बीकानेर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। बीकानेर में एक युवक ने बाइक शोरूम के सामने अपनी नई बाइक को आग लगा दी। दरअसल, युवक ने खाजूवाला स्थित हीरो कंपनी के शोरूम से 6 महीने पहले बाइक खरीदी थी। जो बार-बार खराब हो रही थी। इससे परेशान होकर युवक सोमवार सुबह बाइक लेकर शोरूम के सामने पहुंचा। फिर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। घटना के पास ही सरकारी अस्पताल भी है। आग की घटना से मौके पर अफरा तफरी मच गई। शोरूम कृष्णा हीरोज के संचालक शुभकरण गहलोत ने बताया- महावीर पुत्र शिवशंकर ने पिछले दिनों उनसे बाइक खरीदी थी। एक दिन पहले ही उसने बाइक में खराबी आने की शिकायत की। उसे सोमवार को बाइक लाने के लिए कहा था। सुबह 10 बजे वो बाइक लाया तो उसके साथ तीन-चार अन्य लड़के भी थे। दो लोग शोरूम के अंदर थे। दो बाहर थे। इसी दौरान एक ने बाइक पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। इससे आसपास की बाइक भी जल सकती थी, लेकिन जैसे-तैसे उन्हें दूर किया गया।

महावीर की बाइक में पेट्रोल भरा हुआ था, इससे उसने तुरंत आग पकड़ ली। थोड़ी देर में ही बाइक धूंधूं कर जल गई।

एचसीए को फिर से शुरू करने व क्रिकेटरों को प्राथमिकता देने पर तत्काल ध्यान : दुर्गा प्रसाद

हैदराबाद, 25 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अपनी ईमानदारी, अखंडता और सख्त अनुशासन के लिए जाने जाने वाले, सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एल. नागेश्वर राव की एक सदस्यीय समिति हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) में गड़बड़ी को 'सुलझाने' के मिशन पर है। सीआरपीएफ के पूर्व महानिदेशक दुर्गा प्रसाद अधिकारी द्वारा उनकी सहायता की जा रही है। उन्होंने कहा कि 'हम कुछ ऐसी व्यवस्था लाना चाहते हैं जहां हम भ्रष्ट आचरण को स्थायी रूप से रोक सकें। बीसीसीआई काफी काम ऑनलाइन कर रहा है और हम इसे यहां एचसीए में भी करना चाहते हैं। हमें एक चुस्त व्यवस्था की आवश्यकता है जो प्रशासन के सुचारू कामकाज में मदद कर सके। क्रिकेटरों को किसी भी कीमत पर नुकसान नहीं होना चाहिए। न्यायमूर्ति नागेश्वर राव, जिन्हें फरवरी में नियुक्त किया गया था और प्रसाद पूर्व शीर्ष खिलाड़ियों और प्रशासन के अधिकारियों से मुलाकात कर रहे हैं, ताकि बहुचर्चित एचसीए को व्यवस्थित किया जा सके। प्रसाद ने बताया कि उनका तत्काल ध्यान हैदराबाद क्रिकेट अकादमी ऑफ एक्सीलेंस को फिर से शुरू करने और नए क्रिकेट सत्र की शुरुआत करने पर है। हम महीने के अंत तक अकादमी शुरू कर रहे हैं, जो कुछ सालों से बंद है। हमने निदेशक, मुख्य कोच (सीनियर और जूनियर) और

अन्य सहायक स्टाफ (बल्लेबाजी, गेंदबाजी कोच, मालिशिया, प्रशिक्षक, फिजियो) जैसे लोगों की पहचान की है। हम एक जीवंत अकादमी चाहते हैं? प्रसाद के मुताबिक वे जिमखाना में विकेट से लेकर जिम तक की सुविधाओं को बेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं. 'हम विशेष रूप से लड़कियों के लिए एक अलग नेट की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका ईमानदार प्रयास हैदराबाद के पुराने गौरव को वापस लाने का होगा। 'उसके लिए, जब तक कि हमारे पास एक पूर्ण अकादमी नहीं है जो शहर में क्रिकेट को विकसित करने में मदद करेगी। हमारे पास विशेष रूप से दो निःशुल्क कोचिंग शिविर भी होंगे। यह जल्द ही एक वास्तविकता होगी।'' लीग की शुरुआत पर, प्रसाद ने कहा कि वे 15 मई तक लीग शुरू करना चाहते हैं। 'हम टीमों और प्रारूप को देख रहे हैं कि हम लीग का संचालन कैसे करेंगे और प्रत्येक मंडल में कितनी टीमें होंगी।' उम्मीद है कि हम 10 मई तक उन तौर-तरीकों को अंतिम रूप देने की कोशिश करेंगे। 'यह सर्वश्रेष्ठ टीम और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के चयन के बारे में है। हम एक प्रतिस्पर्धी लीग चाहते हैं जहां खिलाड़ियों को तैयार किया जा सके और खिलाड़ी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। हम देखना चाहते हैं कि हैदराबाद क्रिकेट कहां था और आज कहां नहीं है।'

चयनकर्ताओं के सवाल पर प्रसाद ने कहा कि उनके पास मई के पहले सप्ताह तक नए चयनकर्ता होंगे। 'हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सही चयन किया गया है।

अब जब अकादमी शुरू हो रही है तो हमें खिलाड़ियों के बारे में सही जानकारी मिलेगी। प्रसाद ने चेतावनी दी कि स्कोर में हेराफेरी बीते जमाने की बात हो जाएगी। 'हम प्रौद्योगिकी का उपयोग अच्छे उपयोग के लिए करेंगे। हम सभी मैचों की निगरानी करेंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि भविष्य में स्कोर में हेराफेरी न हो। हम उस प्रणाली को कड़ा करना चाहते हैं जो मैचों के सुचारू संचालन में मदद करे। विभिन्न आयु वर्गों में राज्य की टीमों के लिए खिलाड़ियों के पक्षपातपूर्ण चयन के आरोपों पर, जो एक बड़ा विवादास्पद मुद्दा था, प्रसाद ने कहा कि वे व्यवस्था में विश्वास वापस लाने की कोशिश करेंगे, जिसकी अभी बहुत कमी है। हम चयन के सभी दुरुपयोग को रोकेंगे। इसके बाद 15 सदस्य और स्टैंड-बाय होंगे। टीम की घोषणा किसी भी टूर्नामेंट से एक हफ्ते पहले की जाएगी। बहुप्रतीक्षित चुनावों और कई क्लबों के मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करते हुए प्रसाद ने कहा कि न्यायमूर्ति राव चुनाव के पहलू को बारीकी से देख रहे हैं। उन्होंने अब एक प्रश्नावली तैयार की है और सचिवों को क्लबों के इतिहास के बारे में विवरण प्रस्तुत करने के लिए कहा है। जवाब आने के बाद, वह (जस्टिस राव) डेटा को मिलाएंगे और उसके अनुसार फैसला करेंगे। तय करने के लिए दो चीजें हैं, एक निजी क्लबों और संस्थागत टीमों पर। अब, अधिकांश संस्थागत टीमें निजी क्लबों में बदल गई हैं। न्यायमूर्ति राव उस पहलू को देख रहे हैं। प्रसाद ने जिलों में क्रिकेट के महत्व पर जोर दिया। यहां तक कि जिलों से भी काफी मांग आ रही है। हम जिला क्रिकेट के लिए कुछ करने के इच्छुक हैं। हमारा अंतिम उद्देश्य सभी 31 जिलों में मैदान बनाना है।' पूर्व आईपीएस अधिकारी ने माना कि इस मिशन एचसीए में उनके लिए यह एक बड़ी चुनौती रही है. 'जस्टिस राव ने जब मुझसे सहायता करने को कहा तो मुझे समझ में आया कि मैं रोज दो या तीन घंटे के लिए आऊंगा। लेकिन पहले हफ्ते के भीतर, मुझे एहसास हुआ कि यह चाय का एक अलग कप था। अब मुझे नौ बजे से देर रात तक गंदगी को दूर करने के लिए काम करना पड़ता है। यह बड़ी चुनौतियों में से एक है-समय सीमा के अनुसार हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि साफ-सुथरे प्रशासन के साथ हैदराबाद क्रिकेट का पुराना गौरव लौट आए।

पाकिस्तानियों ने माना-भगवान राम के बेटे का है लाहौर

शहर में हजारों साल पुराना लव मंदिर और शिवालय

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। भूख और तंगहाली से जूझते पाकिस्तानियों को भगवान राम और उनके बेटे लव की याद आ रही है। वो लव को अपने शहर का संस्थापक बता रहे हैं। पाकिस्तानियों के अचानक हुए इस हृदय परिवर्तन ने कई लोगों को अचरज में डाल दिया है। पाकिस्तान के सबसे प्रमुख शहरों में से एक लाहौर भगवान राम के बेटे लव की नगरी रही है। इस शहर का प्राचीन इतिहास भारतीय संस्कृति से जुड़ता है। भारत में पहले भी इस तरह की बात कही जाती रही है। लेकिन इस बार खुद पाकिस्तानी मीडिया ने इस सच को स्वीकार किया है। मुस्लिम लीग समर्थित रिपोर्ट में लाहौर शहर के प्राचीन इतिहास की पड़ताल की गई है। इस रिपोर्ट में माना गया है लाहौर को राजकुमार लव ने बसाया था और उन्हीं के नाम पर इस शहर को यह नाम मिला। साथ ही पाकिस्तानी शहर 'कसूर' को भगवान राम के दूसरे बेटे कुश का बसाया हुआ बताया गया है।

इसके अलावा भी इस शहर के कई पुराने मंदिरों और ऐतिहासिक इमारतों के बारे में बताया गया है आमतौर पर पाकिस्तान और पाकिस्तानी मीडिया वहां के प्राचीन इतिहास से इनकार करता रहा है। सिंधु घाटी सभ्यता के बारे में भी पाकिस्तान में ज्यादा बात नहीं

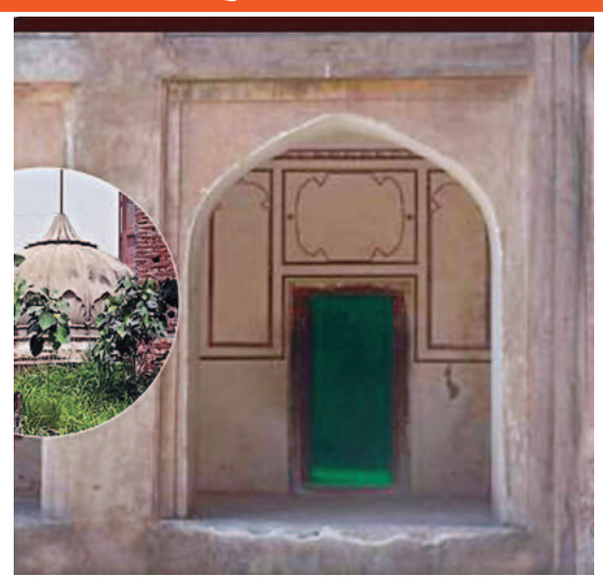

की जाती। वे मुहम्मद बिन कासिम के से पहले के इतिहास को 'अंधेरे का युग' कहते हैं। यही वजह है कि पाकिस्तान अब तक इस सच को स्वीकार करने से बचता रहा है। लेकिन अब आश्चर्यजनक रूप से पाकिस्तानी मीडिया में इसकी चर्चा हो रही है।

लाहौर किले के भीतर मौजूद लव मंदिर लाहौर की सबसे पुरानी इमारत है। यह मंदिर किले के बनने से काफी पहले से यहां मौजूद था। मुगल काल में बादशाह अकबर ने इसके चारों और किले का निर्माण करा दिया। जिसके बाद यह मंदिर भी किले का हिस्सा हो गया। लेकिन मंदिर के डिजाइन और मौजूदा शहर की सतह से इसकी उसकी ऊंचाई के आधार पर माना गया है कि यह मंदिर किले की अपेक्षा काफी पुराना है।

7वीं सदी में चीनी यात्री युवान चांग भारत की यात्रा पर आया था। इस दौरान वह लाहौर भी गया।

उसने लाहौर के बारे में लिखा कि यह शहर सुंदर और बड़े मंदिरों और बागों से भरा हुआ है। इसके अलावा साल 982 में लिखे गए एक दस्तावेज में भी लाहौर के मंदिरों के बारे में जानकारी मिलती है। यह लिखित दस्तावेज आज भी ब्रिटिश म्यूजियम में देखा जा सकता है।

टिब्बी बाजार लाहौर का भीड़भाड़ वाला इलाका है। इसी इलाके के बीचोंबीच एक प्राचीन शिव मंदिर है। इसे टिब्बी वाला शिवालय कहा जाता है। ये शिवालय अरब आक्रमण के पहले से लाहौर में मौजूद है।

इसी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि लाहौर शहर लगभग 4000 हजार साल पुराना है। अरब आक्रमण से पूर्व यहां कई बड़े हिंदू और बौद्ध शासक हुए। मिस्र के एक यात्री के विवरण के आधार पर दावा किया गया है कि पाटलिपुत्र (पटना) और नील नदी (मिस्र) के बीच बसे 'खूबसूरत' शहर लाहौर को ही कहा गया है।

लव की नगरी लाहौर मध्य और आधुनिक काल में भी ऐतिहासिक महत्व का शहर रहा है। इसी शहर में गुलाम वंश के शासक कुतुबुद्दीन ऐबक की घोड़े से गिरकर मौत हुई थी। उसकी कब्र इसी शहर में है।

यहां दाता गंज बख्श का भी मज़ार मौजूद है। मुगल काल में लाहौर का किला सत्ता का प्रमुख केंद्र था। बाद में जब महाराजा रंजीत सिंह ने पंजाब की सत्ता संभाली तो उन्होंने भी लाहौर के किले को अपना केंद्र बनाया। आधुनिक लाहौर शहर को भी सर गंगाराम नाम के इंजीनियर ने बसाया था। उनके नाम पर दिल्ली में एक प्रमुख अस्पताल भी चलता है।

मानहानि मामले में सजा माफी के लिए हाईकोर्ट पहुंचे राहुल गांधी

निचली अदालत के फैसले को दी चुनौती

अहमदाबाद, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद राहुल गांधी ने मानहानि मामले में सजा माफी के लिए गुजरात हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्हें सूरत की एक निचली अदालत ने दो साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद उन्हें अपनी लोकसभा की सदस्यता गंवानी पड़ी थी।

राहुल गांधी की ओर से 2019 में मोदी उपनाम को लेकर की गई

टिप्पणी के मामले में 23 मार्च को सूरत की अदालत ने फैसला सुनाया था। कोर्ट ने उन्हें धारा 504 के तहत दो साल की सजा सुनाई थी। हालांकि, कोर्ट ने फैसले पर अमल के लिए कुछ दिन की मोहलत भी दी थी। इसके साथ ही उन्हें तुरंत जमानत भी दे दी थी। राहुल ने सूरत की कोर्ट में याचिकाएं भी दाखिल की, जिनमें एक को कोर्ट ने खारिज कर दिया था और दूसरी पर तीन मई को सुनवाई होनी है।

दरअसल, 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान कर्नाटक के कोलार की एक रैली में राहुल गांधी ने कहा था, कैसे सभी चोरों का उपनाम मोदी है? इसी को लेकर भाजपा विधायक और गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था।

1 ईएमई सेंटर में आर्मी इंटर कमांड वॉलीबॉल चैंपियनशिप शुरू

हैदराबाद, 25 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आर्मी इंटर कमांड वॉलीबॉल चैंपियनशिप 2023-24, 25 अप्रैल को 1 ईएमई सेंटर के ईगल्स इंडोर वॉलीबॉल स्टेडियम में शुरू हुई। चैंपियनशिप 25 अप्रैल से 01 मई 2023 तक निर्धारित सभी आर्मी कमांड की टीमों के बीच आयोजित की जाएगी। 1 ईएमई सेंटर वॉलीबॉल है। भारतीय सेना के लिए नोड इस आयोजन की मेजबानी करेगा और सेना की टीमों के लिए भी खिलाड़ियों का चयन करेगा। चैंपियनशिप का उद्देश्य रक्षा कर्मियों के बीच प्रतिस्पर्धा की भावना और खेल भावना को विकसित करना और सर्विसेज वॉलीबॉल चैंपियनशिप के लिए सेना की टीम का चयन करना है। आर्मी वॉलीबॉल नोड को वर्ष 2003 में 1 ईएमई केंद्र में स्थापित किया गया था। तब से भारतीय सेना वॉलीबॉल सेवा टीम के प्रशिक्षण और रखरखाव की जिम्मेदारी 1 ईएमई केंद्र की है और इंटर सर्विसेज वॉलीबॉल चैंपियनशिप, इंटर कमांड वॉलीबॉल चैंपियनशिप आदि जैसे कई कार्यक्रमों की मेजबानी भी की है।

आदि शंकराचार्य महाराज की जयंती पर राम रस सेवा

हैदराबाद, 25 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। परम पूज्य श्री आदि शंकराचार्य जी महाराज की जयंती पर कुंभ मेला अग्रवाल बंधु अशोक फाउंडेशन के तत्वावधान में भंडारा चौक रिकाबगंज में नगर की बढ़ती गर्मी के मद्देनजर राहगीरों को आराम दिलाने के उद्देश्य से राम रस सेवा आयोजित की गई।

श्री अग्रवाल ने बताया कि आदि शंकराचार्य ने दार्शनिक एवं धर्मप्रवर्तक व अद्वैत वेदान्त को ठोस आधार प्रदान कर भारत देश को एक सूत्र में बांधने के उद्देश्य से देश की चार दिशाओं में चार मठों की स्थापना की थी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पंकज कुमार अग्रवाल, सुनील कुमार, बालाजी, नवीन, गोवर्धन व अन्य कार्यकर्ता गण उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भगवती की पूजा-अर्चना से हुआ। इस अवसर पर पंकज कुमार अग्रवाल ने शंकराचार्य जी महाराज को याद करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

सरिता विद्यानिकेतन, हयातनगर में तेलंगाना स्टेट लागोरी एसोसिएशन और रंगारेड्डी जिला लागोरी एसोसिएशन द्वारा आयोजित 'लगोरी इंटर-डिस्ट्रिक्ट चैंपियनशिप' में मुख्य अतिथि के रूप में जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने भाग लिया। राघवन, नवीन कुमार कार्यक्रम में शामिल हुए।

आग और राग के राष्ट्र कवि हैं दिनकर : प्रो. चक्रधर त्रिपाठी

हैदराबाद, 25 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के तत्वावधान में राष्ट्रकवि दिनकर की 49वीं पुण्यतिथि मनाई गई। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी ने कहा कि दिनकर आग और राग के राष्ट्रीय कवि हैं। उनकी कविता में एक तरफ आग है तो दूसरी तरफ राग है। जीवन में दोनों के महत्व को दिनकर ने रेखांकित किया है। मुख्य वक्ता के रूप में हिंदी विभाग के अतिथि प्रो. जंगबहादुर पाण्डेय उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. हेमराज मीणा ने दिनकर को राष्ट्रीय चेतना का महाकवि बताया। मुख्य वक्ता डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय ने विषय पर मनोरंजकपूर्ण ढंग से काफी गंभीर बातों पर प्रकाश डाला। दिनकर के व्यक्तित्व और कृतित्व पर बात करते हुए उनके राजनीतिक जीवन के कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की। कुरुक्षेत्र, रश्मिरथी, उर्वशी, हुंकार, सामधेनी, परशुराम की प्रतीक्षा और रसवंती जैसी कविताओं के माध्यम से दिनकर की राष्ट्रीय चेतना पर अपनी बातें रखीं। उन्होंने कहा कि दिनकर की कविताएं राष्ट्र प्रेम से ओत प्रोत हैं और पानी मे भी आग लगाने वाली हैं। इस अवसर पर भारती रानी दाश, डॉ. सौम्यरंजन दाश, डॉ. दुलूमणि तालुकदार और डॉ. मयूरी मिश्रा ने दिनकर की कविताओं का स्वर पाठ कर श्रोताओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग की डॉ. रानी सिंह ने किया। अतिथियों का स्वागत डॉ. एनसी पंडा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अप्पा साहेब ने किया।

नगर पधारे मारवाड जंक्शन विधानसभा क्षेत्र के योगी डॉ. गिरीवरनाथजी महाराज से मुलाकात कर उनका सम्मान के बाद उपस्थित गोशामहल के विधायक टी. राजासिंह, समाजसेवी पारसनाथ चौहान, मदननाथ रावल, मोतीनाथ, गणेश सीरवी व अन्य।

श्री स्वामी नारायण भगवान् के वंशज श्री लक्ष्मीनारायण देव गादी पीठाधिपति परम पूज्य धर्मधुरंधर 1008 आचार्य प्रवरश्री राकेश प्रसादजी महाराजश्री, पूज्य सत्यप्रकाश स्वामी, नन्दकिशोर स्वामी, जयेंद्र स्वामी, विवेक स्वामी आदि ने चारमीनार स्थित विश्व प्रसिद्ध माँ भाग्यलक्ष्मी माता के दर्शन किये। अवसर पर उनका सम्मान करते हुए ट्रस्टी के सूर्य प्रकाश व अन्य।

निर्मल में बिजली ने चरवाहे को मार डाला

आदिलाबाद, 25 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। खानापुर मंडल के राजुरा गांव में मंगलवार को बकरियां चरा रहे 21 वर्षीय चरवाहे की बिजली गिरने से मौत हो गई। चरवाहा, पथकुंता मोहन, उस पेड़ के पास मृत पाया गया जिसके नीचे वह बैठा था जब क्षेत्र में हल्की बारिश दर्ज की गई। इस बीच, कुमराम भीम आसिफाबाद, आदिलाबाद, निर्मल और मनचेरियल जिले के कई हिस्सों में तेज आंधी के साथ बारिश, ओलावृष्टि देखी गई। नतीजतन, बिजली की आपूर्ति प्रभावित हुई जबकि कुछ दूरदराज के गांवों से संपर्क प्रभावित हुआ। सड़क पर सुखाए जा रहे मक्के के दाने कुभीर मंडल में भीग गए।

अग्रवाल समाज बशीरबाग आदर्शनगर शाखा के चुनाव 13 मई को, हुई बैठक

हैदराबाद, 25 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना बशीरबाग आदर्श नगर शाखा की वार्षिक साधारण सभा व द्विवार्षिक चुनाव शनिवार 13 मई को साय: 7 बजे से आदर्श नगर गार्डन में किया जाएगा। अध्यक्ष अशोक कुमार अग्रवाल ने बताया कि शाखा की मासिक मीटिंग के दौरान सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि साधारण सभा में 5 पदाधिकारियों एवं एक केंद्रीय समिति सदस्यों का चुनाव होगा। मानद मंत्री द्वारा शाखा की वार्षिक गतिविधियों की जानकारी दी जाएगी एवं कोषाध्यक्ष द्वारा साल भर का आय-व्यय का ब्यौरा दिया जाएगा। उन्होंने सभा में विनती की है कि शाखा के सभी सदस्य सभा में पधारने का सहविनय निवेदन हैं जिससे शाखा का कार्यक्रम सफल हो सके, उपस्थित सदस्य में कैलाश चंद केड़िया, अशोक कुमार दादरी वाले, सतीश कुमार अग्रवाल, दीनदयाल, गोविंद केडिया, महेंद्र कुमार अग्रवाल, कमल कुमार बसई वाले, गोपाल अग्रवाल, अनिरुद्ध अग्रवाल, योगेंद्र भाई अग्रवाल, मुकेश कुमार अग्रवाल, उपस्थित थे। कैलाश केडिया ने आए हुए सभी को धन्यवाद दिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

तेलंगाना-केंद्र के ...

ये सभी के लिए है। इस बात को दिमाग में रखें कि सरकारों के बिल तुरंत पास होने चाहिए।

दवे-मेहता की बहस- निचला स्तर, एलर्जी, माहौल खराब जैसे शब्द बोले गए, तुषार मेहता ने कहा- मैं तेलंगाना के वकील जितना चिल्ला नहीं सकता। दुष्यंत दवे ने ऊंची आवाज में जवाब दिया, मैं चिल्ला रहा हूं? ये केंद्र सरकार के लॉ अफसर हैं। इनको मुझसे एलर्जी है। मुझे भी आपसे एलर्जी है। सरकार को खुश करने के लिए ये बेहद निचले स्तर तक गिर चुके हैं। जैसी हरकत ये कर रहे हैं, वैसी मैंने 40 साल में नहीं देखी।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने हिदायत दी कोर्ट को निजी विवाद निपटाने की जगह न बनाए। जो मसला है, उस पर बहस करें तो ज्यादा बेहतर रहेगा। मेरी या किसी की भी कोर्ट का माहौल खराब न करें। तुषार मेहता और दवे ने सीजेआई को सॉरी कहा। तुषार मेहता ने कहा कि वो आगे इसका ध्यान रखेंगे। इस पर भी दवे ने तंज कसा- कम से कम आपने माना तो कि आप कोर्ट का माहौल खराब कर रहे थे।

सीबीआई की चार्जशीट ...

यह भी आरोप लगाए गए हैं कि सिसोदिया ने महेंद्रू की कंपनी इंडो स्पिरिट की एप्लीकेशन पर कार्रवाई करने के लिए व्यक्तिगत रूप से दखल दिया था।

चार्जशीट में पूर्व एक्साइज कमिश्नर अरवा गोपी कृष्णा का नाम भी संदिग्ध के तौर पर दर्ज है। चार आरोपियों में से दो आरोपी मनीष सिसोदिया और अमनदीप ढल वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं। इस मामले में बुच्ची बाबू को 6 मार्च 2023 को जमानत मिल गई है। अर्जुन पांडे को कभी गिरफ्तार नहीं किया गया।

26 अप्रैल को शराब नीति घोटाले से जुड़े केस में दिल्ली का एक कोर्ट सिसोदिया की जमानत याचिका पर फैसला सुनाने वाला है। 31 मार्च को सीबीआई केस में मनीष की जमानत स्पेशल जज ने खारिज कर दी थी, जिसके बाद मनीष ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी।

उधर मंगलवार को मनीष सिसोदिया की पत्नी सीमा सिसोदिया की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें दिल्ली के अपोलो अस्पताल में एडमिट कराया गया। डॉक्टरों की टीम उनके स्वास्थ की जांच कर रही है।

26 फरवरी को गिरफ्तार किए गए दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम सिसोदिया की कस्टडी भी बढ़ा दी गई है। 17 अप्रैल को स्पेशल जज एमके नागपाल ने सिसोदिया को 27 अप्रैल तक ईडी और 29 अप्रैल तक सीबीआई की कस्टडी दी है। गौरतलब है कि शराब नीति मामले में ईडी मनी लॉन्ड्रिंग और सीबीआई अनियमितता के मामले की जांच कर रही है। कोर्ट ने मामले में गिरफ्तार दो अन्य आरोपियों अरुण रामचन्द्र पिल्लई और अमनदीप ढल को भी 29 अप्रैल तक ईडी की कस्टडी में भेजा है।

5 राज्यों में ...

टीम ने मो. महबूब के घर को घेरकर तलाशी शुरू कर दी। टीम के आते ही गांव में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। एनआईए की टीम के खबर मिलते ही मो. महबूब मौके से गायब हो गया।

पूर्व सीएम प्रकाश सिंह...

अपने राजनीतिक करियर में पहली बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। अधिक उम्र के कारण वह ये चुनाव लड़ना नहीं चाहते थे, लेकिन सुखबीर बादल के कहने और पंजाब में अकाली दल की दयनीय स्थिति के बाद प्रकाश सिंह बादल चुनावी मैदान में उतरे थे।

प्रकाश सिंह बादल ने साल 1947 में राजनीति शुरू की थी। उन्होंने सरपंच का चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। तब वह सबसे कम उम्र के सरपंच बने थे। 1957 में उन्होंने सबसे पहला विधानसभा चुनाव लड़ा। 1969 में उन्होंने दोबारा जीत हासिल की। 1969-70 तक वह पंचायत राज, पशु पालन, डेयरी आदि मंत्रालयों के मंत्री रहे।

इसके अलावा वह 1970-71, 1977-80, 1997-2002 में पंजाब के मुख्यमंत्री बने। इसके अलावा 1972, 1980 और 2002 में विरोधी दल के नेता भी बने। मोरारजी देसाई के प्रधानमंत्री रहते वह सांसद भी चुने गए। वहीं 2022 का पंजाब विधानसभा चुनाव लड़ने के बाद वह सबसे अधिक उम्र के उम्मीदवार भी बने।

खेल मंत्रियों के चिंतन शिविर में पीएम ने कहा

खिलाड़ियों को उच्चस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराना होगा

इंफाल. 25 अप्रैल (एजेंसियां)। वर्चुअल संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि आपको हर टूर्नामेंट के हिसाब से ढांचागत सुविधाओं और प्रशिक्षण पर फोकस करना होगा। आपको लघु, मध्यम और दीर्घकालिक योजनाएं बनानी होंगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सभी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को ढांचागत सुविधाएं मुहैया कराने के लिए केंद्र और राज्य खेल मंत्रियों को एकजुट होकर काम करने के लिए कहा। साथ ही आव्हान किया कि खेल की दुनिया में भारत को एक अग्रणी देश बनाने के लिए लघु एवं दीर्घकालिक योजनाएं बनाई जाएं। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खेल मंत्रियों के चिंतन शिविर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि स्थानीय स्तर पर ज्यादा प्रतियोगिताएं कराने की जरूरत है, ताकि खिलाड़ियों को जरूरी अनुभव मिल सके। हमें यह भी देखना होगा कि कोई भी खेल प्रतिभा नजरंदाज न हो।

वर्चुअल संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि आपको हर टूर्नामेंट के हिसाब से ढांचागत सुविधाओं और प्रशिक्षण पर फोकस करना होगा। आपको लघु, मध्यम और दीर्घकालिक योजनाएं बनानी होंगी। खिलाड़ी अपने आपको तैयार करते हैं और अब समय है कि राजनीतिज्ञ खेल प्रतियोगिताओं को लेकर नई सोच के साथ काम करें। खेलो इंडिया योजना के बारे में कहा कि इससे निश्चित रूप से जिला स्तर से खेलों की सुविधाओं का विकास होगा। साथ ही खेल मंत्रियों से कहा कि वह विकास को ब्लॉक स्तर तक ले जाएंगे। निजी क्षेत्र सहित सभी हितधारकों की भागीदारी भी जरूरी है। प्रधानमंत्री ने भरोसा जताया कि देश भर के खेल मंत्रियों के लिए चिंतन शिविर सीखने के लिए अच्छा अनुभव रहेगा।

डब्ल्यूटीसी फाइनल की टीम में रहाणे का नाम

15 महीने बाद टेस्ट टीम में वापसी, सूर्यकुमार को जगह नहीं ; केएस भरत विकेटकीपर

रहाणे का टेस्ट में प्रदर्शन

टेस्ट-82 । औसत -38.52 । रन- 4931

खेल डेस्क, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए भारत ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में मुंबई के बैटर अजिंक्य रहाणे का नाम है। 15 महीने बाद उन्हें टीम इंडिया में जगह दी गई है। उन्होंने अपना पिछला मुकाबला 11 जनवरी 2022 को साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। इस टीम में सूर्यकुमार यादव का नाम नहीं है।

डब्ल्यूटीसी का फाइनल 7 से 11 जून के बीच इंग्लैंड के ओवल मैदान में इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच होना है। टीम इंडिया लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंची है। 2021 में खेले गए पहली डब्ल्यूटीसी फाइनल में न्यूजीलैंड ने भारत को 8 विकेट से हराया था।

आईपीएल 2023 में रहाणे का शानदार प्रदर्शन

रहाणे का आईपीएल के 16वें सीजन में शानदार प्रदर्शन जारी है। उन्होंने इस सीजन में अक्रामक बल्लेबाजी की है। अब तक खेले 5 मैचों में 52.25 की औसत से 209 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 199.05 रहा है।

सूर्या केवल डेब्यू टेस्ट खेले, सीरीज के बाकी 3 मैचों में टीम में जगह नहीं मिली

सूर्यकुमार यादव ने इस साल फरवरी में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में टेस्ट डेब्यू किया था। उसके बाद बाकी के 3 टेस्ट में प्लेइंग-11 में जगह नहीं बना पाए थे।

आईपीएल 2023 के शुरुआती सीजन में सूर्या की बेहद खराब फॉर्म

आईपीएल 2023 में सूर्यकुमार का खराब फॉर्म सूर्यकुमार का आईपीएल के 16वें सीजन में खराब फॉर्म जारी है। मुंबई इंडियन के बल्लेबाज सूर्या इस सीजन में छह मैच खेले हैं और महज 123 रन बना सके हैं। इस सीजन में उन्होंने केवल एक फिफ्टी लगाई है। आरसीबी के खिलाफ पहले मैच में 15 रन, चेन्नई के खिलाफ 1 रन बनाया। दिल्ली के खिलाफ वो शून्य पर आउट हुए। पंजाब के खिलाफ फिफ्टी लगाई और कोलकाता के खिलाफ 43 रन की पारी खेली।

भरत को पंत के विकल्प के तौर पर चुना गया

केएस भरत टीम में शामिल किए गए हैं। भरत को चोटिल ऋषभ पंत के विकल्प के तौर पर चुना है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में भरत ने भारतीय टीम के लिए अपना टेस्ट डेब्यू किया था।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए टीम इंडिया

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे, केएल राहुल, केएस भरत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दूल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, जयदेव उनादकट।

पांचवें टी-20 में पाक को 6 विकेट से मिली हार

न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन -जेम्स नीशम के बीच 5वें विकेट के लिए रिकॉर्ड साझेदारी

रावलपिंडी, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। रावलपिंडी में खेले गए आखिरी टी-20 में न्यूजीलैंड ने मार्क चैपमैन और जेम्स नीशम के बीच 5वें विकेट लिए रिकॉर्ड 121 रन की नाबाद साझेदारी की बदौलत पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया। इस तरह 5 टी-20 मैचों की सीरीज 2-2 की बराबरी पर खत्म हुई। पाकिस्तान ने शुरुआती दो टी-20 अपने कब्जे में किए। वहीं तीसरा और पांचवां टी-20 न्यूजीलैंड ने जीता। चौथा टी-20 मुकाबला बारिश की वजह से रद्द कर दिया गया था।

मार्क चैपमैन और जेम्स नीशम ने 16 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान टीम ने 5 विकेट के नुकसान पर 193 रन बनाए। टारगेट का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसके टॉप 4 बल्लेबाज 75 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट चुके थे। उसके बाद मार्क चैपमैन और जेम्स नीशम ने न्यूजीलैंड की पारी को संभाला। दोनों के बीच नाबाद 121 रन की साझेदारी हुई। इसके साथ ही 16 साल पहले पांचवें विकेट के लिए बने साझेदारी का रिकॉर्ड भी टूट गया। यह रिकॉर्ड 2007 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जोहान्सबर्ग में खेले गए टी-20 मैच में पाकिस्तान के शोएब मलिक और मिस्बाह उल हक के नाम था। दोनों के बीच 119 रन की पार्टनरशिप हुई थी। मार्क चैपमैन ने 57 गेंदों पर 104 रन बनाए, तो जेम्स नीशाम ने 25 गेंदों पर 45 रन की पारी खेली। चैपमैन और नीशम की साझेदारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने 194 रन के लक्ष्य को 4 गेंद शेष रहते ही हासिल कर लिया। पाकिस्तान के लिए शाहीन अफरीदी और इमाद वसीम ने 2-2 विकेट लिए।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान को पहला झटका 51 रन के स्कोर पर लगा। कप्तान बाबर आजम ब्लेयर टिकनर की गेंद पर विल यंग को कैच थमाकर आउट हो गए। उन्होंने 18 गेंदों पर 19 रन बनाए। पाकिस्तान को दूसरा झटका अगले ही गेंद पर ही लगा। मोहम्मद हैरिस बिना खाता खोले ही टिकनर की गेंद पर ईश साढी को कैच देकर आउट हो गए।

एक रन बाद ही पाकिस्तान को तीसरा झटका सैम अयूब के रूप में लगा। ईश सोढी ने अपनी ही गेंद पर उनका कैच पकड़ा। उस समय स्कोर 52 रन था। उसके मोहम्मद रिजवान ने एक तरफ पारी को संभाला। उनको दूसरी तरफ से इफ्तिखार अहमद और इमाद वसीम का साथ जरूर मिला। रिजवान ने 62 गेंदों पर नाबाद 98 रन बनाए। वहीं इफ्तिखार अहमद ने 22 गेंदों पर 36 रन और वसीम ने 14 गेंदों पर 31 रन बनाए। न्यूजीलैंड की ओर से ब्लेयर टिकनर ने 3 विकेट लिए।

भारतीय हॉकी को बड़ा तोहफा

2033 तक के लिए प्रायोजक बनी ओडिशा सरकार 434.12 करोड़ रुपये में हुआ करार

खेल डेस्क, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय हॉकी टीम की आधिकारिक प्रायोजक पहले भी ओडिशा सरकार ही थी। अब यह अनुबंध अगले 10 साल के लिए बढ़ा दिया गया है। भारत की सभी टीमों की आधिकारिक प्रायोजक ओडिशा सरकार ही होगी।

ओडिशा सरकार ने भारतीय हॉकी टीम के आधिकारिक प्रायोजक के रूप में अपना अनुबंध अगले 10 साल के लिए बढ़ा दिया है। अब साल 2033 तक ओडिशा सरकार भारत की पुरुष और महिला टीम की प्रायोजक होगी। ओडिशा सरकार ने जूनियर और सीनियर दोनों स्तर पर हॉकी टीम की प्रयोजक बने रहने का फैसला किया है।

ओडिशा सरकार 2018 से भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीम की प्रायोजक रही है। भारतीय हॉकी में नई जान फूंकने में ओडिशा सरकार का बड़ा योगदान है। पिछला हॉकी विश्व कप भी ओडिशा में ही हुआ था। हालांकि, भारतीय टीम दूसरे दौर में ही हारकर बाहर हो गई थी और सेमीफाइनल में भी नहीं खेल पाई थी।

इससे पहले ओडिशा खनन निगम ने सरकार की अनुमति के बाद बतौर प्रयोजक 2018 से 2023 तक भारतीय हॉकी टीम के साथ अनुबंध किया था। भारतीय हॉकी के अध्यक्ष ने इस अनुबंध को आगे बढ़ाने की मांग की थी। इसके बाद ओडिशा सरकार की अनुमति पर ओडिशा खनन निगम ने आने वाले 10 साल के लिए अनुबंध बढ़ा दिया है। यह अनुबंध जनवरी 2033 तक मान्य रहेगा। इस दौरान हॉकी इंडिया को 434.12 करोड़ रुपये ओडिशा खनन निगम की तरफ से दिए जाएंगे।

भारतीय हॉकी टीम पिछले कुछ समय में बेहतर प्रदर्शन कर रही है। टोक्यो ओलंपिक में पुरुष टीम ने 41 साल बाद देश के लिए कोई पदक जीता था और कांस्य पदक पर कब्जा जमाया था। वहीं, महिला टीम भी सेमीफाइनल में पहुंची थी, लेकिन वहां उसे हार का सामना करना पड़ा।

ओडिशा में युवाओं के बीच हॉकी की लोकप्रियता काफी ज्यादा है। ऐसे में सरकार भारतीय हॉकी को फिर से जिंदा करना चाहती है और ओडिशा को इसका गढ़ बनाना चाहती है। इससे राज्य में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा और दुनियाभर के हॉकीप्रेमी खिलाड़ी इस राज्य का पर्यटन करना चाहेंगे। इसके अलावा युवाओं के पास इस खेल में करियर बनाने का बेहतर विकल्प भी होगा।

विराट कोहली को अनुष्का शर्मा के साथ नाचना पड़ा महंगा, निकली चीख

खेल डेस्क, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। 25 अप्रैल (एजेंसियां)। विराट कोहली का बल्ला आईपीएल 2023 में जमकर बोल रहा है लेकिन रविवार को वो राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहली गेंद पर निपट गए. वैसे पत्नी अनुष्का के साथ डांस करते हुए भी वो आउट ऑफ फॉर्म हो गए.

नई दिल्ली. विराट कोहली सिर्फ अपनी बल्लेबाजी से फैंस का मनोरंजन नहीं करते बल्कि वो ऑफ द फील्ड भी कुछ ना कुछ ऐसा करते हैं जो सुर्खियां बन जाता है. कुछ ऐसा ही विराट कोहली ने एक बार फिर किया है. विराट कोहली ने अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ डांस किया हालांकि एक डांस मूव करते हुए उन्हें लेने के देने पड़ गए. अनुष्का शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वो विराट के साथ डांस कर रही हैं. हालांकि डांस करते हुए विराट कोहली को इतना दर्द हो गया कि उनकी चीख ही निकल गई.

विराट कोहली पत्नी अनुष्का शर्मा की तरह एक गाने पर अपना घुटना मोड़कर नाच कर रहे थे. इसी दौरान उन्हें घुटने में दर्द हुआ और वो कैमरा फ्रेम से ही बाहर हो गए.विराट को अचानक दर्द में देख अनुष्का शर्मा की हंसी छूट गई. वहीं विराट के फैंस का कलेजा कांप गया.

विराट के फैंस ने अनुष्का को दे डाली नसीहत

बता दें विराट कोहली का ये वीडियो देख फैंस ने उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा को सलाह दे डाली. विराट कोहली के दर्द से फैंस डर गए. उन्होंने कमेंट कर अनुष्का शर्मा से कहा कि वो विराट कोहली से इस तरह की वीडियो ना कराएं क्योंकि अभी आईपीएल काफी बचा है और इस टूर्नामेंट के तुरंत बाद वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल है.

विराट जरा संभलकर, कहीं चोट ना लग जाए

वैसे विराट कोहली को अपना ख्याल रखना जरूरी है क्योंकि टीम इंडिया वैसे ही चोट के साइड-इफेक्ट्स झेल रही है. उसके कई बड़े खिलाड़ी चोटिल हैं. टी20 वर्ल्ड कप से पहले भी रवींद्र जडेजा को भी मौज-मस्ती करते हुए चोट लगी थी जिसके चलते वो टूर्नामेंट से ही बाहर हो गए थे. अब अगर विराट को कुछ हो गया तो टीम इंडिया इस झटके को झेल ना पाएगी.

मास्टर्स टेबल टेनिस खेलने पहुंचे अरुण सिंह का निधन

दिल का दौरा पड़ने से मौत

खेल डेस्क, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। होटल कर्मियों के सहयोग से दरवाजा खोला गया तो अरुण सिंह की हालत नाजुक थी। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया।

राष्ट्रीय मास्टर्स टेबल टेनिस टूर्नामेंट खेलने पहुंचे विश्व मास्टर्स टेबल टेनिस 2023 में कांस्य पदक जीतने वाले राजस्थान के वेटरन टेबल टेनिस खिलाड़ी अरुण सिंह का यहां निधन हो गया। वह राजस्थान टीम के साथ इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए आए थे। वह रविवार को अपने होटल में पहुंचे और शाम को चैंपियनशिप के आयोजन स्थल पर जाने वाले थे, लेकिन जब उनके साथी उन्हें लेने आए तो उन्होंने दरवाजा नहीं खोला।

होटल कर्मियों के सहयोग से दरवाजा खोला गया तो अरुण सिंह की हालत नाजुक थी। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनकी मृत्यु का कारण घातक दिल का दौरा बताया गया है। अरुण सिंह के निधन पर भारतीय टेबल टेनिस महासंघ की अध्यक्ष मेघना अहलावत ने दुख जताया है। उन्होंने राष्ट्रीय मास्टर्स टेबल टेनिस में कई खिताब जीते थे।

दिल्ली के खिलाफ मिली हार के बाद हैदराबाद के बल्लेबाजों पर जमकर बरसे ब्रायन लारा

खेल डेस्क, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में सोमवार को दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मैच खेला गया। इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने जीत दर्ज की। ये सनराइजर्स हैदराबाद की लगातार तीसरी हार थी। इसके बाद टीम के कोच ब्रायन लारा सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों से काफी नाराज दिखे और उन्हें सुधार करने की समझाइश दी।

बल्लेबाजों ने किया निराश

बता दें कि इस मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया और टीम को 144 रन ही बनाने दिए। लेकिन इस छोटे से लक्ष्य का पीछे करने उतरे बल्लेबाजों ने निराश किया। उन्होंने शुरुआत से ही धीमी पारी खेली और जीत की इरादा भी नहीं दिखाया। जिसके बाद टीम को अंतिम ओवर में प्रेशर बढ़ गया और हार का सामना करना पड़ा।

मैच के बाद टीम के कोच ब्रायन लारा ने कहा कि इतने छोटे लक्ष्य का पीछा नहीं कर पाना ठीक बात नहीं है और उन्होंने इस हार के लिए बल्लेबाजों को जिम्मेदार ठहराया। लारा ने कहा कि उन्होंने अपना आक्रामक रवैया दिखाने में काफी देर कर दी थी। उन्होंने कहा कि – 'पिच में किसी तरह की गड़बड़ी नहीं थी और हमें पूरी पारी के दौरान अधिक सक्रियता दिखानी चाहिए थी।'

उन्होंने कहा, 'हमने सब कुछ आखिर के लिए छोड़ दिया। मुझे अच्छा लगता अगर हमारे बल्लेबाज पावर प्ले का पूरा फायदा उठाते। हमने उन्हें बीच के ओवरों में विकेट लेने और हावी होने का मौका दिया।' लारा ने आगे कहा कि 'पहले 15 ओवर काफी अहम होते हैं और तब तक हमें काफी बेहतर स्थिति में होना चाहिए था।'

ब्रेट ली ने अर्जुन तेंदुलकर को लेकर किया बड़ा दावा

आलोचकों को दिया करारा जवाब

खेल डेस्क, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन ने इस सीजन मुंबई इंडियंस की तरफ से आईपीएल डेब्यू किया है। वह इस सीजन अब तक 3 मैच खेल चुके हैं। हालांकि उन्हें अपनी धीमी गति के कारण काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज ब्रेट ली अर्जुन के बचाव में उतरे हैं। जिओ सिनेमा के कार्यक्रम पर बातचीत करते हुए कहा ब्रेट ली ने अपने बयान में कहा कि 'लोग लगभग हर चीज की आलोचना करते हैं। अगर आप संदीप शर्मा को देखते हैं, तो वह 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे हैं। अर्जुन कम से कम उनसे तो तेज गेंदबाजी कर रहे हैं। वह (अर्जुन) केवल 23 साल के हैं और उनके आगे उनका पूरा करियर है। मेरी सलाह यह होगी कि आलोचकों की बात न सुनें।'

अर्जुन की तरीफ करते हुए ब्रेट ली ने आगे कहा कि 'उनके पास अद्भुत कौशल हैं। जब वह टीम के माहौल में, बड़ी रोशनी और बड़ी भीड़ के सामने गेंदबाजी करने में सहज हो जाएंगे, तो 140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करेंगे। उनकी गति बढ़ जाएगी।

सायरन के अवैध उपयोग के खिलाफ कार्रवाई करें : सीपी

वाहनों के खिलाफ नगर पुलिस द्वारा जांच अभियान शुरू

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में सायरन के अवैध उपयोग को दिखाने वाले एक ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए, हैदराबाद पुलिस आयुक्त, सीवी आनंद ने सूचित किया कि ट्रैफ़िक पुलिस इस खतरे के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाएगी और अनधिकृत सायरन का उपयोग करने वाले सभी वाहनों को हिरासत में लेगी और जब्त करेगी। रविवार को, एक पत्रकार ने एक वीडियो ट्वीट किया, जिसमें आंध्र प्रदेश के पंजीकरण वाहन को टॉलीचौकी से रेतीबावली तक सायरन बजाते हुए दिखाया गया है, जिससे रास्ते में यातायात साफ हो रहा है। अनावश्यक रूप से सड़कों पर सायरन का उपयोग करने वाले वाहनों के मुद्दे को स्वीकार करते हुए, हैदराबाद सीपी ने लिखा कि हां, हम आपसे सहमत हैं कि विविध लोगों द्वारा सायरन का यह अवैध उपयोग यातायात के बहुत सारे मुद्दों को पैदा कर रहा है और यातायात प्रवाह (एसआईसी) के रखरखाव को परेशान कर रहा है। पंजीकरण के अवैध उपयोग पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान के अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि कुछ एंबुलेंस अवैध रूप से सायरन का उपयोग कर रही हैं, भले ही वे किसी रोगी या नकली रोगियों को नहीं ले जा रहे हों। उन्होंने बताया कि इन एंबुलेंसों की भी जांच की जाएगी।

इसके अलावा, उन्होंने जनता से भी अनुरोध किया कि वे अवैध सायरन का उपयोग करने वाले ऐसे वाहनों के सबूत के साथ रिपोर्ट करते रहें। मंच पर उपयोगकर्ताओं ने शहर में यातायात से संबंधित कई अन्य चिंताओं को उठाया और शिकायत पर आयुक्त की त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना की। आयुक्त के आदेशों के बाद, हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने सोमवार को ट्रैफिक एसीपी (पूर्वी क्षेत्र) एस. संपत कुमार की देखरेख में शहर में अभियान चलाया और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज किया।

टीओएसएस एसएससी, इंटर परीक्षा : निषेधाज्ञा जारी

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ओपन स्कूल सोसाइटी (टीओएसएस) एसएससी और इंटरमीडिएट (टीओएसएस) की सार्वजनिक परीक्षा मंगलवार, 25 अप्रैल से 4 मई, 2023 तक आयोजित होने के मद्देनजर, हैदराबाद पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने सभी के लिए निषेधाज्ञा जारी की है कि 25 अप्रैल से सुबह 6 बजे से 5 मई 2023 को सुबह 6 बजे के बीच सभी टीओएसएस परीक्षा केंद्रों के पास चार या अधिक व्यक्तियों की सभा नहीं हो सकेगी।

हालांकि, ड्यूटी और अंतिम संस्कार के जुलूस में शामिल पुलिस अधिकारियों, सैन्य कर्मियों, होमगार्ड, शिक्षा विभाग के उड़न दस्ते के लिए छूट दी जाएगी। सीवी आनंद ने अपने आदेश में कहा कि सार्वजनिक शांति और व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी कानूनी रूप से नियोजित व्यक्तियों को बाधित करने या सार्वजनिक शांति में खलल डालने या दंगा भड़काने से रोकने के लिए आदेश जारी किए गए हैं।

एपी ईसीईटी 2023 परीक्षा स्थगित

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिन उम्मीदवारों ने एपी इंजीनियरिंग कॉमन एंट्रेंस टेस्ट परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया है, उन्हें ध्यान देना चाहिए कि जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय काकिंडा ने परीक्षा की तारीख 20 जून, 2023 तक के लिए स्थगित कर दी है। इससे पहले, एपी ईसीईटी 2023 परीक्षा 5 मई को आयोजित होने वाली थी। हालाँकि, निर्धारित एपी ईसेट परीक्षा दो सत्रों में सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक है और दोपहर 3 बजे शाम 6 बजे तक आयोजित की जाएगी। एपी ईसेट पेपर वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों के साथ 200 अंकों का होगा और वैकल्पिक विषय के रूप में गणित के साथ प्रत्येक स्ट्रीम, यानी इंजीनियरिंग, फार्मेसी और बीएससी के लिए अंक वितरित किए जाएंगे। जेएनटीयूविल ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर प्रत्येक स्ट्रीम के लिए पाठ्यक्रम जारी किया है।

एपी ईसीईटी के लिए आवेदन10 अप्रैल, 2023 को समाप्त हो गया। एपी ईसीईटी परीक्षा में उपस्थित होने के लिए, एक उम्मीदवार के पास इंजीनियरिंग में डिप्लोमा में यूआर श्रेणी में न्यूनतम 45 अंक और आरक्षित श्रेणी में 40 अंक होने चाहिए।

सीएमएसटीईआईएस इकाइयों के लिए संपत्ति कर में छूट : केटीआर

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। यह कहते हुए कि सरकारों ने महसूस किया है कि राज्यों में निवेश प्राप्त करने के लिए उद्यमिता का कोई विकल्प नहीं है, उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने कहा कि सीएम एसटी उद्यमिता और नवाचार योजना (सीएमएसटीईआईएस) के तहत स्थापित इकाइयों के लिए संपत्ति कर भुगतान से छूट दी जाएगी। 2017 में योजना की शुरुआत के बाद से अब तक 300 एसटी उम्मीदवारों को आईएसबी में प्रशिक्षित किया गया है। इनमें से 95 अभ्यर्थियों को अपनी इकाइयां स्थापित करने के लिए 108.03 करोड़ रुपये की सहायता स्वीकृत की गई। अन्य 77 उम्मीदवारों के प्रस्ताव वर्तमान में बैंक सहायता स्वीकृति चरण के तहत है। इस बात पर जोर देते हुए कि उद्यमी बनने के लिए इससे बेहतर कोई समय नहीं है, मंत्री ने नवोदित एसटी उद्यमियों से आत्म-संदेह से प्रभावित नहीं होने और राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए जा रहे अवसरों का अच्छा उपयोग करने की अपील की।

सोमवार को यहां सीएमएसटीईआईएस और एमएसएमई स्कीम एसेट डिस्ट्रीब्यूशन प्रोग्राम में बोलते हुए उन्होंने याद दिलाया कि 2001 में जब मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने अलग राज्य आंदोलन शुरू किया था, तब उनके पास न मीडिया की ताकत थी, न बाहुबल और न ही वित्तीय सहायता। लेकिन अपने दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ, मुख्यमंत्री ने एक अलग तेलंगाना हासिल किया, उन्होंने कहा।

मंत्री ने कहा कि आजादी के 75 साल बाद भी दूरदर्शिता और नेतृत्व की कमी के कारण दुनिया भर में नवोन्मेषी उत्पादों का बोलबाला नहीं रहा। 1987 में, चीन और भारत की जीडीपी समान थी, लेकिन 36 वर्षों के बाद, चीन आज 18 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था है और भारत अभी भी 3.4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि जहां चीन का ध्यान विकास और सर्वश्रेष्ठ देशों के साथ प्रतिस्पर्धा पर है, वहीं भारत सांप्रदायिक और धार्मिक गड़बड़ी से त्रस्त है।

रविवार को यहां एक जनसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की तेलंगाना पर की गई टिप्पणी पर कटाक्ष करते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य में आने वाले राजनीतिक पर्यटक मुख्यमंत्री को सत्ता से बेदखल करने का अवसर तलाशते हैं। रामा राव ने कहा कि लेकिन जब एक भाजपा शासित राज्य का नाम लेने की चुनौती दी गई, जिसने पिछले नौ वर्षों में तेलंगाना से बेहतर प्रदर्शन किया है, तो वे चुप रहे।

नौ वर्षों में, तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय 1.24 लाख से 3.17 लाख रुपये बढ़ी और यह भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नंबर एक स्थान पर है। फिर भी, राजनीतिक पर्यटक तेलंगाना की उपलब्धियों के बारे में स्वीकार या बात नहीं करते हैं। जब तेलंगाना ने प्रति व्यक्ति आय में 162 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है, तो अन्य राज्य समान वृद्धि क्यों हासिल नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि जहां लोग पानी, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं, वहीं केंद्र सरकार इन महत्वपूर्ण मुद्दों को दरकिनार कर राजनीतिक हितों पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

मंत्री ने आगे कहा कि 24 अप्रैल को पंचायतीराज दिवस के रूप में मनाया गया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना, जहां भारत की आबादी का तीन प्रतिशत से भी कम है, ने पंचायत राज मंत्रालय द्वारा घोषित 30 प्रतिशत पुरस्कार प्राप्त किए। उन्होंने पूछा कि क्या यह विकास के लिए एक उदाहरण नहीं है? तेलंगाना ने 3,146 गिरिजन थानों और गुडेमों को पंचायतोंमें अपग्रेड किया है और उन सभी पंचायतों में पानी के टैंकर, ट्रॉली और अन्य सभी सुविधाएं है।

एसटी उद्यमियों की सराहना करते हुए, मंत्री चाहते हैं कि वे जिलों में उभरते उद्यमियों को संबोधित करें और उन्हें प्रेरित करें। उन्होंने उनसे टी-हब, टी-वर्क्स और वी-हब का दौरा करने और अपने व्यवसाय को बढ़ाने के सभी अवसरों का पता लगाने का भी आग्रह किया।

आसिफाबाद के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि

कुमराम भीम आसिफाबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि और तेज हवाएं चलीं, कई जगहों पर बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई और कुछ जगहों पर पेड़ उखड़ने से यातायात प्रभावित हुआ। कागजनगर, बेजजुर, सिरपुर (टी), बेजूर, लिंगापुर, केरामेरी और पेंचीकलपेट मंडलों में तेज़ हवाओं के साथ ओलावृष्टि देखी गई। नतीजतन, इन मंडलों के गांवों में बिजली की आपूर्ति बाधित हो गई। आंधी के कारण पेड़ गिर जाने से सिरपुर (टी)-कागजनगर शहर के बीच सड़क पर कुछ देर के लिए ट्रैफिक जाम हो गया। इन मंडलों को बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई है। इस बीच, दो अलग-अलग घटनाओं में लिंगापुर मंडल और सिरपुर (टी) मंडल के वेमपल्ली गांव में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो बैलों की मौत हो गई।

शख्स ने रेशम और चांदी के धागों से बुनी सचिन तेंदुलकर व पत्नी अंजलि की तस्वीर

राजन्ना-सिरिसिल्ला, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिरसिल्ला के एक बुनकर वेल्डी हरिप्रसाद, जो पहले हाथ से बुने हुए जी20 लोगो के साथ सुर्खियां बटोर चुके थे, एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार रेशम और चांदी धागे का उपयोग करके क्रिकेट के वादशाह सचिन तेंदुलकर और उनकी पत्नी अंजलि तेंदुलकर की हथकरघा तस्वीर बुनी है। 170 ग्राम चांदी की 'जरी' के साथ 20 दिनों में बुनी गई 290 ग्राम की तस्वीर, हैदराबाद में तेंदुलकर के दोस्त और पूर्व क्रिकेटर वी. चामुंडेश्वरनाथ को सौंपी गई है। बाद वाला इसे सोमवार शाम को गोवा में अपने जन्मदिन समारोह में तेंदुलकर को जन्मदिन के उपहार के रूप में पेश करेगा। कपड़े पर बुनी गई तस्वीर के अलावा तेंदुलकर के लिए बुना गया रेशम का कुर्ता और पायजामा सेट भी उपहार का हिस्सा है। हरिप्रसाद ने देश के सर्वकालिक पसंदीदा क्रिकेटिंग आइडल की तस्वीर बुनने में सक्षम होने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

हरिप्रसाद ने पहले श्री रामनवमी के अवसर पर भद्राद्री की देवी सीता के लिए एक 'पट्टू पीतांबरम' साड़ी बुनी थी। 750 ग्राम की साड़ी को 600 ग्राम रेशम के धागे और 150 ग्राम चांदी की जरी से 20 दिनों में बनाया गया था।

राज्यपाल ने एक लंबित विधेयक को खारिज कर दिया

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन ने राज्य सरकार के साथ जारी अनबन के बीच अपने पास लंबित तीन विधेयकों में से एक को खारिज कर दिया है। उन्होंने तेलंगाना लोक रोजगार (सेवानिवृत्ति की आयु का विनियमन) (संशोधन) विधेयक को खारिज कर दिया। सरकारी मेडिकल कॉलेजों के प्रोफेसरों, एसोसिएट प्रोफेसरों और सहायक प्रोफेसरों की श्रेणियों में चिकित्सा शिक्षा निदेशक और चिकित्सा शिक्षा के अतिरिक्त निदेशक को शामिल करने और सेवानिवृत्ति की आयु 61 वर्ष से बढ़ाकर 65 राज्य विधानमंडल द्वारा पारित किया गया था। यह विकास उच्चतम न्यायालय द्वारा राज्य सरकार की याचिका पर फिर से सुनवाई शुरू करने से पहले हुआ, जिसमें राज्यपाल को उनके पास लंबित विधेयकों पर निर्णय लेने का निर्देश देने की मांग की गई थी। कुछ दिनों पहले सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया गया था कि तेलंगाना राज्य निजी विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) (संशोधन विधेयक, तेलंगाना नगरपालिका कानून (संशोधन) विधेयक, और तेलंगाना सार्वजनिक रोजगार (अधिवर्षिता की आयु का विनियमन) (संशोधन) विधेयक के तहत थे। यह भी बताया गया कि राज्यपाल ने तीन विधेयकों पर अपनी सहमति दे दी है. वे तेलंगाना मोटर वाहन कराधान (संशोधन) विधेयक, तेलंगाना नगर पालिका (संशोधन विधेयक), और प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक हैं। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेस्ट्री तेलंगाना बिल और तेलंगाना यूनिवर्सिटीज कॉमन रिक्रूटमेंट बोर्ड बिल को राष्ट्रपति के पास उनके विचार और सहमति के लिए भेजा। शीर्ष अदालत को बताया गया कि राज्यपाल ने तेलंगाना पंचायत राज (संशोधन) विधेयक के संबंध में राज्य सरकार से कुछ स्पष्टीकरण मांगा था। यह भी बताया गया कि विधि विभाग द्वारा आजमाबाद औद्योगिक क्षेत्र (पट्टे की समाप्ति एवं नियमन) (संशोधन) विधेयक अभी तक राज्यपाल को विचारार्थ प्रस्तुत नहीं किया गया है। सुप्रीम कोर्ट राज्य सरकार की एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें राज्यपाल को उनके पास लंबित विधेयकों पर निर्णय लेने का निर्देश देने की मांग की गई थी। एक रिट याचिका में, राज्य सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के ध्यान में लाया कि 10 विधेयक राजभवन के पास लंबित हैं। जबकि सात बिल सितंबर 2022 से लंबित थे, तीन बिल राज्यपाल को उनकी मंजूरी के लिए फरवरी में भेजे गए थे। याचिका में सुप्रीम कोर्ट से राज्यपाल द्वारा की गई देरी को अवैध, अनियमित और असंवैधानिक घोषित करने की गुहार लगाई गई थी। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने 10 लंबित विधेयकों में से केवल तीन को मंजूरी देने के लिए राज्यपाल की आलोचना की।

सड़क हादसे में दो किशोरों की मौत

जगतियाल, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कोडिम्याल मंडल के दमैयाहपेट के बाहरी इलाके में रविवार रात हुए एक सड़क हादसे में दो किशोरों की मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब दोनों सवार बाइक सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। तिरमालापुर के पिट्टाला राजेंदर (18) और सैंड्रापल्ली कोडिम्याल मंडल के पेंकसुला अक्षय (19) की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, राजेंदर और अक्षय पेद्दाम्मा बोनालु उत्सव में भाग लेने के लिए दमैयापेट में अपने दोस्त के घर गए थे। अपने पैतृक स्थानों पर लौटते समय, वे दुर्घटना का शिकार हुए। अक्षय की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि राजेंद्र ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। जहां अक्षय ने हाल ही में अपनी डिग्री द्वितीय वर्ष की परीक्षा दी थी, वहीं राजेंद्र ने प्रथम वर्ष की परीक्षा दी थी। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जगतियाल अस्पताल भेज दिया।

बेमौसम बारिश से फसल को हुए नुकसान की जानकारी दी जाए : सीएस

जिला कलेक्टरों के साथ शांति कुमारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बेमौसम बारिश से विभिन्न जिलों में हुई फसल क्षति को लेकर मुख्यमंत्री के निर्देश पर मुख्य सचिव ने आज शाम जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग की। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में बेमौसम बारिश से हुई फसल क्षति का ब्यौरा एक मई तक प्रस्तुत करें। इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में कृषि विभाग के सचिव रघुनंदन राव, आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव राहुल बोझा, पंचायत राज विभाग के आयुक्त हनुमंत राव ने भाग लिया। प्रत्येक मंडल के लिए विशेष अधिकारी नियुक्त किए गए और फसल क्षति का विवरण प्रस्तुत करने को कहा गया है। पूर्व में हुई फसल क्षति के संबंध में बताया गया है कि राज्य के मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार आज से मुआवजा वितरण किया जायेगा। प्रदेश में अभी कुछ दिन और आंधी चलने की संभावना है, ऐसे में अनाज संग्रहण केंद्रों में धान के दाने को भीगने से बचाने के लिए उचित उपाय करने का आदेश दिया गया है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.